वार्षिक रिपोर्ट

1994-1995

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

दिसंबर 1995
अग्रहायण 1917
PD 5H GR

आवरण और सज्जाकार : वीनू संदल

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैम्पस	सी.डब्ल्यू.सी. कैम्पस	नवजीवन ट्रस्ट भवन	सी.डब्ल्यू.सी. कैम्पस
श्री अरविंद मार्ग	चितलापक्कम, क्रोमपेट	डाकघर नवजीवन	32, बी.टी. रोड, सुखचर
नई दिल्ली 110016	**मद्रास 600064**	**अहमदाबाद 380014**	**24 परगना 743179**

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा सरपॉल प्रिंटिंग प्रैस, 64, म्युनिसिपल मार्किट, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली 110 001 द्वारा लेज़र टाईपसेट होकर, निखिल ऑफसेट, 223, डी.एस.आई.डी.सी.शेड्स, ओखला फेज-1, नई दिल्ली 110 020 द्वारा मुद्रित।

गांधी जी का जन्तर

तुम्हें एक जन्तर देता हूं। जब भी तुम्हें सन्देह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ :

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शकल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा ? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा ? यानि क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है ?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा सन्देह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

मो० क० गांधी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

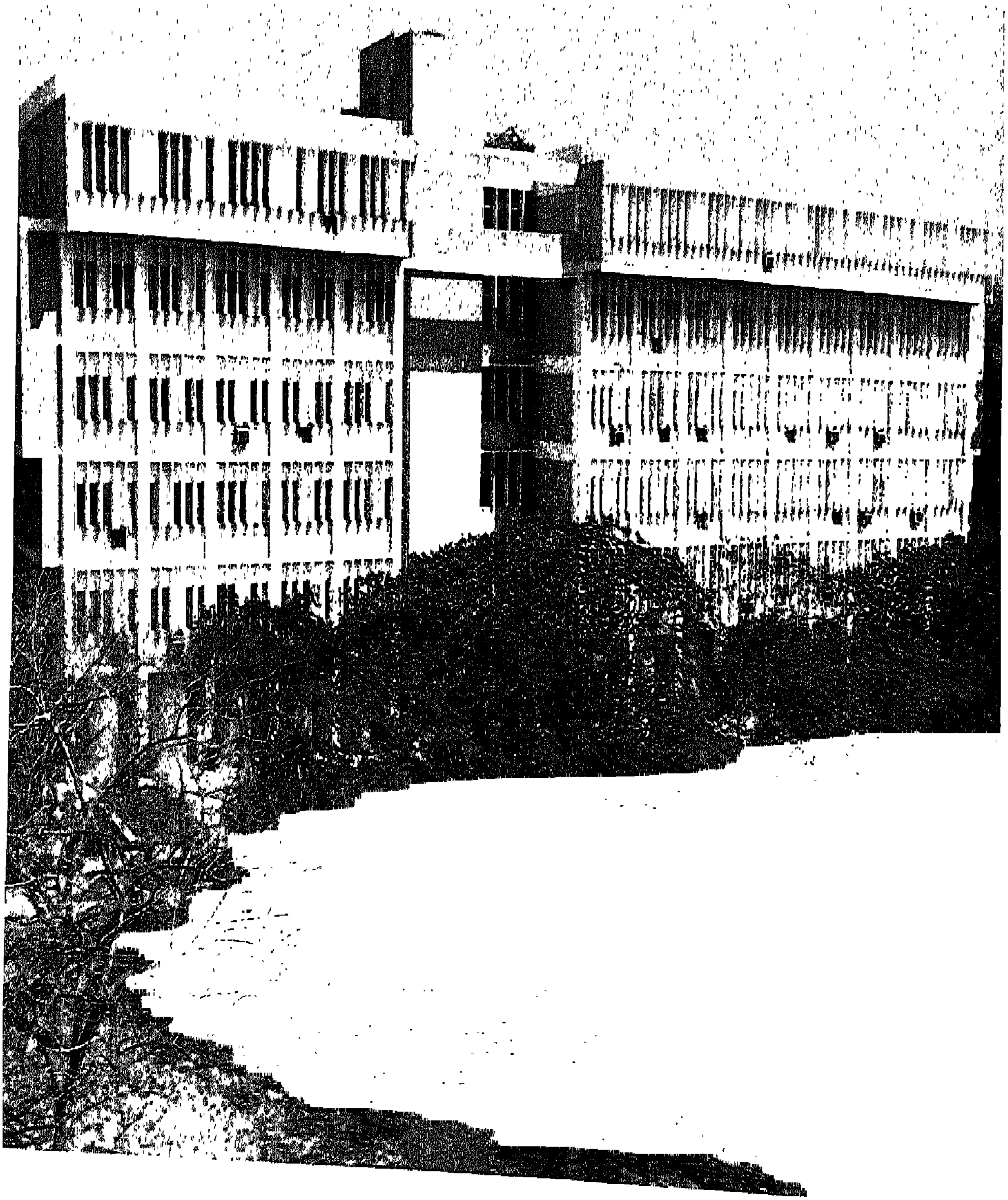
'प्रतीक' में तीन हंस चित्रित किए गए हैं जो कि विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण और परिषद् के अनुसंधान और विकास, प्रशिक्षण और विस्तार कार्यों को प्रदर्शित करते हैं।

मोनोग्राम में परस्पर आवेष्टित हंस, रा.शै.अ.प्र.प., के कार्य के तीनों पहलुओं के एकीकरण के प्रतीक हैं अर्थात् (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, और (iii) विस्तार और प्रसार। यह डिज़ाइन, कर्नाटक के रायचूर जिले में मस्के के निकट हुई खुदाई से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी सदी के अशोक युगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाई गई है।

'विद्याऽमृतमश्नुते' आदर्श वाक्य ईशावास्य उपनिषद् से लिया गया है जिसका अर्थ है – विद्या से अमरत्व मिलता है।

विषय-सूची

बॉक्स की सामग्री



आभार

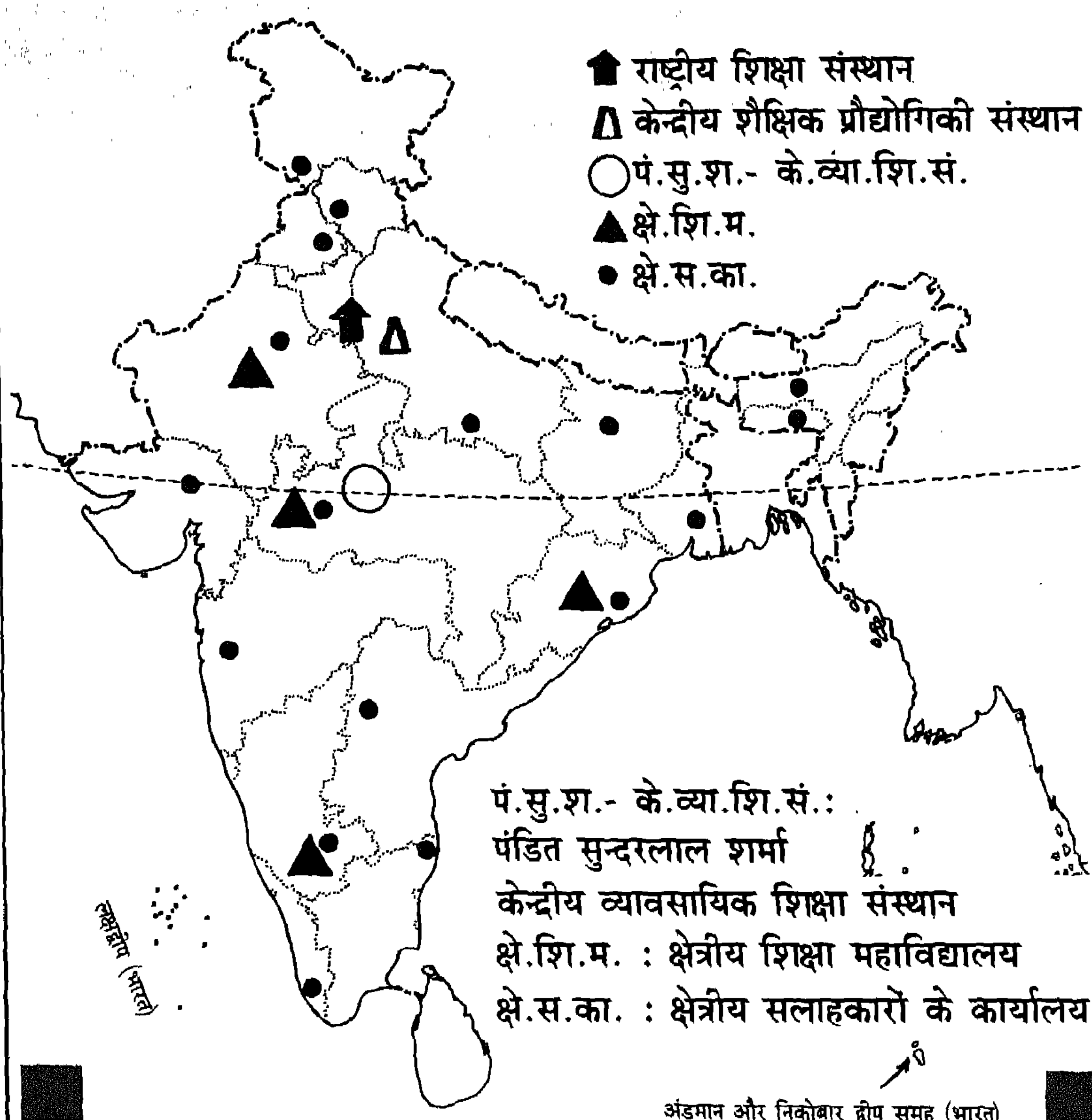
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प्र.) श्री माधवराव सिंधिया, परिषद् के अध्यक्ष, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री और कु. शैलजा, उपमंत्री (शिक्षा और संस्कृति) के प्रति उनके मार्गदर्शन के लिए आभारी है। परिषद् के कार्यों में गहन रुचि लेने और सहायता प्रदान करने के लिए परिषद् अपने सामान्य निकाय तथा कार्यकारिणी समिति के अन्य विशिष्ट सदस्यों के प्रति कृतज्ञ है।

परिषद् उन विशेषज्ञों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करती है, जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय देकर इसकी विभिन्न समितियों में कार्य किया तथा अनेक प्रकार से सहायता प्रदान की। राज्य शिक्षा संस्थानों, माध्यमिक शिक्षा बोर्डो, उच्चतर माध्यमिक/इण्टरमीडिएट/विश्वविद्यालय पूर्व बोर्डों सहित वे सभी संगठन और संस्थाएं भी धन्यवाद के पात्र है जिन्होंने परिषद् को शिक्षा में भागीदारी के उद्देश्य की भावना से सहयोग देकर उसके कार्याकलापों को कार्यान्वित करने में पूरी सहायता प्रदान की।

रा.शै.अ.प्र.प. यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी., यू.एन.एफ.पी.ए., विश्व बैंक तथा ब्रिटिश कांउसिल के प्रति भी सम्मान व्यक्त करती है, जिन्होंने अपने प्रायोजित कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में परिषद् को पूरा-पूरा सहयोग दिया। परिषद् अपने स्टाफ के सभी सदस्यों के प्रति भी हर स्तर पर किए गए कार्य के लिए अपना आभार प्रकट करती है, जिनके सहयोग और निष्ठा के बिना कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन असंभव था। परिषद् उन हजारों अध्यापकों, विद्यालयों, अभिभावकों और ऐसे अनेक व्यक्तियों के प्रति भी धन्यवाद एवं कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती है जिन्होंने परिषद् के 1994-95 के प्रकाशनों और कार्यक्रमों के बारे में अपने विचार प्रकट करते हुए परिषद् के विभिन्न संघटकों को अनेक पत्र भेजे जो निरंतर बेहतर कार्य करने के प्रेरणा स्रोत बने रहे।

रिपोर्ट का प्रारूप डा.जे.डी.शर्मा, रा.शै.अ.प्र.प. के योजना, कार्यक्रम, अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग द्वारा तैयार किया तथा सुश्री वीनू संदल ने इसकी सज्जा और बनावट की है और इसका प्रकाशन, प्रकाशन प्रभाग द्वारा संपन्न हुआ। इस रिपोर्ट को यह स्वरूप प्रदान करने में सभी का बहुमूल्य योगदान रहा है।

रा.शै.अ.प्र.प. के संघटकों की स्थिति



Based upon Survey of India Outline Map printed in 1987.
The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
The boundary of Meghalaya shown on this map is as interpreted from the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, but has yet to be verified.
Responsibility for correctness of internal details shown on the map rests with the publisher.

अध्याय 1

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

विद्यालयी शिक्षा संबंधी शीर्षस्थ संसाधन-संगठन

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.) एक शीर्षस्थ संसाधन संगठन है। इसकी स्थापना शिक्षा विशेषकर विद्यालयी शिक्षा से संबंधित विषयों पर केन्द्र और राज्य सरकारों को परामर्श और सहायता देने के लिए भारत सरकार द्वारा की गई थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

परिषद् नई दिल्ली, अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसूर में स्थित अपने घटकों के माध्यम से विद्यालयी शिक्षा में सुधार के लिए अकादमिक और तकनीकी सहायता प्रदान करती है।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) : अपने विभिन्न विभागों के माध्यम से पाठ्यचर्या के अध्यापन संबंधी पक्षों पर अनुसंधान और विकास के कार्यक्रम चलाता है, आद्य-पाठ्यचर्यात्मक और दूसरी पूरक अनुदेश सामग्री तैयार करता है। विद्यालयी शिक्षा से संबंधित आँकड़ा-आधार विकसित करता है तथा विद्यालय-पूर्व, प्रारंभिक और

माध्यमिक स्तरों पर छात्रों के चौमुखी विकास के लिए प्रायोगिक कार्य करता है। संस्थान केन्द्र द्वारा प्रायोजित विद्यालय-सुधार योजनाओं से जुड़े प्रमुख संसाधन व्यक्तियों और अध्यापक-शिक्षकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण भी आयोजित करता है।

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) भी नई दिल्ली में ही स्थित है। यह शैक्षिक माध्यमों से संबंधित अनुसंधान, विकास प्रशिक्षण, उत्पादन और विस्तार के कार्यक्रम चलाता है तथा राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिक संस्थानों को अकादमिक व तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

भोपाल में स्थित पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा संबंधी अनुसंधान और विकास के कार्यक्रम आयोजित करता है।

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.)* अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसरू में स्थित हैं। ये राज्य और जिला स्तर के अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों को विद्यालयी शिक्षा संबंधी सेवाकालीन प्रशिक्षण सहायता प्रदान करते हैं। ये महाविद्यालय एक सीमा तक विज्ञान और गणित के अध्यापन के लिए विद्यालय अध्यापकों को तथा प्रारंभिक अध्यापक-प्रशिक्षण संस्थाओं के लिए अध्यापक-शिक्षकों को सेवापूर्व वृत्तिक प्रशिक्षण भी प्रदान करते हैं।

परिषद् के 17 क्षेत्रीय कार्यालय हैं जो अधिकतर राज्यों की राजधानियों में स्थित हैं। ये राज्यों में विद्यालयी शिक्षा की समस्याओं और मुद्दों पर शिक्षा विभागों और अन्य संबद्ध संस्थाओं के साथ शैक्षिक संबंध स्थापित करते हैं तथा राज्यों को परिषद् की गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी देते हैं।

---

* *अप्रैल 1995 में इनका नाम बदल कर रा.शै.अ.प्र.प. के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आर.आई.ई.) कर दिया गया है।*

परिषद् के राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों के विशिष्ट सरोकार

विभाग	शैक्षिक सरोकार
विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.)	विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक चरण के शिक्षार्थियों और अध्यापकों की समस्याएं और मुद्दे; आद्य-पाठ्यचर्यात्मक सामग्री का विकास
अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.)	विद्यालय न जाने वाले शिक्षार्थियो, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के शिक्षार्थियों तथा अनौपचारिक केन्द्रों के अनुदेशको के मुद्दे और समस्याएं; अनौपचारिक शिक्षा के लिए आद्य-पाठ्यचर्यात्मक सामग्री का विकास
महिला अध्ययन विभाग (डी. डब्ल्यू. एस.)	बालिकाओं और अध्यापिकाओं की विशेष समस्याएं
सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)	शिक्षार्थियों और अध्यापकों के लिए सामाजिक विज्ञानों और मानविकी आद्य-पाठ्यचर्यात्मक सामग्रियो के विकास के मुद्दे और समस्याए
विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)	शिक्षार्थियों और अध्यापकों के लिए विज्ञान और गणित की आद्य-पाठ्यचर्यात्मक सामग्रियों के विकास के मुद्दे और समस्याएं
अध्यापक शिक्षा और विशेष शिक्षा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.)	विकलाग बच्चे की समन्वित शिक्षा समेत विभिन्न विद्यालयी दशाओं में कार्यरत अध्यापकों के प्रशिक्षण की पद्धति संबंधी अध्यापन से जुड़ी समस्याएं और मुद्दे; प्रशिक्षण अनुदेशी सामग्रियों का विकास
शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.)	पाठ्यचर्या-विकास के मनोवैज्ञानिक पक्ष; शिक्षार्थियों के चौमुखी विकास के लिए अध्यापक–प्रशिक्षण
मापन, मूल्याकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.)	परीक्षा-सुधार के मापन और मूल्यांकन से जुड़े मुद्दे और समस्याएं; सतत् व्यापक मूल्यांकन और विद्यालयी शिक्षा के सर्वेक्षण

परिषद् के राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों के विशिष्ट सरोकार(Contd.)	
विभाग	*शैक्षिक सरोकार*
पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग	शैक्षिक सूचनाओं का प्रलेखन, पुस्तकालयी सेवाओं की व्यवस्था
कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू.डी.)	आद्य-शैक्षिक उपकरणों का विकास
विस्तार और क्षेत्र सेवा विभाग (डी.ई.एफ.एस.)	शैक्षिक विस्तार क्षेत्रीय कार्यालयों का समन्वय, शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के लिए क्षेत्र-आधारित सघन कार्यक्रम, संशोधित सामुदायिक गान योजना का क्रियान्वयन
अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.)	दूसरे देशों की शिक्षा संस्थाओं से अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का समन्वय, राष्ट्रीय विकास दल के लिए अकादमिक सचिवालय की तरह काम करना
प्रकाशन विभाग (पी.डी.)	अनुदेशी और पूरक सामग्रियों, पत्रिकाओं और शोध-विनिबंधों का प्रकाशन
योजना, प्रोग्रामिंग, अनुवीक्षण और मूल्यांकन विभाग (पी.पी.एम.ई.डी.)	शैक्षिक कार्यक्रमों के निरूपण का समन्वय, अनुवीक्षण कार्यक्रमों का क्रियान्वयन, लक्ष्य वर्गों कार्यक्रमों के उपयोग का मूल्यांकन, परिषद् के घटकों के कार्यक्रमों के प्रभाव का आकलन
शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक)	परिषद् तथा देश की दूसरी शिक्षा संस्थाओं में विद्यालय सुधार से संबंधित शैक्षिक अनुसंधान को प्रोत्साहन, समन्वय, आयोजन और उनके लिए धन की व्यवस्था

कार्यक्रम और गतिविधियाँ

रा.शै.अ.प्र. परिषद् निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं कार्यकलापों का संचालन करती है :

अनुसंधान

विद्यालयी शिक्षा के अनुसंधान की शीर्षस्थ राष्ट्रीय संस्था होने के नाते परिषद् अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य करती है, जैसे -अनुसंधान संबंधी कार्यकलाप करना और उन्हें सहायता देना, तथा शैक्षिक अनुसंधान पद्धति संबंधी प्रशिक्षण देना।

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) के विभिन्न विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) और पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई.) विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित अनुसंधान कार्यक्रमों का संचालन करते हैं।

अनुसंधानों का स्वयं संचालन करने के अतिरिक्त परिषद् अन्य व्यक्तियों एवं संगठनों को वित्तीय सहायता तथा अकादमिक सलाह देकर उनके अनुसंधान कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करती है। पी.एच.डी. शोध-प्रबंधों के प्रकाशन हेतु परिषद् द्वारा विद्वानों को सहायता प्रदान की जाती है। परिषद् विद्यालयी शिक्षा संबंधी अध्ययनों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान अध्येता वृत्तियाँ भी प्रदान करती है, ताकि विकास, प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रमों के लिए शोध का एक आधार बनाया जा सके।

अनुसंधानों का स्वयं संचालन करने के अतिरिक्त परिषद् अन्य व्यक्तियों एवं संगठनों को वित्तीय सहायता तथा अकादमिक सलाह देकर उनके अनुसंधान कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करती है।

परिषद् देश में शैक्षिक अनुसंधानों का आयोजन भी करती है। परिषद् में आँकड़ों के भंडारण, संसाधन एवं उन्हें पुनः प्राप्त करने के लिए कम्प्यूटर सुविधाएं हैं। यह अंतर्देशीय अनुसंधान परियोजनाओं में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के अभिकरणों से सहयोग करती है।

विकास कार्य

परिषद् के मुख्य विकास संबंधी कार्य विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री तैयार करना, उन्हें नवीन रूप देना तथा बच्चों एवं समाज की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है।

विद्यालयी शिक्षा के विकास संबंधी कार्यकलाप परिषद् के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। परिषद् के मुख्य विकास संबंधी कार्य विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री तैयार करना, उन्हें नवीन रूप देना तथा बच्चों एवं समाज की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है। परिषद् के नवाचार संबंधी विकास के कार्यकलापों में विद्यालय-पूर्व शिक्षा, औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के व्यावसायीकरण तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री का विकास भी सम्मिलित है। शैक्षिक-प्रौद्योगिकी, जनसंख्या शिक्षा एवं विकलांगों तथा अन्य विशेष वर्गों की शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास कार्य किए जाते हैं।

परिषद् का एक प्रमुख कार्य पूर्व-प्राथमिक, प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर तथा व्यावसायिक शिक्षा, मार्गदर्शन परामर्श तथा विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में भी अध्यापकों को सेवा-पूर्व और सेवा-कालीन

प्रशिक्षण प्रदान करना है। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में विषय-वस्तु और शिक्षण विधि का एकीकरण, वास्तविक कक्षा-व्यवस्था में अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों का दीर्घकालीन प्रशिक्षण तथा समुदाय कार्यों में छात्रों की प्रतिभागिता जैसी कुछ नवीन विशेषताएँ शामिल की गई हैं। परिषद् राज्य तथा राज्य स्तरीय संस्थाओं के प्रमुख कार्मिकों और अध्यापक शिक्षकों तथा सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य भी करती है।

परिषद् राज्य तथा राज्य स्तरीय संस्थाओं के प्रमुख कार्मिकों और अध्यापक शिक्षकों तथा सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य भी करती है।

विस्तार कार्य

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के व्यापक शैक्षिक विस्तार कार्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कई विभाग तथा राज्यों के क्षेत्रीय सलाहकारों के कार्यालय अनेक प्रकार से कार्यरत हैं। परिषद् राज्यों के विभिन्न संगठनों तथा संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करती है तथा विभिन्न कार्मिक वर्गों; जैसे-अध्यापकों, अध्यापक प्रशिक्षकों, शैक्षिक प्रशासकों, प्रश्न-पत्र तैयार करने वालों तथा पाठ्यपुस्तकों के लेखकों आदि को सहायता प्रदान करने के लिए विस्तार सेवा विभागों, विद्यालयों और महाविद्यालयों के अध्यापक प्रशिक्षण केन्द्रों के साथ व्यापक रूप से कार्य करती है।

ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि कार्यक्रमों से संबद्ध कार्यकर्त्ता वहाँ पहुँचें जहाँ विशेष समस्याएँ हैं तथा जिनके लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है।

विस्तार कार्यों के अंतर्गत नियमित रूप से शैक्षिक विषयों पर सम्मेलन, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि कार्यक्रमों से संबद्ध कार्यकर्त्ता वहाँ पहुंचें जहाँ विशेष समस्याएँ हैं तथा जिनके लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। परिषद् विकलांग एवं समाज के सुविधा-विहीन वर्गों की शिक्षा के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करती है। परिषद् के विस्तार कार्यक्रम में सभी राज्य एवं संघ-शासित क्षेत्र सम्मिलित हैं।

प्रकाशन और प्रसार

रा.शै.अ.प्र. परिषद् कक्षा 1 से 12 तक के विभिन्न विद्यालयी विषयों की पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करती है। यह अभ्यास-पुस्तिकाएं, अध्यापक मार्गदर्शिकाएं, पूरक पाठमालाएं, अनुसंधान रिपोर्टें आदि भी प्रकाशित करती है। इसके अतिरिक्त यह अध्यापक-शिक्षकों, अध्यापक-प्रशिक्षणार्थियों एवं सेवारत अध्यापकों के उपयोग हेतु शिक्षा-सामग्री भी प्रकाशित करती है। शोध एवं विकास की प्रक्रिया के अंतर्गत तैयार यह शिक्षा सामग्री राज्यों एवं संघ-शासित क्षेत्रों के विभिन्न संगठनों के लिए आदर्श सामग्री के रूप में काम करती है। यह राज्य स्तरीय संगठनों को अपनाने एवं/या अनुकूलन हेतु उपलब्ध कराई जाती है। ये पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में प्रकाशित की जाती हैं।

परिषद् शैक्षिक जानकारी के प्रसार के लिए छः पत्रिकाएँ प्रकाशित करती हैं। "प्राइमरी टीचर" अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं में प्रकाशित की जाती है और इसका लक्ष्य सीधे कक्षा में उपयोग के लिए प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों को सार्थक एवं उपयुक्त सामग्री प्रदान करना है। "स्कूल साइंस" विज्ञान शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा के लिए खुला मंच प्रदान करती है। "जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन" समकालीन शैक्षिक विषयों पर चर्चा के माध्यम से शिक्षा में मौलिक और आलोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करती है। "इंडियन एजुकेशनल रिव्यू" में शोध लेख होते हैं और यह शिक्षा में अनुसंधानकर्ताओं को मंच प्रदान करती है। "भारतीय आधुनिक शिक्षा" हिंदी में प्रकाशित की जाती है तथा समकालीन विषयों पर शिक्षा में आलोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करने तथा शैक्षिक समस्याओं और व्यवहारों के लिए विचारों को प्रसारित करने के उद्देश्य से एक मंच प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त परिषद् की पत्रिका "एन.सी.ई.आर.टी. न्यूज लैटर" हर मास अंग्रेजी और हिन्दी में प्रकाशित की जाती हैं। इसका हिन्दी संस्करण "शैक्षिक दर्पण" के नाम से निकलता है।

शोध एवं विकास की प्रक्रिया के अंतर्गत तैयार यह शिक्षा सामग्री राज्यों एवं संघ-शासित क्षेत्रों के विभिन्न संगठनों के लिए आदर्श सामग्री के रूप में काम करती है।

अनुदेशी सामग्री का मूल्यांकन

विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य अनुदेशी सामग्री का निरंतर मूल्यांकन किया जाता है, विशेष रूप से राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से। इस उद्देश्य के लिए मानदंड, साधन एवं तकनीकें विकसित की गई हैं। विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों के अकादमिक और आकार-प्रकार संबंधी पहलुओं के मूल्यांकन के लिए भी मार्गदर्शक सिद्धांत और पद्धतियाँ निर्धारित की गई हैं। इनके संबंध में उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रतिज्ञान, पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य शिक्षासामग्री के संशोधन में सहायक सिद्ध होता है।

...विकासशील देशों ...शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए संबद्ध कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं में भागीदारी के माध्यम से प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करती रही है।

रा.शै.अ.प्र. परिषद् विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं के अध्ययन तथा विकासशील देशों के कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करने के लिए यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी. और यू.एन.एफ.पी.ए. जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर कार्य करती है। यह ए.पी.ई.आई.डी. (यूनेस्को) के सहयोगी केन्द्रों में से एक है। यह शैक्षिक नवाचार हेतु राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) के सचिवालय के रूप में कार्य करती है। परिषद् विकासशील देशों के शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए संबद्ध कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं में भागीदारी के माध्यम से प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करती रही है।

परिषद्, विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार तथा अन्य राष्ट्रों के बीच तय किए गए द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिए मुख्य संगठन के रूप में कार्य करती है। इस संबंध में परिषद् भारतीय आवश्यकताओं से संबद्ध विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन करने के लिए अन्य देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजती है तथा अन्य देशों के विद्वानों के लिए प्रशिक्षण एवं अध्ययन दोनों की व्यवस्था करती है। अन्य देशों से शैक्षिक सामग्री का आदान-प्रदान भी किया जाता है। अनुरोध करने पर परिषद् अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, बैठकों, परिसंवादों आदि में भाग लेने के लिए अपने संकाय सदस्यों को भेजती हैं।

कार्यक्रमों के निरूपण की पद्धति

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या का ढाँचा परिषद् के तथा राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों के शिक्षा विभागों के दीर्घकालिक और अल्पकालिक शैक्षिक कार्यक्रमों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक का काम करता है।

परिषद् अपने कार्यक्रमों के निरूपण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सलाह तथा राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं, सामाजिक सरोकारों के प्रति संकाय के विचारों से तथा दुनिया का परिवर्तनशील परिदृश्य जिस सीमा तक भारतीय विद्यालयी शिक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है उस सीमा तक उस परिदृश्य के बारे में संकाय के आकलन से संचालित होती है। इन बातों को ध्यान में रखकर परिषद् ने एक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या का ढाँचा विकसित किया है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या का ढाँचा परिषद् के तथा राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों के शिक्षा विभागों के दीर्घकालिक और अल्पकालिक शैक्षिक कार्यक्रमों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक का काम करता है। परिषद् के कार्यक्रमों के निरूपण, क्रियान्वयन और अनुवीक्षण की कार्य प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ आगे के चार्ट में दिखाई गई हैं।

परिषद् के स्तर पर राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं, राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और अंतर्राष्ट्रीय विकासक्रमों को प्रतिबिंबित करते हुए अकादमिक कार्यक्रमों के निरूपण, विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए क्रियान्वयन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की निगरानी, अंतिम उत्पादों के परिणामों का मूल्यांकन तथा शिक्षाप्रणाली में सुधार के लिए उनके उपयोग को दर्शाने वाला चार्ट

परिषद् के शैक्षिक सलाहकर राज्यों के शिक्षा अधिकारियों से सलाह करके राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान करते हैं जिनको राज्य समन्वय समितियों द्वारा संसाधित किया जाता है। फिर इन संसाधित आवश्यकताओं को क्षेत्रीय समन्वय समितियाँ संसाधित करती हैं। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों की प्रबंध समितियां उनके अकादमिक कार्यक्रमों को संसाधित करती है। →

परिषद् के घटकों तथा विश्वविद्यालयों के विभागों और स्वयंसेवी संगठनों समेत दूसरे संगठनों या संस्थाओं द्वारा प्रस्तावित अनुसंधान कार्यक्रमों पर शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) विचार करती है। →

दोहरावों, कमियों आदि पर नजर रखने के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति की एक उपसमिति ए.सी.,आई.ए.बी. प्रबंध समितियों और एरिक द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों की छानबीन करती है।

↓

उपरोक्त उपसमिति की छानबीन के बाद परिषद् की कार्यक्रम सलाहकार समिति कार्यक्रमों पर विचार करती है।

↓

का.स. समिति द्वारा स्वीकृत कार्यक्रमों पर अंततः परिषद् की कार्यकारी समिति द्वारा स्वीकृति दी जाती है।

↓

का.स. समिति और कार्यकारी समिति द्वारा स्वीकृत कार्यक्रम परिषद् के घटकों द्वारा लागू किए जाते हैं।

↓

घटक विभाग के अध्यक्ष द्वारा प्रति माह तथा निदेशक की अध्यक्षता में एक अनुवीक्षण समिति द्वारा प्रत्येक चौथे माह कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाती है।

↓

घटक विभाग या पी.पी.एम.ई.डी. द्वारा विद्यालयी शिक्षा के गुणात्मक सुधार की दृष्टि से शिक्षा प्रणाली में व्यापक प्रसार के लिए कार्यक्रमों के परिणामों का मूल्यांकन किया जाता है।

← मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सलाह, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, राज्यों के शिक्षाधिकारियों के संपर्क, केन्द्रीय शैक्षिक संगठनों (सी.ए.बी.ई., के.वी.एस.,एन.वी.एस.,सी.बी.एस.ई.आदि) द्वारा मांगी गई सहायता तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से प्राप्त ज्ञान के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों के सलाहकार बोर्ड और इसके बाद संस्थान की अकादमिक समिति (ए.सी.) द्वारा इन विभागों के अकादमिक कार्यक्रमों को संसाधित किया जाता है।

← केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान का सलाहकार बोर्ड (आई.ए.बी.) द्वारा शिक्षा–प्रणाली के लिए आवश्यक संचार माध्यम सहायता, परिषद् के घटकों और राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों की आवश्यकताओं के आधार पर संस्थान के कार्यक्रमों को संसाधित किया जाता है।

← केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के कार्यक्रम उस संस्थान के सलाहकार बोर्ड द्वारा संसाधित किए जाते हैं।

कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर निगरानी

कार्यक्रम सलाहकार समिति द्वारा स्वीकृत कार्यक्रमों को लागू करने की तथा क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा के लिए समय-समय पर निगरानी रखने का मुख्य दायित्व परिषद् के प्रत्येक घटक के अध्यक्ष पर ही होता है। इसके लिए विशेष रूप से गठित एक समिति निगरानी के कार्य में निदेशक की सहायता करती है। जहाँ भी और जब भी आवश्यक हो, सुधार के उपाय किए जाते हैं।

इसके लिए विशेष रूप से गठित एक समिति निगरानी के कार्य में निदेशक की सहायता करती है। जहाँ भी और जब भी आवश्यक हो, सुधार के उपाय किए जाते हैं।

परिषद् के निदेशक की अध्यक्षता में गठित एक समिति परिषद् मुख्यालय में स्थित घटकों के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समय-समय पर समीक्षा करती है। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा परिषद् के संयुक्त निदेशक की अध्यक्षता वाली एक समिति द्वारा की जाती है।

कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की प्रगति का लेखा-जोखा रखने और क्रियान्वयन संबंधी कमियों की पहचान करने के अलावा समीक्षा के लिए बुलाई गई बैठकों में कमियों को दूर करने संबंधी तथा प्रणाली परिषद् के विभिन्न घटकों द्वारा चलाए गए कार्यक्रमों के अंतिम उत्पादों या परिणामों के व्यापक प्रसार संबंधी सुझाव भी दिए जाते हैं।

राज्यों की भागीदारी

परिषद् के विभिन्न घटकों के कार्यक्रमों के नियोजन, क्रियान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया परिषद् और राज्यों का एक सहयोगमूलक या संयुक्त प्रयास होता है।

परिषद् के लगभग सभी अकादमिक कार्यक्रमों में राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के विद्वान और पेशेवर व्यक्ति, नियोजन से लेकर प्रणाली में परिणामों के प्रसार तक, विभिन्न चरणों में शामिल किए जाते हैं। यह पूरी प्रक्रिया परिषद् के संकाय को राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों के लिए उनके घनिष्ठ सहयोग से काम करने का अवसर देती है।

सांगठनिक संरचना

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री परिषद् के सामान्य निकाय के अध्यक्ष हैं। सभी राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों के शिक्षा मंत्री इस निकाय के सदस्य होते हैं।

इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग के सचिव, चार विश्वविद्यालयों के उपकुलपति (प्रत्येक क्षेत्र से एक), केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो के निदेशक, श्रम मंत्रालय के प्रशिक्षण और रोजगार निदेशालय के प्रशिक्षण निदेशक, शिक्षा संभाग, योजना आयोग के प्रतिनिधि, परिषद् की कार्यकारी समिति के सदस्य (जो ऊपर सम्मिलित नहीं हैं) तथा अन्य 6 व्यक्ति (जिनमें कम से कम 4 सदस्य विद्यालयों के अध्यापक हों) जो भारत सरकार द्वारा नामित किए गए हों, इस निकाय के सदस्य होते हैं। सचिव, एन.सी.ई.आर.टी. इस सामान्य निकाय के संयोजक के रूप में कार्य करते हैं।

कार्यकारी समिति, परिषद् का मुख्य शासी निकाय है। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री इसके (पदेन) अध्यक्ष और मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के सचिव, परिषद् के निदेशक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, विद्यालयी शिक्षा में रुचि रखने वाले चार शिक्षाशास्त्री (इनमें से कम से कम दो विद्यालय के शिक्षक होंगे), परिषद् के संयुक्त निदेशक, परिषद् के तीन सदस्य (इनमें कम से कम दो प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष स्तर के होने चाहिए), मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा वित्त मंत्रालय का एक प्रतिनिधि (जो परिषद् का वित्तीय सलाहकार होगा) भी सम्मिलित हैं। परिषद् का सचिव कार्यकारी समिति के संयोजक के रूप में कार्य करता है।

निम्नलिखित स्थायी समितियाँ इस कार्यकारी समिति के कार्यों में उसकी सहायता करती हैं :

1. वित्त समिति
2. संस्थापना समिति
3. भवन एवं निर्माण समिति

रा.शै.अ.प्र.प.

सामान्य निकाय

अध्यक्ष

(पदेन, मा.सं.वि. मंत्री, भारत सरकार)

सदस्य

- *राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों के मा.सं.वि. शिक्षा मंत्री*
- *विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष*
- *मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार में शिक्षा सचिव*
- *चार कुलपति*
- *केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष*
- *केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त*
- *केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो के निदेशक*
- *प्रशिक्षण और रोजगार महानिदेशालय में निदेशक (प्रशिक्षण)*
- *योजना आयोग का प्रतिनिधि*
- *परिषद् की कार्यकारी समिति के सभी सदस्य*
- *राष्ट्रपति द्वारा नामित 6 सदस्य (चार विद्यालयाध्यापकों सहित)*

4. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों की प्रबंध समितियाँ

5. केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान का सलाहकार बोर्ड

6. पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान का सलाहकार बोर्ड

7. कार्यक्रम सलाहकार समिति

8. शैक्षिक अनुसंधान तथा नवाचार समिति

परिषद् के मुख्यालय में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. परिषद् सचिवालय

2. लेखा शाखा

परिषद् के पाँच पदाधिकारियों - निदेशक, संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के संयुक्त निदेशक पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के संयुक्त निदेशक तथा सचिव, भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों ने ये पद संभाले :

निदेशक	:	प्रो. ए.के. शर्मा
संयुक्त निदेशक	:	प्रो. ए.एन. माहेश्वरी 29 सितंबर, 1994 से
संयुक्त निदेशक (सी.आई.ई.टी.)	:	सुश्री जय चंदीराम
संयुक्त निदेशक (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.)	:	प्रो. ए.के. मिश्र
सचिव	:	1. श्री उदय कुमार वर्मा (29 जून, 1994 तक)
		2. श्री ए. भटनागर (18 जुलाई से 18 अगस्त, 1994)
		3. श्री आर.एस. पांडे (19 अगस्त, 1994 से)

अन्य कार्यो के साथ-साथ शैक्षिक कार्यो में निदेशक की सहायतार्थ तीन संकायाध्यक्ष (डीन) हैं। रिपोर्ट की अवधि में निम्नलिखित ने ये पदभार संभाले :

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)		प्रो. ए.एन. माहेश्वरी (29 सितंबर, 1994 से)
संकायाध्यक्ष (अकादमिक)	:	1. प्रो. ए.के. मिश्र (30 जून, 1994तक)
		2. प्रो. आर.एम. कालरा (1 जुलाई, 1994 से)
संकायाध्यक्ष (समन्वय)	:	1. प्रो. ए.एन. माहेश्वरी (1 जुलाई, 1994 से 1 नवंबर, 1994 तक)
		2. प्रो. एन. के. जाँगीरा (2 नवंबर, 1994 से 16 जनवरी, 1995 तक)

संकायाध्यक्ष (अकादमिक) एन.आई. ई. के विभागों के शैक्षिक कार्य का समन्वय करते हैं। संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) अनुसंधान कार्यक्रमों का समन्वय करते हैं और शैक्षिक अनुसंधान तथा नवाचार समिति (एरिक) के कार्य की देखभाल करते हैं। संकायाध्यक्ष (समन्वय) सेवा/उत्पादन विभागों, क्षेत्रीय कार्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कार्यकलापों का समन्वय करते हैं।



अध्याय 2

गतिविधियाँ 1994-95

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने विद्यालयी शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय सरोकारों पर प्रत्युत्तर देने के लिए 1994-95 में अपने कार्यकलाप पर पुनर्विचार किया और अपने कुछ कार्यक्रमों के सिलसिले में प्राथमिकता का पुनर्निर्धारण किया। प्रारंभिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया। वर्ष 1992 में संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति की कार्रवाई योजना को त्वरित गति से लागू किया गया। चुनिंदा जिलों में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन में रत राज्यों और जिला स्तरीय संगठनों को भी अकादमिक सहायता और परामर्शकारी-सेवा प्रदान की गई। पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्यालयी शिक्षा के विकास पर ध्यान देने के लिए जरूरी कदम उठाए गए। देश में पाँचवे शैक्षिक सर्वेक्षण तथा छठे विद्यालयी शिक्षा सर्वेक्षण को समय-प्रभावी बनाने के लिए उनका कम्प्यूटरीकरण किया गया।

प्रस्तुत खंड में परिषद् के घटकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए कार्यक्रमों और कार्यकलापों की संक्षिप्त चर्चा की गई है।

चुनिंदा जिलों में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन में रत राज्यों और जिला स्तरीय संगठनों को भी अकादमिक सहायता और परामर्शकारी-सेवा प्रदान की गई।

प्रारंभिक शिक्षा का सार्वजनीकरण

सार्वभौम प्रारंभिक शिक्षा के ढाँचे में विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, अनुसूचित जातियों और जनजातियों की शिक्षा, विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा एवं बालिकाओं की शिक्षा से

संबंधित कार्यक्रम चलाए गए। जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम और प्राथमिक अध्यापकों के विशेष अभिविन्यास (सॉप्ट) पर खास जोर दिया गया।

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.)

राज्य और जिला स्तर की योजनाएँ तैयार करने के लिए परिषद् के संकाय ने राज्यों के शिक्षा विभागों, मा.सं.वि.मंत्रालय तथा संबंधित अंतर्राष्ट्रीय धनदायी संगठनों से भी संपर्क बनाए रखा।

उस समय जारी उत्तर प्रदेश बुनियादी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत क्षमता बढ़ाने के प्रयासों में तेजी लाने के अलावा परिषद् के संकाय ने लाभार्थी आधारगत अधिगम उपलब्धि सर्वेक्षण के लिए अपनी सहायता प्रदान की। यह सर्वेक्षण प्राथमिक स्तर के लगभग 47,000 छात्रों का था जो शैक्षिक रूप से पिछड़े 7 राज्यों के 43 जिलों में रहते थे। परिषद् ने (डी.पी.ई.पी. राज्यों के 19 जिलों के 1907 अध्यापकों को लेकर) अध्यापक नीति, प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं और अनुभूत वृत्तिक स्थिति का अध्ययन किया तथा कार्यक्रम के प्रारूप से संबंधित अध्ययन भी किए जो इस प्रकार थे : (1) प्राथमिक शिक्षा में लिंग-भेद के प्रश्न, (2) आदिवासी बच्चों की शैक्षिक समस्याएं, और (3) अनुदेशी सामग्रियों की रूपरेखा का निर्धारण, उत्पादन और वितरण। इन अध्ययनों के निष्कर्षों पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में विचार किया गया तथा उन पर डी.पी.ई.पी. से जुड़े विभिन्न धनदायी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ भी विचार-विमर्श किया गया। राज्य और जिला स्तर की योजनाएँ तैयार करने के लिए परिषद् के संकाय ने राज्यों के शिक्षा विभागों, मा.सं.वि. मंत्रालय तथा संबंधित अंतर्राष्ट्रीय धनदायी संगठनों से भी संपर्क बनाए रखा। डी.पी.ई.पी. राज्यों और जिलों को आवश्यक सामग्रियाँ प्रदान करने के लिए परिषद् में विभिन्न संसाधन दल भी गठित किए गए ताकि (क) अध्यापक प्रशिक्षण, (ख) शिक्षाशास्त्रीय और पाठ्यचर्यात्मक विकास, और (ग) शैक्षिक अनुसंधान के प्रकार्यात्मक क्षेत्रों में उनकी संस्थानिक क्षमता बढ़ाई जा सके।

प्राथमिक शिक्षकों का विशेष अभिविन्यास (सॉप्ट)

केन्द्र द्वारा प्रायोजित और परिषद् की सलाह और सहायता से लागू की जा रही इस योजना का मकसद प्राथमिक स्तर पर प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारना और अध्यापक शिक्षा को बल पहुँचाना है। इस कार्यक्रम का केन्द्रबिन्दु अधिगम के न्यूनतम स्तरों की प्राप्ति के लिए आपरेशन ब्लैकबोर्ड की सामग्रियों के उपयोग की सामर्थ्य पैदा करना है। अन्य बातों के अलावा विषयों का समृद्धिकरण, व्यापक और सतत् मूल्यांकन तथा एक त्रि-स्तरीय प्रशिक्षण प्रणाली के द्वारा बहु-कक्षीय अध्यापन प्रशिक्षण इसमें

शामिल हैं। (ये तीन स्तर इस प्रकार हैं- प्रमुख व्यक्ति, संसाधन व्यक्ति और प्राथमिक अध्यापक) अनुदेशी सामग्रियों के एक पैकेज को अंतिम रूप दिया गया जो विभिन्न विषयों के 16 मॉड्यूलों पर आधारित था। इसे विशेष अभिविन्यास की प्रशिक्षण हस्तपुस्तिकाओं और ई.टी.वी. की प्रयोक्ता मार्गदर्शिका पुस्तिकाओं का परिष्कार किया गया तथा अभिविन्यास के पैकेज से संबधित वीडियो कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया। वर्ष 1994-95 में परिषद् द्वारा जम्मू-कश्मीर राज्य के कश्मीर क्षेत्र को छोड़ सभी राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस काल में 18 राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के संसाधन व्यक्तियों को भी प्रशिक्षण दिया गया।

... प्रणाली ... बहु-कक्षीय अध्यापन प्रशिक्षण इसमें शामिल हैं। (ये तीन स्तर इस प्रकार हैं — प्रमुख व्यक्ति, संसाधन व्यक्ति और प्राथमिक अध्यापक)

विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा

भारत में शैशवकालीन शिक्षा की धारणा, सार्थकता, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और शोध की समीक्षा तथा इसके इस समय जारी कार्यक्रमों, मुद्दों और समस्याओं से संबंधित "अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन : स्टेट ऑफ दि आर्ट" इस समय अंतिम चरण में है। एकीकृत बाल विकास योजना (आई.सी.डी.एस.) के विद्यालय-पूर्व शिक्षा वाले घटक, समुदाय की उसके प्रति धारणा और इसके उपयोग की सीमा पर एक अध्ययन इस वर्ष जारी रहा। शैशवकालीन शिक्षा पर एक अध्ययन के निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि प्रक्रिया-आधारित कार्यक्रम और कार्यकलाप बच्चों में संख्याओं की धारणा के विकास में सहायक होते हैं। आई.सी.डी.एस. से संबंधित जिन हस्तक्षेपों की परिषद् ने रूपरेखा तैयार की है उनके प्रभाव का आकलन करने के लिए दिल्ली में किए जा रहे एक अध्ययन के अंग के रूप में 34 विषयों पर सामग्रियाँ तैयार की गई और उनका क्षेत्रीय परीक्षण किया गया।

विद्यालय-पूर्व शिक्षा के समर्थन मुद्दे के बारे में एक जारी कार्यक्रम के अंग के रूप में तीन क्षेत्रीय सेमिनार आयोजित किए गए। इनका उद्देश्य बच्चों पर बोझ, प्रवेश की विधि में सुधार और बच्चों की विद्यालय-पूर्व शिक्षा की पद्धति जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना था। शैशवकालीन शिक्षा के प्रशिक्षण पैकेज के अंग के रूप में पोस्टरों और वीडियो कार्यक्रम लेखन के विकास का काम पूरा हो चुका है। 'रेडियो विजन कार्यक्रम' के तहत 20 कहानियों, उनके आडियो कैसेटों और चित्र-पुस्तिकाओं का निर्माण किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के खिलौना निर्माण के लिए कार्यशाला सहित प्रतियोगिता के अंतर्गत 18 राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के 28 प्रथम और द्वितीय पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया।

विद्यालय-पूर्व शिक्षा के समर्थन के मुद्दे के बारे में एक जारी कार्यक्रम के अंग के रूप में तीन क्षेत्रीय सेमिनार आयोजित किए गए। इनका उद्देश्य बच्चों पर बोझ, प्रवेश की विधि में सुधार और बच्चों की विद्यालय-पूर्व शिक्षा की पद्धति जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना था।

"एलिमेंटरी एजुकेशन इन इंडिया : स्टेट ऑफ दि आर्ट" शीर्षक अध्ययन में प्रारंभिक शिक्षा के गुणात्मक प्रखर अनुसंधान और नवाचारों के बारे में आवश्यक सूचनाएँ जमा की गई; ये सूचनाएँ 1961-92 के काल के लिए हैं। रेडियो के द्वारा बाल समृद्धिकरण प्रयोग (चीयर) परियोजना के अंतर्गत हरियाणा में चियर परियोजना का आधारभूत सर्वेक्षण पूरा किया गया। आँगनबाड़ियों में आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं की क्षमता और समुदाय की जागरूकता जैसे पक्षों की दृष्टि से विद्यालय-पूर्व शिक्षा के घटक की स्थिति के प्रेक्षण से पता चला कि विद्यालय-पूर्व आयु के बच्चों में आधे से भी कम बच्चे एकीकृत बाल शिक्षा योजना के विद्यालय-पूर्व शिक्षा कार्यक्रमों का लाभ पा रहे थे। अध्ययन से दूसरी बातों के अलावा यह भी पता चला कि कभी-कभी रेडियो कार्यक्रम स्पष्ट नहीं होते और यह कि अंकुर और चियर कार्यक्रमों के बीच कोई समन्वय नहीं था। डी.पी.ई.पी. के अंतर्गत हरियाणा राज्य के लिए एक अंतरिम रिपोर्ट "स्टडी ऑफ रीडेबिलिटी ऑफ इंस्ट्रक्शन मैटीरियल्स" पूरी की गई और डी.पी.ई.पी. राज्यो की रिपोर्टों का काम प्रगति पर है। राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों की प्राथमिक विद्यालयों की पाठ्यचर्या में पोषाहार, स्वास्थ्य शिक्षा और वातावरण स्वच्छता वाले घटक की स्थिति पर एक अध्ययन जारी है। मानव संसाधन विकास के लिए यूनिसेफ से सहायता प्राप्त क्षेत्र-सघन शिक्षा परियोजना (ए.आई.ई.पी.) जारी है; इसमें महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश तथा दादरा एवं नगर हवेली के चुनिंदा भौगोलिक क्षेत्रों (16 प्रखंडों के 1756 गाँवों) में विद्यालय-पूर्व, विद्यालय, अनौपचारिक और प्रौढ़ शिक्षा के सुधार पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। कुछ राज्यों में ए.आई.ई.पी. और डी.पी.ई.पी. के बीच अनुबंध स्थापित करने पर विचार हो रहा है। इस परियोजना से आमतौर पर सभी के लिए शिक्षा (ई.एफ.ए.) और खासतौर पर प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण (यू.पी.ई.) के लिए एक कम खर्चीला अनुकरणीय प्रतिरूप विकसित हो रहा है। प्रारंभिक शिक्षा की एक अलग परियोजना के तहत एक सचित्र पुस्तक की पांडुलिपि तैयार की गई जो अभिभावकों की शिक्षा के कुछ पहलुओं पर तथा विद्यालय में उनके बच्चों के नामांकन, प्रतिधारण और उपलब्धि पर केन्द्रित है। कुछ और प्रकाशन इस प्रकार हैं: (1) स्कूल रेडिनेस - ए मैनुअल फॉर टीचर्स, (2) शिशुओं के लिए 6 पुस्तकें, और (3) विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए 10 सचित्र पुस्तकें। परिषद् और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की एक सहयोगी योजना के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम के पहले 6 माह के लिए अनुदेश सामग्री के रूप में 6 मॉड्यूल विकसित किए गए और पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए उपरोक्त विश्वविद्यालय को

आँगनबाड़ियों में आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं की क्षमता और समुदाय की जागरूकता जैसे पक्षों की दृष्टि से विद्यालय-पूर्व शिक्षा के घटक की स्थिति के प्रेक्षण से पता चला कि विद्यालय-पूर्व आयु के बच्चों में आधे से भी कम बच्चे एकीकृत बाल शिक्षा योजना के विद्यालय-पूर्व शिक्षा कार्यक्रमों का लाभ पा रहे थे।

भेजे गए। ये मॉड्यूल भाषाओं, गणित, पर्यावरण अध्ययन और कला शिक्षा के क्षेत्रों के लिए थे। अधिगम के न्यूनतम स्तरों पर एक राष्ट्रीय प्रलेखन एकक स्थापित किया जा रहा है। सामाजिक अध्ययन में प्राथमिक चरण के लिए इन न्यूनतम स्तरों पर एक दस्तावेज का मसौदा तैयार किया गया। असंज्ञानात्मक क्षेत्रों (शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा, कार्यानुभव और कला शिक्षा) में उच्चतर प्राथमिक चरण के लिए अधिगम् के न्यूनतम स्तरों के विकास का कार्य प्रगति पर है।

सामाजिक अध्ययन में प्राथमिक चरण के लिए इन न्यूनतम स्तरों पर एक दस्तावेज का मसौदा तैयार किया गया। असंज्ञानात्मक क्षेत्रों (शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा, कार्यानुभव और कला शिक्षा) में उच्चतर प्राथमिक चरण के लिए अधिगम के न्यूनतम स्तरों के विकास का कार्य प्रगति पर है।

अनौपचारिक शिक्षा (अ.शि.)

परिषद् ने अनौपचारिक शिक्षा तथा अनुसूचित जातियों और ज़न जातियों की शिक्षा में रत-सरकारी व गैर-सरकारी संगठनों तथा स्वयंसेवी संगठनों को भी तकनीकी और शैक्षिक सहायता प्रदान की। संसाधन आधार तैयार करने तथा अनौपचारिक कार्यक्रमों को नवजीवन देने के लिए प्रयोग की कारगर रणनीतियाँ विकसित करने के सिलसिले में संबद्ध राज्यों को सहायता देने के उद्देश्य से अनौपचारिक शिक्षा के परिदृश्य तैयार करने के वास्ते अध्ययन किए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में अ.शि. के परिदृष्य पर एक परिदृश्य पहले ही तैयार किया जा चुका है। सड़कगर्द और कामकाजी बच्चों के लाभ वाले कार्यक्रमों के शैक्षिक घटकों की पहचान के लिए "उड़ीसा के रेलवे प्लेटफार्म विद्यालयों के कामकाजी बच्चों के लिए शिक्षा के कार्यक्रमों की डिजाइनों, सामग्रियों और प्रक्रियाओं और कलकत्ता के सड़कगर्द विद्यालयों तथा झुग्गी-झोपड़ियों के बच्चों के शैक्षिक कार्यक्रमों का अध्ययन, (प्रयास, दिल्ली) शीर्षक से एक अध्ययन शुरू किया गया। इसका मकसद संबद्ध स्वयंसेवी संगठनों को विभिन्न श्रेणियों के सड़कगर्द और कामकाजी बच्चों के लिए प्रकार्यात्मक और आवश्यकता-आधारित कार्यक्रमों की योजना बनाने में मदद देना है। "एजुकेशनल प्रोग्राम्स फॉर स्ट्रीट एंड वर्किंग चिल्ड्रन फोर सदर्न स्टेट्स" के बारे में एक और अध्ययन चलाया जा रहा है जो इन बच्चों की अधिगम संबंधी आवश्यकताओं पर केन्द्रित है। अनुसूचित जातियों के विद्यालय न जाने वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में प्रवेश के अवसर प्रदान करने के बारे में अनौपचारिक शिक्षा की प्रभाविकता की छानबीन एक खोजी अध्ययन (ट्रेसर स्टेडी) द्वारा की जा रही है। विद्यालयी शिक्षा व अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापन अधिगम सामग्रियों के एक विश्लेषण-अध्ययन से पता चलता है कि कुछ पाठ्यपुस्तकों में अनुसूचित जातियों के संदर्भ में आपत्तिजनक बातें हैं। इस अध्ययन के निष्कर्षों से राज्यों को अवगत

संसाधन आधार तैयार करने तथा अनौपचारिक कार्यक्रमों को नवजीवन देने के लिए प्रयोग की कारगर रणनीतियाँ विकसित करने के सिलसिले में संबद्ध राज्यों को सहायता देने के उद्देश्य से अनौपचारिक शिक्षा के परिदृश्य तैयार करने के वास्ते अध्ययन किए जा रहे हैं।

कराया गया। डी.पी.ई.पी. के तहत 7 डी.पी.ई.पी. राज्यों के प्राथमिक शिक्षा के प्रति अभिभावकों, अध्यापकों, छात्रों और समुदाय के सदस्यों के रवैये जानने के लिए एक आदिवासी शिक्षा अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में आदिवासी क्षेत्रों में शैक्षिक बुनियादी ढांचे की उपलब्धता, अध्यापकों की स्थिति, पाठ्यचर्या और अध्यापन-अधिगम की स्थिति, निगरानी और मूल्यांकन की स्थिति, समुदाय की भागीदारी की स्थिति और विद्यालयों के प्रबंध की स्थिति जैसे पक्ष शामिल थे। इस अध्ययन से स्थिति संबंधी 7 रिपोर्टें, 7 सर्वेक्षण रिपोर्टें, और एक राष्ट्रीय समन्वय रिपोर्ट सामने आई है। राज्यों की डी.पी.ई.पी. योजनाओं के लिए इस अध्ययन के निष्कर्षों का उपयोग किया जा रहा है।

डी.पी.ई.पी. के तहत 7 डी.पी.ई.पी. राज्यों के प्राथमिक शिक्षा के प्रति अभिभावकों, अध्यापकों, छात्रों और समुदाय के सदस्यों के रवैये जानने के लिए एक आदिवासी शिक्षा अध्ययन किया गया।

अनौपचारिक शिक्षा संबंधी एक फिल्म का प्रभाव जाँचने के लिए उसका क्षेत्र में प्रयोग किया जा रहा है। इसका मकसद कक्षा में प्रयोग के लिए अध्यापन और अधिगम की कारगर रणनीतियों के बारे में सूचनाएँ प्रदान करना है।

वर्ष 1994-95 के दौरान अ.शि. के तहत दूसरे विकास कार्यक्रम इस प्रकार थे - (1) अधिगम के न्यूनतम स्तरों के आधार पर भाषा, गणित और पर्यावरण अध्ययन में अध्यापन-अधिगम सामग्रियों का विकास, (2) हिन्दी, तेलुगू और कन्नड़ में स्थान-विशिष्ट कक्षाओं, खेलों, कविताओं, पहेलियों, मुहावरों आदि पर आधारित छोटी-छोटी किताबों की तैयारी, और (3) दूसरे स्तर के अनौपचारिक शिक्षाकर्मियों के प्रशिक्षण के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों का विकास।

राज्य स्तर पर इन शिक्षाकर्मियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रहे। स्वयंसेवी संगठनों के कार्यकर्ताओं के लिए विशेष रूप से तैयार कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जि.शि.प्र. संस्थानों, जिला संसाधन इकाइयों और राज्य शै.अ.प्र. परिषदों के संकाय सदस्य खासकर डी.पी.ई.पी. के तहत अ.शि. की पद्धति और सभी के लिए शिक्षा के संदर्भ में, प्रशिक्षित किए गए। केन्द्र द्वारा प्रायोजित अ.शि. योजना के तहत सहायता-अनुदान पाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय को स्वयंसेवी संगठनों द्वारा दिए गए प्रस्तावों के स्वीकृति-पूर्व मूल्यांकन का कार्य भी परिषद् ने जारी रखा। मंत्रालय के अनुरोध पर परिषद् के क्षेत्रीय सलाहकारों ने उन स्वयंसेवी संगठनों के प्रबंधकीय मूल्यांकन का काम जारी रखा जो केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना को लागू करने के लिए मंत्रालय से अनुदान पा रहे हैं। अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में योजना, विकास और अनुसंधान के लिए

अनेक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को परामर्श कारी सेवाएँ प्रदान की गई। स्वयंसेवी संगठनों की समस्याओं के निदान के सिलसिले में अनेक देशों से आए प्रतिनिधियों के लिए अनौपचारिक शिक्षा में अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। बिहार, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के कुछ स्वयंसेवी संगठनों को न्यूनतम अधिगम स्तरों पर आधारित, अ.शि. की एकीकृत अध्यापन अधिगम सामग्रियाँ विकसित करने में सहायता दी गई।

अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में योजना, विकास और अनुसंधान के लिए अनेक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गइं।

प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की वैकल्पिक रणनीतियों के विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में औपचारिक या अनौपचारिक शिक्षा संस्थाओं से बाहर के बच्चों को शैक्षिक अवसर प्रदान करने के मुद्दों और वैकल्पिक रणनीतियों की पहचान की गई। स्वयंसेवी संगठनों के स्तर पर एक ठोस संसाधन आधार तैयार किया गया है और उसे सरकारी और स्वयंसेवी स्तर के संगठनों को शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक सामर्थ्य प्रदान की गई है।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की शिक्षा

"2% से कम साक्षरता वाले हिन्दी भाषी चार राज्यों के चुनिंदा जिलों में अनुसूचित जातियों (अ.जा.) की लड़कियों के कम नामांकन के कारणों की पहचान" पर एक अध्ययन से इन लड़कियों के लाभ वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के कुछ अहम पक्षों के बारे में मूल्यवान सूचना मिली है। इसके निष्कर्षों से संभव है कि प्रारंभिक विद्यालयों में इन लड़कियों का नामांकन और शिक्षा की सुलभता बढ़ाने की कारगर रणनीतियाँ विकसित करने में सहायता मिले। डी.पी.ई.पी. राज्यों में आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए प्रयोगमूलक विभिन्न योजनाओं का विश्लेषण करने के लिए एक डी.पी.ई.पी. आदिवासी शिक्षा अध्ययन किया गया। इससे अ.शि. की वैकल्पिक रणनीतियों की तैयारी करने के कुछ अहम पक्षों पर प्रतिज्ञान प्राप्त होता है। अ.जा.या अ.ज.जा. के बच्चों की अनौपचारिक शिक्षा के लिए तैयार अनुदेशी सामग्रियों में कुछ इस प्रकार हैं : (1) ओरांव और मुँडा लोकगीतों और लोक-कथाओं पर आधारित पुस्तकें, (2) ग्लिम्प्सेज ऑफ लाइफ एंड कल्चर ऑफ़ दि संथाल्स, (3) एनोटेटेड बिब्लियोग्राफी ऑन एजुकेशन डवलपमेंट ऑफ दि शिड्यूल्ड कास्ट्स और (4) भील संस्कृति - एक झलक। अ.जा. और अ.ज.जा. की शिक्षा से जुड़े राज्य-स्तरीय कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रहे। आदिवासी क्षेत्रों के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए एक प्रशिक्षण हस्तपुस्तिका तैयार की गई।

डी.पी.ई.पी. राज्यों में आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए प्रयोगमूलक विभिन्न योजनाओं का विश्लेषण करने के लिए एक डी.पी.ई.पी. आदिवासी शिक्षा अध्ययन किया गया।

विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा

कक्षा में विकलांग बच्चों की विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति की क्षमता विकसित करने की दृष्टि से अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों और उन्नत शैक्षिक अध्ययन संस्थानों के संकाय के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामान्य विद्यालयगामी बच्चों से विकलांग बच्चों का एकीकरण, सहयोगमूलक अधिगम, बालक द्वारा बालक की सहायता और समर्थन तथा भागीदार के रूप में अभिभावकों की भूमिका आदि इस कार्यक्रम के केन्द्र में रहे। जि.शि.प्र. संस्थानों के डी.आई.ई.टी. के संकाय तथा राज्य स्तर पर विकलांग एकीकृत शिक्षा के प्रकोष्ठों की देखभाल कर रहे व्यक्तियों के लिए एक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मारीशस गणराज्य के शिक्षा एवं विज्ञान मंत्रालय की विशेष शिक्षा इकाई के तीन अधिकारियों के लिए परिषद् ने एक विशेष शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

एकीकृत विकलांग शिक्षा परियोजना के कारगर क्रियान्वयन के मुद्दों पर तथा विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा की योजनाएँ बनाने में उसके अनुभवों के उपयोग पर दिल्ली के शैक्षिक प्रशासकों की एक राज्य-स्तरीय बैठक में विचार किया गया।

केन्द्र द्वारा प्रायोजित विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा योजना को लागू करने के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों और सरकारी अधिकारियों का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन निम्न उद्देश्यों से आयोजित किया गया : (1) ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना के क्रियान्वयन में और अधिक गैर-सरकारी संगठनों को शामिल करने की संभावनाएँ तलाशना, (2) गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से योजना को लागू करने के ब्यौरे तय करना, (3) समुदाय-आधारित पुनर्वास, जिला पुनर्वास केन्द्र, ए.डी.आई.पी. आदि दूसरी योजनाओं से उपरोक्त योजना के संभावित अनुबंधों पर विचार करना, और (4) बड़ी संख्या में विकलांग बच्चों को सेवाएँ प्रदान करने के लिए कम खर्चीले प्रतिरूपों पर विचार करना।

एकीकृत विकलांग शिक्षा परियोजना (**पाइड**) की वार्षिक समीक्षा और योजना के लिए एक बैठक दूसरे राज्यों में पाइड के अनुकरण की रणनीतियों पर विचार करने के लिए आयोजित की गई। एकीकृत विकलांग शिक्षा परियोजना के कारगर क्रियान्वयन के मुद्दों पर तथा विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा की योजनाएँ बनाने में उसके अनुभवों के उपयोग पर दिल्ली के शैक्षिक प्रशासकों की एक राज्य-स्तरीय बैठक में विचार किया गया। विशेष सहायक सामग्रियों और उपकरणों की देखभाल और रख-रखाव संबंधी कौशल और क्षमता के विकास के लिए 61 बहु-श्रेणीय प्रशिक्षित अध्यापकों और पाइड के परियोजना दल के सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय विकलांग संस्थानों में 5 दिनों तक रखा गया।

''बालिकाओं के लिए शिक्षा''

1994–95 के दौरान दो मुख्य अध्ययन किए गए : ज़ि.प्रा.शि.का. के अंतर्गत 43 जिलों के लिए बेस लाईन लिंग अध्ययन और पंजाब और हरियाणा के 7 जिलों में लिंगीय अनुपात में ह्रास (बालिका शिशुओं की हत्या)। इनके निष्कर्ष महिला शक्ति–संवर्धन के लिए बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के बारे में नीतिगत और नियोजन संबंधी निहितार्थों से भरपूर हैं। "ट्रेडिशनल प्रेक्टिसेज अफेक्टिंग दि हेल्थ ऑफ वूमेन इन एशिया एंड दि पैसिफिक" विषय पर एक आरंभिक आलेख संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार केन्द्र की एक क्षेत्रीय कार्यशाला के लिए तैयार किया गया। मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के सहयोग से अनुसंधान में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

यूनेस्को द्वारा प्रायोजित नवाचारी प्रायोगिक परियोजना "हरियाणा के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं और सुविधावंचित वर्गों के लिए प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा" के तहत 192 शैक्षिक प्रशासकों व अध्यापक–शिक्षकों तथा 232 अध्यापकों को लिंग भेद के प्रति सचेत बनाया गया ताकि वे राज्य में और खासकर डी.पी.ई.पी. जिलों में प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम को मूल्यवान संसाधन आधार प्रदान कर सकें। परियोजना के तहत विकसित सामग्रियों में नीति–निर्माताओं के लिए आँकड़ों के भंडार दिए गए हैं जो प्राथमिक अध्यापकों के सेवापूर्ण और सेवाकालीन प्रशिक्षण में लाभदायक हो सकते हैं।

महिला शिक्षा और विकास की पद्धति पर छः सप्ताह का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे पहले एक प्रशिक्षण हस्तपुस्तिका इसी कार्यक्रम के लिए तैयार की गई थी। "वूमेंस इक्वैलिटी एंड एंपावरमेंट थ्रू क्यूरीक्यूलम" शीर्षक से प्राथमिक अध्यापकों के लिए एक हस्तपुस्तिका तैयार की गई "ए फैक्टशीट आन दि एजुकेशन ऑफ गर्ल चाइल्ड 1994" तैयार की गई। प्रारंभिक अध्यापकों के लिए हिन्दी में एक हस्तपुस्तिका और पाठ्यचर्या के द्वारा महिलाओं की समानता और शक्ति-संवर्धन पर उर्दू में एक हस्तपुस्तिका भी तैयार की गई।

यूनेस्को द्वारा प्रायोजित नवाचारी प्रायोगिक परियोजना ''हरियाणा के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं और सुविधावंचित वर्गों के लिए प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा'' के तहत 192 शैक्षिक प्रशासकों व अध्यापक-शिक्षकों तथा 232 अध्यापकों को लिंग भेद के प्रति सचेत बनाया गया ताकि वे राज्य में और खासकर डी.पी.ई.पी. जिलों में प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम को मूल्यवान संसाधन आधार प्रदान कर सकें।

माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक शिक्षा का समृद्धिकरण

विज्ञान और गणित की शिक्षा

अवधारणा संबंधी कमजोरियों, छपाई की गलतियों की पहचान करने तथा पाठ्य- सामग्री की गुणवत्ता सुधारने की दृष्टि से विषय-वस्तु में संशोधन करने के लिए विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा की गई। पाठ्यपुस्तकों के संशोधन के लिए परिषद् तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मिलकर काम कर रहे हैं। बुनियादी धारणाओं तथा दूसरे अनुबंधनों और क्रमों की पहचान के लिए जीव-विज्ञान की वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के पाठ्यविवरण और पाठ्य-पुस्तकों का विश्लेषण किया ताकि विषय-वस्तु का बोझ कम किया जा सके। ''रीडिंग टू लर्न'' परियोजना के तहत देश के यशस्वी वैज्ञानिक, कम्प्यूटर विज्ञान, समुद्र-विज्ञान और जल-विज्ञान, जैव-प्रौद्योगिकी, नाभिक विज्ञान, उपग्रह और अंतरिक्ष विज्ञान, ब्रह्मांड विज्ञान, आयुर्विज्ञान, भू-विज्ञान, माप और अंतर्राष्ट्रीय इकाई प्रणालियों, बुनियादी विज्ञानों और गणित जैसे नए-नए क्षेत्रों में पुस्तकें लिखने के कार्य से जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम 'डवलपमैंट ऑफ ट्रेनिंग मैटीरियल्स फॉर रिसर्च पर्सस इन कैमिस्ट्री फॉर सैकेंडरी स्टेज'' के तहत 10 मॉड्यूल तैयार किए गए। रसायनशास्त्र में पूरक संसाधन सामग्री के विकास का कार्य प्रगति पर है।

पर्यावरण शिक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए पाठ्यचर्या निर्माताओं की क्षमताएँ बढ़ाने के उद्देश्य से एक अभिविन्यास कार्यक्रम राजस्थान, उड़ीसा, कर्नाटक, मिजोरम, मेघालय और मणिपुर के स्कूल बोर्डों के शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया।

+ 2 चरण में जीव-विज्ञान के अध्यापन-अध्ययन में सहायक कार्यक्रम के रूप में कम्प्यूटरों का प्रयोग कैसे करें, इसे केन्द्र बनाकर अध्यापकों के लिए तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। रसायनशास्त्र के अध्यापकों (+ चरण) की पहचानशुदा प्रशिक्षण-आवश्यकताओं पर आधारित एक व्यष्टिस्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विज्ञान में राज्यस्तरीय अध्यापन प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक प्रतिरूप विकसित करने के लिए चलाया गया। पर्यावरण शिक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए पाठ्यचर्या निर्माताओं की क्षमताएँ बढ़ाने के उद्देश्य से एक अभिविन्यास कार्यक्रम राजस्थान, उड़ीसा, कर्नाटक, मिजोरम, मेघालय और मणिपुर के स्कूल बोर्डों के शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया।

1994-95 के दौरान ''सबके लिए विज्ञान और स्वास्थ्य'' विषय पर राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए परिषद् ने 29 राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों को शैक्षिक मार्गदर्शन और प्रेरक अनुदान प्रदान किया। विज्ञान, गणित और कम्प्यूटर की शिक्षा और पर्यावरण शिक्षा में सुधार के लिए बाहरी संस्थाओं या संगठनों के साथ सहयोग किया गया।

विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा के सुधार की योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन शुरू किया गया।

विज्ञान के उपकरणों का विकास और उत्पादन

विद्यालयों के लिए वैज्ञानिक उपकरणों के नमूनों की तैयारी और उत्पादक, प्रयोगिक परीक्षण और नए प्रारूपों के बारे में कार्मिकों के प्रशिक्षण से संबंधित अनुसंधान-विकास कार्य जारी रहा। परिषद् द्वारा विकसित प्राथमिक विज्ञान, लघु औजार किट, समेकित विज्ञान किट को केन्द्र द्वारा आयोजित ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के तहत प्राथमिक विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं की सूची में शामिल किया गया। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायनशास्त्र के लिए थ्री डाइमेंशनल मॉलिक्यूलर माडल किट के नमूने कक्षा की वास्तविक स्थिति में परीक्षण के लिए विकसित किए गए।

दृष्टिदोष वाले बच्चों की विशेष आवश्यकताओं की पहचान के बाद विशेष प्रकार की विज्ञान अध्यापन सामग्रियों की रूपरेखा तैयार की गई और उनका विकास और परीक्षण किया गया।

दृष्टिदोष वाले बच्चों की विशेष आवश्यकताओं की पहचान के बाद विशेष प्रकार की विज्ञान अध्यापन सामग्रियों की रूपरेखा तैयार की गई और उनका विकास और परीक्षण किया गया।

मुक्त विद्यालय प्रणाली उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए एक रसायन किट विकसित किया गया।

सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा

सामाजिक विज्ञान और भाषाओं की पाठ्यपुस्तकों की विस्तृत समीक्षा की गई और 1995-96 के अनेक पाठ्यपुस्तकों के पुनमुर्द्रित संस्करणों में संशोधन किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कक्षाओं में समकालीन कवियों और लेखकों पर वीडियो की तैयारी के कार्यक्रम के तहत नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल और हरिशंकर परसाई पर वीडियो कार्यक्रम तैयार किए गए और इन्हें अध्यापकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रयुक्त किया गया। विद्यालयों में मानवाधिकार शिक्षा और उपभोक्ता शिक्षा के कार्यक्रमों के विकास के लिए कदम उठाए गए। मानवाधिकारों पर एक स्रोतग्रंथ की पांडुलिपि को अंतिम रूप दिया गया। "विद्यालय पाठ्यचर्या में सामाजिक विज्ञानों की स्थिति पर एक अध्ययन जारी रहा है। विद्यालय पाठ्यचर्या में वाणिज्य की स्थिति पर भी एक अध्ययन शुरू किया गया।

विद्यालयों में मानवाधिकार शिक्षा और उपभोक्ता शिक्षा के कार्यक्रमों के विकास के लिए कदम उठाए गए।

राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन कार्यक्रम के तहत आंध्र प्रदेश, असम, केरल, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु की इतिहास की पाठ्यपुस्तकों, मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तकों और विद्या भारती प्रकाशन द्वारा प्रकाशित एक ग्रंथमाला के मूल्यांकन की रिपोर्टों पर राष्ट्रीय संचालन समिति ने विचार किया और उसकी सिफारिशें मानव संसाधन विकास मंत्रालय व संबद्ध राज्यों के शिक्षाधिकारियों को भेजी गईं।

राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए संशोधित सामुदायिक गायन योजना का उड़ीसा में परीक्षण चल रहा है। राष्ट्रीय बाल-साहित्य पुरस्कार प्रतियोगिता के अंतर्गत 817 प्रविष्टियों में से 24 पुस्तकों या पांडुलिपियों को पुरस्कार के लिए चुना गया।

जनसंख्या शिक्षा

जनसंख्या शिक्षा और अनौपचारिक शिक्षा के उदीयमान सरोकारों पर सामग्रियों का विकास राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना की गतिविधियों का केन्द्र बना रहा। किशोर शिक्षा के विभिन्न पक्षों पर बुनियादी सामग्रियाँ और एड्स शिक्षा पर एक प्रशिक्षण पैकेज तैयार और प्रकाशित किया गया। परिवार, समाज और जनसंख्या पर पाठ्य-सामग्री की एक पुस्तक संशोधित की गई और उसे अंतिम रूप दिया गया। माध्यमिक चरण में जनसंख्या शिक्षा संबंधी प्रश्न बैंक विकसित किया गया।

किशोर शिक्षा के विभिन्न पक्षों पर बुनियादी सामग्रियाँ और एड्स शिक्षा पर एक प्रशिक्षण पैकेज तैयार और प्रकाशित किया गया।

अध्ययन "कास्ट इफेक्टिवनेस ऑफ ट्रेनिंग मॉडलिटीज" की रिपोर्ट तैयार की गई। परिषद् के राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा एकक ने "अंतर्राष्ट्रीय पोस्टर प्रतियोगिता" 1994 के राष्ट्रीय घटक का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए तीन भारतीय प्रविष्टियों का चयन किया गया।

राज्यों में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना की गतिविधियों के क्रियान्वयन की निगरानी जारी रही। प्रजननकर्ता पर एक संदर्भ-सूची तैयार करके वितरित की गई। परियोजना के तहत अनेक राज्यों को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गईं।

परीक्षा सुधार

राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्डों को परीक्षा और अन्य संबद्ध सांगठनिक सुधारों पर राष्ट्रीय ढाँचे का मसौदा भेजा गया। माध्यमिक परीक्षा में ग्रेडिंग की व्यवहार्यता का एक अध्ययन किया गया। दो कार्यशालाएँ आयोजित की गई : (1) माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर विज्ञान परीक्षा की मदें और पर्चे तैयार करने पर, तथा (2) बोर्डों के पर्चे तैयार करने वालों के प्रशिक्षण पर। कक्षा 12 के भूगोल प्रश्न बैंक के लिए प्रश्नों के नमूने तैयार किए गए। असम, बिहार और जम्मू-कश्मीर के शिक्षाकर्मियों को दो परीक्षण की मदें लिखने और पर्चे तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। तीन अध्यापकों की रिपोर्टें (1) अटेनमेंट ऑफ प्राइमरी स्कूल चिल्ड्रन इन वैरियस स्टेट्स, (2) इवैल्यूएशन प्रेक्टिसेज इन प्राइमरी स्कूल्स ऑफ दिल्ली, और (3) एनालिसिस ऑफ फिजिक्स स्लेबस ऑफ सीनियर सैकेंडरी क्लासेज़ ऑफ डिफरेंट स्टेट एजुकेशन बोर्ड्स प्रकाशित की गई।

असम, बिहार और जम्मू-कश्मीर के शिक्षाकर्मियों को दो परीक्षण की मदें लिखने और पर्चे तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रतिभा खोज

रा.शै.अ.प्र. परिषद् प्रतिभा खोज के लिए तीन कार्यक्रम चला रही है— (1) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज, (2) गणित प्रतिभा खोज और (3) जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षण। पहले के अंतर्गत परिषद् प्रतिवर्ष 750 छात्रवृत्तियाँ देती है जिनमें 70 अनुसूचित जातियों और जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए होती हैं। इसका उद्देश्य कक्षा 10 के अंत में प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान करना और उन्हें अच्छी शिक्षा पाने के लिए सहायता प्रदान करना है। वर्ष 1994-95 में राज्य और राष्ट्र के स्तर पर चयन परीक्षाओं के बाद सामान्य श्रेणी के 680 तथा अ.जा./अ.ज.जा. श्रेणी के 70 छात्रों को ये छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई। शिक्षा के विभिन्न चरणों में (+2, अवरस्नातक, परास्नातक सहित अभियांत्रिकी, आयुर्विज्ञान, प्रबंध और डाक्टर की उपाधि के स्तर पर) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना के अंतर्गत परिषद् से छात्रवृत्तियाँ पाने वालों की कुल संख्या 4495 रही और दी गई छात्रवृत्तियों की कुल राशि 61,19,120 थी।

परिषद् परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के राष्ट्रीय उच्च गणित बोर्ड से क्षेत्रीय और राष्ट्रीय गणित ओलंपियाडों के द्वारा गणित प्रतिभा खोज और पोषण के लिए सहयोग कर रही है।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना के अंतर्गत परिषद् से छात्रवृत्तियाँ पाने वालों की कुल संख्या 4495 रही और दी गई छात्रवृत्तियों की कुल राशि 61,19,120 थी।

अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियार्डो में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन से प्रोत्साहित होकर उच्च गणित बोर्ड ने परिषद् के सहयोग से गणित प्रतिभा खोज की एक योजना शुरू की है। वर्ष 1994-95 में परिषद् ने राष्ट्रीय स्तर पर गणित प्रतिभा खोज की परीक्षा आयोजित करने में बोर्ड का सहयोग किया। तुर्की में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में भारतीय टीम की भागीदारी में भी परिषद् ने सहायता प्रदान की।

परिषद् मानव संसाधन विकास मंत्रालय की नवोदय विद्यालय समिति को देश के जवाहर नवोदय विद्यालयों की कक्षा 6 में प्रवेश के लिए छात्रों के चयन संबंधी तकनीकी सहायता प्रदान करती है। वर्ष 1994-95 में परिषद् ने जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए तीन चयन परीक्षाएँ आयोजित कीं। प्रत्येक चयन परीक्षा के प्रश्न-पत्र में मानसिक योग्यता की 60 तथा अंकगणित और भाषा की 20-20 मदें शामिल की गई।

जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्रों के चयन के लिए निर्धारित मानदंडों के अनुसार हर जिले में कम से कम 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण क्षेत्रों के उम्मीदवारों से भरी जाएँगी; नगरीय क्षेत्रों के उम्मीदवारों से भरी जाने वाली सीटें 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगी।

जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्रों के चयन के लिए निर्धारित मानदंडों के अनुसार हर जिले में कम से कम 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण क्षेत्रों के उम्मीदवारों से भरी जाएँगी; नगरीय क्षेत्रों के उम्मीदवारों से भरी जाने वाली सीटें 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगी। इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए कम से कम क्रमश : 15 और 7.5 प्रतिशत आरक्षित होंगी; उनका कुल अधिकतम आरक्षण 50 प्रतिशत होगा और यह जिले की आबादी में उनके अनुपात पर निर्भर होगा। इस योजना में लड़कियों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है।

अध्यापक-शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) से सहायता प्राप्त निम्न अध्ययन जारी रहे- (1) सर्जक लड़कियों के व्यावसायिक व्यवहार का अध्ययन (2) बच्चों में मूल्यों के विकास में संस्कृतिकरण की भूमिका : मातृक दृष्टिकोण, "विद्यालयगामी किशोरों को मार्गदर्शी जरूरतों का सर्वेक्षण", की रिपोर्टे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अध्ययन "डाइमेशंस ऑफ स्कूल ड्राप-आउट्स : व्हाट रिसर्च सेज टू दि टीचर" की रिपोर्ट प्रकाशित की गई।

निम्नलिखित पैकेजों का विकास किया जा रहा है :

(1) प्रारंभिक विद्यालयों के बच्चों में रचनाशीलता को बढ़ावा देने के लिए दृश्य-श्रव्य और मुद्रित सामग्री, (2) छात्रों का आत्म-सम्मान बढ़ानें वाली, स्पष्ट मूल्यों की पहचान, लक्ष्यों का निर्धारण और निर्णय कौशल को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ, (3) विकास और जीवनवृत्ति मार्गदर्शन पर 10 श्रव्य कार्यक्रम, और (4) एक मुद्रित ग्रंथ "टुवर्ड्स सेल्फ कैरियर अवेयरनेस" और प्रयोक्ता हस्तपुस्तिका। संसाधन ग्रंथ " आक्युपेशनल इनफार्मेशन गाइडेंस" की पांडुलिपि तैयार की गई। दो पुस्तकों (1) "गाइडेंसः प्रिसिपल्स एंड प्रेक्टिसेज", और (2) कैरियर डवलपमेंट फॉर कौंसलर्स इन इंडिया" की पांडुलिपियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। परियोजना "बिल्डिंग पर्सनल एंड कैरियर कांशसनेस इन गर्ल्स" के अंतर्गत 9 पुस्तिकाओं की पांडुलिप़ियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम "जीवनवृत्ति सूचना केन्द्र का विकास के अंतर्गत अनेक प्रकार की जीवनवृत्ति संबंधी सामग्रियाँ जमा की गई और सूचनाएँ वितरित की गई। समाचार-पत्रों पर आधारित सूचनाओं का साप्ताहिक और त्रैमासिक विश्लेषण भी किया गया। मनोविज्ञान में + 2 चरण के लिए परीक्षा की मदों का प्रयोग मद विश्लेषण के लिए किया जा रहा है।

कार्यक्रम "जीवनवृत्ति सूचना केन्द्र का विकास" के अंतर्गत अनेक प्रकार की जीवनवृत्ति संबंधी सामग्रियाँ जमा की गई और सूचनाएँ वितरित की गई। समाचार-पत्रों पर आधारित सूचनाओं का साप्ताहिक और त्रैमासिक विश्लेषण भी किया गया।

राष्ट्रीय शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षण पुस्तकालय में 31 नए परीक्षणों को शामिल किया गया है। प्रकाशन के लिए पांडुलिपि "इंडियन मेंटल मेजरमेंट हैंडबुक (वॉल्युम 2) : पर्सनलिटी" को अंतिम रूप दिया गया।

निर्देशन और परामर्श में 34वाँ परास्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम 1 अगस्त, 1994 से 25 अप्रैल, 1995 तक चलाया गया। कार्यक्रम "जिला शि.प्र. संस्थानों के संकाय के अध्यापक-अधिगम के लिए मनोविज्ञान समृद्धिकरण पाठ्यक्रम" के लिए विस्तृत विषये-वस्तु को अंतिम रूप दिया गया।

अध्यापक-शिक्षा कार्यक्रम

परियोजना "डवलपमेंट ऑफ नॉर्म्स ऑफ एकाउंटेबिलिटी फार टीचर्स" के तहत अध्यापकों की जवाबदेही के लिए निष्पादन के मूल्यांकन का एक विस्तृत परीक्षण विकसित किया गया है जिसके सात पक्ष हैं- सामान्य सूचना, शैक्षिक और वृत्तिक विकास, अध्यापन का अनुभव, अध्यापन में

राज्यों के जि.शि.प्र. संस्थानों के प्रधानाचार्यो के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में योजना और प्रबंधन, क्रियात्मक अनुसंधान, सभी के लिए शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, न्यूनतम अधिगम स्तरों, मूल्यांकन, पूर्ण साक्षारता अभियान, कम लागत की अध्यापन-सहायक सामग्रियों, विज्ञान और गणित के किटों, प्रारंभिक अध्यापक-शिक्षा पाठ्यचर्या, प्रयोगशाला-क्षेत्रों के उपयोग, बहुकक्षीय अध्यापन, अध्यापन-प्रशिक्षण में संचार-माध्यमों के उपयोग, और संस्था-प्रबंध आदि क्षेत्रों के बारे में जानकारियां दी गई।

नवाचार या योगदान, विस्तार कार्य या सामुदायिक सेवा, सामूहिक जीवन में भागीदारी और अनुसंधान कार्य। इस प्रयोग के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। प्रारंभिक अध्यापक प्रशिक्षण विद्यालय तथा जिला शिक्षा-प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षार्थी अध्यापकों के लिए मॉड्यूलों के रूप में, मातृभाषा के रूप में हिन्दी पढ़ाने की जो पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है उसकी पांडुलिपि में निम्न विषय शामिल हैं: (1) विषय-वस्तु का समृद्धिकरण, (2) भाषा-कौशल के अध्यापन की पद्धति, और (3) मातृभाषा (हिन्दी) के अध्यापन के नए सरोकार। अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों और उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थानों के प्रधानाचार्यों या अध्यक्षों की एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य उन्हें सेवा-पूर्व और सेवाकालीन अध्यापन शिक्षा में सुधार, अनुदेश सामग्री के विकास और अनुसंधान के आयोजन से जुड़े अपने संस्थागत कार्यक्रमों के विकास में सहायता देना था। राज्यों के जि.शि.प्र. संस्थानों के प्रधानाचार्यो के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में योजना और प्रबंधन, क्रियात्मक अनुसंधान, सभी के लिए शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, न्यूनतम अधिगम स्तरों, मूल्यांकन, पूर्ण साक्षारता अभियान, कम लागत की अध्यापन सहायक सामग्रियों, विज्ञान और गणित के किटों, प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या, प्रयोगशाला क्षेत्रों के उपयोग, बहुकक्षीय अध्यापन, अध्यापन प्रशिक्षण में संचार-माध्यमों के उपयोग, और संस्था-प्रबंध आदि क्षेत्रों के बारे में जानकारियां दी गई। सांस्कृतिक संसाधन प्रशिक्षण केन्द्र के सहयोग से भारतीय कला-संस्कृति माध्यमिक प्रशिक्षण महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विभागों के कार्यक्रमों में अध्यापक-शिक्षकों के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। परियोजना विद्यालय शिक्षा में व्यवहार और नवाचारी प्रयोग के तहत पुरस्त्कार के लिए 31 विद्यालयपूर्व, प्रारंभिक और माध्यमिक अध्यापक चुने गए। इन पुरस्कार विजेताओं ने एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने-अपने आलेख प्रस्तुत किए। उपरोक्त परियोजना के तहत कुल 15 (माध्यमिक अध्यापक-शिक्षकों के 6 और प्रारंभिक विद्यालय शिक्षकों के 6) आलेख राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चुने गए।

क्षेत्रीय सेवाएँ और विस्तार

राज्यों के विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा से सरोकार रखने वाले विभागों से संपर्क बनाए रखने के लिए परिषद् ने पूरे देश में 17 क्षेत्रीय कार्यालय खोले हैं। सामान्य संपर्क कार्य करने के अलावा परिषद् के क्षेत्रीय सलाहकारों ने राज्य समन्वय समितियों के माध्यम से राज्यों की

शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान के कदम उठाए और राज्यों या संघ-शासित क्षेत्रों में अपने कार्यक्रमों के आयोजन के लिए परिषद् के घटकों को सहायता प्रदान की।

क्षेत्रीय सलाहकारों के संपर्क कार्यों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्न बातें भी शामिल थीं :

1. राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों की उन शैक्षिक आवश्यकताओं के आकलन के लिए राज्य समन्वय समितियों की बैठकों का आयोजन, जो परिषद् के घटकों के शैक्षिक हस्तक्षेपों से पूरी हो सके।

2. राज्यों के शिक्षा विभागों या संगठनों तथा परिषद् या मानव संसाधन विकास मंत्रालय के बीच संपर्क का काम तथा शैक्षिक नवाचारों और सूचनाओं के लिए प्रसार गृह की या प्रसार की गतिविधियाँ।

3. राज्यों के शिक्षा विभागों को निम्न के लिए सहायता -

(क) राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए अध्यापकों का चयन, (ख) राज्य स्तर पर खिलौने बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन, (ग) छठे अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण तथा 39वें बाल-साहित्य पुरस्कार प्रतियोगिता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन, (घ) कुछ केन्द्रों द्वारा आयोजित योजनाओं के क्रियान्वयन पर निगरानी रखने में मा.स.वि. मंत्रालय की सहायता, इनमें अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र चलाने वाले स्वयंसेवी संगठनों के कार्यकलापों का मूल्यांकन तथा माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर छात्राओं के लिए छात्रावास और भोजन की सुविधाएँ बढ़ाने के लिए मंत्रालय की योजना के तहत छात्रावासों का निरीक्षण भी शामिल हैं।

स्वयंसेवी संगठनों द्वारा अनौपचारिक शिक्षा के लिए दिए गए प्रस्तावों के स्वीकृतिपूर्व मूल्यांकन में भी क्षेत्रीय सलाहकारों ने मंत्रालय की सहायता की।

परिषद् मुख्यालय में देश में शैक्षिक विस्तार की स्थिति पर एक अध्ययन इस समय जारी है। अध्ययन "भारत में शैक्षिक विस्तार की व्यवहारिक पद्धति और नवाचारी तकनीक के तहत प्राप्त सूचनाओं की जाँच-परख भी भारत में शैक्षिक विस्तार की नवाचारी तकनीकों और व्यवहारिक पद्धतियों की पहचान के उद्देश्य से की जा रही है।

परिषद् मुख्यालय में देश में शैक्षिक विस्तार की स्थिति पर एक अध्ययन इस समय जारी है। अध्ययन "भारत में शैक्षिक पद्धति विस्तार की व्यवहारिक और नवाचारी तकनीक के तहत प्राप्त सूचनाओं की जाँच-परख भी भारत में शैक्षिक विस्तार की नवाचारी तकनीकों और व्यवहारिक पद्धतियों की पहचान के उद्देश्य से की जा रही है।

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय

विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों ने अनुसंधान-विकास, प्रशिक्षण और विस्तार के कार्य संपन्न किए। 1994-95 के दौरान अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसूर के क्षे. शि. महाविद्यालयों ने अध्यापक शिक्षा में चार वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रमों, एक वर्षीय पाठ्यक्रम तथा बहुश्रेणीय अध्यापक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखा। क्षे.शि.म., भुवनेश्वर ने दो वर्षीय एम.एस.सी (लाइफ साइंस) एड पाठ्यक्रम भी चलाया। क्षे.शि.म., मैसूर ने अन्य के साथ भौतिकी, रसायन और गणित में दो वर्षीय परास्नातक एम.एस.सी. एड. पाठ्यक्रम भी चलाए। इन महाविद्यालयों ने अपने-अपने क्षेत्र के अध्यापक शिक्षा संस्थाओं तथा कुछ अन्य संस्थाओं या संगठनों को परामर्शकारी और मार्गदर्शन सेवाएँ प्रदान करना जारी रखा।

क्षे.शि.म., अजमेर ने जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.), की शैक्षिक सहायता के लिए एक क्रियात्मक कार्यक्रम शुरू किया। इसमें अन्य बातों के अलावा हरियाणा और उत्तर प्रदेश के राज्य शै.अ.प्र. परिषदों और जि.शि.प्र. संस्थानों की क्षमताएँ बढ़ाने की परिकल्पना की गई है। महाविद्यालय के कृषि विभाग की अनुदेश फार्म और कर्मशाला इकाईयों के द्वारा अनाज उत्पादन, दुग्ध उत्पादन और मुर्गीपालन संबंधी नई तकनीकों का प्रसार किया जाता है। बाहरी संगठनों द्वारा आयोजित अनेक कार्यक्रमों के लिए संसाधन व्यक्तियों के काम करने के अलावा महाविद्यालय का संकाय निम्न के लिए मार्गदर्शन करता है : (1) लोक जुंबिश परियोजना के तहत प्राथमिक कक्षाओं के पर्यावरण शिक्षा के लिए परीक्षण सामग्रियों की तैयारी, (2) माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के लिए "राज्य के विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर खराब परिणामों के कारणों का अध्ययन" शीर्षक परियोजना के वास्ते शोध प्रारूप का विकास, और (3) माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के लिए ही व्यावसायिक-पूर्व और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में कम्प्यूटर शिक्षा की पुस्तकों का विकास। उच्चतर प्राथमिक कक्षाओं के लिए गतिविधियों पर आधारित पाठ तैयार किए गए।

महाविद्यालय के कृषि विभाग की अनुदेश फार्म और कर्मशाला इकाईयों के द्वारा अनाज उत्पादन, दुग्ध उत्पादन और मुर्गीपालन संबंधी नई तकनीकों का प्रसार किया जाता है।

क्षे.शि.म., भोपाल ने वाणिज्य और विज्ञान की अनुदेशी सामग्रियों का विकास किया। विज्ञान के अध्यापन में सुधार के लिए कुछ अध्ययन किए गए।

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर ने निम्न मॉड्यूलों का विकास किया- (1) जागरूकता के मॉड्यूल, (2) विद्यालयी पाठ्यचर्या के प्रशासन और प्रबंधन पर मॉड्यूल, और (3) अकालन के साधन और सतत् व्यापक व मूल्यांकन संबंधी मॉड्यूल। देश के सभी जि.शि.प्र. संस्थानों में इनके समग्र पैकेज का प्रसार भी किया गया। विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास (सॉप्ट) कार्यक्रम के तहत प्रमुख संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने के अलावा महाविद्यालय ने निम्न पर एक प्रशिक्षण पैकेज का विकास भी किया : (1) अध्यापन-अधिगम के प्रति बाल-केन्द्रित गतिविधियों पर आधारित खेल-खेल के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हुए अंग्रेजी, उड़िया, गणित और पर्यावरण अध्ययन की विशिष्ट धारणाओं, (2) पाठ्यचर्या के व्यवहार में ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड का कारगार इस्तेमाल, और (3) न्यूनतम-अधिगम स्तरों पर आधारित अध्यापन-अधिगम, परीक्षण और मूल्यांकन। प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण शिविरों में इन पैकेजों के उड़िया और असमी अनुवादों का उपयोग हो रहा है। ''मानवीय मूल्यों की शिक्षा में पूर्वी क्षेत्र के अध्यापक शिक्षकों का प्रशिक्षण' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ''उड़ीसा के अ.जा./अ.ज.जा. समुदाय के लिए (प्राथमिक स्तर पर) जनसंख्या शिक्षा की अध्यापन-अधिगम सामग्रियों का विकास, समीक्षा और अंतिम-रूप-निर्धारण'' पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

''उड़ीसा के अ.जा./ अ.ज.जा. समुदाय के लिए (प्राथमिक स्तर पर) जनसंख्या शिक्षा की अध्यापन-अधिगम सामग्रियों का विकास, समीक्षा और अंतिम-रूप-निर्धारण'' पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

क्षेत्रीय शि.म., मैसूर ने (1) प्रारंभिक विद्यालयों में सुझाव का अध्ययन, और (2) नवसाक्षरों के लिए वैज्ञानिक साक्षरता की पाठ्यचर्या का विकास और उसकी प्रभाविता का अध्ययन से दो अनुसंधान परियोजनाएँ चलाई। 'स्टडीज इन एजुकेशनल थ्योरीज एंड प्रेक्टिसेज, वॉल्यूम 3' शीर्षक से एक विनिबंध प्रकाशित किया गया।

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय से संबद्ध प्रायोगिक विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के नवाचारी व्यवहारों के परीक्षण के लिए प्रयोगशाला की तरह काम करते रहे।

विभिन्न क्षे.शि. महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के नामांकन और परीक्षा परिणाम की तथा प्रायोगिक विद्यालयों की सार्वजनिक परीक्षाओं के परिणाम परिशिष्टों में दिए गए हैं।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी

शिक्षा के सुधार और विकास के लिए तथा शिक्षा की एक वैकल्पिक व्यवस्था के विकास के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी और खासकर जनसंचार माध्यमों को बढ़ावा देना परिषद् के प्रमुख कार्यक्रमों में एक है। शैक्षिक प्रौद्योगिकी की एक अग्रणी संस्था होने के नाते परिषद् शैक्षिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग और उसके विकास के लिए आडियो और वीडियो फिल्मों, चार्टों और कम खर्चीली सामग्रियों, शैक्षिक प्रौद्योगिकी में कार्मिकों के प्रशिक्षण, माध्यमों के उत्पादन और तकनीकी कार्यों, मूल्यांकन, अनुसंधानों के प्रलेखन, तथा सूचनाओं के प्रसार और परामर्शकारी कार्यों से संबद्ध है।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी की एक अग्रणी संस्था होने के नाते परिषद् शैक्षिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग और उसके विकास के लिए आडियो और वीडियो फिल्मों, चार्टों और कम खर्चीली सामग्रियों, शैक्षिक प्रौद्योगिकी में कार्मिकों के प्रशिक्षण, माध्यमों के उत्पादन और तकनीकी कार्यों, मूल्यांकन, अनुसंधानों के प्रलेखन, तथा सूचनाओं के प्रसार और परामर्शकारी कार्यों से संबद्ध है।

परिषद् का केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (के.शै.प्रो.सं.) प्रातः 10.15 से 11.00 बजे तक, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों और प्राथमिक अध्यापकों के लिए "तरंग" शीर्षक से एक कार्यक्रम ई.टी.वी. सेवा के दैनिक प्रसारण के लिए देता है। कार्यक्रमों की गुणवत्ता, कैप्सूलों की गुणवत्ता, निरंतरता और कार्यक्रमों के अनुबंधनों को जानने के लिए इस दैनिक प्रसारण पर निगरानी रखी गई। प्रागैतिहासिक मानव की कथा, स्वास्थ्य एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों के लिए चार नए ई.टी.वी. कार्यक्रमों का क्षेत्र-परीक्षण किया गया। अंतः क्रियात्मक दूरवर्ती विधि से प्राथमिक स्तर पर गणित के अध्यापन संबंधी एक परियोजना प्रगति पर है। खासकर पर्यावरण विज्ञान और अंकगणित में दक्षता के न्यूनतम स्तरों के अधिगम को सहायता देने के लिए प्राथमिक चरण के बच्चों और अध्यापकों के वास्ते विषयों पर आधारित 94 कार्यक्रमों का निर्माण किया गया। टर्न-की आधार पर बाहरी निर्माताओं से व्यावसायिक शिक्षा पर 3, व्यावसायिक मार्गदर्शन पर 2, सामाजिक अध्ययन पर 2, और पर्यावरण शिक्षा पर एक कार्यक्रम का निर्माण कराया गया। राष्ट्रीय एकता, भारतीय संविधान, बहुकक्षा अध्यापन, शिशु की प्रेरणा, पर्वत, हरी-भरी धरती संबंधी कार्यक्रम निर्माण के विभिन्न चरणों में है। ई.टी.वी. की 83 पटकथाओं का विकास किया गया; इनमें बच्चों द्वारा यशस्वी व्यक्तियों से साक्षात्कार के लिए 6 अर्ध-संरचनाबद्ध पटकथाएँ भी शामिल हैं। बच्चों के लिए प्रसिद्ध कवियों की कविताओं पर आधारित एक नई श्रृंखला-बालगीत की पटकथा भी तैयार की गई।

शैक्षिक आडियो कार्यक्रम के तहत वर्ष में निर्मित 37 आडियो कार्यक्रमों में आदिवासी संगीत और लोककथाओं पर 10 कार्यक्रमों की एक श्रृंखला

भी शामिल है। एक और श्रंखला में पर्यावरण अध्ययन पर 5 आडियो कार्यक्रम बनाए गए। कक्षा 3-4 के बच्चों के लिए सामाजिक अध्ययन पर 8 कार्यक्रम तैयार किए गए। अवर प्राथमिक चरण के बच्चों के लिए भारत के मध्यकालीन पर्वतों पर चार टेप स्लाइड-सह-आडियो कार्यक्रम तथा उनमें स्वयं खोज की प्रवृत्ति और रचनाशीलता पैदा करने के लिए आठ अध्यापक-प्रशिक्षण आडियो कार्यक्रम तैयार किए गए।

"भारत : देश और निवासी" श्रंखला के अंतर्गत 166 मिमी. की चार नई फिल्में तथा "गढ़वाल के आदिवासी" तथा "राजकुमारी और चंद्रमा" शीर्षक फिल्में पूरी की गई। 40 ई.टी.वी. कार्यक्रमों के एक पैकेज के कारगर उपयोग पर एक प्रयोक्ता मार्गदर्शिका को अंतिम रूप दिया गया। इसका उद्देश्य विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास कार्यक्रम को सहायता देना है। प्रयोक्ता अध्यापकों के अभिविन्यास के लिए व्यापक और गहन बहुमाध्यमी पैकेज की एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। ध्वनि-मुद्रण के सौंदर्य-शास्त्र और तकनीकी पक्षों पर एक पांडुलिपि तैयार हो रही है। संगीत के सौदर्य-शास्त्र, संवादों का ध्वनि-मुद्रण, संगीत का ध्वनि-मुद्रण आदि आडियो टेपों पर आधारित सामग्रियों पर एक अध्ययन किया जा रहा है, जो ध्वनि-मुद्रण संबंधी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में इस्तेमाल हो सके।

मुख्यतः उत्पादन और तकनीकी कौशल में सुधार, शैक्षिक माध्यमों के सॉफ्टवेयर के विषयों और उपविषयों की पहचान, कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा और पटकथाओं, तथा जि.शि.प्र. संस्थानों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी और माध्यमों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण सामग्री की तैयारी पर 24 कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

मुख्यतः उत्पादन और तकनीकी कौशल में सुधार, शैक्षिक माध्यमों के सॉफ्टवेयर के विषयों और उपविषयों की पहचान, कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा और पटकथाओं, तथा जि.शि.प्र. संस्थानों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी और माध्यमों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण सामग्री की तैयारी पर 24 कार्यशालाएँ आयोजित की गई। केन्द्रीय व राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों के स्टाफ को वीडियो और आडियो निर्माण संबंधी उपकरणों के प्रयोग और रख-रखाव पर एस.वी.एस. प्रशिक्षण देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा दोपहर में प्राइम और मैट्रो चैनलों पर प्रसारण के लिए दूरदर्शन को भेजे गये; ये प्रसारण नियमित ई.टी.वी. सेवा "तरंग" के अतिरिक्त हैं। प्रसारण के लिए दूरदर्शन को 1094 ई.टी.वी. कार्यक्रमों पर आधारित 460 कार्यक्रम कैप्सूल भेजे गए।

छठे बाल शैक्षिक वीडियो उत्सव ने केन्द्रीय व राज्य शै.प्रौ. संस्थानों के लेखकों और शोधकों को ऐसा मंच प्रदान किया जहाँ वे कार्यक्रमों की समीक्षा, आपस में संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान तथा शैक्षिक कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुधारने के तौर-तरीकों पर विचार कर सकें।

परिषद् ने दो अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक वीडियो कार्यक्रम उत्सवों तथा मानसिक कमजोरियों से ग्रस्त कार्मिकों के संगठनों की अंतर्राष्ट्रीय लीग के ग्यारहवें विश्व सम्मेलन द्वारा आयोजित वीडियो प्रतियोगिता में भाग लिया।

शिक्षा का व्यावसायीकरण

संयुक्त व्यावसायिक शिक्षा परिषद्, मा.सं.वि. मंत्रालय के मानवीकरण की ओर बढ़ने संबंधी सुझाव के बाद परिषद् के पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस..सी.आई.वी.ई.) ने दो पाठ्यक्रमों की नई रूपरेखा तैयार की और 17 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को संशोधित किया। पाठ्यपुस्तकों और व्यावहारिक हस्तपुस्तिकाओं के विकास का कार्य प्रगति पर है। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में उत्पादन-प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना के मार्गदर्शक सिद्धांतों पर एक कार्यशाला आयोजित की गई और विकसित मार्गदर्शक सिद्धांत मंत्रालय को सौंपे गए।

स्वास्थ्य और परा-चिकित्सा व्यावसायिक शिक्षा की स्थिति और उसके पक्षों पर एक राष्ट्रीय बैठक आयोजित की गई। शिक्षा प्रणाली के अंदर व्यावसायिक शिक्षा के सांगठनिक और प्रबंधकीय विकल्पों पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की गई।

मंत्रालय के आग्रह पर पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. ने व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से संबंधित अधिकारियों को परिचित कराने तथा विचारों और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए अंतर्राज्य क्षेत्र संगोष्ठियों का आयोजन किया। स्वास्थ्य और परा-चिकित्सा व्यावसायिक शिक्षा की स्थिति और उसके पक्षों पर एक राष्ट्रीय बैठक आयोजित की गई। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा में अभिविन्यास के 10 कार्यक्रम चलाए गए। बारह क्रियान्वयनकारी राज्यों के प्रमुख कार्मिकों के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर एक अल्पकालिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पाठ्यचर्या विकास और अनुकूलन के लिए तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा संबंधी अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी कार्य दल की बैठक में एक मार्गदर्शिका प्रकाशित की गई। शिक्षा प्रणाली के अंदर व्यावसायिक शिक्षा के सांगठनिक और प्रबंधकीय विकल्पों पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की गई।

व्यावसायिक शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के उद्देश्य से स्वयंसेवी संगठनों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के मूल्यांकन में मा.सं.वि मंत्रालय

को सहायता प्रदान की गई। उपरोक्त संस्थान ने एक व्यावसायिक शिक्षा सम्मेलन के आयोजन में केन्द्रीय संस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सहयोग किया। व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के नियोजन और क्रियान्वयन में तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, गोवा और असम को परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान की गई। संस्थान ने शिक्षा के व्यावसायीकरण के संबंध में आदर्श पाठ्यचर्या अनुदेश और मार्गदर्शक सामग्रियाँ भी तैयार कीं।

शैक्षिक अनुसंधान/नवाचार को प्रोत्साहन और उसका प्रसार

अनुसंधान कार्य से संबद्ध अपने घटकों के अलावा परिषद् प्राथमिकता के क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए बाहरी संस्थाओं या संगठनों को वित्तीय सहायता भी देती है। वर्ष 1994-95 के दौरान शैक्षिक अनुसंधान/नवाचार समिति (एरिक) द्वारा सहायता प्राप्त 14 अनुसंधान परियोजनाएँ पूरी हुई। परिषद् के घटकों द्वारा आरंभ 6 तथा बाहरी संस्थाओं या संगठनों द्वारा आरंभ 30 अनुसंधान परियोजनाएँ जारी रहीं। इस वर्ष एरिक की सहायता से 5 पी.एच.डी. प्रबंध प्रकाशित हुए और 6 पी. एच.डी. प्रबंधों के प्रकाशन के लिए नए प्रकाशन अनुदान दिए गए।

शैक्षिक दूरदर्शन के कार्यक्रम और विद्यालयगामी बच्चों का आक्रामक व्यवहार शीर्षक से एक प्रभाव-समीक्षा अध्ययन भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली को सौंपा गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम विकासक्रमों और अनुसंधानों पर सूचनाओं और विचारों के आदान-प्रदान के लिए रा.शि.सं. व्याख्यान माला के अंतर्गत यशस्वी शिक्षाशास्त्रियों के 5 व्याख्यान आयोजित किए गए। विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधानों, नवाचारों और अन्य विकासक्रमों का प्रसार अन्य साधनों के अलावा निम्न के माध्यम से किया जाता है : (1) जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, (2) भारतीय आधुनिक शिक्षा, (3) इंडियन एजुकेशनल रिव्यू। राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, श्रीलंका के संकाय सदस्यों के लिए एरिक सचिवालय ने शिक्षा की आधुनिक विधियों पर 8 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया। शैक्षिक दूरदर्शन के कार्यक्रम और विद्यालयगामी बच्चों का आक्रामक व्यवहार शीर्षक से एक प्रभाव- समीक्षा अध्ययन भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली को सौंपा गया है।

दस्तावेज "फिफ्थ सर्वे ऑफ एजुकेशनल रिसर्च" (1988-92) के लिए "प्रवृत्ति रिपोर्टों" को लिखने का काम लेखकों को सौंपा गया। 15 प्रवृत्ति

रिपोर्टों तथा अनुसंधानों/नवाचारों के सार संक्षेपों के 16 संपादित सेटों के भाषा-संपादन के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। शैक्षिक अनुसंधानों और नवाचारों के छठे सर्वेक्षण के आयोजन के लिए भी कार्रवाई शुरू की गई।

शैक्षिक सर्वेक्षण और आंकड़ों का प्रक्रियन

परिषद् का आँकड़ा प्रक्रियन एकक परिषद् के घटकों को आँकड़ों के प्रक्रियन में सहयोग करता है।

परिषद् , मा.सं.वि. मंत्रालय, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र तथा राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों की सरकारों के आपसी सहयोग से इस समय छठा अखिल-भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण चल रहा है; इसकी संदर्भ-तिथि 30 सितंबर, 1993 है। राष्ट्र, राज्य जिला और प्रखंड के स्तर पर 1178 वैश्लेषिक तालिकाएँ तैयार की गई हैं। वर्ष 1995-96 में शीघ्र प्रकाशन के लिए तदर्थ शैक्षिक सांख्यिकी दृश्य तैयार करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। बड़े पैमाने के ये सर्वेक्षण (जनगणना के आधार पर) ऐसे उपयोगी, संदर्भगत आँकड़े प्रदान करते हैं जो व्यष्टिस्तरीय योजना और नीतिगत निर्णयों आदि के लिए आवश्यक होते हैं। परिषद् का आँकड़ा प्रक्रियन एकक परिषद् के घटकों को आँकड़ों के प्रक्रियन में सहयोग करता है। दूसरी बातों के अलावा (1) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, (2) छठा अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण, तथा (3) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के लिए कंप्यूटरीकरण और आँकड़ों के विश्लेषण आदि में सहायता प्रदान की गई।

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएँ

वर्षों के कालक्रम में यहाँ शिक्षाशास्त्र और संबंधित विषयों पर पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं का व्यापक संग्रह किया गया है।

परिषद् का पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.) परिषद् के विभिन्न घटकों की अनुसंधान-विकास गतिविधियों में सहायता देता रहा है और पूरे देश के शोधछात्रों की सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता रहा है। वर्षों के कालक्रम में यहाँ शिक्षाशास्त्र और संबंधित विषयों पर पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं का व्यापक संग्रह किया गया है। 31 मार्च, 1995 को विभाग के पास कुल 1,22,989 पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं का संग्रह था। 1994-95 के दौरान 2,242 सदस्यों को 11,790 पुस्तकें दी गईं। परिषद् के संकाय के अलावा 3,340 बाहरी व्यक्तियों ने भी इस वर्ष परामर्शकारी और संदर्भ सुविधाओं का लाभ उठाया।

परिषद् के घटकों के पुस्तकालयाध्यक्षों की सालाना बैठक में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों तथा डिमांसट्रेशन मल्टीपरपज स्कूलों (प्रायोगिक विद्यालयों) के पुस्तकालयों के लिए कार्य-योजनाएँ तैयार करने के अलावा विद्यालय पुस्तकालय हस्तपुस्तिका के एक मसौदे पर भी विचार किया गया। पुस्तकालय संगठन और प्रबंध के विभिन्न पक्षों पर विचारों और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों तथा अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में पुस्तकालयों के विकास पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहायता

विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों को लागू करने के संदर्भ में परिषद् 1994-95 में भी प्रमुख संस्था की तरह काम करती रही। इनके अंतर्गत कजाकिस्तान, कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया), रूस, मैक्सिको, बुल्गारिया, केनिया और रोमानिया की सरकारों को शैक्षिक सामग्रियाँ दी गईं तथा संघीय जर्मन गणराज्य और वैनेजुएला से ऐसी सामग्रियाँ प्राप्त हुईं। आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत कुछ देशों के साथ विशेषज्ञों के आदान-प्रदान के कदम भी उठाए गए।

यूनेस्को तथा दूसरे कुछ अंतर्राष्ट्रीय संगठनों या देशों द्वारा प्रायोजित और दूसरे देशों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में परिषद् के अनेक संकाय सदस्य भाग लेने के लिए भेजे गए या उन्हें इसकी अनुमति दी गई। परिषद् के संकाय ने अनेक देशों से भारत आए शिष्टमंडलों, शिक्षाशास्त्रियों और अध्यापकों से भी विचार-विमर्श किया। यूनेस्को द्वारा प्रायोजित संबद्धता कार्यक्रमों के अंतर्गत कुछ देशों के अध्येताओं को प्रशिक्षण या मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

परिषद् के संकाय ने अनेक देशों से भारत आए शिष्टमंडलों, शिक्षाशास्त्रियों और अध्यापकों से भी विचार-विमर्श किया। यूनेस्को द्वारा प्रायोजित संबद्धता कार्यक्रमों के अंतर्गत कुछ देशों के अध्येताओं को प्रशिक्षण या मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

परिषद् में स्थित राष्ट्रीय विकास दल ने विकास के लिए शिक्षा के प्रोत्साहन में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के वास्ते मार्गदर्शक सिद्धांतों के विकास पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। विकास के लिए शैक्षिक नवाचार के विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की गई।

हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा

1994-95 में राजभाषा क्रियान्वयन समिति की तीन बैठकें हुई जिनमें प्रशासनिक कामों में राजभाषा का प्रयोग बढ़ाने की रणनीतियों पर विचार किया गया और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

परिषद् के घटकों के रोजमर्रा के कामों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एक पुस्तिका "हिन्दी प्रयोग सहायिका" तैयार की गई है। राजभाषा नियमावली से स्टाफ को परिचित कराने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गई तथा टिप्पणी लिखने, मसौदे लिखने, पत्र-लेखन, अनुवाद आदि के लिए व्यावहारिक कार्य करके दिखाए गए। 1994-95 में राजभाषा क्रियान्वयन समिति की तीन बैठकें हुई जिनमें प्रशासनिक कामों में राजभाषा का प्रयोग बढ़ाने की रणनीतियों पर विचार किया गया और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। 14 से 21 सितंबर, 1994 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह में टंकण, टिप्पणी और मसौदे लिखने, आशुलिपि, अनुवाद और निबंध-लेखन की प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 80 अधिकारियों ने भाग लिया। प्रगति की त्रैमासिक रिपोर्टों के द्वारा मंत्रालय को समय-समय पर हिन्दी प्रयोग की प्रगति की जानकारी दी जाती रही तथा इन रिपोर्टों पर मंत्रालय के विचारों को परिषद् की राजभाषा क्रियान्वयन समिति के सामने रखा जाता रहा।

कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर निगरानी

कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए परिषद् के निदेशक और संयुक्त निदेशक ने प्रत्येक घटक के संकाय के साथ नियमित रूप से समीक्षा बैठकें कीं। परिषद् के घटकों में कार्यक्रम-क्रियान्वयन की कठिनाइयों की निशानदेही करने तथा आवश्यक कार्रवाई करने के लिए सहकालिक अध्ययन भी किए गए।

परिषद् के विभिन्न घटकों के सलाहकार बोर्डों द्वारा 1994-95 के दौरान पिछले वर्ष आयोजित और निर्धारित कार्यक्रम के क्रियान्वयन की निगरानी की जाती रही। कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए परिषद् के निदेशक और संयुक्त निदेशक ने प्रत्येक घटक के संकाय के साथ नियमित रूप से समीक्षा बैठकें कीं। परिषद् के घटकों मे कार्यक्रम-क्रियान्वयन की कठिनाइयों की निशानदेही करने तथा आवश्यक कार्रवाई करने के लिए सहकालिक अध्ययन भी किए गए। इसके अलावा प्रमुख गतिविधियाँ और महत्वपूर्ण घटनाएँ तथा निष्पादन बजट, परिषद् की प्रशासनिक वार्षिक रिपोर्ट आदि कुछ और रिपोर्टें भी तैयार की गईं और मा.स.वि. मंत्रालय को भेजी गई।

परिषद् के कार्यक्रमों पर राज्यों के विचारों को जानने के लिए एक अध्ययन चल रहा है। 'राज्य स्तर पर कार्रवाई योजनाओं का निर्माण और उनके कार्यान्वयन के लिए राज्य स्तरीय क्षमताओं के विकास में परिषद् से

अपेक्षित सहयोग' के विशेष संदर्भ में ' विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रतिपादन' कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन' नामक अध्ययन पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए राज्यों के शिक्षा विभागों की राय मांगी गई है। [redacted]



अध्याय 3

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (रा.शि.सं.) के विभागों ने अपने-अपने प्राथमिकता के क्षेत्रों, जैसे विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, अनुसूचित जातियों और जनजातियों की शिक्षा, एकीकृत विकलांग शिक्षा, बालिकाओं की शिक्षा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञानों और मानविकी की शिक्षा, परीक्षा सुधार और प्रतिभा सुधार के लिए अपने कार्यक्रमों और कार्यकलापों को जारी रखा। प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनिकरण के संदर्भ में (अ) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (जि.प्रा.शि.का.), और (2) विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास (सॉप्ट) कार्यक्रमों और कार्यकलापों के प्रमुख केन्द्र बने रहे। अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए विस्तार और क्षेत्रीय सेवा जैसी गतिविधियों के अलावा (अ) शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन, तथा (ब) अध्यापन शिक्षा कार्यक्रमों में अनुसंधान और विकास के कार्यों के द्वारा कार्यक्रम सहायता प्रदान की गई। 1994-95 के दौरान रा.शि.सं. के विभागों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और कार्यकलापों के महत्वपूर्ण ब्यौरे नीचे दिए जा रहे हैं।

रा.शै.अ.प्र.प. अनुसंधान अध्ययनों, पाठ्यचर्याओं और अनुदेशी सामग्रियों के विकास, अनुसंधान समर्थन, विस्तार और प्रसार की गतिविधियों के द्वारा विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में योग देती रही है।

प्रारंभिक शिक्षा का सार्वजनीकरण

रा.शै.अ.प्र.प. अनुसंधान अध्ययनों, पाठ्यचर्याओं और अनुदेशी सामग्रियों के विकास, अनुसंधान समर्थन, विस्तार और प्रसार की गतिविधियों के द्वारा विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में योग देती रही है। शिक्षा के इन चरणों से संबंधित प्रमुख कार्य शैशवकालीन देखभाल और प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रमों, जिला प्राथमिक

शिक्षा कार्यक्रम, विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास कार्यक्रम, न्यूनतम-अधिगम स्तरों, प्रमुख पाठ्यचर्यात्मक क्षेत्रों में पाठ्य और आदर्श सामग्रियों और प्रशिक्षण सामग्रियों के विकास पर केन्द्रित रहे हैं। जि.प्रा.शि. कार्यक्रम और विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास कार्यक्रम विभिन्न प्रकार के संसाधनों का उपयोग करके चलाए गए।

उत्तर प्रदेश में वर्तमान दशक के आरंभ में जब से दस जिलों में उत्तर प्रदेश बुनियादी शिक्षा परियोजना लागू की गई तब से परिषद् उसके अंतर्गत जि.प्रा.शि. कार्यक्रम से संलग्न रही है। परियोजना प्रस्ताव के निरूपण तथा (पहचान से लेकर अंतिम मूल्यांकन तक) विभिन्न चरणों में परिषद् का संकाय भारत सरकार और उत्तरप्रदेश सरकार को शैक्षिक और तकनीकी सहायता प्रदान करता रहा है। परिषद् उत्तर प्रदेश में बुनियादी शिक्षा योजना के कारगर क्रियान्वयन के लिए उसके स्टाफ की क्षमता बढ़ाने संबंधी कार्य भी करती रही है। आधारभूत अधिगम उपलिब्ध सर्वेक्षणों तथा जि.प्रा.शि. संस्थानों के संकाय के प्रशिक्षण के आयोजन, अध्यापक प्रशिक्षण के पैकेजों और न्यूनतम अधिगम स्तरों पर आधारित अधिगम सामग्रियों की तैयारी तथा लिंगभेदी पूर्वाग्रह दूर करने की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों के विश्लेषण में भी सहायता प्रदान की जा रही है।

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (जि.प्रा.शि.का.)

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (जि.प्रा.शि.का.) सभी के लिए शिक्षा कार्यक्रम के कार्यान्वयन की दिशा में भारत सरकार की नवीनतम पहलकदमी है। इस कार्यक्रम का उद्‌गम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (रा.शि.नी.) की सिफारिशों में है जिसमें प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के दीर्घकाल से वांछित मगर अभी तक अप्राप्य लक्ष्य के प्रति तात्कालिकता का बोध प्रतिबिंबित होता है।

शैशवकालीन शिक्षा, न्यूनतम अधिगम स्तरों पर आधारित पाठ्यचर्या के विकास, अध्यापक शिक्षा, विद्यालय प्रभाविता, पाठ्यपुस्तकों का उत्पादन तथा आदिवासियों की शिक्षा के क्षेत्रों में भी मा.सं.वि. मंत्रालय के जि.प्रा. शि. का. ब्यूरों को तथा इसके अंदर धन पाने की दृष्टि से जिला और राज्य स्तर की योजनाओं के निरूपण में राज्यों के संबंद्ध विभागों को भी परिषद् की शैक्षिक सलाह और सहायता प्रदान की गई। यह प्रक्रिया 1993 के आरंभ में शुरू हुई और अभी तक जारी है। इस अवधि में परिषद् का संकाय राज्यों के शिक्षा विभागों, मा.सं.वि. मंत्रालय तथा संबद्ध अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ परियोजना प्रस्तावों की तैयारी और आधारभूत परियोजना-पूर्व अध्ययनों के आयोजन के लिए मिलकर कार्य करता रहा। इनमें निम्न अध्ययन भी शामिल है :

(अ) "शैक्षिक रूप से पिछड़े 7 राज्यों में फैले 43 जिलों के लगभग 47,000 प्राथमिक छात्रों को लेकर लाभार्थी आधारभूत अधिगम उपलब्धि का सर्वेक्षण" तथा "जि.प्रा.शि.का. चला रहे राज्यों के 19 जिलों के 1907 अध्यापकों को लेकर अध्यापक नीति, प्रशिक्षण की आवश्यकताओं और अनुभूत वृत्तिक स्थिति का एक अध्ययन।"

(ब) प्राथमिक शिक्षा में लिंग भेद के प्रश्नों, आदिवासी बच्चों की शैक्षिक समस्याओं तथा अनुदेशी सामग्रियों के प्रारूप-निर्धारण, उत्पादन और वितरण पर कार्यक्रम-प्रारूप से संबंधित अध्ययन।

परिषद् को जि.प्रा. शि.का. लागू करने वाली राज्य और जिला स्तर की संस्थाओं को शैक्षिक-तकनीकी सहायता प्रदान करने के सिलसिले में राष्ट्रीय संसाधन का दर्जा प्राप्त है। इस उद्देश्य से (अ) अध्यापक प्रशिक्षण, (ब) शिक्षा शास्त्रीय पाठ्यचर्या विकास, और (स) शैक्षिक अनुसंधान के प्रकार्यात्मक क्षेत्रों में उपरोक्त कार्यक्रम को लागू करने वाले राज्यों और जिलों की सांस्थानिक क्षमता के विकास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए विशेष संसाधन दल गठित किए गए हैं।

आधारभूत अधिगम उपलब्धि सर्वेक्षणों तथा जि.प्रा.शि.संस्थानों के संकाय के प्रशिक्षण के आयोजन, अध्यापक प्रशिक्षण के पैकेजों और न्यूनतम-अधिगम स्तरों पर आधारित अधिगम सामग्रियों की तैयारी तथा लिंगभेदी पूर्वाग्रह दूर करने की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों के विश्लेषण में भी सहायता प्रदान की जा रही है।

विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास (सॉप्ट) कार्यक्रम

प्राथमिक स्तर पर प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधार ने और अध्यापक शिक्षा पर बल देने के लिए मा.सं.वि. मंत्रालय की केन्द्रीय स्तर पर प्रायोजित योजना के तहत 1993-94 में एक विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास (सॉप्ट) कार्यक्रम शुरू किया गया। अधिगम के न्यूनतम स्तरों की प्राप्ति के लिए ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड के तहत प्राप्त सामग्री के उपयोग की सामर्थ्य इस कार्यक्रम का केन्द्र बिंदु है। पहले गणित, विज्ञान और पर्यावरण अध्ययन और फिर इनके अलावा स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा, मूल्यों की शिक्षा, ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड की योजना के प्रति संवेदनशीलता पैदा करना, व्यापक और सतत् मूल्यांकन तथा बहुकक्षा अध्ययन इस प्रशिक्षण के आवश्यक तत्वों में शामिल हैं। इस प्रशिक्षण की रणनीति एक त्रिस्तरीय प्रशिक्षण प्रणाली (प्रमुख व्यक्तियों, संसाधन व्यक्तियों और प्राथमिक अध्यापकों) पर आधारित है।

अधिगम के न्यूनतम स्तरों की प्राप्ति के लिए ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड के तहत प्राप्त सामग्री के उपयोग की सामर्थ्य इस कार्यक्रम का केन्द्र बिंदु है।

इसके लिए अनुदेश के पहले विकसित पैकेज का परिष्कार किया गया। इस पैकेज में विभिन्न विषयों के 16 मॉड्यूल, सॉप्ट के लिए प्रशिक्षण हस्तपुस्तिका, तथा ई.टी.वी. सहायता के लिए प्रयोक्ता मार्गदर्शिका शामिल है। सॉप्ट पैकेज से संबंधित चुनिंदा वीडियो कार्यक्रमों को भी अंतिम रूप दिया गया तथा क्षेत्रीय भाषाओं में डबिंग और नकल के द्वारा व्यापक प्रसार

की दृष्टि से पूरे पैकेज का परीक्षण किया गया। पैकेज के नमुने के हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण प्रकाशित किए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर राज्य के कश्मीर क्षेत्र को छोड़ कर सभी राज्यों और संघीय क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्ति 1994-95 में प्रशिक्षित किए गए हैं। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र, गोवा, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, संघ-शासित क्षेत्र चंडीगढ़, दिल्ली, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली ने संसाधन व्यक्तियों के प्रशिक्षण और प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए। आंध्र प्रदेश, असम, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, उड़ीसा, पांडिचेरी, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया में है और आशा है कि वे सितंबर 1995 तक प्रमुख व्यक्तियों, संसाधन व्यक्तियों और प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण चक्र का पहला चरण पूरा कर लेंगे।

शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा

1994-95 के दौरान परिषद् द्वारा तैयार हस्तक्षेपों का प्रभाव जाँचने के लिए दिल्ली में एक अध्ययन किया गया। इनमें 34 विषयों पर सामग्रियों की तैयारी और उनके क्षेत्र-परीक्षण भी शामिल हैं। प्रारूपित हस्तक्षेपों के प्रभाव के अध्ययन के लिए प्रायोगिक और नियंत्रण दल गठित किए गए।

राज्य-स्तर पर खिलौने बनाने की प्रतियोगिता तथा राष्ट्रीय स्तर पर खिलौने बनाने की कार्यशाला सह-प्रतियोगिता

1994-95 में 18 राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों ने अपनी-अपनी, खिलौने बनाने की राज्य-स्तरीय प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं। परिषद् में आयोजित, खिलौने बनाने की राष्ट्रीय कार्यशाला, सह-प्रतियोगिता में इन राज्यों के 28 प्रथम और द्वितीय पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले राज्यों में हरियाणा, राजस्थान, त्रिपुरा, दादरा और नगर हवेली, उड़ीसा, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गोवा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश, मिजोरम और दिल्ली शामिल थे। भागीदारों ने मिट्टी, लुगदी और गत्ते का प्रयोग करके

विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्राथमिक पूर्व और प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए खिलौने या खेलकूद के सामान बनाए।

विद्यालय-पूर्व शिक्षा का समर्थन

प्राथमिक-पूर्व शिक्षा के समर्थन में जारी कार्यक्रम के अंग रूप में प्रमुख (लीड) विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए तीन क्षेत्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित की गई। बच्चों का बोझ कम करना, प्रवेश की पद्धति तथा बच्चों की विद्यालय-पूर्व शिक्षा सुधारना इन क्षेत्रीय पूर्व विद्यालय शिक्षा संगोष्ठियों के केन्द्र बिन्दु थे।

बच्चों का बोझ कम करना, प्रवेश की पद्धति तथा बच्चों की विद्यालय-पूर्व शिक्षा सुधारना इन क्षेत्रीय पूर्व विद्यालय शिक्षा संगोष्ठियों के केन्द्र बिन्दु थे।

शैशवकालीन शिक्षा : वर्तमान स्थिति

शैशवकालीन शिक्षा (शै.शि.) की धारणा, महत्व, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भारत में शै.शि. संबंधी अनुसंधानों की समीक्षाओं, जारी शै.शि. कार्यक्रम तथा शै.शि. के मुद्दे और समस्याओं आदि पक्षों पर आधारित अध्ययन के निष्कर्षों को व्यापकतर प्रसार के वास्ते अंतिम रूप दिया जा रहा है।

संख्या की धारणाओं के विकास का प्रक्रिया - आधारित कार्यक्रम

इस अध्ययन का तीसरा चरण पूरा किया गया। पहली और दूसरी अवधियों के ठीक आरंभ में ही बच्चों पर परीक्षण किए गए। प्राप्त परिणामों से संकेत मिलता है कि प्रक्रिया-आधारित कार्यक्रम और कार्यक्रलाप छोटे बच्चों में संख्या की धारणाओं के विकास में सहायक होते हैं।

शैशवकालीन शिक्षा संसाधन केन्द्र (शै.शि.सं.के.)

परिषद् के परिसर के निकट स्थित आई.टी.आई.टी. नर्सरी स्कूल के शै.शि. सं. केन्द्र ने हर तीन माह पर अध्यापकों के लिए कार्यशालाओं और दौरों का आयोजन किया। और अधिक अध्यापकों तक पहुंचने के लिए "सूझ-बूझ" शीर्षक से एक त्रैमासिक परचा प्रकाशित किया गया। इस केन्द्र के कार्यक्रम में लगभग 200 नर्सरी अध्यापकों ने भाग लिया।

एकीकृत बाल-विकास योजना का विद्यालय-पूर्व शिक्षा घटक: एक अध्ययन

एकीकृत बाल-विकास योजना के विद्यालय-पूर्व शिक्षा वाले घटक तथा उसके प्रति समुदाय की धारणा और उपयोग की सीमा पर एक अध्ययन प्रगति पर है। एक कार्यदल ने अनुसंधान प्रारूप को अंतिम रूप दिया है। आंकड़ों के संग्रह की रणनीति तैयार की जा रही है।

एकीकृत बाल-विकास योजना के विद्यालय-पूर्व शिक्षा वाले घटक तथा उसके प्रति समुदाय की धारणा और उपयोग की सीमा पर एक अध्ययन प्रगति पर है।

शैशवकालीन शिक्षा के लिए प्रशिक्षण पैकेज का विकास

प्रशिक्षण पैकेज के अंग के रूप में पोस्टरों का विकास और वीडियो कार्यक्रमों का पटकथा-लेखन पूरा हो चुका है। विद्यालय-पूर्व शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में मॉड्यूलों का विकास किया जा रहा है।

रेडियो विजन कार्यक्रम

20 कहानियों पर आडियो कैसेटों और सचित्र पुस्तकों का निर्माण किया जा रहा है।

इस नवाचारी कार्यक्रम के तहत आडियो कार्यक्रम "खिलते फूल" से कहानियाँ चुनी गई हैं और कहानी-पुस्तकों की तैयारी चल रही है। बच्चा कहानी की किताब देखते और पृष्ठ पलटते हुए आडियो कैसेट सुनता है। 20 कहानियों पर आडियो कैसेटों और सचित्र पुस्तकों का निर्माण किया जा रहा है। कक्षा 1 और 2 के बच्चे भी इनका कारगर प्रयोग कर सकते हैं।

प्रारंभिक शिक्षा

गतिविधियों पर आधारित अध्यापन-अधिगम: प्राथमिक कक्षाओं में एक प्रयोग

अध्यापकों का परिचय अनेक गतिविधियों से कराया गया जो भाषा, पर्यावरण अध्ययन और गणित के विषयों से संबंधित हैं।

केन्द्रीय विद्यालयों (जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और परिषद्) की प्राथमिक कक्षाओं में शुरू किए गए इस कार्यक्रम के तहत अध्यापकों का परिचय अनेक गतिविधियों से कराया गया जो भाषा, पर्यावरण अध्ययन और गणित के विषयों से संबंधित हैं। गतिविधियों के द्वारा क्षमता-आधारित अध्यापन के बारे में अध्यापकों से प्रतिज्ञान पाने के लिए मासिक बैठकें की गई। अध्यापकों से प्रत्येक विषय में 5 गतिविधियाँ तैयार करने को कहा गया। सामग्रियों की कमी, अनुशासन और कक्षा की व्यवस्था जो पूरी तरह सामान्य थी जबकि गतिविधि-आधारित दृष्टिकोण तरह-तरह की सामग्रियों की माँग करता है, छोटे समूहों के गतिविधियाँ और विज्ञान व गणित के किटों जैसी कुछ अधिगम सामग्रियों की उपलब्धि, भाग लेने वाले अध्यापकों के सामने आने वाली कठिनाइयों में शामिल थीं। इन कठिनाइयों के समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

चियर परियोजना

रेडियो द्वारा बाल समृद्धिकरण प्रयोग (चियर) परियोजना के अंतर्गत 'हरियाणा में चियर परियोजना का आधारभूत सर्वेक्षण' पूरा किया गया। ऑगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता, ऑगनबाड़ियों में चियर कार्यक्रम के उपयोग की सीमा तथा समुदाय की भागीदारी और जागरूकता जैसे पक्षों की दृष्टि से आँगनबाड़ियों में विद्यालय-पूर्व शिक्षा वाले घटक की प्रेक्षित स्थिति निष्कर्षों से पता चलता है कि विद्यालय-पूर्व आयु के आधे से भी कम बच्चे एकीकृत बाल विकास योजना के विद्यालय-पूर्व शिक्षा कार्यक्रम से लाभान्वित हो रहे हैं। लड़कों के मुकाबले लड़कियों का नामांकन 5 प्रतिशत अधिक था। ऑगनबाड़ियों में नामांकित बच्चों में 5-6 आयु-वर्ग के बच्चे अधिक संख्या में थे। लेकिन अवलोकन के दिन 3-4 वर्ग आयु-वर्ग के बच्चों की उपस्थिति अधिक थी। खेल की पद्वति के साथ अध्यापन की औपचारिक पद्धतियों का व्यवहार भी किया जाता है। 54 प्रतिशत से अधिक आँगनबाड़ियों में स्थान की समस्या थी। अध्ययन से पता चला कि रेड़ियो प्रसारण कभी-कभी स्पष्ट नहीं रहा, तथा अंकुर, एकीकृत बाल विकास योजना और चियर के कार्यक्रमों में कोई समन्वय नहीं था।

निष्कर्षों से पता चलता है कि विद्यालयपूर्व आयु के आधे से भी कम बच्चे एकीकृत बाल विकास योजना के विद्यालयपूर्व शिक्षा कार्यक्रम से लाभान्वित हो रहे हैं। लड़कों के मुकाबले लड़कियों का नामांकन 5 प्रतिशत अधिक था।

न्यूनतम-अधिगम स्तरों का क्रियान्वयन

परिषद् के विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग में न्यूनतम अधिगम स्तरों पर एक राष्ट्रीय प्रलेखन एकक स्थापित किया जा रहा है। शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य-शिक्षा, कार्यानुभव और कला शिक्षा जैसे असंज्ञानात्मक क्षेत्रों में प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तरों के विकास के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई। सामाजिक अध्ययन में उच्चतर प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम-अधिगम स्तरों पर एक दस्तावेज के मसौदे की अवध ारणा तैयार और विकसित की गई और उसे राष्ट्रीय कोर समिति के सामने प्रस्तुत किया गया।

सामाजिक अध्ययन में उच्चतर प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम-अधिगम स्तरों पर एक दस्तावेज के मसौदे की अवधारणा तैयार और विकसित की गई और उसे राष्ट्रीय कोर समिति के सामने प्रस्तुत किया गया।

भारत में प्रारंभिक शिक्षा : वर्तमान स्थिति

इस अध्ययन के अंतर्गत प्रारंभिक शिक्षा के परिमाणात्मक प्रसार, इस क्षेत्र में हुए अनुसंधान अध्ययनों और विभिन्न संगठनों द्वारा चलाई गई नवाचारी परियोजनाओं के बारे में 1961 से 1992 तक के काल की आवश्यक सूचनाएँ जमा की गई है।

दूरवर्ती विधि से प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए अनुदेशी सामग्रियाँ

परिषद् और इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की इस सहयोगमूलक परियोजना के अंतर्गत भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन और कला शिक्षा के क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा के प्रमाण-पत्र कार्यक्रम के पहले 6 महीने के लिए अनुदेशी मॉड्यूल विकसित किए गए हैं। पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए इन्हें इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पास भेजा गया है।

अनुदेशी सामग्रियों की पठनीयता का अध्ययन

कार्यक्रमों की आवश्यकताओं से संबंधित इस अध्ययन के प्रारूप को जि.प्रा.शि.का. वाले राज्यों में इस कार्यक्रम के कार्मिकों से सलाह-मशविरा करके अंतिम रूप दिया गया। हरियाणा के लिए एक अंतरिम रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया। अन्य राज्यों पर रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं।

अभिभावक शिक्षा के लिए सामग्रियों का विकास

अभिभावक शिक्षा के कुछ पहलुओं तथा विद्यालयों में बच्चों के नामांकन, प्रतिधारण और उपलब्धि को बढ़ाने में उनकी भागीदारी पर एक सचित्र पुस्तक की पांडुलिपि तैयार की गई है।

पोषाहार, स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यावरण की स्वच्छता (पो. स्वा. शि. प. स्व.) की स्थिति का अध्ययन

राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों की पाठ्यचर्या में पोषाहार, स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यावरणीय स्वच्छता वाले घटक की स्थिति पर एक अध्ययन जारी है। उत्तरी, पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों के कार्मिकों की एक राष्ट्रीय बैठक आयोजित की गई। पूर्वोत्तर राज्यों के कार्मिकों की एक बैठक अलग से आयोजित की गई।

मानव संसाधन विकास के लिए क्षेत्र-सघन शिक्षा परियोजना

इस परियोजना का उद्देश्य चुनिंदा भौगोलिक क्षेत्रों में विद्यालय-पूर्व, प्राथमिक, अनौपचारिक और प्रौढ़ शिक्षा के सुधार पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 'सभी के लिए शिक्षा' के वास्ते एक व्यावहारिक प्रतिरूप का विकास करना है। विभिन्न आयु वर्गों के शैक्षिक कार्यक्रमों में पारस्परिकता स्थापित करने के लिए सभी भागीदार राज्यों और केन्द्र सरकार के विकास संबंधी साधनों को लामबंद करना और समुदाय का समर्थन जुटाना भी इसकी कार्यपद्धतियों में शामिल हैं।

परियोजना का उद्देश्य चुनिंदा भौगोलिक क्षेत्रों में विद्यालय-पूर्व, प्राथमिक, अनौपचारिक और प्रौढ़ शिक्षा के सुधार पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 'सभी के लिए शिक्षा' के वास्ते एक व्यावहारिक प्रतिरूप का विकास करना है।

आरंभ में यह परियोजना महाराष्ट्र, मिजोरम, उड़ीसा, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश तथा दादरा और नगर हवेली के एक-एक प्रखंड में शुरू की गई। आज इसके दायरे में 16 प्रखंडों में शामिल 1756 गाँव आते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर इस परियोजना को लागू करने की जिम्मेदारी परिषद् पर है।

इस परियोजना को राज्य स्तर पर राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों तथा प्रखंड पर बहुउद्देश्यी संसाधन केन्द्रों द्वारा लागू किया जा रहा है। हर गाँव में एक ग्राम एवं विकास केन्द्र स्थापित किया गया है। गाँव, प्रखंड, जिला और राज्यों के स्तरों पर समन्वय समितियाँ गठित की गई हैं।

परियोजना की निगरानी और परिवेक्षण के लिए जाँच सूचियाँ जारी की गई हैं। परियोजना की निगरानी और परिवेक्षण में यूनिसेफ के क्षेत्रीय कार्यालय भी सहायता दे रहे हैं। इस परियोजना के अंतर्गत उत्साहवर्धन परिणाम सामने आए हैं, जैसे नामांकन और प्रतिधारण में वृद्धि; समुदाय की लामबंदी; विद्यालयपूर्व, विद्यालय और प्रौढ़ शिक्षा में अनुबंधनों की स्थापना तथा विभिन्न क्षेत्रों के बीच अंतर्क्षेत्रीय समन्वय।

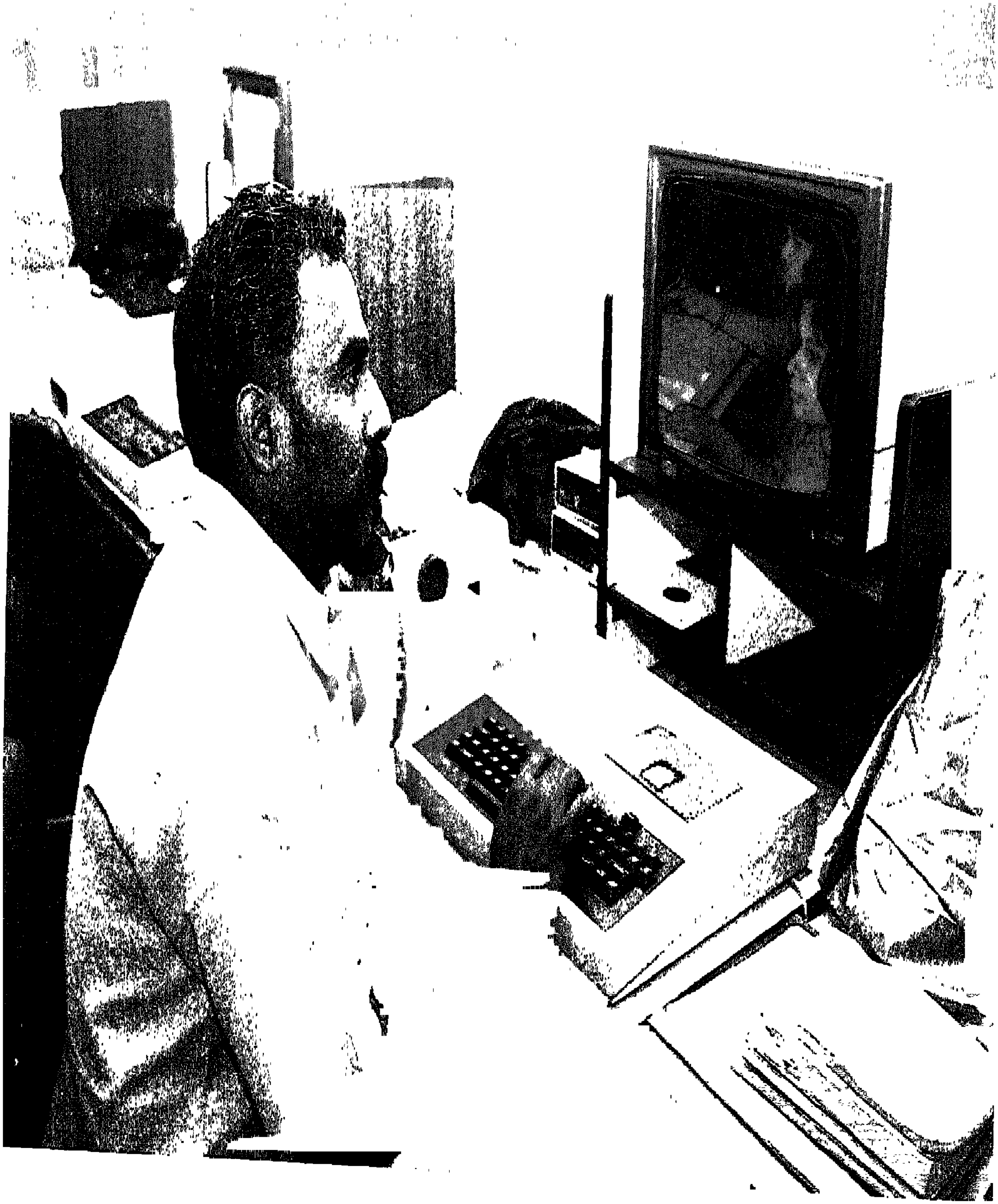
क्षेत्र सघन शिक्षा परियोजना आमतौर पर ''सभी के लिए शिक्षा'' और खासतौर पर प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के लिए एक कम खर्चीला अनुकरणीय प्रतिरूप सिद्ध हो रही है।

कुछ राज्यों में इस परियोजना तथा जा.प्रा.शि. कार्यक्रम के बीच अनुबंधनों की स्थापना पर विचार किया जा रहा है। 1756 गाँवों में सामुदायिक शिक्षा और विकास केन्द्र स्थापित किए गए हैं। यह क्षेत्र सघन शिक्षा परियोजना आमतौर पर ''सभी के लिए शिक्षा'' और खासतौर पर प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के लिए एक कम खर्चीला अनुकरणीय प्रतिरूप सिद्ध हो रही है।

1994-95 के दौरान प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्रियाँ

- विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए 24 आडियो कार्यक्रम।
- विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के अभिभावकों के लिए 20 आडियो कैसेट।
- अभिभावक शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी पर फिल्म।
- शिशुओं के लिए 6 पुस्तकें।
- रेडियो द्वारा बाल समृद्धिकरण प्रयोग (चियर)।
- हरियाणा में चियर परियोजना का आधारभूत सर्वेक्षण।
- स्कूल रेडिनेस - ए मैनुअल फॉर टीचर्स।
- विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए 10 सचित्र पुस्तकें।

1994-95 के दौरान आयोजित कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के ब्यौरे तालिका 1 और तालिका 9 में दिए गए हैं। ■



क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय

सेवा पूर्व अध्यापक शिक्षा के नवाचारी कार्यक्रमों का विकास परिषद् के प्रमुख सरोकारों में एक है। अध्यापकों की वृत्तिक शिक्षा; विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पक्षों से जुड़े अनुसंधान और विकास अध्ययनों; अध्यापक शिक्षकों, अध्यापकों और अध्यापक प्रशिक्षार्थियों के उपयोग के लिए अनुदेश सामग्रियों के विकास; तथा विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्रों में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) सक्रिय रहे।

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों की शैक्षिक आवश्यकताएँ पूरी करता है।

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले राज्यों और संघीय क्षेत्रों की शैक्षिक आवश्यकताएँ पूरी करता है। क्षे.शि.म., अजमेर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों तथा चंडीगढ़ और दिल्ली के संघ-शासित क्षेत्रों की अध्यापक शिक्षा संबंधी और अन्य संबद्ध आवश्यकताएँ पूरी करता है। क्षे.शि.म., भोपाल के कार्यक्षेत्र में गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, और महाराष्ट्र राज्य तथा संघ-शासित क्षेत्र, दादरा-नगर हवेली और दमन और दीव आते हैं। अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल तथा संघ-शासित क्षेत्र अंडमान-निकोबार क्षे.शि.म., भुवनेश्वर के दायरे में आते हैं। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु तथा संघ-शासित क्षेत्र लक्षद्वीप और पांडिचेरी की जरूरतें क्षे.शि.म., मैसूर से पूरी होती है।

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर ने विज्ञान शिक्षा बी.एससी. (ऑनर्स/पास), बी.एड. उपाधि का चार वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम; विज्ञान, कृषि, वाणिज्य, भाषा अंग्रेजी, हिन्दी या उर्दू में, बी.एड. उपाधि का एक वर्षीय पाठ्यक्रम तथा विज्ञान, वाणिज्य और भाषा में एक साल का एम.एड. पाठ्यक्रम चलाया। अजमेर विश्वविद्यालय से संबद्ध इस महाविद्यालय में शिक्षाशास्त्र और विज्ञान में पीएच.डी. अध्ययन की सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

1993-94 के दौरान क्षे.शि.म., अजमेर द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों का नामांकन तालिका 10 में दिया गया है।

शैक्षिक सत्र 1993-94 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के परीक्षा परिणाम तालिका 11 में दिए गए हैं।

1994-95 के दौरान क्षे.शि.म., अजमेर द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और गतिविधियों के प्रमुख तत्व नीचे दिए गए हैं

संकाय के एक दल को जि.प्रा.शि.का. के तहत प्रशिक्षण, पाठ्यचर्या के विकास और अनुसंधान का काम सौंपा गया है।

(अ) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम को शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए कार्रवाई संबंधी एक कार्यक्रम शुरू किया गया। क्षे.शि.म., अजमेर राज्य शै.अ.प्र. परिषदों व जि.शि.प्र. संस्थानों की क्षमताओं के विकास के लिए प्रयत्नशील है और इसके लिए योजना और प्रारूप कार्यक्रमों के लिए शैक्षिक मार्गदर्शन प्रदान करता है तथा आवश्यकता पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा जि.शि.प्र. संस्थानों की वृत्तिक प्रवृत्ति को बल पहुँचाता है। इसके लिए आवश्यकता के आकलन, प्रशिक्षण पैकेज के विकास और प्रशिक्षण पर आधारित विषय-विशिष्ट प्रशिक्षण का प्रतिरूप स्वीकार किया गया है। संकाय के एक दल को जि.प्रा.शि.का. के तहत प्रशिक्षण, पाठ्यचर्या के विकास और अनुसंधान का काम सौंपा गया है।

(ब) क्षे.शि.म. के कृषि विभाग के पास महाविद्यालय तथा डी.एम.स्कूल के छात्रों के अनुदेश के लिए शैक्षिक फार्म, दुग्धशाला, मुर्गीपालन केन्द्र और कर्मशाला की इकाइयाँ हैं। विभिन्न क्षेत्रों के किसान भी इन इकाइयों में आते हैं तथा अनाज उत्पादन, दुग्ध उत्पादन और मुर्गीपालन संबंधी विकासों की नई तकनीकें देखते हैं।

(स) महाविद्यालय के संकाय ने विभिन्न शैक्षिक संस्थानों और संगठनों को समय-समय पर अपनी विशेषज्ञता प्रदान की है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं : (क) 'लोक जुंबिश' के अंतर्गत प्राथमिक कक्षाओं के लिए

पर्यावरण शिक्षा क़ी परीक्षा-सामग्रियों की तैयारी में मार्गदर्शन; (ख) परियोजना 'राज्य के विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर बुरे परिणाम के कारणों का अध्ययन' के लिए अनुसंधान-प्रारूप के विकास और अध्ययन के आयोजन में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान को मार्गदर्शन; और (ग) उपरोक्त बोर्ड के व्यावसायिक-पूर्व और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए कंप्यूटर शिक्षा की पुस्तकों का विकास। इनके अलावा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के संकाय ने बाहरी संगठनों द्वारा आयोजित अनेक कार्यक्रमों के लिए संसाधन व्यक्तियों का काम भी किया है।

(द) बंगलादेश के एक चार-सदस्यी दल ने 18 सितंबर, 1994 को क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर का दौरा किया और संकाय सदस्यों से विचार-विमर्श किया।

1994-95 में प्रकाशित रिपोर्टें व अन्य सामग्रियाँ

(अ) उच्चतर प्राथमिक कक्षाओं के लिए गणित के कार्यकलाप-आधारित पाठ (अंग्रेजी, अनुलेखित);

(ब) शैक्षिक कार्यक्रमों का लागत-लाभ विश्लेषण (अंग्रेजी, टंकित)।

वर्ष 1994-95 के दौरान क्षे.शि.म., अजमेर द्वारा आयोजित कार्यशालाओं, प्रशिक्षण या अभिविन्यास कार्यक्रमों के ब्यौरे तालिका 12 में दिए गए हैं।

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के संकाय ने बाहरी संगठनों द्वारा आयोजित अनेक कार्यक्रमों के लिए संसाधन व्यक्तियों का काम भी किया है।

क्षेत्रिय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल

क्षे. शि.म., भोपाल में निम्न सेवापूर्व पाठ्यक्रमों का संचालन जारी रहा :

(अ) एम.एड.- एक साल का पाठ्यक्रम; प्रारंभिक शिक्षा, अध्यापक शिक्षा, विज्ञान शिक्षा और जनसंख्या शिक्षा में विशेषीकरण सहित।

(ब) बी.ए. बी.एड. - चार साल का एकीकृत पाठ्यक्रम; अंग्रेजी विशेष विषय के रूप में।

(स) बी.एससी., बी.एड. - विज्ञान, गणित और शिक्षाशास्त्र में चार साल का एकीकृत पाठ्यक्रम।

(द) बी.एड. - एक साल का पाठ्यक्रम, विज्ञान और वाणिज्य में विशेषीकरण सहित।

(य) बी.एड (प्रारंभिक शिक्षा) - प्रारंभिक शिक्षा में विशेषीकरण के साथ अध्यापक तैयार करने का एक वर्षीय कार्यक्रम।

(र) क्षे.शि.म., भोपाल ने एक बहुश्रेणीय अध्यापन कार्यक्रम भी चलाया।

नामांकन

शैक्षिक सत्र 1994-95 में विभिन्न पाठ्यक्रमों का नामांकन तालिका 13 में दिया गया है।

परीक्षा परिणाम

महाविद्यालय के संकाय ने वाणिज्य और विज्ञान के क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्रियों का विकास किया है। विज्ञान शिक्षण में सुधार के लिए भी कुछ अध्ययन किए गए हैं।

1994 में विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों के परीक्षा परिणाम तालिका 14 में दिए गए हैं।

महाविद्यालय के संकाय ने वाणिज्य और विज्ञान के क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्रियों का विकास किया है। विज्ञान शिक्षण में सुधार के लिए भी कुछ अध्ययन किए गए हैं।

1994-95 में क्षे.शि.म., भोपाल द्वारा आयोजित कर्मशालाओं, प्रशिक्षण या अभिविन्यास कार्यक्रमों के ब्यौरे तालिका 15 में दिए गए हैं।

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर ने इस वर्ष निम्नलिखित सेवापूर्व अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया :

(अ) बी.ए. और बी.एड. (चार वर्ष का एकीकृत पाठ्यक्रम)

(ब) बी.एससी. और बी.एड. (चार वर्ष का एकीकृत पाठ्यक्रम)

(स) बी.एड. (माध्यमिक), कला और विज्ञान (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)

चार वर्षीय पाठ्यक्रम सामान्य, वृत्तिक और विषय-वस्तु की शिक्षा के एक नवाचारी एकीकृत क्रम का सूचक है। ये पाठ्यक्रम विज्ञान और कला

के क्षेत्रों में समर्थ अध्यापक तैयार करने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए हैं।

जहाँ एम.एससी. (लाइफ साइंस) एड. पाठ्यक्रम एक अखिल भारतीय पाठ्यक्रम है, वहीं महाविद्यालय द्वारा संचालित अन्य सभी पाठ्यक्रम पूर्वी क्षेत्र के छात्रों के लिए हैं।

सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश योग्यता तथा राज्यवार कोटा के आधार पर दिया जाता है। अनुसूचित जातियों, जनजातियों व विकलांगों आदि के लिए सीटों में आरक्षण की अनिवार्य व्यवस्था है।

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर एकीकृत विद्यालयों में कार्यरत तथा पूर्वी क्षेत्र की राज्य सरकारों द्वारा प्रतिनियुक्त प्रारंभिक अध्यापकों के लिए एक साल का बहुश्रेणीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता रहा है। यह पाठ्यक्रम एकीकृत विकलांग शिक्षा की यूनिसेफ से सहायता प्राप्त परियोजना के तहत चलाया जाता है। यह बहुश्रेणीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अब महाविद्यालय का एक नियमित कार्यक्रम बन चुका है। सत्र 1994-95 में अध्यापकों के छठे दल को प्रशिक्षण दिया गया है।

क्षे.शि.म. भुवनेश्वर एकीकृत विद्यालयों में कार्यरत तथा पूर्वी क्षेत्र की राज्य सरकारों द्वारा प्रतिनियुक्त प्रारंभिक अध्यापकों के लिए एक साल का बहुश्रेणीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता रहा है।

नामांकन

1993-94 में महाविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन की स्थिति तालिका 16 में दी गई है।

परीक्षा परिणाम

सत्र 1993-94 में आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम तालिका 17 में दिए गए हैं।

जि.शि.प्र. संस्थानों के संकाय का सेवापूर्व प्रशिक्षण, अभिविन्यास या प्रशिक्षण

(अ) क्षे.शि.म., भुवनेश्वर ने न केवल जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय को भारी पैमाने पर प्रशिक्षित किया है बल्कि प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए निम्नलिखित पैकेज और मॉड्यूल भी तैयार किए हैं:

- जागरूकता के मॉड्यूल

क्षे.शि.म, भुवनेश्वर ने न केवल जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय को भारी पैमाने पर प्रशिक्षित किया है बल्कि प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए पैकेज और मॉड्यूल भी तैयार किए है।

- प्रशासन और प्रबंधन के मॉड्यूल
- प्राथमिक पाठ्यचर्या के विशिष्ट विषय-वस्तु वाले क्षेत्रों के मॉड्यूल
- आकलन के साधनों और सतत् व्यापक मूल्यांकन के मॉड्यूल

यह पूरा का पूरा प्रशिक्षण पैकेज सभी जि.शि.प्र. संस्थानों में वितरित किया गया है।

(ब) प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करते हुए क्षे.शि.म., भुवनेश्वर ने प्रशिक्षण के निम्नलिखित पैकेज विकसित किए हैं:

- अध्यापन-अधिगम के प्रति बाल केन्द्रित, कार्यकलाप-आधारित, खेल-खेल में सीखने के दृष्टिकोणों का प्रदर्शन करते हुए अंग्रेजी, उड़िया, गणित, पर्यावरण अध्ययन-1 और पर्यावरण अध्ययन-2 जैसे क्षेत्रों की विशिष्ट अवधारणाएँ :

वास्तविक कक्षा प्रदर्शन, हमजोली समूहों की गतिविधियाँ और वीडियो फिल्म प्रदर्शन भी इस प्रशिक्षण की रणनीतियों में शामिल हैं।

- न्यूनतम अधिगम स्तरों पर आधारित अध्यापन, अधिगम, परीक्षण और मूल्यांकन।

इन प्रशिक्षण पैकेजों का उड़ीसा और असम राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है तथा अध्यापकों के प्रशिक्षण शिविरों में अध्यापक शिक्षकों द्वारा इनका उपयोग किया जा रहा है।

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर संकाय की विशेषज्ञता के रूप में प्रशिक्षण पैकेजों और आकलन के साधनों की तैयारी, अनुसंधान-आधारित सर्वेक्षणों और अध्ययनों आदि में आवश्यक शैक्षिक सहायता प्रदान कर रहा है।

मूल्यों की शिक्षा

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर ने 'मानवीय मूल्यों की शिक्षा के लिए पूर्वी क्षेत्र के (प्रारंभिक और माध्यमिक) अध्यापक-शिक्षकों के प्रशिक्षण का 150 दिनों का एक कार्यक्रम चलाया। इस कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार थे :

(अ) बच्चों की शिक्षा के माध्यम से हमारी जनता की एकता और अखंडता से सरोकार रखने वाले सार्वभौम और शाश्वत मूल्यों का विकास;

(ब) राष्ट्रीय मूल्यों, धर्मनिरपेक्षता और श्रम की गरिमा आदि के सरोकारों को बढ़ावा ;

(स) उदीयमान भारतीय समाज के संदर्भ में नैतिक और शुभ मूल्यों की समझ और उनका क्रियान्वयन;

(द) मूल्यों को प्रोत्साहन देने में अध्यापक-शिक्षकों का अभिविन्यास;

(य) राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल्य शिक्षा संबंधी निर्देशों को लागू करने के लिए कार्य की रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करना;

(र) अपनी सांस्कृतिक धरोहर और भारतीय चिंतकों की आशाओं के संदर्भ में मूल्यशिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करना;

(ल) मूल्य शिक्षा संबंधी विभिन्न प्रयोगों से अध्यापक शिक्षकों को परिचित कराना।

वास्तविक कक्षा प्रदर्शन, हमजोली समूह की गतिविधियाँ और वीडियो फिल्म प्रदर्शन भी इस प्रशिक्षण की रणनीतियों में शामिल हैं।

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (रा.ज.शि.प.)

क्षे.शि.म, भुवनेश्वर पूर्वी क्षेत्र के माध्यमिक अध्यापकों का प्रशिक्षण आयोजित करने के अलावा औपचारिक शिक्षा प्रणाली तथा जि.शि.प्र. संस्थानों के विशेष लक्ष्य-समूहों और सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों के लिए जनसंख्या शिक्षा की आदर्श अध्यापन-अधिगम सामग्री सामने लाता रहा है।

'उड़ीसा के अ.जा./अ.ज.जा. समुदाय के लिए जनसंख्या शिक्षा की अध्यापन-अधिगम सामग्री (प्राथमिक स्तर) का विकास, समीक्षा और अंतिम रूप निर्धारण' विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

'क्लास' परियोजना

मा.सं.वि. मंत्रालय ने परिषद् के साथ मिलकर राज्य सरकारों द्वारा चुनी गई संस्थाओं को माईक्रो पी.सी. कंप्यूटर देने की एक योजना बनाई है। यह परियोजना चरणों में सभी विद्यालयों में लागू होगी। परिषद् कंप्यूटर प्रणालियों के वितरण तथा उनके समुचित रखरखाव और साथ ही शैक्षिक सहायता की व्यवस्था के लिए कंप्यूटर मेनटेनेंस कारपोरेशन (सी.एम.एस.) के साथ सहयोग करेगी। यह सहायता परियोजना के दायरे में आने वाली संस्थाओं के अध्यापकों के कंप्यूटरों के बहुमुखी उपयोग संबंधी प्रशिक्षण के रूप में होगी।

परिषद् कंप्यूटर प्रणालियों के वितरण तथा उनके समुचित रख-रखाव और साथ ही शैक्षिक सहायता की व्यवस्था के लिए कंप्यूटर मेंनटेनेंस कॉरपोरेशन (सी.एम.एस.) के साथ सहयोग करेगी। यह सहायता परियोजना के दायरे में आने वाली संस्थाओं के अध्यापकों के कंप्यूटरों के बहुमुखी उपयोग संबंधी प्रशिक्षण के रूप में होगी।

अनुसंधान की गतिविधियाँ

निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएँ प्रगति पर हैं :

(अ) माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या डिजाइन के विज्ञान की ओर,

(ब) विज्ञान में शिक्षार्थियों की वैकल्पिक अवधारणाएँ : उद्गम और निहितार्थ;

(स) माध्यमिक स्तर पर भौतिकी के प्रश्नों का विद्यार्थियों द्वारा हल की प्रक्रिया की पहचान और सूचना संकलन;

(द) संकल्पनाओं के अंतः संबंधों के बारे में छात्रों की समझ का विश्लेषण करने के लिए महा-संज्ञानात्मक तकनीक का विकास;

(य) विद्यार्थियों की मनोवृत्तियों पर सह-अधिगम के प्रभावों का अध्ययन;

(र) महानदी में बैंथक मैक्रोफोना और मेइयोफोना तथा ऑफ भातरीकणिका मैनग्रोव एस्चुअरीज के इक्टिफोना का सर्वेक्षण और पर्यावरण स्थिति का अध्ययन, पर्यावरण, वन और वन्य जीवन मंत्रालय से वित्तीय सहायता प्राप्त।

1994-95 में क्षे.शि.म., भुवनेश्वर के संकाय-सदस्यों के भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं में अनेक आलेख या लेख प्रकाशित हुए। क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा 1994-95 में आयोजित कार्यशालाओं, अभिविन्यास या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के ब्यौरे तालिका 18 में दिए गए हैं।

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर

क्षे. शि.म., मैसूर ने विज्ञान में (बी.एससी., एड. तथा अंग्रेजी और सामाजिक विज्ञानों में (बीए.एड.) के चार वर्षीय अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रमों का; भौतिकी, रसायन और गणित में दो वर्षीय परास्नातक (एम. एस.सी., एड) पाठ्यक्रम का एक वर्षीय बी.एड. तथा एक वर्षीय एम.एड. पाठ्यक्रम (शैक्षिक प्रौद्योगिकी व विशेष शिक्षा में विशेषीकरण सहित) का संचालन किया। महाविद्यालय ने एकीकृत विकलांग शिक्षा के संदर्भ में दक्षिणी क्षेत्र के प्राथमिकी अध्यापकों के लिए एकवर्षीय बहुश्रेणीय अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया।

नामांकन

1994-95 में महाविद्यालय के विभिन्न सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में नामांकन के ब्यौरे तालिका 19 में दिए गए हैं।

परीक्षा परिणाम

क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के परीक्षा परिणाम तालिका 20 में दिए गए हैं।

अनुसंधान और नवाचार

प्रारंभिक विद्यालय के अध्यापकों में दबाव : एक अध्ययन

इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य काम से जुड़े तनाव के कारणों के प्रभाव का आकलन करना तथा इस तनाव से जुड़े स्थितिपरक, सहकालिक, व्यक्तित्वपरक और परिवार संबंधी चरों की पहचान करना है।

मैसर जिले के 12 तालुकों के 1560 प्रारंभिक अध्यापक इस अध्ययन के दायरे में आते हैं। एक पाँच-सूत्री प्रश्नावली पर 1560 व्यक्तियों के प्रत्युत्तर और साक्षात्कारों से आँकड़े जमा किए गए।

महाविद्यालय ने एकीकृत विकालांग शिक्षा के संदर्भ में दक्षिणी क्षेत्र के प्राथमिकी अध्यापकों के लिए एकवर्षीय बहुश्रेणीय अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया।

परियोजना के प्रमुख निष्कर्ष

(अ) 40.2 प्रतिशत प्रारंभिक अध्यापक अपने काम को अत्यंत (14.6 प्रतिशत) और काफी (25.6 प्रतिशत) तनावपूर्ण समझते हैं।

(ब) शिक्षा के उच्चतर स्तर, प्रोन्नति की कम संभावनाओं की अनुभूति, अधिक अनुभव-वर्ष, नगरीय विद्यालयों में काम तथा अध्यापन के प्रति अप्रतिबद्धता से काम से जुड़े तनाव अधिक पैदा होते हैं।

(स) अनिर्णायक, अक्खड़ गैर-दोस्ताना, नाकारा, तालमेल बिठाने में असमर्थ, अविनम्र, अव्यवस्थित, संकोची, अनुत्साही, चिड़चिड़े, घबराए हुए, संवेदनशील, व्यक्तिवादी, ईर्ष्यालु, कठोर और बद दिमाग अध्यापक काम से जुड़े तनाव अधिक महसूस करते हैं।

(द) अत्यंत तनावग्रस्त अध्यापक अत्यंत चिंतित भी थे।

(य) काम से जुड़े दवाब के ये चारों कारक एक समान शक्तिशाली नहीं पाए गए।

(र) संयुक्त परिवार में जीवन, खराब निजी स्वास्थ्य, परिवार का खराब स्वास्थ्य, अभिभावकों से अमधुर संबंध और अपर्याप्त आय के कारण अध्यापक काम से जुड़ा तनाव अधिक महसूस करते हैं।

नवसाक्षरों के लिए वैज्ञानिक साक्षरता की पाठ्यचर्या का विकास और उसकी प्रभाविता का अध्ययन

इस अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार थे :

- नवसाक्षरों की वैज्ञानिक साक्षरता के स्तरों की पहचान;
- वैज्ञानिक साक्षरता की पाठ्यचर्या का विकास तथा वैज्ञानिक जागरूकता की उपलब्धि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास और नवसाक्षरों की वैज्ञानिक रुचि की दृष्टि से इसकी प्रभाविता का अध्ययन;
- वैज्ञानिक जागरूकता की उपलब्धि, वैज्ञानिक दृष्टि और वैज्ञानिक रुचि के संदर्भ में नवसाक्षर पुरुषों और स्त्रियों के अंतर का अध्ययन; - उपरोक्त तीनों घटकों के आपसी संबंधों का अध्ययन।

यह अध्ययन तीन चरणों में चलाया गया :

पहला चरण	:	वैज्ञानिक साक्षरता की पाठ्यचर्या, अधिगम की विभिन्न रणनितियां और उपकरणों का विकास।
दूसरा चरण	:	विकसित सामग्री का परीक्षण।
तीसरा चरण	:	वास्तविक क्रियान्वयन, 2 मंडलों के पहचानशुदा 65 नवसाक्षरों के प्रतिदर्श पर परीक्षण के व्यवहार समेत।

परियोजना के प्रमुख निष्कर्ष

पाठ्यचर्या के क्रियान्वयन से पहले और बाद में किए गए वैज्ञानिक जागरूकता परीक्षण से प्राप्त आँकड़ों से पता चलता है कि वैज्ञानिक जागरूकता पर इस पाठ्यचर्या का अच्छा प्रभाव पड़ा।

पाठ्यचर्या के लागू होने के बाद वैज्ञानिक दृष्टि और रुचि में जो सुधार पाया गया, उससे वैज्ञानिक पाठ्यचर्या के क्रियान्वयन की प्रभाविता का पता चलता है।

साक्षर स्त्रियों में साक्षर पुरुषों की अपेक्षा बेहतर वैज्ञानिक जागरूकता, वैज्ञानिक दृष्टि और वैज्ञानिक रुचियाँ पाई गई।

नवसाक्षरों की वैज्ञानिक जागरूकता, वैज्ञानिक दृष्टि और वैज्ञानिक रुचि के बीच सार्थक संबंध पाया गया।

1994-95 में प्रकाशित रिपोर्ट और अन्य सामग्रियाँ

- स्टेडीज़ इन एजुकेशन थ्योरीज एंड प्रक्टिसेज, वॉल्यूम 3 (मुद्रित)

1994-95 के दौरान क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा आयोजित कार्यशालाओं, अभिविन्यास या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के ब्यौरे तालिका 21 में दिए गए हैं।

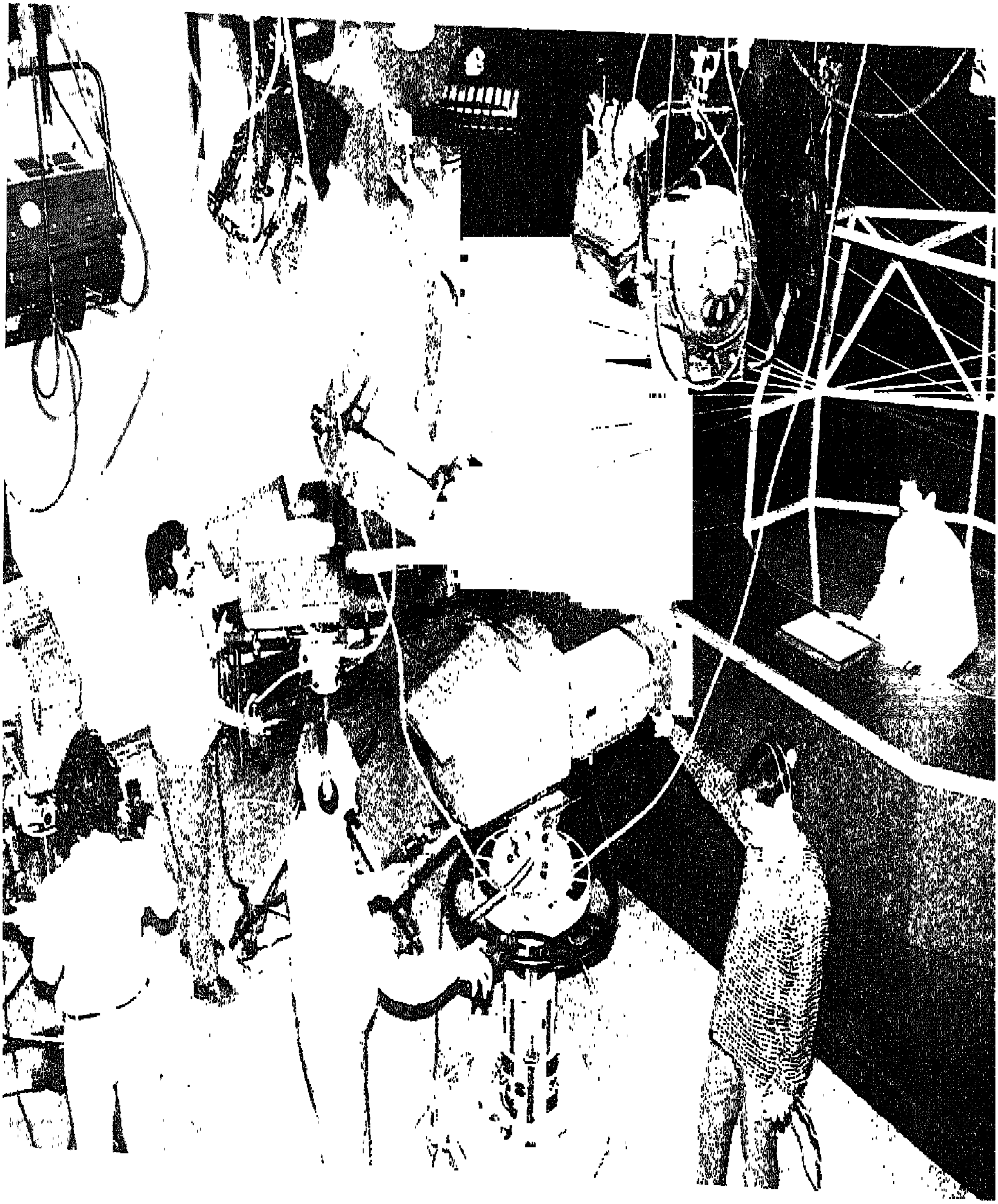
प्रायोगिक विद्यालय (डी.एम. स्कूल)

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय से एक प्रायोगिक विद्यालय है। क्षे.शि. महाविद्यालयों द्वारा संचालित विभिन्न अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रमों में नामांकित अध्यापक-प्रशिक्षार्थी प्रायोगिक विद्यालयों में व्यावहारिक प्रशिक्षण पाते हैं। ये विद्यालय, विद्यालय शिक्षा और अध्यापक शिक्षा संबंधी नवाचारी व्यवहारों के परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं की तरह काम करते हैं।

1994-95 में विभिन्न प्रायोगिक विद्यालयों के नामांकन तालिका 22 में दिए गए हैं।

परीक्षा परिणाम

1993-94 में संबंध राज्यों के शिक्षा बोर्डो द्वारा आयोजित परीक्षाओं में विभिन्न प्रायोगिक विद्यालयों के परिणाम तालिका 23 में दिए गए हैं।



अध्याय 5

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान

देश में शिक्षा के सुधार और प्रसार के लिए तथा वैकल्पिक शिक्षा प्रणालियों के विकास के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी और खासकर जनसंचार माध्यमों को बढ़ावा देना परिषद् का एक प्रमुख कार्यक्षेत्र है। शैक्षिक प्रौद्योगिकी के एक अग्रणी संस्थान के रूप में परिषद् का केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (के.शै.प्रौ.सं.) का प्रमुख सरोकार वीडियो-आडियो कार्यक्रमों का विकास; 16 मि.मी. फिल्मों और कम लागतवाली सामग्रियों का निर्माण; शैक्षिक प्रौद्योगिकी, माध्यमों के लिए कार्यक्रमों का निर्माण और तकनीकी कार्यों में कार्मिकों का प्रशिक्षण; मूल्यांकन-संबंधी शोध का आयोजन; प्रलेखन, सूचनाओं और सामग्रियों का प्रसार तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी के व्यवहार और विकास संबंधी परामर्श प्रदान करना है। हिन्दी में प्राथमिक स्तर पर इनसेट के द्वारा प्रतिदिन सुबह प्रसारित होने वाली शैक्षिक टेलीविजन (ई.टी.वी.) सेवा के लिए सामग्री मुहैया करना तथा अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में सुविधाओं तथा कार्यक्रम निर्माण की गतिविधियों के आरंभ करने में छः राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों (रा.शै.प्रौ.सं.) की गतिविधियों का समन्वय करना भी परिषद् की जिम्मेदारी है। के.शै.प्रौ.सं. तथा रा.शै.प्रौ. संस्थानों द्वारा तैयार ई.टी.वी. कार्यक्रम 11 राज्यों तथा संघ-शासित क्षेत्र चंड़ीगढ़ और अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में देखे जाते हैं। ये कार्यक्रम पांच क्षेत्रीय भाषाओं में होते हैं।

हिन्दी की प्राथमिक स्तर की प्रातःकालीन ई.टी.वी. सेवा सात राज्यों और संघ-शासित क्षेत्र चंडीगढ़ और अंडमान-निकोबार में देखी जाती है। इसके बाद जल्द ही मिडिल और माध्यमिक कक्षाओं के लिए स्कूल टेलीविज़न (एस.टी.वी.) कार्यक्रम शुरू किया ज़ाएगा। हिन्दी क्षेत्र में

शैक्षिक प्रौद्योगिकी के एक अग्रणी संस्थान के रूप में परिषद् का केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (के.शै.प्रौ.सं.) का प्रमुख सरोकार वीडियो-आडियो कार्यक्रमों का विकास; 16 मि.मी. फिल्मों और कम लागतवाली सामग्रियों का निर्माण; शैक्षिक प्रौद्योगिकी, माध्यमों के लिए कार्यक्रमों का निर्माण और तकनीकी कार्यों में कार्मिकों का प्रशिक्षण; मूल्यांकन-संबंधी शोध का आयोजन; प्रलेखन, सूचनाओं और सामग्रियों का प्रसार तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी के व्यवहार और विकास संबंधी परामर्श प्रदान करना है।

निर्माताओं, पटकथा-लेखकों और कलाकारों के सक्रिय सहयोग से एड्स की रोकथाम और नियंत्रण के लिए टी.वी. स्पाटों के विकास पर प्रशिक्षण सह निर्माण कार्यशाला का आयोजन इस वर्ष की एक नवीन गतिविधि थी।

प्राथमिक से माध्यमिक स्तर के लिए पहले से ही एक दैनिक टी.वी. शैक्षिक सेवा चल रही है। आकाशवाणी के दस चुनिंदा केन्द्र पहली बार के.शै.प्रौ. सं. द्वारा तैयार आडियो कार्यक्रमों का इस्तेमाल अपने शैक्षिक प्रसारणों में कर रहे हैं। इस आशय के एक समझौता ज्ञापन (मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर परिषद् और आकाशवाणी ने हस्ताक्षर किए हैं। के.शै.प्रौ.संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों की प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों में सहायक कार्यक्रम भी तैयार करता है।

वर्ष 1994-95 में के.शै.प्रौ.सं. की गतिविधियों में ऐसे विषय-आधारित ई. टी.वी. और आडियो कार्यक्रम तैयार करने पर खास जोर दिया जाता रहा, जो प्राथमिक स्तर पर, खासकर पर्यावरण विज्ञान और अंकगणित में न्यूनतम अधिगम स्तरों की प्राप्ति में सहायक हों।

के.शै.प्रौ.संस्थान ने अपनी गतिविधियों के अंतर्गत तकनीकी कार्यों, हार्डवेयर के उत्पादन, वीडियो कार्यक्रमों की तैयारी और पटकथा लेखन के पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। निर्माताओं, पटकथा-लेखकों और कलाकारों के सक्रिय सहयोग से एड्स की रोकथाम और नियंत्रण के लिए टी.वी. स्पाटों के विकास पर प्रशिक्ष-सह-निर्माण कार्यशाला का आयोजन इस वर्ष की एक नवीन गतिविधि थी। एच.आई.वी. या एड्स की रोकथाम और नियंत्रण के लिए ऐसे 13 टी.वी. स्पाट पूरे किए गए। शैक्षिक प्रौद्योगिकी और माध्यमों के उपयोग में जि.शै.प्रौ. संस्थानों के लिए प्रशिक्षण की सामग्रियों के विकास के लिए अनेक कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं।

अनुसंधान और मूल्यांकन

संस्थान प्राथमिक स्तर के और खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के अध्यापकों और बच्चों के लिए प्रतिदिन 10.15 से 11.00 बजे प्रातः प्रसारण के लिए ई.टी.वी. सेवा को हिन्दी में 'तरंग' शीर्षक से एक कार्यक्रम देता है। लखनऊ और पटना स्थित रा.शै.प्रौ. संस्थान भी इस सेवा में योग देते हैं। सेवा में निरंतर सुधार लाने के लिए समीक्षा-काल में निम्न गतिविधियाँ आयोजित की गई।

कार्यक्रमों की गुणवत्ता, कैप्सूलों की गुणवत्ता, प्रत्येक कैप्सूल के कार्यक्रमों की आपसी निरंतरता और संबंधों तथा कार्यक्रमों के दोहराव आदि की जानकारी पाने के लिए दैनिक प्रसारण की निगरानी की गई।

प्रत्येक माह के अंत में संस्थान के अंदर वितरण और विचार-विमर्श के लिए एक मासिक रिपोर्ट तैयार की गई।

पत्रों के रूप में दर्शकों से प्राप्त प्रतिज्ञान के अंतःवस्तु का विश्लेषण किया गया। इस काल में, दर्शकों के 4000 से अधिक पत्रों के अंतःवस्तु-विश्लेषण के आधार पर ऐसी कुछ रिपोर्टें संस्थान में वितरण और विचारविमर्श के लिए तैयार की गई। बच्चों ने कार्यक्रमों पर प्रतिज्ञान देने ही नहीं, खुद की बात व्यक्त करने के लिए भी पत्र लिखे। अनेक पत्रों में उन्होंने स्वरचित रंगचित्र, रेखाचित्र, कविताएँ, कहानियाँ, पहेलियाँ, लतीफे वगैरह भेजे। उन्होंने मुख्यतः अपने परिवेश को समझने के लिए पत्र भी लिखे।

इस काल में तैयार, प्रागैतिहासिक मानव, स्वास्थ्य और प्रश्नोत्तरी संबंधी चार नए ई.टी.वी. कार्यक्रमों का क्षेत्र-परीक्षण किया गया। कार्यक्रमों के निर्माताओं को इसके निष्कर्षो से परिचित और उनसे इन पर विचार-विमर्श किया गया।

मूल्यांकन-प्रयास के फलस्वरूप कार्यक्रमों के समय, ढाँचे, और प्रस्तुति में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए।

संस्थान ने अपने ई.टी.वी. कार्यक्रमों की गहन समीक्षा के लिए विषय-वस्तु और संचार-माध्यमों के विशेषज्ञों की एक दस-सदस्यीय समिति गठित की। इस समिति ने 31 ई.टी.वी. कार्यक्रमों व निरंतरता कार्यक्रमों की समीक्षा की और अनेक सिफारिशें दीं। निर्माण की गुणवत्ता सुधारने के लिए निर्माण और तकनीकी स्टाफ के लाभार्थ मार्गदर्शक सिद्धांत भी तय किए गए।

अंतः क्रियात्मक दूरवर्ती विधि से प्राथमिक स्तर पर गणित-अध्यापन संबंधी परियोजना

1993-94 में क्लासरूम 2000+ परियोजना की सफलता के बाद संस्थान ने अंतः क्रियात्मक दूरवर्ती विधि से प्राथमिक स्तर पर गणित

अध्यापक प्रशिक्षण के इस नवाचारी प्रयोग का उद्देश्य 900 प्राथमिक अध्यापकों और 60 जि.शि.प्र.सं. संस्थानों के संकाय-सदस्यों तक पहुंचाना है ताकि उन्हें अंतः क्रियात्मक प्रौद्योगिकियों के उपयोग से 7 दिनों तक एक ही साथ प्रशिक्षण दिया जा सके।

के अध्यापन के बारे में जि.शै.प्रौ. संस्थानों और प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए एक और भारत-अमरीका उप-आयोग परियोजना की रूपरेखा तैयार की। इस परियोजना में देश के उत्तरी राज्यों के 30 जि. शै.प्रौ. संस्थान तथा जिन जिलों में ये संस्थान स्थित हैं इनके प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापक भाग लेंगे। अध्यापक प्रशिक्षण के इस नवाचारी प्रयोग का उद्देश्य 900 प्राथमिक अध्यापकों और 60 जि.शि.प्र.सं. संस्थानों के संकाय-सदस्यों तक पहुंचाना है ताकि उन्हें अंतः क्रियात्मक प्रौद्योगिकियों के उपयोग से 7 दिनों तक एक ही साथ प्रशिक्षण दिया जा सके। आरंभिक चरणों के रूप में मुश्किल अवधारणाओं की पहचान की जा चुकी है तथा ई.टी.वी. कार्यक्रमों के निर्माण के लिए पटकथाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

शैक्षिक सामग्रियों का विकास

संस्थान ने अपने लिए, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों तथा देश की दूसरी शिक्षा संस्थाओं की माध्यम-संबंधी आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए शैक्षिक सॉफ्टवेयर के विकास का काम जारी रखा। इनमें शैक्षिक टी.वी. कार्यक्रम, आडियो कार्यक्रम, 16 मिमी. फिल्में तथा कम खर्चीली सहायक सामग्रियाँ शामिल हैं।

शैक्षिक टेलीविजन कार्यक्रम

वर्ष 1994-95 में संस्थान ने प्राथमिक चरण के बच्चों और अध्यापकों के लिए 94 नए ई.टी.वी. कार्यक्रम तैयार किए। ये दैनिक प्रसारण वाले कैप्सूलों के विभिन्न कार्यक्रमों में संक्रमण की निरंतरता और संबंध बनाए रखने के लिए बनाए गए 52 निरंतरता और संबंध कार्यक्रमों के अलावा हैं। खासकर पर्यावरण विज्ञान और अंकगणित में न्यूनतम अधिगम स्तरों की प्राप्ति के लिए क्रमबद्ध और विषय-आधारित ई.टी.वी. कार्यक्रमों पर जोर देना जारी रहा। कहानियों और कविताओं के द्वारा भाषा अधिगम तथा रचनाशीलता और अंक-ज्ञान इस काल में प्राथमिकता के प्रमुख क्षेत्र रहे।

बाहरी संगठनों द्वारा ई.टी.वी. के लिए निर्माण

रा.शि.स. के विभागों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शैक्षिक कार्यक्रम, योजना और लागत समिति ने टर्न-की आधार पर

बाहरी निर्माताओं के ई.टी.वी. कार्यक्रमों के निर्माण संबंधी प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। इस वर्ष श्रेणी के आठ ईटीवी कार्यक्रम तैयार किए गए। इनमें व्यावसायिक शिक्षा पर तीन, व्यावसायिक मार्गदर्शन पर दो, सामाजिक अध्ययन के दो और पर्यावरण अध्ययन के एक कार्यक्रम थे जो निम्न प्रकार से हैं :

व्यावसायिक शिक्षा	:	दोलन मापी, बिजली के खतरे, एकीकृत विद्युत पथ
व्यावसायिक मार्गदर्शन	:	नई राहें, निखार
सामाजिक अध्ययन	:	हरिशंकर परसाई, केदारनाथ अग्रवाल
पर्यावरण अध्ययन	:	नेचर वाक

संस्थान ने परिषद् के विभिन्न घटकों के लिए बाहरी निर्माताओं के सहयोग से अभी तक 47 से अधिक वीडियो कार्यक्रम तैयार किए हैं।

निम्नलिखित कार्यक्रम निर्माण के विभिन्न चरणों मे हैं:

- राष्ट्रीय एकता पर तीन कार्यक्रमों की श्रृंखला; इनमें एक भारतीय संविधान पर है।
- बहुकक्षीय अध्यापन।
- शिशु के उद्दीपन के स्रोत।
- पर्वत
- हरी-भरी धरती।

ई.टी.वी. पटकथाएँ

ई.टी.वी. की 83 पटकथाएँ तैयार की गई; हनमें बाहरी प्रतिभाओं को सौंपी गई 58 पटकथाएँ भी शामिल हैं। बच्चों द्वारा यशस्वी व्यक्तियों से साक्षात्कार के लिए छः अर्ध-संरचनाबद्ध पटकथाएँ भी इनमें शामिल हैं। बच्चों के लिए प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा लिखी गई कविताओं पर आधारित बालगीत की एक नई श्रृंखला की पटकथा भी तैयार की गई।

संस्थान ने परिषद् के विभिन्न घटकों के लिए बाहरी निर्माताओं के सहयोग से अभी तक 47 से अधिक वीडियो कार्यक्रम तैयार किए हैं।

शैक्षिक आडियो कार्यक्रम

इस वर्ष तैयार 35 आडियो कार्यक्रमों में आदिवासी संगीत और लोककथाओं पर 10 कार्यक्रमों की एक श्रंखला भी शामिल है। इनमें पर्यावरण-रक्षा के महत्व पर तथा मानव और प्रकृति के सामंजस्यपूर्व संबंध पर जोर दिया गया है।

पर्यावरण शिक्षा की एक और कार्यक्रम-श्रंखला के तहत 8 कार्यक्रम-सार विकसित किए गए। इनमें पाँच आडियो कार्यक्रम 1994-95 में तैयार किए गए। तीन और कार्यक्रम निर्माणाधीन हैं।

कक्षा 3-4 के बच्चों के लिए सामाजिक अध्ययन के 8 कार्यक्रम तैयार किए गए। इस श्रंखला में रेल, पुलिस, पंचायतें, डाक-तार आदि नागरिक सेवाओं से जुड़े विषय शामिल हैं।

उच्चतर प्राथमिक चरण के बच्चों के लिए भारत के मध्यकालीन स्मारकों पर चार टेप स्लाइड-सह-आडियो कार्यक्रम तैयार किए गए।

परिषद् के शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग के सहयोग से उच्चतर प्राथमिक चरण के बच्चों में आत्मखोजी प्रवृत्ति और रचनाशीलता के विकास के लिए आठ आडियो कार्यक्रम तैयार किए गए। परिषद् के सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग के लिए, माध यमिक स्तर के बच्चें में साहित्य-ग्रंथों के सौंदर्य-शास्त्र की समझ के बारे में, अध्यापक-प्रशिक्षण के दो कार्यक्रम तैयार किए गए।

शैक्षिक फिल्में

श्रंखला "लैंड एंड पीपुल आफ इंडिया" के तहत 16 मि.मी. की चार नई फिल्में-वैली ऑफ फलावर्स, वाइब्रेंट रैंजेस, उटी-1 और उटी-2 इस वर्ष पूरी हुई। वैली आफ फ्लावर्स का हिन्दी संस्करण भी पूरा किया गया। इस श्रंखला में पहले ही 16 फिल्में तैयार हो चुकी हैं। वर्ष 1994-95 में इसी श्रंखला में गढ़वाल के आदिवासियों पर एक फिल्म का निर्माण शुरू हुआ।

फोटोग्राफी की तकनीकों और मुगल बागों पर दो फिल्में पूरी हो चुकी हैं।

हमारे इर्द-गिर्द की दुनिया के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों और दृष्टि कोणों पर 16 मि.मी. की एक फिल्म "प्रिंसेस एंड दि मून" का निर्माण शुरू किया गया।

प्रयोक्ता मार्गदर्शिका का विकास

संस्थान द्वारा अध्यापक प्रशिक्षण के वास्ते पहले तैयार किए गए 33 वीडियो कार्यक्रमों के एक पैकेज की एक समिति ने समीक्षा की। इसमें कुछ और जोड़कर 40 ई.टी.वी. कार्यक्रमों का एक पैकेज विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए तैयार किया गया। पैकेज के कारगर प्रयोग के लिए अंग्रेजी में एक प्रयोक्ता मार्गदर्शिका को अंतिम रूप दिया गया। इसका हिन्दी संस्करण पूरा होने के करीब है।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी और माध्यमों पर पाठ्यमाला

विभिन्न अध्यायों की पांडुलिपियों की एक कार्यशाला में समीक्षा की गई तथा उन पर लेखकों व विशेषज्ञों ने विचार किया। संशोधित पांडुलिपियों की समीक्षा करके उन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा।

माध्यमों के उपयोग पर बहुमाध्यमी किट

विभिन्न माध्यमों के कार्यक्रमों का कारगर उपयोग संभवतः भारत सरकार की शैक्षिक प्रौद्योगिकी योजना के क्रियान्वयन की सबसे कमजोर कड़ी है जिसके तहत देश के बहुत सारे प्राथमिक विद्यालयों को रंगीन टी.वी. सेट और रेडियो-कैसेट प्लेयर दिए गए हैं। अतः इन कार्यक्रमों के और हार्डवेयर के कारगर उपयोग में प्रयोक्ता अध्यापकों के अभिविन्यास के लिए कै.शै.प्रौ. संस्थान तथा रा.शै.प्रौ. संस्थानों ने अतिरिक्त सामग्रियाँ विकसित की हैं। एक कार्यशाला में इन सामग्रियों की समीक्षा की गई। प्रयोक्ता अध्यापकों के अभिविन्यास के लिए एक व्यापक बहु-माध्यमी पैकेज की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। वीडियो तथा आडियो कार्यक्रमों और मुद्रित सामग्रियों पर आधारित इस पैकेज को तैयार करने का काम अगले वर्ष शुरू किया जाएगा।

प्रयोक्ता अध्यापकों के अभिविन्यास के लिए एक व्यापक बहु-माध्यमी पैकेज की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। वीडियो तथा आडियो कार्यक्रमों और मुद्रित सामग्रियों पर आधारित इस पैकेज को तैयार करने का काम अगले वर्ष शुरू किया जाएगा।

ध्वनि-मुद्रण के सौंदर्यशास्त्रीय और तकनीकी पक्षों पर पुस्तक

इस पुस्तक की पांडुलिपि तैयार की जा रही है।

ध्वनि-मुद्रण में प्रशिक्षण की सामग्री

ध्वनि की अच्छाई एक अच्छे वीडियो कार्यक्रम का एक अहम घटक है। संगीत के सौदर्य, संवादों की रिकार्डिंग, संगीत की रिकार्डिंग आदि संबंधी आडियो टेपों पर आधारित सामग्रियों का एक सैट ध्वनि-मुद्रण के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में उपयोग के लिए तैयार किया जा रहा है।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/बैठकें/संगोष्ठियाँ और अभिविन्यास कार्यक्रम

शिक्षा के लिए वीडियो-आडियो कार्यक्रमों का निर्माण और पटकथा-लेखन प्रशिक्षण का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र था।

वर्ष 1994-95 के दौरान मुख्यतः निर्माण और तकनीकी कौशल में सुधार, शैक्षिक माध्यमों के सॉफ्टवेयर के लिए विषयों और उप-विषयों की पहचान, कार्यक्रम-सार, पटकथाओं तथा आवश्यक प्रशिक्षण सामग्रियों के विकास के लिए 24 कार्यशालाएँ आयोजित की गई; ये सामग्रियाँ जि. शि.प्र. संस्थानों द्वारा शैक्षिक प्रौद्योगिकी और माध्यमों के उपयोग पर हैं। मैक्सम्यूलर भवन तथा शैक्षिक संचार कसार्टियम के सहयोग से, एच.आई. वी. और एड्स की रोकथाम और नियंत्रण पर टी.वी. स्पाटों के विकास के लिए दो चरणों में एक निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई।

के.शै.प्रौ. संस्थान ने इस वर्ष छः अभिविन्यास या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें वीडियो-आडियो निर्माण में प्रयुक्त उपकरणों के उपयोग और रखरखाव के बारे में केन्द्रीय व राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों के स्टाफ के अभिविन्यास पर जोर दिया गया। शिक्षा के लिए वीडियो-आडियो कार्यक्रमों का निर्माण और पटकथा-लेखन प्रशिक्षण का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र था।

संस्थान की सामग्रियों का प्रसार

आडियो

संस्थान द्वारा निर्मित आडियो कार्यक्रमों को पहली बार आकाशवाणी के दस चुनिंदा केन्द्रों के शैक्षिक प्रसारणों में स्थान मिला। ये केन्द्र

हैं- इलाहाबाद, भोपाल, दिल्ली, इंदौर, जयपुर, जोधपुर, लखनऊ, पटना, रोहतक और शिमला। संस्थान के कार्यक्रमों का 15 मिनट का साप्ताहिक प्रसारण मार्च 1995 में शुरू हुआ। इस आशय के एक समझौते पर रा.शै. अ.प्र.प. और आकाशवाणी की ओर से हस्ताक्षर किए गए। भारत सरकार की शै.प्रौ. योजना के तहत कक्षाओं में उपयोग के लिए विभिन्न राज्यों के जिन प्राथमिक विद्यालयों को टु-इन-वन टेप रिकार्डर दिए गए हैं, वे भी दूसरों के अलावा इस कार्यक्रम से विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। वर्ष 1995-96 में प्रसारण के लिए इन कार्यक्रमों के कैप्सूल पहले ही तैयार किए जा चुके हैं।

वीडियो

सस्थान ने दोपहर के समय प्राथमिक और मैट्रो चैनलों पर प्रसारण के लिए दूरदर्शन को अपने ई.टी.वी. कार्यक्रमों के कैप्सूल नियमित रूप से भेजे। यह नियमित ई.टी.वी. सेवा 'तरंग' से अलग था जो सुबह के समय हर सप्ताह छः दिन प्रसारित होता तथा सात हिन्दी-भाषी राज्यों और संघ-शासित क्षेत्र चंडीगढ़ में देखा जाता है। संस्थान के कार्यक्रम अब अंडमान-निकोबार में भी प्रसारित होते हैं। कुल मिलाकर 1094 ई.टी.वी. कार्यक्रमों के 460 कैप्सूल प्रसारण के लिए दूरदर्शन को भेजे गए। हिन्दी क्षेत्र में अब कक्षा 6-7 तथा 9 के लिए दूरदर्शन द्वारा निर्मित स्कूल टी.वी. कार्यक्रम भी देखे जाते हैं।

कुल मिलाकर 1094 ई.टी.वी. कार्यक्रमों के 460 कैप्सूल प्रसारण के लिए दूरदर्शन को भेजे गए।

इलैक्ट्रानिक ट्रेड एंड डवलपमेंट कॉरपोरेशन संस्थान के वीडियो कार्यक्रमों के विपणन एजेंट का काम करता रहा।

विभिन्न शिक्षा संस्थानों या शिक्षाशास्त्रियों को सीधी आपूर्ति के लिए कोई 533 ई.टी.वी. कार्यक्रम यू-मैटिक से यू-मैटिक पर या यू-मैटिक से वी एच एस पर स्थानांतरित किए गए।

विस्तार की गतिविधियाँ

संस्थान ने राज्य शै.प्रौ. संस्थान, पुणे में 8 से 10 मार्च 1995 तक छठे बाल शैक्षिक वीडियो उत्सव का आयोजन किया। इसका उद्देश्य

केन्द्रीय व राज्य शै.प्रौ. संस्थानों, के ई.टी.वी. निर्माताओं, लेखकों और अनुसंधानकर्ताओं को एक साँझे मंच पर लाना था जहाँ वे कार्यक्रमों की समीक्षा, आपस में संवाद सुधारने के तौर-तरीकों पर विचार कर सकें। स्वास्थ्य और सामुदायिक भागीदारी, एनिमेशन और गणित इस उत्सव के विषय थे। संस्थान के कार्यक्रम 'तोबा कच्ची की चाल' को दूसरा और कार्यक्रम 'जॉब' को तीसरा पुरस्कार मिला। 'पैनोरमा खंड़ में संस्थान के कार्यक्रम 'किरण कह रही है' की व्यापक प्रशंसा हुई।

संस्थान ने शैक्षिक वीडियो कार्यक्रमों के दो उत्सवों- प्रिक्स येनुनेश इंटरनेशनल, जर्मनी तथा 21 वीं अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यक्रम प्रतियोगिता, जापान में तीन प्रविष्टियों के साथ भाग लिया। प्रिक्स उत्सव में संस्थान की प्रस्तुति 'कुंभ की कहानी' को वीडियो बार के लिए चुना और संस्तुत किया गया।

विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास (सॉप्ट) कार्यक्रम के वीडियो प्रशिक्षण सामग्री के लिए 40 से अधिक ई.टी.वी. कार्यक्रमों की निशानदेही की गई है।

संस्थान ने इंटरनेशनल लीग ऑफ सोसायटीज फॉर पर्सोनेल्स विद मेंटल हैंडिकैप के ग्यारहवें विश्व सम्मेलन द्वारा नवंबर 1994 में आयोजित वीडियो प्रतियोगिता में भी भाग लिया। इसके कार्यक्रम 'शुरू से शुरुवाद' को तीसरा पुरस्कार मिला।

विशेष प्राथमिक अध्यापक अभिविन्यास (सॉप्ट) कार्यक्रम के वीडियो प्रशिक्षण सामग्री के लिए 40 से अधिक ई.टी.वी. कार्यक्रमों की निशानदेही की गई है। इस पैकेज में शिक्षाशास्त्र, रचनात्मक चिंतन, गणित, कला आदि के कार्यक्रम शामिल हैं। पैकेज पर प्रतिज्ञान पाने के लिए चुनिंदा कार्यक्रमों के आठ सेट चारों क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (दिल्ली) तथा राष्ट्रीय शै.अ.प्र. परिषद् के अध्यापक शिक्षा और विशेष शिक्षा विभाग को भेजे गए।

वि.प्रा.अ.अ. (सॉप्ट) के वीडियो पैकेज के 150 सेट हिन्दी भाषी क्षेत्र के जिला शिक्षा-प्रशिक्षण संस्थानों को भेजने के लिए तैयार किए जा रहे हैं। इनसेट राज्यों में वितरण के लिए राज्य शै.प्रौ. संस्थानों ने क्षेत्रीय भाषाओं में डबिंग भी शुरू कर दी है।

वि.प्रा. अ.अ. कार्यक्रम के वीडियो पैकेज के साथ एक प्रयोक्ता मार्गदर्शिका भी पूरी हो चुकी तथा संबद्ध संगठनों में वितरित की जा चुकी है।

संस्थान के केन्द्रीय फिल्म संग्रहालय से 57 सदस्य संस्थानों को ऋण पर 16 मि.मी. फिल्मों के 1279 टाइटिल दिए गए।

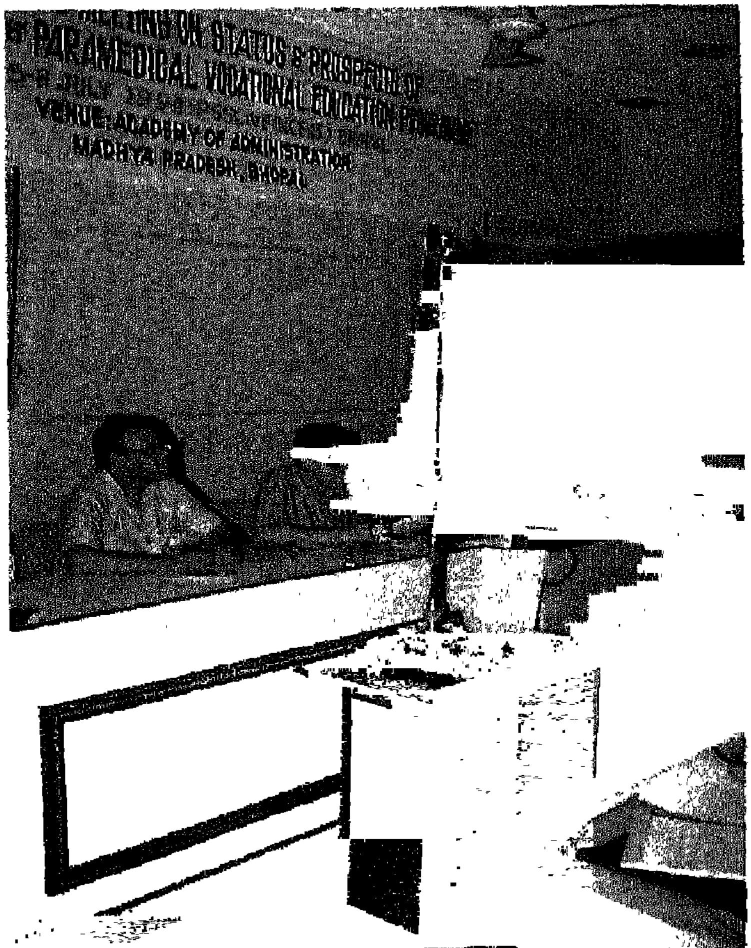
गवर्नमेंट एस.वी. पॉलटेकनीक, भोपाल के छः छात्रों को संस्थान से संबद्धता के अंतर्गत, जुलाई से नवंबर 1994 तथा 18 सप्ताह का, ई.टी.वी. कार्यक्रमों संबंधी प्रशिक्षण दिया गया।

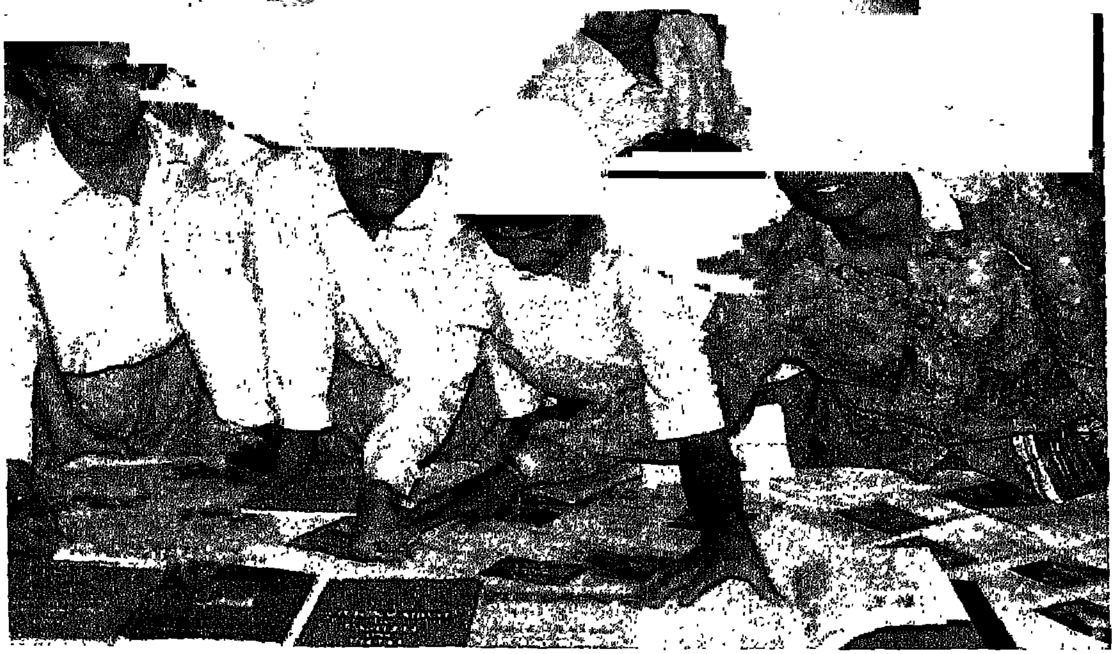
डी.ए.बी. विश्वविद्यालय, इंदौर के परास्नातक डिप्लोमा (वीडियो-ग्राफी) के पॉच छात्रों को संस्थान में, ई.टी.वी. निर्माण के क्षेत्र में फरवरी-मार्च 1995 में चार सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

1994-95 में प्रकाशित रिपोर्टे व अन्य सामग्रियाँ

- गाइड फार टीचर्स एजुकेटर्स एंड रिसोर्स पर्सस आन यूस ऑफ ई.टी.वी. प्रोग्राम्स (सॉप्ट वीडियो पैकेज) फार ट्रेनिंग ऑफ प्राइमरी टीचर्स(अंग्रेजी संस्करण मुद्रित); (हिन्दी संस्करण टंकित)
- इफैक्ट ऑफ एजुकेशनल टेलीकास्ट : ए स्टेडी अमंग रूरल प्राइमरी स्कूल्स इन आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश एंड उड़ीसा (मुद्रित)
- रिपोर्ट ऑफ दि कमेटी सेट अप बाई.सी.आई.ई.टी.टू रिव्यू इट्स ई.टी.वी. प्रोग्राम्स (जिराक्स)
- रिसोर्स बुक आन प्राईमरी मैथेमेटिक्स (मुद्रणाधीन)
- मैनुअल आन मैथेमेटिक्स एड्स (मुद्रणाधीन)
- पिक्चर बुक आन बर्ड्स (मुद्रणाधीन)

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा 1994-95 में आयोजित कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, अभिविन्यास या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के ब्यौरे तालिका 30 में दिए गए हैं।


STATUS & PROSPECTS OF
PARAMEDICAL VOCATIONAL EDUCATION
VENUE: ACADEMY OF ADMINISTRATION
MADHYA PRADESH, BHOPAL



पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान

विद्यालयी शिक्षा के सभी चरणों में कार्य शिक्षा में सुधार परिषद् का एक प्रमुख सरोकार रहा है। उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण और माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक पूर्व शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों का विकास और क्रियान्वयन इस क्षेत्र के प्रमुख कार्यकलाप रहे हैं।

मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर नज़र रखना पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है।

पंडित सुदंरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की शीर्षस्थ राष्ट्रीय संस्था है। मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर नज़र रखना पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के महत्वपूर्ण कार्यो में से एक है। भारत सरकार के मा.सं.वि. मंत्रालय, राज्य सरकारों और संघ-शासित क्षेत्रों के प्रशासन को व्यावसायिक शिक्षा, व्यावसायिक-पूर्व शिक्षा और कार्यानुभव कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बारे में सलाह और सहायता देना; विभिन्न स्तरों पर व्यावसायिक शिक्षा के लिए व्यापक प्रबंध प्रणाली की स्थापना को बढ़ावा देना, उसकी निगरानी करना और उसका मार्गदर्शन करना, पाठ्यचर्या और अनुदेश सामग्रियों के विकास, प्रशिक्षण विस्तार, अनुसंधान, निगरानी और मूल्यांकन के कार्य आरंभ करना, उनका मार्गदर्शन और समन्वय करना तथा व्यावसायिक शिक्षा, व्यावसायिक-पूर्व शिक्षा व कार्यानुभव के

क्षेत्र में राज्य सरकारों को परामर्श-सेवा प्रदान करना और व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय पक्षों की देख-रेख करना — ये सब संस्थान के अन्य कार्यों में शामिल हैं। इनके अलावा संस्थान समय-समय पर देश में व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संगठनों से भी संवाद स्थापित करता है।

संस्थान सामान्य शिक्षा के अभिन्न अंग के रूप में कार्यानुभव और व्यावसायिक-पूर्व रूप से शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से देश में कार्य-शिक्षा की गुणवत्ता को अधुनातन बनाने में सक्रिय भाग लेता है।

भोपाल स्थित संस्थान ने माध्यमिक शिक्षा के व्यवसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के क्रियान्वयन को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम शुरू किए। ये कार्यक्रम व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े क्षेत्रों में कार्यरत पेशेवर, निजी, स्वयंसेवी और विशेषज्ञता रखने वाली संस्थाओं सहित विभिन्न संगठनों के सहयोग से चलाए गए। संस्थान ने पाठ्यचर्याओं की समीक्षा और संशोधन तथा अनुदेश सामग्रियों के विकास के लिए एक भारी कार्यक्रम चलाया और राज्यों के सहयोग से व्यावसायिक शिक्षा के अनेक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। संस्थान ने उत्पादन-प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना के मार्गदर्शक सिद्धांतों का विकास; संबद्ध राज्यों के प्रमुख कार्मिकों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण का आयोजन; स्वास्थ्य और पराचिकित्सा, व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों की स्थिति और संभावनाओं पर एक राष्ट्रीय बैठक का आयोजन; तथा व्यावसायिक शिक्षा पर एक त्रैमासिक बुलेटिन का प्रकाशन भी किया। इसके अलावा संस्थान ने यूनेस्को और युनिवोक द्वारा प्रायोजित दो अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम भी आयोजित किए। संस्थान सामान्य शिक्षा के अभिन्न अंग के रूप में कार्यानुभव और व्यावसायिक-पूर्व रूप से शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से देश में कार्य शिक्षा की गुणवत्ता को अध्नातन बनाने में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

विकास के कार्यक्रम

मानकीकरण की ओर बढ़ने के क्रम में मा.सं.वि. मंत्रालय की संयुक्त व्यावसायिक शिक्षा परिषद् के आग्रह पर दो नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं और 17 को संशोधित किया गया है।

18 पाठ्यक्रमों की पाठ्यपुस्तकों और व्यावहारिक कार्य की हस्तपुस्तिकाओं के विकास का कार्य शुरू किया गया है जो विभिन्न चरणों में है।

ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में उत्पादन-प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना के मार्गदर्शक सिद्धांतों के विकास के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई। ये सिद्धांत इस अवधारणा के क्रियान्वयन से जुड़े कुछ पहलुओं पर स्वीकृति के लिए मा.सं.वि. मंत्रालय को भेजे गए हैं।

अध्ययन

दो संकाय सदस्यों ने भोपाल के व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने वाले विद्यालयों का दौरा किया ताकि संस्थान द्वारा आरंभ संपर्क योजना के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के कारगर क्रियान्वयन का जायजा ले सकें। ये विद्यालय संस्थान के प्रायोगिक विद्यालयों के तौर पर इस्तेमाल होते हैं।

मा.सं.वि. मंत्रालय के आग्रह पर संस्थान ने दो चरणों में अंतर्राज्य क्षेत्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया। पहले चरण में मध्य प्रदेश, असम, उड़ीसा और बिहार राज्य के अधिकारियों ने तमिलनाडु और कर्नाटक का तथा दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश और पंजाब के अधिकारियों ने महाराष्ट्र' का दौरा किया। इसका उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बारे में परिचय पाना था।

संस्थान ने भोपाल में स्वास्थ्य और अर्ध-चिकित्सा व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम की स्थिति और संभावनाओं पर एक राष्ट्रीय बैठक बुलाई जिसमें 37 अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण और अभिविन्यास

मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों के अधिकारियों के लिए संस्थान ने शिक्षा के व्यावसायीकरण पर 10 अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें 505 अधिकारियों ने भाग लिया।

मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों के अधिकारियों के लिए संस्थान ने शिक्षा के व्यावसायीकरण पर 10 अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें 505 अधिकारियों ने भाग लिया।

भोपाल में 12 संबद्ध राज्यों के प्रमुख कार्मिकों के लिए व्यावसायिक शिक्षा का एक अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

पाठ्यचर्या-विकास और अनुकूलन के उद्देश्य से तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा संबंधी एक तकनीकी कार्यदल की बैठक ने पाठ्यचर्या विकास और अनुकूलन के लिए एक मार्गदर्शिका प्रकाशित की। भारत, आस्ट्रेलिया, बंगलादेश, चीन, इंडोनेशिया, मलयेशिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और थाईलैंड के विशेषज्ञों ने इस बैठक में भाग लिया।

संस्थान ने भोपाल में शिक्षा प्रणाली के अंदर व्यावसायिक शिक्षा के सांगठनिक और प्रबंधकीय विकल्पों पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की। इस कार्यक्रम में भारत, आस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन, नार्वे, जापान, बंगलादेश, फिलीपीनस, चीन, जर्मनी और यूनेस्को (बैंकाक) के विशेषज्ञ शामिल हुए।

केन्द्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता पाने के लिए स्वयंसेवी संगठनों द्वारा दिए गए प्रस्तावों के मूल्यांकन में स्वीकृति के लिए मा.सं.वि. मंत्रालय को सहायता दी गई।

परामर्शकारी सेवाएँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) और शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के क्रियान्वयन के संदर्भ में संस्थान के संकाय-सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय बैठकों और संगोष्ठियों, अध्ययन व दौरों में विशेषज्ञों के तौर पर सक्रिय भाग लिया और शिक्षा के व्यावसायीकरण की योजना के हित में परामर्शकारी सेवाएँ प्रदान कीं। व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के नियोजन और क्रियान्वयन में तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, गोवा और असम को परामर्श सेवाएँ प्रदान की गईं।

केन्द्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता पाने के लिए स्वयंसेवी संगठनों द्वारा दिए गए प्रस्तावों के मूल्यांकन में स्वीकृति के लिए मा.सं.वि. मंत्रालय को सहायता दी गई। संस्थान ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सहयोग से व्यावसायिक शिक्षा पर एक सम्मेलन आयोजित किया और भारतीय पुर्नवास परिषद्, नई दिल्ली के अध्यक्ष से इस क्षेत्र में एक नए पाठ्यक्रम के विकास पर विचार-विमर्श किया। उसने स्वास्थ्य से जुड़े व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू करने के तौर-तरीकों पर होने वाले काम में भी सहयोग दिया।

1994-95 में प्रकाशित रिपोर्टें और अन्य सामग्रियाँ

- क्वाटरली बुलेटिन ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, अंक 1,2,3 (मुद्रित)
- गाइडलाइंस फॉर एडेप्टेशन ऑफ एक्जेंपलर क़्यूरीक्यूलम फॉर इंट्रेप्रेन्यारियल स्किल्स आन स्माल बिज़नेस : (टंकित/जीराक्स)
- रिर्पोट ऑफ स्टेट्स एंड प्रास्पेक्ट्स ऑफ वोकेशनल एजुकेशन प्रोग्राम इन दि एरिया ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी, नवबर 1994 में आयोजित (मुद्रित)
- स्टेट्स एंड प्रास्पेक्ट्स ऑफ वोकेशनल एजुकेशन प्रोग्राम इन दि एरिया ऑफ एग्रिकल्चर (मुद्रित)
- स्टेट्स एंड प्रास्पैक्ट्स ऑफ हैल्थ एंड पैरामेडिकल वोकेशल एजुकेशन (मुद्रित)
- गाइडलाइंस आन टीचर प्रेपेरेशन (मुद्रित)
- गाइडबुक ऑफ क्यूरीक्यूलम डवलपमेंट एंड एडेप्टेशन (टंकित और जीराक्स)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशलन क्यूरीक्यूलम आन बेकरी एंड कनफैक्शनरी (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ब्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन आफिस मैनेजमेंट (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन हार्टीकल्चर (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन डेयरी (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन फूड प्रिजर्वेशन एंड प्रासेसिंग (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन बिल्डिंग मेनटेनेंस (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन एकाउटैंसी एंड आडिटिंग (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन पोल्ट्री फार्मिंग (मुद्रित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन मेनटेनेंस एंड रिपेयर ऑफ इलैक्ट्रिकल डोमेस्टिक एप्लायंसेज (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन कामर्शियल गार्मेंट डिज़ाइनिंग एंड मेंकिग (टंकित)

- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन आटो इंजीनियरिंग टैक्नोलॉजी (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन रूरल इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन टेक्सटाइल डिजाइनिंग (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन मेनटेनेंस एंड रिपेयर ऑफ रेडियो एंड टीवी रिसीवर्स (टंकित)
- कंपीटेंसीज बेस्ड वोकेशनल क्यूरीक्यूलम आन गार्मेंट स्टाइलिंग एंड मैन्यूफैक्चरिंग (टंकित)
- गाइडलाइंस फार इस्टैबलिशमेंट ऑफ प्रोडक्शन-कम-ट्रेनिंग सेंटर्स इन स्कूल्स (टंकित)
- फाइनल रिपोर्ट ऑफ दि इंटरनेशनल वर्कशाप आन आर्गेनाइज़ेशन एंड मैनेजमेंट आल्टरनेटिव्स फॉर वोकेशनल एजुकेशन विदिन दि एजुकेशनल सिस्टम (मुद्रित)
- रिपोर्ट ऑफ दी ओरिएंटेशन प्रोग्राम फार स्टेट आफिशियल्स/प्रिंसिपल्स (एजुकेशन आफिसर्स एंड अदर्स ऑफ मध्यप्रदेश स्टेट आन वोकेशनलाइज़ेशन ऑफ एजुकेशन हैल्ड इन जुलाई 1994 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दिी ओरिएटेशन प्रोग्राम फार स्टेट आफिशियल्स/प्रिंसिपल्स/ एजुकेशन आफिसर्स एंड अदर्स आफ गुजरात स्टेट आन वोकेशनालाइज़ेशन ऑफ एजुकेशन हैल्ड इन अक्टूबर 1994 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि ओरिएटेशन प्रोग्राम फार स्टेट आफिशियल्स/प्रिंसिपल्स/ एजुकेशन आफिसर्स एंड अदर्स ऑफ गोवा स्टेट आन वोकेशनलाइज़ेशन ऑफ एजुकेशन हैल्ड इन अक्टूबर 1994 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि इंटर-स्टेट फील्ड सेमिनार हैल्ड इन नवंबर 1994 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि ओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर स्टेट आफिशियल्स/ प्रिंसिपल्स/एजुकेशन ऑफिसर्स एंड अदर्स ऑफ हिमाचल प्रदेश आन वोकेशनलाइज़ेशन ऑफ एजुकेशन हैल्ड इन नवंबर 1994 (टंकित)

- रिपोर्ट ऑफ दि ओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर स्टेट आफिशियल्स/प्रिंसिपल्स/ एजुकेशन ऑफिसर्स एंड अदर्स ऑफ केरल स्टेट आन वोकेशनलाइजेशन ऑफ एजुकेशन हैल्ड इन दिसंबर 1994 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि कांफ्रेस ऑफ इंप्लायर्स फार प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग ऑफ वोकेशनल स्टूडेंट्स अंडर दि स्कीम ईच-वन-प्लेस-वन हेल्ड इन दिसंबर 1994 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि ओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर स्टेट आफिशियल्स/प्रिंसिपल्स! एजुकेशन आफिसर्स एंड अदर्स ऑफ मध्यप्रदेश स्टेट आन वोकेशनलाइज़ेशन ऑफ एजुकेशन हैल्ड इन फरवरी 1995 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि ओरिएंटेशन प्रोग्राम फार स्टेट ऑफिशियल्स/प्रिंसिपल्स/ एजुकेशन ऑफिसर्स एंड अदर्स ऑफ महाराष्ट्र स्टेट आन वोकेशनलाइज़ेशन ऑफ एजुकेशन हेल्ड इन फरवरी 1995 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि इंटर-स्टेट फील्ड सेमिनार (फेज 2) (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि शार्ट-टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर दी फँक्शनरीज़ ऑफ इंप्लिमेंटिंग स्टेट्स आन वोकेशनल एजुकेशनः हैल्ड इन फरवरी, 1995 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि ओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर स्टेट आफिशियल्स/प्रिंसिपल्स/ एजुकेशन आफिसर्स एंड अदर्स आफ आंध्र प्रदेश आन वोकेशनलाइज़ेशन ऑफ एजुकेशन हेल्ड इन फरवरी 1995 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि ओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर स्टेट आफिशियल्स/प्रिंसिपल्स/ एजुकेशन आफिसर्स एंड अदर्स उत्तरप्रदेश स्टेट आन वोकेशनलाइज़ेशन ऑफ एजुकेशन हेल्ड इन मार्च, 1995 (टंकित)
- रिपोर्ट ऑफ दि ओरिएंटेशन प्रोग्राम फॉर स्टेट आफिशियल्स/प्रिसिपल्स/ एजुकेशन आफिसर्स एंड अदर्स आन डिस्ट्रिक्ट वोकेशनल सर्वेज ऑफ राजस्थान स्टेट हैल्ड एप्रिय 1995 (टंकित)

पंडित सुंदरलाल शर्मा के. व्या. शि. संस्थान, भोपाल द्वारा आयोजित कार्यशालाओं, बैठकों, संगोष्ठियों, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रमों के ब्यौरे तालिका 31 में दिए गए हैं।



शैक्षिक अनुसंधान, नवाचार और प्रसार को प्रोत्साहन

विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा संबंधी अुनसंधानों को प्रोत्साहन और उनका समन्वय तथा शैक्षिक सूचनाओं को समय-समय पर संग्रह और उनका प्रसार परिषद् के प्रमुख कार्यों में शामिल हैं। परिषद् के अनुसंधान में लगे घटकों के अलावा शैक्षिक अनुसंधान और प्रवर्तन समिति (एरिक), जो परषिद् की एक स्थायी समिति है, देश में शैक्षिक अनुसंधान के प्रोत्साहन और उसमें सहायता के लिए उत्प्रेरक का कार्य करती है। अनुसंधान में सहायता का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना, नीतियों और कार्यक्रमों के निरूपण के लिए आंकड़े जुटाना तथा दृष्टिकोणों के मूल्यांकन में सहायता प्रदान करना है। इनमें शिक्षा की सुलभता तथा उसको और अधिक प्रासंगिक और सार्थक बनाना भी शामिल है। एरिक अनुसंधान अध्येतावृत्तियाँ भी प्रदान करती है और समर्थ शोधकर्ताओं का दल तैयार करने के लिए अनुसंधान की पद्धतियों पर पाठ्यक्रम भी चलाती है।

अनुसंधान में सहायता का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना, नीतियों और कार्यक्रमों के निरूपण के लिए आंकड़े जुटाना तथा दृष्टिकोणों के मूल्यांकन में सहायता प्रदान करना है। इनमें शिक्षा की सुलभता तथा उसको और अधिक प्रासंगिक और सार्थक बनाना भी शामिल है।

अनुसंधानों का प्रलेखन और प्रसार

प. परिषद् शैक्षिक अनुसंधान की तीन पत्रिकाएँ प्रकाशित करती है: (अ) जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, (ब) भारतीय आधुनिक शिक्षा, और (स) इंडियन एजुकेशनल रिव्यू। जहाँ पहली दो पत्रिकाएँ अनुसंधानों

के निष्कर्षों के आधार पर सार्थक संवाद के लिए शैक्षिक सरोकार के मुद्दों को उठाती हैं जबकि तीसरी पत्रिका में पूर्व- समीक्षित शोध-आलेख शामिल होते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में अध्नातन विकासक्रमों के आदान-प्रदान के लिए रा.शि.सं. व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाता है।

1994-95 में रा.शि.सं. व्याख्यानमाला के तहत निम्न व्याख्यान आयोजित किए गए।

क्रम संख्या	वक्ता का नाम	विषय	तिथि
1.	सुश्री साजिदा बशीर विश्व बैंक विशेषज्ञ	बैसलाइन स्टडी अंडर डी.पी.ई.पी.	2 जून 1994
2.	प्रो. केनेथ किंग एडिनबर्ग विश्वविद्यालय ग्रेट ब्रिटेन	पर्सेप्शंस ऑफ प्राइमरी एजुकेशन	27 जूलाई 1994
3.	डा. डी. वाइट एलेन यशस्वी अमरीका शिक्षाशास्त्री	दि फ्यूचर एजुकेशन स्कूल्स फार ए न्यू सेंचुरी	21 नवंबर 1994
4.	प्रो. एन. के. जंगीरा अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई., रा.शै.अ.प्र., परिषद् नई दिल्ली	मेथोडोलाजिकल स्टडी ऑफ डी.पी.ई.पी. एचीवमेंट सटडी : ए. डिस्ट्रिकट प्रोफइल	3 जनवरी 1995
5.	प्रो.जे.पी. दास निदेशक, डवलपमेंट डिसएबेलिटीज सेंटर अलबर्टा विश्वविद्यालय एडमंटन (कनाडा)	न्यू डाइरेक्शंस इन इनटेलिजेंस टेस्टिंग	14 फरवरी 1995

पूरी होने वाली अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष 1994-95 में एरिक से सहायता प्राप्त 14 अनुसंधान परियोजनाएँ पूरी हुई। इनमें बाहरी शोध संस्थानों द्वारा की गई 9 और परिषद् के घटकों द्वारा की गई 5 परियोजनाएँ शामिल है। समीक्षाधीन काल में पूरी होने वाली परियोजनाएँ नीचे दी गई हैं:

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	प्रमुख अन्वेषक
1.	माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की प्रत्याशाओं का प्रवृत्तिमूलक विश्लेषण	डा. एस. भार्गव बंबई
2.	किशोरावस्था का अकेलापन : आरोपण और नकल	डा. सुषमा उपमन्यु अंबाला
3.	आंध्रप्रदेश के बहुरूपिया समुदायों का बंजारापन और उनके बच्चों की शिक्षा	डा. जी. ईश्वरैया सिकंदराबाद
4.	माध्यमिक स्तर पर भौतिकी में अनुसंधानात्मक परियोजना का विकास और क्रियान्वियन	डा. ललित किशोर वाराणसी
5.	प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के वैयक्तिक विकास के लिए किस्सागोई	डा ए.वाई. गोडले पुणे
6.	विकलांग बच्चों के लिए पाठ्यचर्या का विकास	डा. श्रीमति प्रेरणा मोहिते, बड़ौदा
7.	अध्यापन कार्य-प्रणाली का विकास	डा. ए.बी सक्सेना भोपाल
8.	विद्यालय-त्याग माप का विकास और मानवीकरण	डा. ए.आर. राठौर श्रीनगर
9.	मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की शिक्षा और और प्रबंधन मे अभिभावकों की सहभागिता का स्तर और उनकी बुनियादी शिक्षा की संप्राप्ति के साथ इसके संबंध का अध्ययन	डा. मर्सी अब्राहम त्रिवेंद्रम
10.	प्रारंभिक विद्यालयों के अध्यापकों में दबाव का अध्ययन	डा.एस.एस.एन. राव शिंदे क्षे.शि.म. मैसूर
11.	भारतनाट्यम का विश्वकोश	श्रीमती सरोज वैद्ययानाथन नई दिल्ली
12.	संस्कृत साहित्य में शिक्षा	डा. के. सी. त्रिपाठी रा.शै.अ.प्र.प.
13.	राजस्थान और मध्य प्रदेश के संदर्शी शिक्षा स्नातक अध्यापकों के राज्य स्तरीय चयन प्रणालियों का तुलनात्मक अध्ययन	प्रो. आर.एस. शुक्ल उदयपुर
14.	नवसाक्षरों की वैज्ञानिक साक्षरता की पाठ्यचर्या का विकास और इसकी प्रभाविता का अध्ययन	प्रो. मंजुला पी. राव क्षे.शि.म. मैसूर

जारी अनुसंधान परियोजनाएँ

1994-95 में परिषद् के घटकों द्वारा शुरू की गई 6 तथा एरिक अंतर्गत बाहरी संस्थाओं द्वारा शुरू की गई 39 अनुसंधान परियोज जारी रहीं। जारी अनुसंधान परियोजनाएँ नीचे दी गई हैं:

1994-95 में जारी अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	प्रमुख अन्वेषक
विभागीय परियोजनाएँ		
1.	सर्जक लड़कियों के वृत्तिक व्यवहार का अनुप्रस्थ अध्ययन	डा. आशा भटनागर व डा. सुषमा गुलाटी डी.ई.पी.सी.जी.
2.	सुधार के लिए कार्य-नीति के विकास के उद्देश्य से अध्यापन प्रशिक्षुता का अध्ययन	डा. जी. एन. पी. श्रीवास्तव भोपाल
3.	बच्चों के विकास में संस्कृतिकरण की भूमिका: मातृक दृष्टिकोण	डा.ए.के. श्रीवास्तव डी.ई.पी.सी.जी.
4.	कंप्यूटरों के अनुप्रयोग से वर्गीकृत तर्क के विकास का अध्ययन	डा. एस.सी. जैन क्षे.शि.म., अजमेर
5.	अपने सामाजिक उद्गम के संदर्शी अन्वेषण में अध्यापक प्रशिक्षक: विश्वव्यापी दृष्टिकोण, वास्तविक अनुभव, प्राथमिकता और वृत्तिक उत्पादकता	डा.वी.के जैन एरिक
6.	माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान अध्यापन के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी सोसाएटी माध्यम का विकास और चुनिंदा विद्यालयों में इसकी प्रभाविता का परीक्षण	डा.ए.सी बनर्जी क्षे.शि.म., अजमेर
बाहरी परियोजनाएँ		
1.	विद्यालय स्तर पर अंग्रेजी भाषा परीक्षण का विकास	डा. रमा मैथ्यू हैदराबाद
2.	पाठ्यचर्या योजना के द्वारा किशोरों में नैतिक शिक्षा का विकास: एक भारतीय प्रारूप	डा. आर.आर.सिंह उदयपुर
3.	अध्ययन के क्षेत्र के रूप में शिक्षा की प्रकृति का अन्वेषण	डा. एम.एस यादव बड़ौदा

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	प्रमुख अन्वेषक
4.	अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति विद्यालय छात्रों की अधिगम असहायता की चुनौती से संघर्ष	डा. एफ.एम.साहू भुवनेश्वर
5.	कुछ व्यावहारिक प्रक्रियाओं पर प्रायोगिक वंचिता और अनुप्रेणात्मक पुनर्निवेशन का प्रभावः एवं विकास अध्ययन	डा.आराधना शुक्ल अलमोड़ा
6.	हाई स्कूल के छात्रों में जीवन वृत्ति के चयन का मानसिक-सामाजिक सह-संबंध	डा. जी. मोहनकुमार बंगलौर
7.	कार्यात्मक अनुसंधान कार्य-प्रणाली के द्वारा सेवापूर्व छात्र अध्यापकों के व्यवहार में मनोवृत्तिक परिवर्तन का अध्ययन	प्रो. वाचस्पति द्विवेदी वाराणसी
8.	भारत के उत्तरी क्षेत्रों के नवोदय विद्यालयों के कार्यकलापों और प्रबंधन का मूल्यांकन	डा. पी.पी गोकुलनाथन शिलांग
9.	विशेष शिक्षा की जरूरतों का भाग और मूल्यांकन	डा. (श्रीमती) सिंथिया-पांड्यन, मद्रास
10.	राजस्थान के नवोदय विद्यालयों के प्राचार्यो; अध्यापकों और छात्रों के सामने आने वाली प्रशासनिक, अकादमिक और वैयक्तिक समस्याएँ	डा. छात्रमोहन शर्मा जयपुर
11.	शांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसके लिए +2 स्तर पर शिक्षा में पाठ्यचर्या के विकास को ध्यान में रखते हुए +2 स्तर की पाठ्यचर्या और पाठ्य-पुस्तकों का अध्ययन	प्रा. सुशीला मान नई दिल्ली
12.	मंद गति से सीखने वाले छात्रों की प्रवृत्तिमूलक विशेषताओं के रूप में उनके पारिवारिक पृष्ठभूमि व विद्यालय वातावरण का अध्ययन	प्रो. पी.के. दास हावड़ा
13.	शैक्षिक रूप से पिछड़े बच्चों के सुधारात्मक अध्ययन और गृहकार्य व्यवहारों से संबद्ध अभिभावक प्रशिक्षण तकनीकों का व्यावहारिक विश्लेषण और परिमार्जन	प्रो. संध्यासिंह कौशिक वाराणसी
14.	अंग्रेजी सीखने में उर्दू माध्यम वाले छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं की पहचान	प्रो. आर.पी. श्रीवास्तव नई दिल्ली
15.	मिडिल स्कूल के छात्रों और अध्यापकों के वैज्ञानिक स्वभावों का अध्ययन	प्रो. वी.के दुबे वाराणसी

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	प्रमुख अन्वेषक
16.	भारत में विद्यालयी अध्यापकों के वृत्तिक विकास के लिए कार्यरत नवाचारी संस्थाएं और उनके कार्यक्रम	प्रो. मुहम्मद मियां नई दिल्ली
17.	शिक्षा महाविद्यालयों के प्रशिक्षण संबंधी परिणामों पर पड़ने वाले सांस्थानिक के और अनुदेशी चरों के प्रभावों का अध्ययन	डा. अरूण के गुप्त जम्मू
18.	कुछ आदिवासी समूहों के बच्चों के लिए शिक्षा सांस्कृतिक अनुकूलन और संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं	डा. आर.सी मिश्र वाराणासी
19.	11-19 वर्ष के दृष्टिहीन बच्चों के लिए उपयुक्त स्पर्श बुद्धि मौखिक और अमौखिक परीक्षण का विकास और मानकीकरण	डा. सुनीता शर्मा अलीगढ़
20.	आंध्र प्रदेश के चितूर जिले में बच्चों (9-14 वर्ष) की शिक्षा के विशेष संदर्भ में संपूर्ण साक्षरता कार्यक्रम (अक्षर तापस्मान) के कुछ निश्चित पक्षों का मूल्यांकन	डा.पी.आदिनारायण चित्तूड, आंध्रप्रदेश
21.	बिहार में एकीकृत शिक्षा प्रणालीः विकलांग छात्रों के सामंजस्य का अध्ययन	डा. शशिप्रभा पटना
22.	संरचनात्मक बाधाएं और शैक्षिक विकासः बिहार के आदिवारियों में शैक्षिक पिछड़ेपन का अध्ययन	डा. आर.पी. सिन्हा पटना
23.	पश्चिम बंगाल में माध्यमिक स्तर पर गणित अध्यापन में नैपुण्य अधिगम कार्यविधि के प्रभाव का अध्ययन	प्रो. एम.एम. चेल पश्चिम बंगाल
24.	साक्षरता कार्यक्रमों के स्तरों और प्रगति का विकासजन्य अन्वेषणः अनुदेशी प्रक्रियाओं में इसके निहितार्थ	डा. प्रतिभा कारंत मैसूर
25.	विद्यालयी बच्चों (2-5) वर्ष के लिए मूल्यांकन परीक्षण सूची का मानकीकरण	डा. वीणा मिस्त्री बड़ौदा
26.	रीड्यूसिंग बर्नआउट इन वूमेन टीचर्स	डा. (कुमारी) नीलिमा मिश्रा लखनऊ

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	प्रमुख अन्वेषक
27.	ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ दि पर्सनेलिटी पेटर्नज़ एंड ऐकेडमिक एचीवमेंट ऑफ एस.सी एंड एस.टी. स्टूडेंट्स एंड नॉन एस.सी एंड एस.टी. स्टूडेंट्स स्टडिंग इन आश्रम स्कूल्स एंड नॉन-आश्रम स्कूल्स़ इन उड़ीसा	डा.बी.सी मिश्रा उड़ीसा
28.	अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन एंड इट्स नीड फॉर यूनिवर्सलाइज़ेशन ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन	प्रो. जगन्नाथ मोहन्ती सम्भलपुर
29.	डवलपमेंट ऑफ कंसेप्ट्स रीलेटिंग टू मेज़रमेंट अमंग विज़ुअली इंपेयर्ड चिल्ड्रन	डा. देवजनी सेनगुप्त कलकत्ता
30.	डवल्पमेंट ऑफ इवेल्यूएशन ऑफ चाइल्ड सैन्टर्ड कुरीकुलम फॉर मेंटली हैंडीकेप्ड चिल्ड्रन	डा. (श्रीमती) आर. मलहोत्रा नई दिल्ली
31.	डवल्पमेंट ऑफ लो कॉस्ट फंक्शलन असेसमेंट किट (लोफाकट) एंड स्टडिंग दि रिलेशनशिप बिट्वीन विजुअल एंड विजुअल एफीशिएन्सी ऑफ लो विज़न चिल्ड्रन	डा. एम.एन. जी. मनी कोयम्बटूर
32.	एक्सप्लोरेशन इनटू ब्रेन प्रीफेरेंस ऑफ दि एडोलसेंट गर्ल स्टूडेंट्स इन रिलेशन टू गिफ्टनेस एंड विहेवियरल इंटेलिजेंस	डा. (श्रीमती) रजूता विनोद पुणे
33.	चिल्ड्रन्स एजुकेशन अमंग दि प्रीमिटिव ट्रायबल्स ऑफ रामपचौदवरन आई.टी.डी.ए. (पूर्वी गोदावरी जिला) आंध्र प्रदेश	डा. जी. एश्वरैया आंध्र प्रदेश
34.	पॉपुलेशन सोशलाइजेशन अमंग रूरल हाई स्कूल स्टूडेंट्स पेरेन्ट्स, टीचर्स एंड लेजिस्लेटर्स	डा. वाई.पी. अग्रवाल कुरुक्षेत्र
35.	इफेक्टिवनेस ऑफ दि लोकल रिसोरसिज़ इन बायोलॉजी एजूकेशन ऐट दि सेकेण्डरी लेवल्स इन उत्तर प्रदेश	डा. जी.एस. पालीवाल गढ़वाल (उत्तर प्रदेश)
36.	स्ट्रेटेजीज टू डवलप रीडिंग स्किलस इन हियरिंग इम्पेयर्ड चिल्ड्रन ऐट हाई स्कूल लेवल	डा.पी. विमला देवी
37.	टीचर्स एक्सपेक्टेशन्स इन इंडियन स्कूल्स - देयर इफेक्ट ऑन टीचिंग प्रोसेस एंड स्टूडेंट्स आउटकम्स	डा. एन.सी. डोन्डीयाल अलमोड़ा
38.	डवलपमेंट ऑफ ए कैरियर मैच्यूरिटी इंवेंटरी फॉर यूज़ विद फिमेल कॉलेज/यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स	डा. अर्चला शुक्ला लखनऊ
39.	ए स्टडी ऑफ फिज़ीबीलिटी ऑफ इन्वोल्वमेंट ऑफ फिमेल हेल्थ प्रर्सोनल इन वूमेन्स एजुकेशन प्रोग्राम इन रूरल कम्यूनिटी	डा. (श्रीमती) पूर्णिमा माथुर दिल्ली

रोकी गई अनुसंधान परियोजनाएँ

1994-95 में एक बाहरी अनुसंधान संस्थान द्वारा शुरू की गई निम्न अनुसंधान परियोजना रोक दी गई:

1994-95 में रोकी गई अनुसंधान परियोजना

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	प्रमुख अन्वेषक
1.	अध्यापकों के वृतिक उत्तरदायित्व की माप और अध्यापकों के वृतिक उत्तरदायित्वों की सूची का विकास और मानकीकरण	श्री ओमपाल सिंह चौहान भिवानी, हरियाणा

प्रकाशन अनुदान योजना

1994-95 के दौरान एरिक की सहायता से निम्नलिखित 5 पी.एच.डी. शोधप्रबंध प्रकाशित हुए।

क्रम संख्या	शीर्षक	लेखक
1.	टीचिंग फॉर एक्सिलेरेटेड थिंकिंग एंड प्रॉब्लम सॉल्विंग इन स्कूल्स	प्रो. एन. वैद्य कांगड़ा (हि.प्र.)
2.	विद्यालयों में नैतिक शिक्षा की प्रेरक विधाएँ	डा. शकुंतला पांड्या उदयपुर
3.	सी.ए.आई फॉर अंडर-एचीवर्स	डा.वी. एंथनी स्टेला त्रिचिरापल्ली
4.	कैंपस क्लाइमेट्स : ऐन इंडियन स्टडी	डा. लता चंदोला आगरा
5	मैनेजमेंट ऑफ एजुकेशन इन मुस्लिम इंस्टीट्यूशंस	मु. अख्तर सिद्दीकी नई दिल्ली

1994-95 में पी.एच.डी. शोध प्रबंधों के प्रकाशन के लिए स्वीकृत अनुदान

क्रम संख्या	शीर्षक	लेखक
1	ए. स्डटडी ऑफ सैकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स टुवर्डस वैरियस स्कूल सब्जेक्ट्स	डा (श्रीमती) बुद्धदेव प्रवीण निवोदरी राजकोट
2	इंस्ट्रक्शन एंड नर्चरिंग इफेक्ट्स ऑफ साइनेक्टिक्स माडल ऑफ टीचिंग आन क्रिएटिव एबिलिटी इन लैंग्वेजेज	डा. सुचेता कुमारी कुरुक्षेत्र
3.	दि इंपैक्ट ऑफ एजुकेशनल वीडियो फिल्म एंड टेप चार्ट प्रोग्राम आन स्टूडेंट लर्निंग	डा. (कु.) अश्विनी एम. कापड़िया सूरत
4.	ए. कोपरेटिव स्टडी ऑफ आग्रेनाईज़ेशनल क्लाईमेट, लीडरशिप बिहैवियर, टीचर मोरेल एंड स्कूल परफार-मेंस इन माइनरिटी एंड अदर सैकंडरी स्कूल्स	डा. एम. अख्तर सिद्दीकी जामियानगर, नई दिल्ली
5.	डवलपमेंट ऑफ रीडेबिलिटी फार्मूला फार कन्नड़ एंड इट्स एप्लिकेशंस	डा.डी. ननजप्पा, बैंगलूर
6.	ऐन एक्प्लोरेटरी स्टडी ऑफ टीचर्स मोटिवेशंस ऑफ वर्क सम फैक्टर्स एसोसिएटेड विद हाई एड लो वर्क मोटिवेशंस ऑफ टीचर्स	डा. जे.पी मित्तल रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली

अनुसंधान पद्धतिशास्त्र पर पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, श्रीलंका के स्टाफ के लिए शिक्षा संबंधी अनुसंधान की पद्धतियों पर आठ सप्ताह का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 फरवरी 1994 से 15 अप्रैल 1994 तक चलाया गया।

बंगलादेश के लिए शैक्षिक अनुसंधान की पद्धतियों पर दो और आठ सप्ताह के अभिविन्यास पाठ्यक्रमों की विषय-वस्तुओं को अंतिम रूप दिया गया।

सौंपा गया अनुसंधान कार्य

भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली को शैक्षिक दूरदर्शन के कार्यक्रम और विद्यालयगामी बच्चों का आक्रामक व्यवहार: प्रभाव-समीक्षा अध्ययन से एक अध्ययन शुरू करने को कहा गया है।

पत्रिकाएँ

1994-95 के दौरान 'इंडियन एजुकेशनल रिव्यू' के लिए 91 शोध आलेख प्राप्त हुए। विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने पहले से निर्धारित मानदंडों के आधार पर इन सब आलेखों का मूल्यांकन किया। चुने गए आलेख पत्रिका के एक संयुक्त अंक (अप्रैल-जुलाई-अक्टूबर 1993) में शामिल किए गए। बाद में पत्रिका के तीन और अंकों (जनवरी-जून 1994, जुलाई-दिसंबर 1994 और जनवरी-जून 1995) को अंतिम रूप दिया गया। निरंतर प्रयासों के द्वारा 'जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन' और 'भारतीय आधुनिक शिक्षा' के प्रकाशन को नियमित बना लिया गया है।

शैक्षिक अनुसंधानों और नवाचारों का सर्वेक्षण

शैक्षिक अनुसंधानों और नवाचारों के प्रलेखन के एक नियमित गतिविधि बनाने के लिए छठे शैक्षिक अनुसंधान-नवाचार सर्वेक्षण की कार्रवाई शुरू की गई।

पाँचवें शैक्षिक अनुसंधान सर्वेक्षण को अंतिम रूप देने के लिए किए गए कार्यों में अन्य बातों के साथ प्रवृत्तिमूलक रिपोर्टें लिखने के उद्देश्य से सार-संक्षेपों का अध्यायों में वर्गीकरण और प्रवृत्तिमूलक रिपोर्टें लिखने वालों को यह काम सौंपना भी शामिल है। परिषद् के प्रकाशन विभाग को भाषा-संपादन के लिए 15 प्रवृत्तिमूलक रिपोर्टें भेजी गई हैं। सार संक्षेपों की संपादित विषय-वस्तुओं के 16 सेट भी भाषा-संपादन के लिए भेजे गए हैं।

शैक्षिक अनुसंधानों और नवाचारों के प्रलेखन के एक नियमित गतिविधि बनाने के लिए छठे शैक्षिक अनुसंधान-नवाचार सर्वेक्षण की कार्रवाई शुरू की गई।

विभिन्न विश्वविद्यालयों में पूरे होने वाले शोधप्रबंधों के बारे में सूचनाएँ प्राप्त करने के उद्देश्य से "विश्वविद्यालय समाचार" और साप्ताहिक विवरण पत्रों का संग्रह आरंभ हो चुका है तथा सारसंक्षेपों की आपूर्ति के अनुसंधान-कर्ताओं से संपर्क किया जा रहा है।

शैक्षिक सर्वेक्षण

समय-समय पर शैक्षिक सर्वेक्षण करना परिषद् का एक महत्वपूर्ण कार्य है। ये सर्वेक्षण विद्यालयी शिक्षा सूचनाप्रणाली में शैक्षिक आंकड़ों का संग्रह करने, उन्हें संभालकर रखने और अधुनातन बनाने तथा उनका प्रसार करने के लिए किए जाते हैं ताकि शैक्षिक सुविधाओं की योजनाबंदी करने और शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से शैक्षिक नीतियों के निर्धारण, परिवेक्षण और क्रियान्चयन में सहायता मिले।

छठा अखिल-भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण

छठा अ.भा.शै. सर्वेक्षण परिषद्, मा.स.वि. मंत्रालय, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र तथा राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों की सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। आंकड़ों के संग्रह की संदर्भ-तिथि 30 सितंबर 1993 है। सर्वेक्षण में प्रत्येक बस्ती, मौजा, मान्यता प्राप्त विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र आदि को समेटते हुए जनगणना के आधार पर व्यष्टिस्तरीय योजना के लिए आवश्यक आधारभूत आंकड़े जमा करने पर विशेष ध्यान दिया गया। योजनाओं की निगरानी के लिए आवश्यक कुछ विशिष्ट चरों के बारे में प्रतिदर्शी आधार पर आंकड़े जमा किए गए। रा.सू.केन्द्र के कंप्यूटरों पर आधारित संचारतंत्र अर्थात निकनेट का उपयोग करके जिलों से राज्यों और वहाँ से केन्द्र को आंकड़ों का संप्रेषण किया जा रहा है।

सर्वेक्षण में प्रत्येक बस्ती, मौजा, मान्यता प्राप्त विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र आदि को समेटते हुए जनगणना के आधार पर व्यष्टिस्तरीय योजना के लिए आवश्यक आधारभूत आंकड़े जमा करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

आंकड़ों की प्रविष्टि और उनकी पुष्टीकरण का कार्य प्रगति के विभिन्न चरणों में है। एस.एस.ओ. और एस.आई.ओ. कार्मिकों की संयुक्त बैठक+ में आकड़ों की सटीकता, आंकड़ों की प्रविष्टि की गुणवता, आंकड़ो की प्रवृष्टि की प्रतिबिंबी जाँच, पुष्टीकरण और उनकी संसंगति की जाँचों पर जोर दिया गया।

राष्ट्र, राज्य, जिला और प्रखंड के स्तरों पर कुल 1178 विश्लेषणात्मक तालिकाएँ तैयार की गई हैं। जिला और प्रखंड स्तर की तालिकाओं के अलावा इनमे राष्ट्र के स्तर पर कोई 600 तथा राज्य के स्तर पर 600 तालिकाएँ हैं।

राष्ट्र, राज्य, जिला और प्रखंड के स्तरों पर कुल 1178 विश्लेषणात्मक तालिकाएँ तैयार की गई हैं।

इन तालिकाओं को पूरा करने के लिए सॉफ्टवेयर का विकास कार्य विभिन्न चरणों मे है।

30 मार्च 1995 तक के आरंभिक आंकड़े 24 राज्यों और संघीय क्षेत्रों से प्राप्त हो चुके हैं। बाकी राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों से भी यथाशीघ्र आरंभिक आंकड़े पाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

+ छठे अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण के संबंध में की गई बैठकों आदि के ब्यौरे तालिका 6 में दिए गए हैं।

आंकड़ों का संधान

परिषद मुख्यालय के आंकड़ा संधान एकक के कार्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- ❖ आंकड़ा प्रविष्टि प्रणालियों की सहायता से कंप्यूटरी माध्यमों अर्थात् चुंबकीय टेपों या फ्लापी डिस्कों पर आंकड़ों का स्थानांतरण।
- ❖ विभिन्न प्रकार के सांख्यिकीय विश्लेषणों तथा सूचना प्रणालियों के विकास के लिए साफ्टवेयर का विकास।
- ❖ शैक्षिक अनुसंधानों, सर्वेक्षणों और दूसरी परियोजनाओं से संबंधित आंकड़ों का संधान।
- ❖ सांख्यिकीय पद्धतियों के व्यवहार तथा कंप्यूटरों के प्रयोग की तकनीकों से संबंधित सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करना।

कंप्यूटरीकरण के लिए ली गई विशिष्ट परियोजनाएँ इस प्रकार हैं:

अ) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा 1994

आंकडों की तैयारी, उत्तरपत्रों पर अंक देना, साक्षात्कार के लिए छात्रों को बुलाने के वास्ते योग्यता सूचियों की तैयारी, साक्षात्कार के अंकों का क्रम निर्धारण तथा परिणामों की घोषणा के लिए अंतिम योग्यता सूचियों की तैयारी इन गतिविधियों में शामिल है।

ब) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा 1993 का अनुवर्ती अध्ययन

छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने की दृष्टि से उम्मीदवारों के चयन के लिए प्रयुक्त मानसिक योग्यता परीक्षण तथा शैक्षिक अभिक्षमता परीक्षणों की मदों के विश्लेषण से जुड़े कार्य पूरे किए गए और एक रिर्पोट तैयार की गई।

स) छठा अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण

वे प्रस्तावित डमी तालिकाएँ तैयार की गई जिनके माध्यम से छठे अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण के आंकड़ों का संकलन और विश्लेषण किया जाएगा। सर्वेक्षण के बारे में राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों को सारी सूचनाएँ निकनेट सुविधाओं का इस्तेमाल करके भेजी गई।

द) डी.पी.ई.पी. बेसलाइन संप्राप्ति अध्ययन

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आठ राज्यों से जमा की गई अनेक अनुसूचियों के आंकड़ों की वैधता की पुष्टि आगे विश्लेषण के लिए एस.पी.एस.एस. और हाई सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग करके की गई। बैसिक मैनजमेंट सॉफ्टवेयर पैकेज का इस्तेमाल करके महाराष्ट्र के दो जिलों से प्राप्त आंकड़ों को प्रविष्ट कराया गया। ये आंकड़े अब आगे विश्लेषण के लिए तैयार हैं।

य) असम, केरल और उड़ीसा में कक्षा 3 के बच्चों के संप्राप्ति स्तर का अध्ययन

परिषद् के विद्यालयपूर्व एवं प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.) द्वारा शुरू की गई उपरोक्त परियोजना के आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण विभिन्न श्रेणियों के प्रत्युत्तरों में पाए जाने वाले अंतर की सार्थकता जाँचने के उद्देश्य से किया गया।

र) रा.शै.अ.प्र.प. के लेखा अनुभाग के लिए वेतन पत्री व.सा.भ.नि. संबंधी साफ्टवेयर

लेखा विभाग की आज की जरूरतें पूरी करने के उद्देश्य से वेतनपत्री संबंधी पैकेज का परिष्कार किया गया। परिषद् के कर्मचारियों की सामान्य और संचयी भविष्य निधियों के खातों के रखरखाव से संबंधित एक नया पैकेज विकसित किया गया और उसका उपयोग आरंभ किया गया।

परिषद के जो विद्वान पी.एच.डी. परियोजनाओं में संलग्न हैं उनको उपकरणों के विकास, आंकड़ों की प्रविष्टि तथा कंप्यूटर पर आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण के बारे में आवश्यक सहायता प्रदान की गई।

परिषद के जो विद्वान पी.एच.डी. परियोजनाओं में संलग्न हैं उनको उपकरणों के विकास, आंकड़ों की प्रविष्टि तथा कंप्यूटर पर आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण के बारे में आवश्यक सहायता प्रदान की गई।

व) परामर्श और मार्गदर्शन

उपरोक्त के अलावा (1) कंप्यूटर के प्रयोग (2) विभिन्न विभागों द्वारा कंप्यूटरों की खरीद, (3) आंकड़ों का कंप्यूटरीकरण करने वाले बाहरी संगठनों को कामों के सौपे जाने, तथा (4) सांख्यिकीय तकनीक के व्यवहार और कंप्यूटर से प्राप्त परिणामों की व्याख्या के सिलसिले में भी अनुसंधानकर्ताओं को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।


COUNCIL
RESEARCH & TRAINING N.DELHI

अध्याय 8

प्रकाशन, सामग्री-विकास और पुस्तकालय सेवाएँ

प्रकाशन

विद्यालय स्तर की पाठ्यपुस्तकों, अभ्यास पुस्तिकाओं, अध्यापकों के लिए मार्गदर्शिकाओं और अन्य अनुदेशी सामग्रियों, अनुसंधान रिपोर्टों और विनिबंधों, शैक्षिक पत्रिकाओं का प्रकाशन तथा शैक्षिक सूचनाओं का प्रसार परिषद् की प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं। मोटे तौर पर ये प्रकाशन निम्नलिखित श्रेणियों में आते हैं :

- विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकें, अभ्यास पुस्तिकाएँ व निर्धारित पूरक पाठमालाएँ।
- अध्यापकों के लिए मार्गदर्शिकाएँ व अन्य अनुदेशी सामग्रियाँ।
- पूरक पाठमालाएँ ।
- व्यावसायिक शिक्षा की आदर्श अनुदेशी सामग्रियाँ।
- अनुसंधान रिपोर्टें और विनिबंध; इनमें निर्मूल्य वितरण वाले प्रकाशन भी शामिल हैं।
- शैक्षिक पत्रिकाएँ।

विद्यालय स्तर की पाठ्यपुस्तकों, अभ्यास पुस्तिकाओं, अध्यापकों के लिए मार्गदर्शिकाओं और अन्य अनुदेशी सामग्रियों, अनुसंधान रिपोर्टों और विनिबंधों, शैक्षिक पत्रिकाओं का प्रकाशन तथा शैक्षिक सूचनाओं का प्रसार परिषद् की प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं।

वर्ष 1994-95 में विभिन्न श्रेणियों के प्रकाशनों की संख्या 322 रही। उनका विवरण नीचे की तालिका अगले पृष्ठ में दिया गया है।

1994-95 के प्रकाशनों की वितरण

क्रम संख्या	प्रकाशन की श्रेणी	शीर्षकों की संख्या
1.	पाठ्यपुस्तकों के पहले संस्करण	28
2.	पाठ्यपुस्तकों, अभ्यास-पुस्तिकाओं या निर्धारित पूरक पाठमालाओं के पुर्नमुद्रण	174
3.	दूसरे संगठनों की पाठ्यपुस्तकें या अभ्यास-पुस्तिकाएँ	32
4.	अध्यापकों के लिए पाठ्यपुस्तकें या मार्गदर्शिकाएँ	4
5.	पूरक पाठमालाएँ	8
6.	व्यावसायिक आदर्श अनुदेशी सामग्रियाँ	13
7.	अनुसंधान/विनिबंध रिपोर्टें व अन्य प्रकाशन निर्मूल्य वितरण वाले प्रकाशनों सहित	29
8.	शैक्षिक पत्रिकाएँ (अंक)	22
9.	एन.सी.ई.आर.टी. न्यूज़लेटर/शैक्षिक दर्पण (अंक)	10
10	डी.पी.ई.पी. कालिंग (न्यूज़लेटर)	4
	योग	**324**

1994-95 के प्रकाशनों की विस्तृत सूची तालिका 32 में दी गई है।

पत्रिकाओं का प्रकाशन

परिषद् ने वर्ष 1994-95 में निम्नलिखित पत्रिकाओं के अनेक अंक (कुछ पिछले अंकों सहित) प्रकाशित किए :

- ❖ इंडियन एजुकेशनल रिव्यू — एक अंक
- ❖ जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन — छः अंक
- ❖ स्कूल साइंस — सात अंक

❖ प्राइमरी टीचर	तीन अंक
❖ प्राइमरी शिक्षक	दो अंक
❖ भारतीय आधुनिक शिक्षा	तीन अंक
❖ डी.पी.ई.पी. कालिंग (न्यूज़लेटर)	चार अंक

इनके अलावा इस वर्ष एन.सी.ई.आर.टी. न्यूज़लेटर/उसके हिन्दी संस्करण शैक्षिक दर्पण के 10 अंक भी प्रकाशित किए गए।

बिक्री

1994-95 में परिषद् के प्रकाशनों की बिक्री से रु. 25,80,31,779.89 मात्र राशि प्राप्त हुई।

कापीराइट की अनुमति

राज्य स्तर के अनेक संगठनों ने परिषद् द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में रुचि दिखाई। ऐसे संगठनों को परिषद् कापीराइट की निःशुल्क अनुमति देती है। परिषद् ने अपनी पुस्तकों के स्वीकार, अनुकूलन या अनुवाद के लिए जिन संगठनों को अनुमति दी उनके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :

अ) सचिव
हरियाणा विद्यालय शिक्षा
बोर्ड, भिवानी

1994-95 के सत्र में निम्न पुस्तकों के स्वीकार और पुर्नमुद्रण की कापीराइट अनुमति दी गई :

कक्षा 9

1. स्वाति भाग 1
2. पराग भाग 1
3. लैंग्वेज़ थ्रू लिटरेचर 1 (इंग्लिश रीडर)
4. लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर 1 (सप्लीमेंटरी रीडर)
5. लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर 1(वर्क बुक)
6. गणित भाग 1
7. गणित भाग 2
8. विज्ञान भाग 1
9. विज्ञान भाग 2
10. सभ्यता की कहानी भाग 1

11. पर्यावरण बोध
12. हमारी अर्थव्यवस्था का एक नवीन परिचय
13. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना

कक्षा 10

1. स्वाति भाग 2
2. पराग भाग 2
3. लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर 2 (सप्लीमेंटरी रीडर)
4. लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर 2 (वर्क बुक)
5. गणित भाग 1 खंड 1
6. गणित भाग 2
7. विज्ञान भाग 1
8. विज्ञान भाग 2
9. सभ्यता की कहानी भाग 2
10 भारत का आर्थिक भूगोल ·
11. हमारा शासन कैसे चलता है।

कक्षा 11

1. निहारिका भाग 1
2. पल्लव भाग 1
3. आई दि पीपुल
4. स्टोरीज, प्लेज एंड टेल्स ऑफ एडवेंचर

कक्षा 12

1. निहारिका भाग 2
2. पल्लव भाग 2
3. दि वेब ऑफ अवर लाइफ

ब) सविच
हिमाचल प्रदेश विद्यालय शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला, कांगड़ा

सत्र 1994-95 में निम्न पुस्तकों की स्वीकृति और पुर्नमुद्रण के लिए कापीराइट अनुमति दी गई

कक्षा 1

1 बाल भारती भाग 1

कक्षा 2

1. बाल भारती भाग 2
2. गणित भाग 2

कक्षा 3

1. बाल भारती भाग 3
2. गणित भाग 3
3. हम और हमारा देश
4. परिवेश अन्वेषण भाग 1

कक्षा 4

1. बाल भारती भाग 4
2. गणित भाग 4
3. हमारा देश भारत
4. परिवेश अन्वेषण भाग 2
5. इंग्लिश रीडर 1 ए (जी. एस.)

कक्षा 5

1. बाल भारती भाग 5
2. गणित भाग 5
3. हमारा देश और संसार
4. परिवेश अन्वेषण भाग 3

कक्षा 6

1. किशोर भारती भाग 1
2. संक्षिप्त रामायण
3. गणित भाग 1
4. प्राचीन भारत
5. देश और उनके निवासी भाग 1
6. हमारा नागरिक जीवन
7. विज्ञान भाग 1
8. इंग्लिश रीडर 1 बी (जी. एस.)

कक्षा 7

1. किशोर भारती भाग 2
2. संक्षिप्त महाभारत
3. गणित भाग 1
4. गणित भाग 2
5. हम अपना शासन कैसे चलाते हैं
6. मध्यकालीन भारत
7. देश और उनके निवासी भाग 2
8. विज्ञान भाग 1
9. इंग्लिश रीडर बुक 2

कक्षा 8

1. किशोर भारती भाग 3
2. त्रिविधा
3. जीवन और विज्ञान
4. गणित भाग 1
5. गणित भाग 2
6. हमारा भारत- आज की समस्याएँ और चुनौतियाँ
7. आधुनिक भारत
8. देश और उनके निवासी भाग 3
9. विज्ञान भाग 3
10 हिन्दी व्याकरण और रचना
11. इंग्लिश रीडर बुक 3

कक्षा 9

1. स्वाति भाग 1
2. पराग भाग 1
3. विज्ञान भाग 1
4. विज्ञान भाग 2
5. गणित भाग 1
6. गणित भाग 2
7. सभ्यता की कहानी भाग 1
8. पर्यावरण बोध
9 हमारी अर्थव्यवस्था का एक नवीन परिचय
10. हमारा शासन कैसे चलता है।
11. इंग्लिश रीडर बुक .4
12. सरल हिन्दी व्याकरण और रचना

कक्षा 10

1. स्वाति भाग 2
2. पराग भाग 2
3. विज्ञान भाग 1
4. विज्ञान भाग 2
5. गणित भाग 1
6. गणित भाग 2
7. सभ्यता की कहानी भाग 2
9. भारत का आर्थिक भूगोल
10. इंग्लिश रीडर बुक 5

कक्षा 11
1. मंदाकिनी भाग 1
2. प्रवाल भाग 1
3. साहित्य का स्वरूप

कक्षा 12
1. मंदाकिनी भाग 2
2. प्रवाल भाग 2
3. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

स) दिल्ली ब्यूरो ऑफ टेक्सबुक्स, दिल्ली

1994-95 के दौरान दिल्ली प्रशासन के विद्यालयों में उपयोग के लिए दिल्ली ब्यूरो ऑफ टेक्स्टबुक्स ने निम्न पुस्तकों की स्वीकृति और प्रयोग जारी रखा।

कक्षा 1
1. बाल भारती भाग 1
2. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग 1
3. गणित भाग 1

कक्षा 2
1. बाल भारती भाग 2
2. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग 2
3. गणित भाग 2

कक्षा 3
1. बाल भारती भाग 3
2. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग 3
3. गणित भाग 3
4. हम और हमारा देश
5. परिवेश अन्वेषण भाग 1

कक्षा 4
1. बाल भारती भाग 4
2. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग 4
3. गणित भाग 4
4. हमारा देश भारत
5. परिवेश अन्वेषण भाग 2

कक्षा 5

1. बाल भारती भाग 5
2. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग 5
3. गणित भाग 5
4. हमारा देश और संसार
5. परिवेश अन्वेषण भाग 3

कक्षा 6

1. किशोर भारती भाग 1
2. संक्षिप्त रामायण
3. गणित भाग 1
4. प्राचीन भारत
5. देश और उनके निवासी भाग 1
6. हमारा नागरिक जीवन
7. विज्ञान भाग 1

कक्षा 7

1. किशोर भारती भाग 2
2. संक्षिप्त महाभारत
3. गणित भाग 1
4. गणित भाग 2
5. हम अपना शासन कैसे चलाते हैं
6. मध्यकालीन भारत
7. देश और उनके निवासी भाग 2
8. विज्ञान भाग -2

कक्षा 8

1. किशोर भारती भाग 3
2. त्रिविधा
3. गणित पुस्तक 3 भाग 1
4. गणित पुस्तक 3 भाग 2
5. हमारा भारत — आज की समस्याएँ और चुनौतियाँ
6. आधुनिक भारत
7. देश और उनके निवासी भाग 3
8. विज्ञान भाग 3

द) कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठम्, तिरुपति - 517507 आंध्रप्रदेश

निम्न सामग्री के समावेश के लिए कापीराइट अनुमति दी गई।

1. श्री रामकृष्ण परमहंस, कक्षा 7 की इंग्लिश रीडर, बुक 4 से
2. स्टोरीज़, प्लेज एंड टेल्स ऑफ एडवेंचर का शीर्षक पृष्ठ
3. कक्षा 6 की रीड फार प्लेजर बुक 3 से दो पाठ आरपन्स और यूरीडाइस

य) अध्यक्ष, गोवा माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, आल्तो बेतिम, बार्देज गोवा-403112

मराठी भाषा में निम्न पाठ्यपुस्तकों के स्वीकृति और अनुवाद के लिए कापीराइट की अनुमति दी गई।

1. मैथेमेटिक्स बुक 2 पार्ट 1, कक्षा 7
2. मैथेमेटिक्स बुक 2 पार्ट 2, कक्षा 7
3. अवर कंट्री टुडे : प्रावलम्स एंड चैलेजिज, कक्षा 8
4. माडर्न इंडिया, कक्षा 8
5. लैंड्स एंड पीपुल्स पार्ट 3, कक्षा 8
6. साइंस कक्षा 8
7. साइंस कक्षा 9
8. मैथेमेटिक्स कक्षा 9
9. स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन, वाल्युम 1, कक्षा 9
10. अंडरस्टैंडिंग एनवायरनमेंट, कक्षा 9

र) निदेशक, राज्य शै.अ.प्र परिषद, मध्य प्रदेश, भोपाल

अनुदेशक संदर्शिका (अनौपचारिक शिक्षा की सामग्री) के मुद्रण और वितरण के लिए कापीराइट की अनुमति दी गई।

ल) संयुक्त निदेशक, राज्य शै.अ.प्र. परिषद्, नागालैंड, कोहिमा

नागालैंड में निम्न पुस्तकों के स्वीकृति के लिए कापीराइट की अनुमति दी गई।

कक्षा 3

1. एक्सप्लोरिंग एनवायरमेंट बुक 1

कक्षा 4

1. एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक 2

कक्षा 5

1. एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक 3

कक्षा 6

1. साइंस
2. मैथेमेटिक्स

कक्षा 7

1. साइंस
2. मैथेमेटिक्स पार्ट 1
3. मैथेमेटिक्स पार्ट 2

कक्षा 8

1. साइंस
2. मैथेमेटिक्स पार्ट 1
3. मैथेमेटिक्स पार्ट 2
4. माडर्न इंडिया
5. लैड्स एंड पीपुल पार्ट 3
6. अवर कंट्री टुडे — प्राब्लम्स एंड चैलेजिज

ब) निदेशक, क्षेत्रीय अँग्रेजी संस्थान चंडीगढ़	परिषद की पुस्तकों इंग्लिश रीडर, लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर बुक 1 और 2 तथा आई-दि पीपुल की सभी कविताओं (कविता चेरी ट्री और कनफैसन ऑफ ए बार्न स्पैक्टेटर को छोड़कर) का प्रयोग करके आडियो कैसेट तथा इन कैसेटों के लिए सहायक सामग्रियों के रूप में पुस्तिकाएं तैयार करने के लिए कापीराइट की अनुमति दी गई।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए अनुदेश-सह व्यावहारिक कार्य की हस्तपुस्तिकाएँ

परिषद् ने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पुस्तकों का प्रकाशन जारी रखा और समीक्षाधीन काल में 13 नई पुस्तकें प्रकाशित की गई।

पूरक पाठमालाएँ

परिषद् ने अंग्रेजी और हिन्दी भाषाओं में पूरक पठन सामग्री का प्रकाशन जारी रखा। वर्ष 1994-95 में 8 पुस्तकें प्रकाशित की गई।

परिषद् के प्रकाशनों का वितरण

समीक्षाधीन काल में होलसेल एजेंटों के एक तंत्र के माध्यम से परिषद् की पाठ्यपुस्तकों की बिक्री आरंभ की गई। पहली जनवरी 1994 से अंबाला,

अहमदाबाद, इलाहाबाद, बैंगलूर, बंबई, भुवनेश्वर, कालीकट, देहरादून, इंफाल, जयपुर, जबलपुर, लखनऊ, मद्रास, मुदरै, नागपुर, पटना, शिलाँग, तिरुवनंतपुरम और विशाखापतनम में एक-एक; भोपाल, हैदराबाद, जम्मू, जलंधर, कलकत्ता, गुवाहाटी और चंडीगढ़ में दो-दो; रांची में तीन होलसेल एजेंट काम कर रहे हैं। दिल्ली में 12 होलसेल एजेंटो के द्वारा परिषद् के प्रकाशनों का वितरण और विक्रय जारी रहा।

दिल्ली प्रशासन की उर्दू अकादमी उर्दू प्रकाशनों का वितरण और विक्रय करती रही। विक्रय और वितरण की उपरोक्त व्यवस्थाओं के अलावा विद्यालयों और अन्य शिक्षा संस्थानों से परिषद् के प्रकाशनों की आपूर्ति के आर्डर सीधे मिलते रहे। भारी संख्या में व्यक्तियों से प्राप्त आर्डरों को भी पूरा किया गया। परिषद् के प्रकाशनों की खरीद के लिए हजारों की संख्या में व्यक्ति रा.शै.अ.प्र.प. परिसर में स्थित बिक्री काउंटर पर आए। स्वीकृत डाक सूची के अनुसार इस वर्ष प्रकाशित अनेक प्रकाशन डाक से भेजे गए। बड़ी संख्या में संस्थाओं और शोधकर्ताओं द्वारा निःशुल्क वितरण वाले प्रकाशनों के लिए की गई मांग को भी पूरा किया गया।

परिषद् के प्रकाशनों की खरीद के लिए हजारों की संख्या में व्यक्ति रा.शै.अ.प्र.प. परिसर में स्थित बिक्री काउंटर पर आए।

क्षेत्रीय उत्पादन-वितरण केन्द्र

अहमदाबाद, सुखचर और मद्रास स्थित क्षेत्रीय उत्पादन-वितरण केन्द्र अपने-अपने यानि पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों के लिए परिषद् के प्रकाशनों का उत्पादन, विक्रय और वितरण करते रहे। उत्तरी क्षेत्र की जरूरतें परिषद के नई दिल्ली मुख्यालय से पूरी की जाती रहीं।

पुस्तक मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी

प्रसार सेवा कार्य के रूप में परिषद् ने नीचे दिए गए पुस्तक मेलों या प्रदर्शनियों में अपने प्रकाशनों की नुमाइश लगाई :

1. दसवां राष्ट्रीय पुस्तक मेला, नागपुर, 1 अक्टूबर 1994 से
2. वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी, नई दिल्ली, 14 से 29 नवंबर 1994 तक

3. दूसरा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक प्रशिक्षण एवं जीवनवृत्ति मेला 1994, नई दिल्ली, 24 से 28 नवंबर, 1994 तक

4. इक्कीसवाँ अखिल-भारतीय समाजशास्त्र सम्मेलन, नई दिल्ली, 19 से 21 दिसंबर 1994 तक

5. बीसवां कलकत्ता पुस्तक मेला, कलकत्ता, 25 जनवरी से 5 फरवरी 1995 तक

6. नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों या प्रदर्शनियों में परिषद् ने अपने चुनिंदा प्रकाशन भेजकर भाग लिया :

   1. छियालीसवाँ फ्रैंकफुर्ट पुस्तक मेला

   2. जोहानेसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में भारतीय पुस्तकों की प्रदर्शनी

चौथा जिंबाबवे अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला 1994

परिषद् ने हरारे में 3 से 7 अगस्त 1994 तक आयोजित चौथे जिंबाबवे अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला 1994 में भाग लिया। इस मेले का विषय विज्ञान और प्रौद्योगिकी था।

प्रकाशन पाठ्यक्रमों में भागीदारी

प्रकाशन विभाग के कुछ तकनीकी अधिकारियों को पुस्तक प्रकाशन संस्थान नई दिल्ली द्वारा 14 से 23 नवंबर 1994 तक आयोजित प्रकाशन के पेशेवर व्यक्तियों के सातवें संघनित पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए भेजा गया।

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएँ

पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.) ने परिषद् के विभिन्न घटकों की अनुसंधान-विकास गतिविधियों में सहायता देना

जारी रखा। वर्षों के कालक्रम में विद्वानों के उपयोग के लिए यहाँ शिक्षाशास्त्र और संबंधित विषयों में पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं का एक समृद्ध संग्रह जमा हो चुका है।

अंतर्राष्ट्रीय व तुलनात्मक शिक्षा तथा जनसंख्या शिक्षा पर सूचनाओं के संग्रह और प्रसार की आवश्यकता को देखते हुए डी.एल.डी.आई. के अभिन्न अंश के रूप में निम्न विशेष केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं।

1. अंतराष्ट्रीय शैक्षिक संसाधन प्रेलखन केन्द्र।

2. जनसंख्या शिक्षा प्रलेखन केन्द्र।

विद्यालयों और अध्यापक-प्रशिक्षण संस्थाओं की पुस्तकालय सेवाओं में सुधार के लिए जि.शि.प्र. संस्थाओं तथा अध्यापक-प्रशिक्षण संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्षों और प्रभारी अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कर्मशालाओं का आयोजन किया गया।

विद्यालयों और अध्यापक-प्रशिक्षण संस्थाओं की पुस्तकालय सेवाओं में सुधार के लिए जि.शि.प्र. संस्थाओं तथा अध्यापक-प्रशिक्षण संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्षों और प्रभारी अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कर्मशालाओं का आयोजन किया गया।

विभाग में मौजूद संग्रह, प्रलेखन और रिप्रोग्राफिक सेवाओं का विहंगावलोकन नीचे प्रस्तुत किया जा रहा है:

अ) 31.3.1995 को पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं की कुल संख्या

1)	खरीदी गई पुस्तकें	:	1,15,969
2)	उपहार में मिली पुस्तकें	:	20,464
3)	जिल्द बंद और परिग्रहित पत्र-पत्रिकाएँ	:	12,302

ब) 31.3.1995 तक हटा ली गई पुस्तकें व पत्र-पत्रिकाएँ	:	25,746
स) 31.3.1995 तक कुल मात्र संपत्ति (अ-ब)	:	1,22,989

द) 1994-95 के दौरान प्राप्त की गई पुस्तकें व पत्र-पत्रिकाएँ

1)	खरीदी गई पुस्तकें	:	1,159
2)	उपहार में मिली पुस्तकें	:	402
3)	जिल्द बंद और परिग्रहित पत्र-पत्रिकाएँ	:	1,370

य) 1994-95 के दौरान पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं पर हुआ खर्च (रुपयों में)

1)	पुस्तकों पर (क) अंग्रेजी (656 पुस्तकें)	:	3,23,978
	(ख) हिन्दी (503 पुस्तकें)	:	75,292
2)	पत्र-पत्रिकाओं पर	:	10,40,962
	योग	**:**	**14,40,130**

1994-95 के दौरान प्राप्त हुई पत्र-पत्रिकाएँ

अ) पत्र-पत्रिकाएँ जिनके चंदे जमा किए गए		
1. विदेशी (222)		
2. भारतीय (143)	:	365
ब) उपहार में मिली पत्र-पत्रिकाएँ	:	50
स) लोकप्रिय पत्र-पत्रिकाएँ	:	22
द) समाचार पत्र	:	20
य) पत्र-पत्रिकाओं आदि पर हुआ व्यय	:	10,40,962.00

प्रलेखन और रिप्रोग्राफिक सेवाएँ

अ) परिग्रहण सूची	:	4 अंक
ब) सामयिक विषयवस्तुएँ	:	4 अंक
स) सामयिक पत्र-पत्रिकाओं की अनुक्रमणिका	:	2 अंक

1) माइग्रेशन इन इंडिया (सारसंक्षेप सहित संदर्भसूची)
2) वैल्यू एजुकेशन इन इंडिया (सारसंक्षेप सहित संदर्भ सूची)
3) एड्स एजुकेशन इन इंडिया (सार संक्षेप सहित संदर्भसूची)

द) संदर्भ सूचियाँ

संचरण सेवा

अ) 31.3.1994 तक कुल सदस्यता	:	2477
ब) नई सदस्यता		
1) आंतरिक	:	31
2) बाह्य	:	74
स) खत्म हो चुकी सदस्यता	:	340
द) 31.3.1995 तक मात्र सदस्यता (अ+ब-स)	:	2242
य) 1994-95 के दौरान परामर्श या संदर्भ सेवाओं से लाभान्वित होने वाले बाहरी व्यक्ति	:	3340
र) 1994-95 के दौरान जारी पुस्तकों की कुल संख्या	:	11790
ल) 1994-95 के दौरान अंतपुस्तकालय ऋण के रूप में जारी पुस्तकों की कुल संख्या	:	76
व) अत-पुस्तकालय ऋण के रूप में ली गई पुस्तकों की संख्या		14

पुस्तकालय का विस्तारित कार्यदिवस

सोमवार से शुक्रवार तक पुस्तकालय का 8 बजे सुबह से 8 बजे शाम तक का विस्तारित कार्य जारी रहा। पहली सितंबर 1992 से पुस्तकालय की संदर्भ और वाचनालय सेवाएँ शनिवार और रविवार को 9 बजे सुबह से 5.30 बजे शाम तक चलती रहती हैं। लेकिन पुस्तकालय तमाम राजपत्रित अवकाशों के दिन बंद रहता है।

कुछ दूसरे कार्यक्रम

परिषद् और उसके घटकों के पेशेवर पुस्तकालय-स्टाफ की वार्षिक बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई। क्षे.शि. महाविद्यालयों और डी एम स्कूलों के पुस्तकालयों की कार्य-योजनाएँ उनकी स्वचालन, तंत्र-निर्माण और संचार संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गईं। विद्यालयों के पुस्तकालयों के लिए एक हस्तपुस्तिका के मसौदे पर भी विचार किया गया। भागीदारी के विचारों और सुझावों को ध्यान में रखते हुए इसकी संशोधित हस्तपुस्तिका तैयार की जाएगी।

क्षे.शि. महाविद्यालयों और डी एम स्कूलों के पुस्तकालयों की कार्य-योजनाएँ उनकी स्वचालन, तंत्र-निर्माण और संचार संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई।

राज्य संसाधन केन्द्र और सूचना केन्द्र, बैंगलूर में कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के जि.शि.प्र. संस्थानों और अ.प्र. संस्थानों के पुस्तकालयों के विकास पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। भागीदारी को पुस्तकालय व सूचना विज्ञान के 10 मुख्य मुद्दों पर पाठ्यसामग्री प्रदान की गई। पुस्तकालय संगठन और प्रबंधन के विभिन्न पक्षों पर सैद्धांतिक विचार विमर्श, पुस्तकों के वर्गीकरण और सूचीकरण के व्यावहारिक कार्य भी इनकी कार्यसूची में शामिल थे।

1994-95 में आयोजित कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के ब्यौरे तालिका 33 में दिए गए हैं।

विज्ञान के उपकरणों का विकास और उत्पादन

विद्यालयों के लिए विज्ञान के उपकरणों के नमूनों से संबंधित अनुसंधान विकास, नमूनों के उत्पादन, प्रायोगिक परीक्षण और नए प्रारूपों में अध्यापकों के प्रशिक्षण जारी रहे। पहली बार 1969-70 में

पहली बार 1969-70 में विद्यालय-प्रणाली में प्रयोग किए गए, परिषद् के विज्ञान किटों का और आगे परिष्कार किया गया।

विद्यालय-प्रणाली में प्रयोग किए गए, परिषद् के विज्ञान किटों का और आगे परिष्कार किया गया तथा उसके दो प्रारूप अर्थात प्राथमिक विज्ञान किट और मिनी टूल किट ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड के अंतर्गत प्राथमिक स्तर के लिए आवश्यक सुविधाओं की सूची में शामिल किए गए। उच्चतर प्राथमिक स्तर की विज्ञान पाठ्यचर्या की तर्ज पर कर्मशाला विभाग में विकासित एकीकृत विज्ञान किट केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना 'विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा सुधार' का एक महत्वपूर्ण घटक था। यह किट अब ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड के अंतर्गत प्रारंभिक शिक्षा का एक अंग है।

1993-94 के दौरान वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के लिए रसायनशास्त्र का एक तीन आयामोवाला आणविक प्रतिरूप किट और उसकी विस्तृत हस्तपुस्तिका का विकास किया गया था। कक्षा की वास्तविक स्थिति में परीक्षा के लिए इस किट के 10 नमूने विकसित किए गए हैं।

कैल सॉफ्टवेयर

भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से मिडिल स्कूल के बच्चों के लिए एक कैल साफ्टवेयर (वस्तुओं का अलगाव) विकसित किया गया है। प्रतिज्ञान, मूल्यांकन आदि के लिए इस साफ्टवेयर को अब विद्यालयों को भेजा जा रहा है।

प्रारंभिक चरण के विकलांग बच्चों के लिए विज्ञान के उपकरणों और अनुदेशी सामग्री का अनुकूलन

विकलांग बच्चों की आवश्यकताओं को समझकर, दृष्टि दोषवाले बच्चों की आवश्यकताओं की पहचान के बाद विज्ञान-अध्यापन की विशेष प्रकार की सामग्रियाँ विकसित की गई।

विकलांग बच्चों की आवश्यकताओं को समझकर, दृष्टि दोषवाले बच्चों की आवश्यकताओं की पहचान के बाद विज्ञान-अध्यापन की विशेष प्रकार की सामग्रियाँ विकसित की गई। विभिन्न स्थानों पर दृष्टिदोष वाले बच्चों पर इन उपकरणों का परीक्षण किया गया अैर एक अंतिम प्रारूप का उत्पादन किया गया। ठीक-ठाक कहें तो निम्न उपकरण विकसित किए गए :

- मापन किट जिसमें मापन का टेप, मापन का सिलिंडर, इकाई घन ट्रे, डायल प्रकार की तापमापी, स्प्रिंग भारतोलक और दो पलड़ों वाले तराजू शामिल हैं
- इलैक्ट्रानिक तापमापी
- कैलोरीमीटर
- नल डिटेक्टर
- द्रव के स्तर का सूचक या निरंतरता परीक्षक।

प्रारंभिक चरण के विकलांग बच्चों के लिए विज्ञान के उपकरणों और अनुदेशी सामग्रियों के अनुकूलन पर रिपोर्ट प्रकाशित की गई।

मुक्त विद्यालय प्रणाली में उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए रसायनशास्त्र के किट का विकास

मुक्त विद्यालय प्रणाली में विज्ञान पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए छात्रों के वास्ते प्रयोगशाला की सुविधाओं की बड़ी भारी जरूरत है। बड़े शहरों में इसके लिए आमतौर पर स्थानीय विद्यालयों से मिलकर व्यवस्था की जाती है जहाँ छात्र प्रयोगशाला सुविधाओं का उपयोग करते हैं। लेकिन दूर-दराज के क्षेत्रों में किसी प्रयोगशाला सुविधा के अभाव में छात्रों के लिए विज्ञान के पाठ्यक्रम चलाना बहुत कठिन है। बच्चों के लिए वैकल्पिक प्रयोगशाला की सुविधाएँ जुटाने के लिए परिषद् ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के सहयोग से यह परियोजना शुरू की। आरंभ में रसायनशास्त्र के किट का विकास किया गया। यह किट केवल मुक्त विद्यालय प्रणाली ही नहीं, उन नियमित विद्यालयों के भी काम आ सकता है जहाँ प्रयोगशाला की सुविधाएँ नहीं हैं। भारत में विज्ञान के पाठ्यक्रम चलाने वाले विद्यालयों में 39 प्रतिशत विद्यालयों के पास प्रयोगशाला की सुविधाएँ नहीं हैं।

बच्चों के लिए वैकल्पिक प्रयोगशाला की सुविधाएँ जुटाने के लिए परिषद् ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के सहयोग से यह परियोजना शुरू की। आरंभ में रसायनशास्त्र के किट का विकास किया गया।

रसायनशास्त्र किट, किट हस्तपुस्तिका तथा छात्र सूचना किट का विकास किया गया, तथा परिषद् के कर्मशाला विभाग द्वारा आयोजित अनेक कार्यशालाओं में उनका परीक्षण किया गया। इस परियोजना से निम्न का विकास हुआ :

- ❖ रसायनशास्त्र का किट
- ❖ रसायनशास्त्र के किट के लिए हस्तपुस्तिका
- ❖ रसायनशास्त्र में व्यावहारिक कार्यों के लिए छात्र सूचना पर्चे।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय को 50 किट प्रदान किए गए।

1994-95 के दौरान कर्मशाला विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं, अभिविन्यास या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के ब्यौरे तालिका 34 में दिए गए हैं।



अंतर्राष्ट्रीय संबंध

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में उन द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों को लागू करने वाली एक अभिकरण की तरह कार्य करती है जो उसे सौपें गए हैं और जिन पर भारत सरकार ने दूसरे देशों के साथ हस्ताक्षर किए हैं। यह विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में यूनेस्को, ए.पी.ई.आई.डी. और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं और कार्यक्रमों को लागू करती है तथा विचारों और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए अन्य देशों के शिष्टमंडलों और विशेषज्ञों के साथ बैठकें आयोजित करती है। यह यूनेस्कों, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और यूनिसेफ आदि के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, विचारविमर्श, बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में भागीदारी के लिए अपने संकाय सदस्यों को प्रायोजित करती है। अन्य बातों के अलावा परिषद् विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में विदेशी नागरिकों के लिए अल्पकालिक सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है। यह विभिन्न देशों, संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को भारत में विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न पक्षों पर सूचनाएँ भी मुहैया कराती है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में उन द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों को लागू करने वाली एक अभिकरण की तरह कार्य करती है जो उसे सौपें गए हैं और जिन पर भारत सरकार ने दूसरे देशों के साथ हस्ताक्षर किए हैं।

यूनेस्को के एशिया-प्रशांत विकास हेतु शैक्षिक नवाचार कार्यक्रम (ए.पी.ई.आई.डी.) के संदर्भ में भारत सरकार ने सत्तरोत्तर दशक में राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) का गठन किया था। इस दल का सचिवालय, जिसे परिषद् का अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक चलाता है, शैक्षिक नवाचारों को बढ़ावा देता रहा है तथा समन्वय और निकासी गृह की भूमिका अदा करता रहा है।

द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

विभिन्न देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम क्रियान्वयन के तहत परिषद् को सौंपी गई मदों के अनुसार कजाकिस्तान, कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया), रूस, मैक्सिकों, बुलगारिया, केनिया और रोमानिया की सरकारों को शैक्षिक सामग्रियों की आपूर्ति की गई। इसी तरह सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत संघीय जर्मन गणराज्य और वैनुजुएला से शैक्षिक सामग्रियाँ, दस्तावेज और रिपोर्टें प्राप्त हुई। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत प्राप्त सामग्रियों को परिषद् के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय के पुस्तकालय में प्रदर्शित किया गया है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत दूसरे देशों से विशेषज्ञों का आदान प्रदान भी किया जाता है।

विभिन्न देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम क्रियान्वयन के तहत परिषद् को सौंपी गई मदों के अनुसार कजाकिस्तान, कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया), रूस, मैक्सिकों, बुलगारिया, केनिया और रोमानिया की सरकारों को शैक्षिक सामग्रियों की आपूर्ति की गई।

परिषद् में विदेशी अतिथि

1994-95 में परिषद् में विभिन्न देशों के निम्नलिखित शिक्षाशास्त्री और विशेषज्ञ पधारे :

- विश्व भाषा संस्थान के डीन और यूनेस्कों के कजाकिस्तान राष्ट्रीय आयोग के उपमहानिदेशक प्रो. आख्मेतोव 7 जुलाई 1994 को पधारे। उन्हें भाषा-नीति तथा परिषद् में भाषाओं के बारे में हो रहे कार्य की जानकारी दी गई।

- मुख्य संपादक और तियांजिया पत्रकार संघ, बीजिंग के उपाध्यक्ष श्री क्वी युन शेंग के नेतृत्व में चीन का एक पाँच-सदस्यीय शिष्टमंडल 22 जुलाई 1994 को आया। पाठ्यचर्या विकास, शैक्षिक अनुसंधान, अध्यापक शिक्षा और राज्यों को दी जाने वाली प्रशिक्षण सहायता के बारे में परिषद् के संकाय से उसने विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधियों को परिषद् में पाठ्यपुस्तकों की तैयारी, उत्पादन और वितरण की व्यवस्था की जानकरी दी गई।

- शंघाई के उपमेयर श्री शू क्वांग दी के नेतृत्व में चीन का एक तीन-सदस्यीय शिष्टमंडल 31 अगस्त 1994 को आया। उसने भारत में

शिक्षा प्रणाली से संबंधित विषयों पर और विशेष रूप से विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में परिषद् की भूमिका और कार्यों पर वरिष्ठ सदस्यों से विचारविमर्श किया।

❖ परियोजना क्रियान्वयन प्रबंध इकाई, बंगलादेश के परियोजना निदेशक श्री ए.के.एम. आजाद सरकार के नेतृत्व में वहाँ से 6 सदस्यों का एक शिष्टमंडल 7 सितंबर 1994 को आया। उसने प्राथमिक, अनौपचारिक और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पक्षों पर विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान किया।

❖ बंगला देश के संयुक्त सचिव और जी.पी.ई. के समन्वयकर्ता श्री नुरूद्दीन एम कमाल के नेतृत्व में चार सदस्यों का शिष्टमंडल यहाँ 16 से 20 सितंबर 1994 तक रहा। प्रतिनिधियों को परिषद् के विभिन्न घटकों में पाठ्यचर्या विकास, पाठ्यपुस्तकों की तैयारी और उत्पादन तथा सेवाकालीन अध्यापक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में हो रहे कामों की जानकरी दी गई।

❖ भूटान के माध्यमिक विद्यालयों के प्रमुखों का एक 15 सदस्यों का शिष्ट मंडल 19 अक्टूबर 1994 को आया और उसने परिषद् के संयुक्त निदेशक से विद्यालयी शिक्षा के अनेक पहलुओं पर विचार विमर्श किया। शिष्टमंडल ने के.शै.प्रौ. संस्थान, प्रकाशन विभाग और कर्मशाला विभाग का दौरा भी किया।

❖ 7 से 15 नवंबर 1994 तक एक अध्ययन-यात्रा के अंतर्गत लीड्स विश्वविद्यालय, इंग्लैंड के प्रो. आर.डी. अलैक्जैंडर ने भारत में प्राथमिक स्तर पर अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया के अध्ययन के लिए रा. शि. संस्थान के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों से विचार-विमर्श किया। प्रो. अलैक्जेंडर ने दिल्ली और आसपास के कुछ विद्यालयों का दौरा भी किया।

❖ यूगांडा सरकार के शिक्षा व खेलकूद मंत्री महामहिम श्री अमन्या मुशेगा और शिक्षा आयुक्त श्री स्लेवान मालोबा और साथ में नई दिल्ली स्थित युगांडा उच्चायोग में प्रथम सचिव (शिक्षा) सुश्री मार्गरेट के न्सुइमू यहाँ 5 दिसंबर 1994 को पधारे। उन्होंने परिषद्

की भूमिका और कार्यो तथा विद्यालयी व अध्यापक शिक्षा के बारे में उसके कार्यक्रमों और कार्यकलापों पर परिषद् के निदेशक तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों से विचार-विमर्श किया। शिष्टमंडल ने परिषद् और यूगांडा सरकार के बीच सहयोग की संभावनाओं की तलाश भी की।

- ❖ बंगलादेश के शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों का एक 12 सदस्यीय शिष्टमंडल ने श्री मुहम्मद शौकत अली (निदेशक, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बंगलादेश) के नेतृत्व में परिषद् के संयुक्त निदेशक तथा रा.शि. संस्थान के विभागों और के.शै.प्रौ. संस्थान के कुछ वरिष्ठ संकाय संदस्यों से विचारविमर्श किया। प्रतिनिधियों ने विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न पक्षों पर विचार और सूचनाओं का आदान-प्रदान किया।

- ❖ कैंब्रिज विश्वविद्यालय स्थानीय परीक्षा सिंडिकेट के मुख्य कार्यकारी और महासचिव डा माइकेल हैल्सटीड; सिंडिकेट के ही अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अधिकारी श्रीमती जोहन्ना वी क्राइटन तथा साथ में ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली के प्रथम सचिव श्री रिचर्ड वाकर 7 फरवरी 1995 को परिषद् में पधारे। उन्होंने परीक्षा सुधारों के विशेष संदर्भ में अनेक शैक्षिक प्रश्नों पर विचार विमर्श किया।

- ❖ श्री लंका के 6 वरिष्ठ संकाय संदस्यों के लिए 21 फरवरी से 15 अप्रैल 1994 तक शैक्षिक अनुसंधान की पद्धतियों पर आठ सप्ताह का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ये व्यक्ति थे- डा. डव्ल्यू वी गुणशेखर (निदेशक, अनुसंधान विभाग, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, महारगाम, श्री लंका); श्रीमती एच.एम.के.सी. धर्मबर्दना और श्रीमती ए.के. पीरीज (दोनों प्रमुख परियोजना अधिकारी); तथा सुश्री ललित दयानंद लुयानगे, श्री गोडगिन कोडिटुवक्का और एम.ए.पी.के. मुनसिंध (नयी परियोजना अधिकारी)।

- ❖ इजराइल के अहरान के ओत्री अंतराष्ट्रीय अध्ययन केन्द्र के निदेशक श्री यू.जी. इसराइली 17 अगस्त 1994 को पं.सु.श.के. व्या.शि. संस्थान, भोपाल का दौरा किया गया तथा व्यावसायिक शिक्षा के

विभिन्न पहलुओं, खासकर उसकी मौजूदा स्थिति और भावी विकास पर संस्थान के संयुक्त निदेशक और अन्य संकाय सदस्यों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा के विकास के लिए इजराइल से सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार किया।

❖ सुश्री स्यू गोल्डमान (आस्ट्रेलिया), श्री अब्दुलरफ़ीक (बंगलादेश), श्री यू जूग्वांग (चीन), श्री अनीस मुक्तियानी (इंडोनेशिया), श्री ही त्येंग फोक (मलेशिया), सुश्री मार्गरेट हार्सबर्ग (न्यूजीलैंड) श्री अलीम हैदर जैदी (पाकिस्तान) और श्री विचित्त सुंगकनुंत (थाईलैंड) ने पं.सु.श.के. व्या.शि. संस्थान, भोपाल द्वारा 29 नवंबर से 6 दिसंबर 1994 तक आयोजित यूनीवोक 'टैकनीकल वर्किंग ग्रुप मीटिंग आन टैकनीकल एंड वोकेशनल एजुकेशन क्यूरीक्यूलम डवलपमेंट एंड एडेप्टेशन' में भाग लिया। हर प्रतिनिधि ने एक आलेख प्रस्तुत किया और विकास कार्य में भाग लिया।

❖ श्री जान वोल्फेनेसबर्गर (आस्ट्रेलिया), श्री अब्दुर्रफीक (बंगलादेश), श्री जैद जीदा (चीन), श्री डी. टीमरमान (जर्मनी), श्री स्यूजी ओकादा (जापान), श्री जान लाउगो (नार्वे), श्री जैस्तिमैबस्ते (फिलीपीन), श्री जान मेस (ग्रेट ब्रिटेन, और श्री एम.ए. कुरैशी (थाईलैंड) ने पं.सु.श. के. व्या.शि. संस्थान, भोपाल द्वारा 7 से 10 फरवरी 1995 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 'आर्गेनाइज़ेशनल एंड मैनेजमेंट आल्टरनेटिव्स फॉर वोकेशनल एजुकेशन विदिन दि एजुकेशन सिस्टम' में भाग लिया।

❖ डा. एच.जी. क्लेन, सलाहकार (जर्मनी) ने 6 अप्रैल 1994 को परिषद् के कार्यशाला विभाग का दौरा किया।

❖ श्री विल्सन डेविड़ (न्यू पप्वा गिनी) ने 19 मई 1994 को कार्यशाला विभाग का दौरा किया।

❖ श्री रेनांड टाउवे (न्यू पप्वा गिनी) ने भी 24 जून 1994 को कार्यशाला विभाग का दौरा किया।

❖ मलयेशिया के शिक्षा विभाग के पाँच अधिकारियों का एक शिष्टमंडल 30 नवंबर 1994 को परिषद् के मुख्यालय में आया और उसने मलयेशिया में पर्यावरण शिक्षा का स्थिति पर विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधियों ने भारत या मलेयशिया में मलेयशियाई अध्यापक संसाधन व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए परिषद् के अनुभवों के उपयोग की संभावना पर विचार किया।

❖ लंदन पर्यावरण केन्द्र, लोन गाल्डि हाल यूनिवर्सिटी की निदेशिका डा. मोनिका हेल 14 दिसंबर 1994 को परिषद् में आईं और उन्होंने ग्रेट ब्रिटेन में भारतीय शैक्षिक कार्मिकों के पर्यावरण शिक्षा संबंधी प्रशिक्षण की संभावना पर विचार किया।

❖ यूनेस्को और स.रा.वि. कार्यक्रम, काठमांडू द्वारा प्रायोजित एक नेपाली शिष्टमंडल 27 जुलाई 1994 को यहाँ आया। शिष्टमंडल ने विज्ञान व गणित शिक्षा विभाग के संकाय के साथ विद्यालयी शिक्षा के सामान्य पहलुओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

❖ यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित एक कार्यक्रम के अंतर्गत मारीशस के शिक्षा विज्ञान मंत्रालय (विशेष शिक्षा एकक) के तीन वरिष्ठ अधिकारियों - श्री देवरागन माडोंमुट्टू (वरिष्ठ विद्यालय निरीक्षक), श्री अजय ठाकुर (मनौवैज्ञानिक) और श्री सुरेश रामखेलावन मनौवैज्ञानिक- को 'विशेष शिक्षा की नई प्रवृत्तियों' के बारे में गहन प्रशिक्षण देने के लिए 7 से 20 दिसंबर 1994 तक के लिए अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग से संबद्ध किया गया।

❖ सार्क अध्यापक संघों की परिषद्, नेपाल के अध्यक्ष श्री सुशील चंद आमात्य ने 27 जुलाई 1994 को के.शै.प्रौ. संस्थान का दौरा किया। इसका उद्देश्य संकाय को देखना तथा बच्चों के कुछ शैक्षिक माध्यमों वाले कार्यक्रमों की समीक्षा करना था।

❖ ताशकंद, उजबेकिस्तान के डा. शकूर अस्करान ने 27 मार्च, 1995 को के.शै.प्रौ. संस्थान का दौरा किया तथा बच्चों के लाभार्थ शिक्षा के क्षेत्र में संचार माध्यमों, खासकर टेलीविज़न के उपयोग से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में परिषद् के संकाय सदस्यों की भागीदारी

- परिषद् के वि.ग.शि. विभाग के अध्यक्ष प्रो. ए.एन. महेश्वरी ने 30 जुलाई से 8 अगस्त 1994 तक हरारे में आयोजित जिंबाबवे अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में भाग लिया।

- वि.पू.प्रा.शि.वि. रीडर डा. वी.पी. गुप्त, वि.ग.शि. विभाग में प्राध्यापक श्री महेंद्र शंकर, सा.वि.मा. शि. विभाग में प्रोफेसर श्री रामजनम शर्मा और उसी में रीडर डा. आई.एस. शर्मा ने 26 मार्च से 6 अप्रैल 1994 तक दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) का दौरा किया। उन्होंने दोहा क्षेत्र में के.मा.शि. बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों के अध्यापकों के सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्तियों का कार्य किया।

- वि.ग.शि. विभाग के प्रोफेसर के.वी. राव और रीडर डा. रामअवतार, सा.वि.मा.शि. विभाग के प्रोफेसर राजेन्द्रकुमार दीक्षित और रीडर डा. नसीरूद्दीन खान तथा मा.मू.स.आ. प्र. विभाग के प्रो. आर.आर. सक्सेना ने 26 मार्च से 6 अप्रैल 1994 तक दोहा (कतर) का दौरा किया। उन्होंने दोहा के एम.ई.एस. भारतीय विद्यालयों के अध्यापकों के सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्तियों का काम किया।

- डा. पी. कुलश्रेष्ठ (प्राध्यापक, क्षे.शि.म., भोपाल), डा. जी.वी गोपाल (प्राध्यापक, क्षे.शि.म., भुवनेशवर) और डा. के.बी. गुप्त (रीडर, वि.ग. शि. विभाग) ने ब्रिटिश काउंशिल द्वारा प्रायोजित तथा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संरक्षण केन्द्र, चेल्टनहेम, ग्रेट-ब्रिटेन में आयोजित पर्यावरण शिक्षा कार्यशाला में भाग लिया। उनके दौरे के काल क्रमशः 7 फरवरी 29 अप्रैल, 21 फरवरी से 29 अप्रैल तथा 21 फरवरी से 6 मई 1994 तक रहे।

- प्रो. एन. के जंगीरा (अध्यक्ष, अ.शि.वि.शि. और वि.से विभाग) तथा प्रो. विनिता कौल (वि.पू.प्रा.शि. विभाग) ने प्राथमिक विद्यालयों की प्रभाविता के विभिन्न पक्षों, जैसे-आकलन, मूल्यांकन, सेवाकालीन अध्यापक प्रशिक्षण, कक्षा-प्रबंध ओर शिक्षाशास्त्र तथा बड़ी कक्षाओं का प्रबंध आदि का अध्ययन करने के लिए 20 अक्टूबर से 12 नवंबर 1994 तक ग्रेट ब्रिटेन का दौरा किया।

- डा. (सुश्री) रामा.एस. (रीडर, क्षे.शि.म., मैसूर) ने योकासुका (जापान) में 6 से 11 दिसंबर 1994 तक, विशेष शिक्षा पर आयोजित चौदहवीं ए.पी.ई.आई.डी. क्षेत्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- श्रीमती अनुपम आहूजा (प्राध्यापिका, अ.शि.वि.शि. से विभाग) ने घाना समुदाय आधारित पुर्नवास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत घाना में 16 से 30 अप्रैल 1994 तक आयोज़ित प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

- सुश्री जय चंदीराम (संयुक्त निदेशिका, के.शै.प्रौ. संस्थान) ने 23 अप्रैल से 7 मई 1994 तक जर्मनी के विभिन्न माध्यम संस्थानों का दौरा किया।

- श्रीमती अनुपम आहूजा (प्राध्यापिका, अ.शि.वि.शि. विभाग) तथा उसी विभाग के अध्यक्ष प्रो. एन.के. जंगीरा ने स्पेन में 6 से 10 जून 1994 तक विशेष आवश्यकता शिक्षा- सुलभता और गुणवत्ता संबंध विश्व सम्मेलन में भाग लिया।

- श्रीमती अनुपम आहूजा (प्राध्यपिका, अ.शि.वि.शि. विभाग) ने 12 से 21 अक्टूबर 1994 तक कोलंबो (श्रीलंका) में अध्यापक शिक्षा सम्मेलन में भाग लिया।

- डा. बी.पी. सान्याल (रीडर , कै. शै. प्रौ. संस्थान) ने 9 से 17 नवंबर 1994 तक तोक्यों में एन.एच. के प्रेक्षक की हैसियत से भाग लिया तथा वहां आयोजित 21वीं अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक फिल्म प्रतियोगिता में सहायता प्रदान की।

- प्रो. सी.जे. दासवानी (अध्यक्ष, अ.शि.अ.जा./अ.ज.जा.शि. विभाग) ने 13 से 17 नवंबर 1994 तक आदिस अबाबा में, 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के आरंभिक अधिगम अनुभवों पर आयोजित तकनीकी परामर्श बैठक में भाग लिया।

- श्रीमती स्वर्ण गुप्त (प्राध्यापिका, के.शै.प्रौ. संस्थान) ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू में शैक्षिक रेडियों विशेषज्ञ का कार्य करने के लिए 19 से 25 नवंबर 1994 तक नेपाल का दौरा किया।

- श्रीमती जय चंदीराम (संयुक्त निदेशिका, के.शै.प्रौ. संस्थान) ने 1 से 8 दिसंबर 1994 तक मनीला (फिलीपीन) में आयोजित 26 वें सम्मेलन में प्रमुख वक्ता, निर्णायक मंडल की सदस्या और कार्यशाला संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

- श्री सी.डी. तंबोली (रीडर, अ.शि.वि.शि. विभाग) ने 3 से 7 दिसंबर 1994 तक बंगलादेश में बाल विकलांगता पर आयोजित क्षेत्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- प्रो. अर्जुनदेव (अध्यक्ष, सा.वि.मा.शि. विभाग) ने कोरियाई शैक्षिक विकास संस्थान के निमंत्रण पर स्योल, कोरिया गणराज्य में 19 से 25 दिसंबर 1994 तक, कोरिया और भारत में इतिहास के अध्यापन पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया। अपने-अपने आलेखों में दोनों पक्षों ने दूसरे देश में इतिहास की प्रामाणिक प्रस्तुति पर ध्यान केन्द्रित किया।

- सुश्री जय चंदीराम (संयुक्त निदेशिका, के.शै.प्रौ. संस्थान) ने कार्यशाला (बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच तथा उनके लिए अभियान) में संचार माध्यमों के संसाधन व्यक्ति की हैसियत से भाग लिया। इसका आयोजन एशिया ट्रेनिंग सेंटर आन एजिंग, (ए.टी.सी.सी.ए.) च्यांग मइ विश्वविद्यालय, थाईलैंड ने 20 से 26 मार्च 1995 तक किया था।

- डा. अरुण के. मिश्र (परियोजना निदेशक, पं.सु.श.के. व्या.शि. संस्थान, भोपाल) ने एडेलाइड, आस्ट्रेलिया में 30 मई से 17 जून 1994 तक, उद्यमशीलता की पाठ्यचर्या के विकास के लिए आयोजित, तकनीकी कार्यदल की पहली बैठक में भाग लिया।

- डा. अरुण के. मिश्र (परियोजना निदेशक, पं.सु.श.के.व्या.शि. संस्थान, भोपाल) ने तेहरान विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी शिक्षा पर 23 मई 1994 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- डा. अरुण के. मिश्र (परियोजना निदेशक, पं.सु.श.के.व्या.शि. संस्थान, भोपाल) ने 12 से 15 सितंबर 1994 तक क्वालालंपुर में, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर यूनेस्को/ युनीवोक अध्ययनों की क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया।

- प्रो. उषा नायर (अध्यक्षा, म.शि. विभाग) ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में स्त्रियों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे पारंपरिक आचार-व्यवहारों पर आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया। इसे कोलंबो, श्रीलंका में 1 से 5 जुलाई 1994 तक संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार केन्द्र ने आयोजित किया था।

- प्रो. ए.सी. बनर्जी (क्षे.शि.म., मैसूर) ने अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी शिक्षा संगठन द्वारा वेल्डहोवेन (नीदरलैंड) में 24 से 31 अगस्त 1994 तक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा की विश्वव्यापी प्रवृत्तियों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय परिचर्चा में भाग लिया। उन्होंने रसायन शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुसंधान कार्य पर एक आलेख प्रस्तुत करने के लिए 31 अगस्त से 5 सितंबर 1994 तक यूटरेख्ट विश्वविद्यालय का दौरा भी किया। उन्होंने विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में संकाय द्वारा किए गए शैक्षिक शोधकार्य के प्रकारों का ज्ञान भी प्राप्त किया।

- प्रो. जी.के लाहिड़ी (क्षे.शि.म., भोपाल) ने 23 से 31 अगस्त तक वेल्डहोवेन (नीदरलैंड) में विज्ञान-प्रौद्योगिकी शिक्षा की विश्वव्यापी प्रवृत्तियों पर आयोजित सातवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- श्री आई.बी. चुगताई (क्षे.शि.म., भोपाल) ने शिक्षा विभाग, ढाका विश्वविद्यालय और बंगलादेश प्रतिबंधी संगठन द्वारा 3 से 7 दिसंबर 1994 तक, बाल विकलांगता पर आयोजित क्षेत्रीय संगोष्ठी के बाद, उसी के अंग-रूप में अधिगम संबंधी नियोग्यता पर होने वाली कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति की हैसियत से भाग लिया।

- प्रो. जै.एस.ग्रेवाल (क्षे.शि.म., भोपाल) ने सी.एफ.टी.सी. के तहत राष्ट्र मंडल सचिवालय से जुड़े रहकर घाना में अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या के समन्वयकर्ता के रूप में अपना कार्य जारी रखा। इसकी निर्धारित अवधि 30 अक्टूबर 1992 से लेकर 1 नवंबर 1995 तक है।

- श्री सी.एन.राव (अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग) और श्री यू.एन. झा (मुख्य व्यापार प्रबंधक, प्रकाशन विभाग) ने हरारे में 3 से 7 अगस्त 1994 तक जिंबाबवे अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में भाग लिया।

रा.वि.द. के. सचिवालय की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय विकास दल के सचिवालय ने विकास के लिए शिक्षा की उन्नति में अंतः क्षेत्रीय सहयोग संबंधी मार्गदर्शक सिद्धांतों के विकास के लिए एक कार्यशाला आयोजित की। विकास के लिए शैक्षिक नवाचारों पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की गई। इस कार्यशाला और

संगोष्ठी में अन्य बातों के अलावा विकास के वास्ते संदर्भगत शैक्षिक नवाचारों को बढ़ावा देने के बारे में सिफारिशें कीं गईं।

विकास के वास्ते संदर्भगत शैक्षिक नवाचारों को बढ़ावा देने के बारे में सिफारिशें कीं गई।

1994-95 के दौरान प्रकाशित रिपोर्टें व अन्य सामग्रियाँ

24 से 26 मई 1995 तक विकास के लिए शैक्षिक नवाचारों पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट (अनुलेखित) सार्वजनिक की गई।

1994-95 के दौरान परिषद् के अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक द्वारा आयोजित कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के ब्यौरे तालिका 35 में दिए गए हैं।



हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा

राजभाषा के रूप में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग की दिशा में परिषद् ने अनेक कदम उठाए हैं। राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों, निर्देशों और राजभाषा नियमों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए परिषद् के हिन्दी प्रकोष्ठ ने अनेक कार्य आरंभ किए। परिषद् के प्रशासनिक और अकादमिक कार्यों में हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा देना और उन क्षेत्रों में प्रकाशन और प्रशिक्षण की सुविधाएँ प्रदान करना हिन्दी प्रकोष्ठ की गतिविधियों का केन्द्र रहा है। इस उद्देश्य से हिन्दी प्रकोष्ठ ने अवधारणात्मक साहित्य और विवरणात्मक संदर्भो आदि का विकास किया है; परिषद् के कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए, परिषद् के घटकों में हिन्दी के प्रयोग की प्रगति पर निगरानी के लिए निरीक्षण कार्य किए और उपलब्धियों का समय-समय पर मूल्यांकन किया। प्रशिक्षण कार्यशालाओं में स्टाफ को राजभाषा संबंधी नियमों और आदेशों की जानकारी दी गई तथा हिन्दी में टंकण और पत्राचार संबंधी कठिनाइयों को दूर किया गया।

परिषद् के प्रशासनिक और अकादमिक कार्यों में हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा देना और उन क्षेत्रों में प्रकाशन और प्रशिक्षण की सुविधाएँ प्रदान करना हिन्दी प्रकोष्ठ की गतिविधियों का केन्द्र रहा है।

हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने संबंधी साहित्य

रोजमर्रा के कामों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने और उसमें तेजी लाने के लिए हिन्दी प्रकोष्ठ ने उपयोगी साहित्य का विकास और वितरण किया है। हिन्दी प्रकोष्ठ ने एक पुस्तिका 'हिन्दी प्रयोग सहायिका' तैयार की है जो प्रकाशनाधीन है।

अभिविन्यास और प्रशिक्षण की कार्यशालाएँ

हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए परिषद् के मुख्यालय और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों में कार्यशालाएँ आयोजित की गई। इन कार्यशालाओं में राजभाषा संबंधी नियमों की जानकारी दी गई और टिप्पणी लिखने, मसौदा तैयार करने, पत्र लेखन, अनुवाद आदि संबंधी व्यावहारिक कार्य करके दिखाए गए। भागीदारों को अंग्रेजी-हिन्दी प्रशासनिक शब्दकोष की प्रतियाँ भी दी गई।

बैठकें

प्रशासनिक कार्यो में राजभाषा के अधिकतम उपयोग के प्रयासों और रणनीतियों पर राजभाषा नियमावली के पालन के विशेष संदर्भ में विचार किया गया।

हिन्दी का प्रयोग अधिकतम बढ़ाने तथा राजभाषा रांबंधी नियमों को लागू करने के लिए परिषद् के निदेशक की अध्यक्षता में 1994-95 के दौरान राजभाषा क्रियान्वयन समिति की तीन बैठकें आयोजित की गई। प्रशासनिक कार्यो में राजभाषा के अधिकतम उपयोग के प्रयासों और रणनीतियों पर राजभाषा नियमावली के पालन के विशेष संदर्भ में विचार किया गया। वर्ष 1993-94 में किए गए कामों की समीक्षा के अलावा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग संबंधी कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

हिन्दी सप्ताह

14 से 21 सितंबर 1994 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह में निम्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई:

- हिन्दी टंकण प्रतियोगिता
- हिन्दी आशुलिपि प्रतियोगिता
- हिन्दी टिप्पणी और मसौदा लेखन प्रतियोगिता
- हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता
- हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

इन प्रतियोगिताओं मे शामिल 80 अधिकारियों में से 16 विजेता घोषित किए गए। उपरोक्त प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वालों को क्रमशः 400, 300 और 200 रुपयों के नकद पुरस्कार दिए गए।

क्रियान्वयन की निगरानी

प्रगति की त्रैमासिक रिपोर्टों के अलावा कुछ विभागों और अनुभागों में हिन्दी-प्रयोग के क्रियान्वयन पर निगरानी रखने के लिए निरीक्षण कार्य किया गया। विचारविमर्श के दौरान विशेष रूप से (1) सुरक्षा अनुभाग; तथा (2) पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग के अधिकारियों को कुछ सुझाव दिए गए। इनमें अन्य बातों के अलावा पत्राचार, द्विभाषी दस्तावेजों, द्विभाषी नाम पट्टियों और साइनबोर्डों, रबर की मुहरों और फाइल शीर्षकों के संबंध में सुझाव शामिल थे। पु.प्र.सू. विभाग को हिन्दी में और अधिक किताबें खरीदने का सुझाव दिया गया ताकि संकाय को हिन्दी में कार्य करने के लिए सहायक ग्रंथ प्राप्त हो सके। बातचीत के दौरान राज भाषा नियमावली के पालन की बात भी दोहराई गई।

प्रगति की त्रैमासिक रिपोर्टों के अलावा कुछ विभागों और अनुभागों में हिन्दी-प्रयोग के क्रियान्वयन पर निगरानी रखने के लिए निरीक्षण कार्य किया गया।

परिषद में हिन्दी में किए गए कार्यों की प्रगति की त्रैमासिक रिपोर्टें तैयार करके मंत्रालय को भेजी गई। इन रिपोर्टों पर मंत्रालय की टिप्पणियाँ परिषद् की राजभाषा क्रियान्वयन समिति में रखी गईं और कई मुद्दों पर फैसले लिए गए।

अनुवाद कार्य

हिन्दी कक्ष ने परिषद् के घटकों से प्राप्त प्रशासनिक दस्तावेजों और कागजात के अनुवाद में सहायता देना जारी रखा। लेखा-परीक्षण की रिपोर्ट के अनुवाद और पुनरीक्षण का कार्य भी पूरा किया गया। हिन्दी कक्ष परिषद् के उन विभागों और अनुभागों को टंकण और आशुलिपि संबंधी सहायता प्रदान करता है जहां हिन्दी टंकण और आशुलिपिक उपलब्ध नहीं हैं।

1994-95 के दौरान हिन्दी कक्ष द्वारा आयोजित कार्यशालाओं और अभिविन्यास कार्यक्रमों के ब्यौरे तालिका 36 में दिए गए हैं।



अध्याय 11

कल्याण, प्रशासन और वित्त

द्वारका, पप्पन कलाँ दिल्ली में जहाँ दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 2.5 एकड़ भूमि आबंटित की है, कर्मचारियों के लिए स्टाफ क्वार्टर बनाने की योजनाएँ तैयार की गई हैं। इस योजना में 112 स्टाफ क्वार्टरों (टाइप I-16, टाइप II- 32, टाइप III - 48 और टाइप IV-16) का निर्माण शामिल है। राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के परिसर में टाइप I के 16 क्वार्टर निर्माणाधीन हैं और उनके अप्रैल-मई 1996 तक पूरा हो जाने की संभावना है।

जीवन बीमा निगम की समूह बचत संबद्ध बीमा योजना (जी.एस.एल.आई.एस.) के अंतर्गत 62 नए व्यक्तियों को सदस्यता दी गई है और 18 सदस्यों को उनकी प्रोन्नति के फलस्वरूप उच्चतर श्रेणियों में स्थान दिया गया है। सेवानिवृत्ति के 62 और मृत्यु दावे के 18 मामले निपटारे के लिए जीवन बीमा निगम को भेजे गए हैं। निगम ने पहले के 63 मामले निपटाए हैं और संबंधित भूतपूर्व अधिकारियों या मृतकों द्वारा नामित व्यक्तियों को अदायगी हो चुकी है।

रा.शै.अ.प्र.प. के परिसर के विभागीय कैंटीन के स्टाफ को 1 अक्तूबर, 1991 से परिषद् के नियमित कर्मचारियों का दर्जा दिया गया है। अब ये कर्मचारी दूसरे नियमित कर्मचारियों की तरह ही पेंशन और अन्य लाभों के हकदार होंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के परिसर में 24 से 28 अक्तूबर, 1994 तक संस्थान और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के बीच खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

भारतीय क्राईसैथेमम सोसाएटी, नई दिल्ली ने 11 दिसंबर, 1994 को दिल्ली चिड़ियाघर के बाहर के मैदान में फूलों की एक प्रतियोगिता प्रदर्शनी आयोजित की जिसमें विभिन्न व्यक्तियों तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली जल आपूर्ति आदि सरकारी संस्थाओं ने भाग लिया। बागवानी ठेकेदार के माध्यम से रा.शै.अ.प्र. परिषद् ने भी इस प्रतियोगिता में भाग लिया तथा चार दूसरे और एक तीसरा पुरस्कार जीते।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

वर्ष 1994-95 का प्राप्ति और भुगतान का लेखा

प्राप्तियाँ	*राशि (रु.)*		*भुगतान*	*राशि (रु.)*	
आरंभिक बकाया			**बजट खर्च**		
नकद बकाया और बैंक मे जमा (–) 2,17,63,554			अधिकारियो का वेतन		
मार्गस्थ निधि	54,82,460		गैर योजना	3,32,17,698	
			योजना	1,15,075	3,33,32,773
खाता स टी–39 मे शेष	2,30,24,477	67,43,383	प्रतिष्ठान वेतन		
मानव ससाधन विकास मंत्रालय से बजट खर्च के लिए प्राप्त अनुदान			गैर योजना	3,79,98,977	
			योजना	(-) 649	3,79,98,328
			भत्ते तथा मानदेय		
			गैर योजना	9,48,10,840	
गैर–योजना	20,00,00,000		योजना	63,289	9,48,74,129
योजना	7,44,28,000	27,44,28,000	यात्रा भत्ता		
विशेष परियोजनाओं से सबंधित अनुदान (अनुसूचि 'एच)	19,72,30,504	19,72,30,504	गैर–योजना	20,55,903	
			योजना	1,10,210	21,66,113
			अन्य प्रभार		
परिषद् की प्राप्तियाँ (खंड–5)			गैर–योजना	4,66,44,636	
			योजना	7,48,869	4,73,93,505
परिषद् के भवन का किराया	21,79,858		छात्रवृत्तियाँ एवं अध्येता वृत्तियाँ		
ऋणों और अग्रिमों पर ब्याज	9,47,514		गैर–योजना	12,97,479	
			योजना	2,19,011	15,16,490
मुद्दती जमा पर ब्याज	93,93,599		कार्यक्रम		
टी–39 सहित भविष्य निधि पर ब्याज	1,79,92,744		गैर–योजना	18,51,11,123	
			योजना	3,43,36,442	21,94,47,565
अधिक भुगतान की वसूली	18,67,814		उपकरण और फर्नीचर		
विज्ञान किटो की बिक्री	4,92,580		गैर–योजना	18,39,021	
			योजना	9,42,355	27,81,376
शुल्क और प्रभार	7,51,439		**भूमि और भवन**		
पुस्तकों और पत्रिकाओ की बिक्री	25,80,31,780		गैर–योजना	1,81,55,572	
			योजना	2,09,00,896	3,90,56,468
छुट्टी वेतन और पेशन अशदान	4,14,207		विशेष परियोजनाओ पर भुगतान (अनुसूची 'एच')	12,41,26,731	12,41,26,731
सी.जी.एच.एस.	2,47,174				

क्रमशः.....

प्राप्तियाँ	राशि (रु०)		भुगतान	राशि (रु०)	
विविध प्राप्तियाँ	1,22,37,509	30,45,36,218	**विविध भुगतान (खंड 2)**		
			परिषद् भवन का किराया	9,74,040	
			सी.जी.एच.एस	27,66,746	
			छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान	2,63,859	
			अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज और परिषद् का अंश	7,12,282	
			सा.भ.नि. पर ब्याज	1,96,05,662	
			पेंशन और डी.सी.आर.जी.	2,35,39,152	
			लेखा परीक्षा फीस	2,31,290	
			विज्ञापन	16,30,261	
			जमा आधारित बीमा योजना	74,981	
			विविध/अदृष्ट	1,59,438	4,99,57,711
ऋण और अग्रिम (ब्याज सहित)			**ऋण और अग्रिम (ब्याज सहित)**		
खंड 4 (3) (1) के अंतर्गत			मोटर कार/स्कूटर	14,32,622	
			अन्य वाहन (साईकिल)	59,400	
			गृह निर्माण अग्रिम	20,39,317	
			पंखा अग्रिम	5,4000	35,36,739
मोटर, कार/स्कूटर	17,38,532				
अन्य वाहन (साईकिल)	67,087		विभागीय कैंटीन	1,05,801	1,05,801
गृह निर्माण अग्रिम	34,52,813				
पंखा अग्रिम	7,007	52,65,439	स्थायी अग्रिम	5,400	
			कार्यक्रम/विविध अग्रिम	4,29,480	4,34,880
खंड 4 (3) (2) (ब्याज रहित)			सा.भ.नि. चालू खाता	1,94,51,501	
			बचत बैंक खाता	2,32,03,169	4,26,54,670
बाढ़ अग्रिम	1,150	1,150	अं.भ.नि.चालू खाता	5,37,199	
विभागीय अग्रिम खंड 4(5)			बचत बैंक खाता	2,55,476	7,92,675
स्थायी अग्रिम	3,856		बचत बैंक खाते में स्थानांतरण	4,35,00,000	4,35,00,000
कार्यक्रम और विविध अग्रिम	5,93,082	5,96,938	भविष्य निधि निवेश (दीर्घकालीन)	2,20,00,000	
खंड 4(1) ऋण			भविष्य निधि निवेश (अल्पकालीन)	2,00,00,000	
			परिषद से (अल्पकालीन) निवेश	39,69,50,000	43,89,50,000
सा.भ.नि	4,28,44,539		बयाना धन और प्रतिभूति जमा	2,65,079	
सा.भ.नि. पर ब्याज	1,96,05,662	6,24,50,201	अवधान द्रव	66,400	
अं.भ.नि.	(-) 46,27,356		अन्य	10,85,938	
ब्याज और परिषद् का अंश	7,12,282	(-) 39,15,074			
			अन्य जमा (विज्ञान किट)	5,21,590	19,39,007
चालू खाते से प्राप्त	4,35,00,000				
निवेश	(-) 8,437	4,34,91,563	उचंत	20,060	20,060

क्रमश :...

प्राप्तियाँ	राशि (रु.)	
निवेश (खंड 4(1)		
अल्पकालिक निवेश	42,93,50,000	42,93,50,000
अल्पकालिक निवेश (सा.भ.नि.)	2,00,00,000	2,00,00,000
जमा (खंड 4 (2)		
बयाना धन और प्रतिभूति जमा	9,69,238	
अवधान द्रव्य	59,400	
अन्य	9,38,290	
अन्य जमा (विज्ञान किट)	12,57,666	32,24,594
उचंत	20,060	20,060
प्रेषित धन खंड 4(7)		
सा.भ.नि./ अ.ग.नि.	4,25,447	
डाक जीवन बीमा/ जीवन बीमा निगम	1,25,597	
जी.एल.आई.एस.	28,83,656	
आय कर	19,97,906	
मृत्यु राहत निधि	1,56,625	
टी सी.एस.	6,18,298	
विविध	6,81,778	
उप–कार्यालय प्रेषण	59,69,919	
आवधि प्रेषण	13,75,93,837	
सी 3 खाते से 180 खाते मे	9,25,424	
बिक्री कर	46,160	15,14,24,647
	कुल योग	**1,49,48,67,623**

भुगतान	राशि (रु.)	
प्रेषित धन		
सा.ग.नि./ अ.ग.नि.	3,90,769	
डाक जीवन बीमा/ जीवन बीमा निगम	37,968	
जी.एल.आई.एस	29,06,229	
आय कर	21,12,959	
मृत्यु राहत निधि	3,61,763	
टी.सी.एस.	6,29,675	
विविध	1,12,016	
उप–कार्यालय प्रेषण	64,05,999	
आवधिक प्रेषण	13,75,93,837	
सी 3 खाते से टी 180 खाते में	9,25,424	
बिक्री कर	45,470	15,15,22,109
अंत शेष (अनुसूची सी)		
रोकड़ बकाया तथा बैंक मे जमा	15,34,71,625	
बचत खाता (टी–39) में जमा	13,42,268	
गार्गस्थ निधि	39,46,600	15,87,60,493
		1,49,48,67,623

(परिशिष्ट 'अ')

वर्ष 1994-95 के लिए रा.शै.अ.प्र.प. की समितियाँ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का सामान्य निकाय

(परिषद् की नियमावली के नियम 3 के अंतर्गत)

(28 दिसंबर, 1996 तक मान्य)

1. मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय पदेन अध्यक्ष	1. (अ) श्री अर्जुन सिंह मानव संसाधन विकास मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन नई दिल्ली (24 दिसंबर, 1994 तक) (ब) श्री माधव राव सिंधिया मानव ससांधन विकास मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली (7 फरवरी, 1995 से)
2. अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पदेन	2. (अ) श्री जी.राम रेड्डी अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली (4 दिसंबर, 1994 तक) (ब) अरमैती देसाई अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली (9 फरवरी, 1995 से)
3. सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) पदेन	3. श्री एस.वी. गिरि सचिव भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली
4. भारत सरकार द्वारा नामित विश्वविद्यालयों के चार कुलपति (प्रत्येक क्षेत्र से एक)	4. कुलपति गुवाहाटी विश्वविद्यालय गुवाहाटी -781 014

5. प्रत्येक राज्य सरकार और विधानसभा से युक्त संघ-शासित क्षेत्र का एक-एक प्रतिनिधि जो राज्य/संघ–शासित क्षेत्र का शिक्षामंत्री (अथवा उसका प्रतिनिधि) होगा; दिल्ली के मामले में मुख्य कार्यकारी पार्षद, दिल्ली (अथवा उनका प्रतिनिधि)

5. कुलपति
डा. बी.आर अम्बेडकर विश्वविद्यालय
नागपुर-440 001

6. कुलपति
पंजाब विश्वविद्यालय
चंडीगढ - 160 014

7. कुलपति
मैसूर विश्वविद्यालय
ग्रा.फोर्ड हाल
मैसूर - 570 005

8. शिक्षा मंत्री
आंध्र प्रदेश सरकार
सचिवालय भवन
हैदराबाद - 500 022
आंध्र प्रदेश

9. शिक्षा मंत्री
बिहार सरकार
नया सचिवालय भवन
पटना - 800 015, बिहार

10. शिक्षा मंत्री
असम सरकार
जनता भवन
दिसपुर - 781 006, असम

11 शिक्षा मत्री
गुजरात सरकार
ब्लॉक नं -1 सचिवालय
गांधी नगर - 382 010, गुजरात

12. शिक्षा मंत्री
हरियाणा सरकार
हरियाणा सिविल सचिवालय
56/4 चंडीगढ - 160 001

13. शिक्षा मंत्री
हिमाचल प्रदेश सरकार
शिमला - 170 002, हिमाचल प्रदेश

14. राज्यपाल के सलाहकार (शिक्षा)
जम्मू और कश्मीर सरकार
श्रीनगर-180 001

15. शिक्षा मंत्री
केरल सरकार
अशोक नंथनकोड
तिरुवनंतपुरम - 695 001

16. शिक्षा मंत्री
मध्य प्रदेश सरकार
भोपाल - 462 001
मध्य प्रदेश

17. शिक्षा मंत्री
महाराष्ट्र सरकार
मंत्रालय मुख्य
मुंबई - 400 032
महाराष्ट्र

18. शिक्षा मंत्री
मेघालय सरकार
मेघालय सचिवालय
शिलांग - 793 001
मेघालय

19. राज्यपाल के सलाहकार (शिक्षा)
मणिपुर सरकार
मणिपुर सचिवालय
इंफाल - 795 001
मणिपुर

20. शिक्षा मंत्री
कर्नाटक सरकार
विधान सौध
बंगलौर - 560 001
कर्नाटक

21. शिक्षा मंत्री
नागालैंड सरकार
कोहिमा - 797 001
नागालैंड

22. शिक्षा मंत्री
उड़ीसा सरकार
भुवनेश्वर - 751 001
उडीसा

23. शिक्षा मंत्री
पंजाब सरकार
चंडीगढ - 160 017

24. शिक्षा मंत्री
राजस्थान सरकार
सरकारी सचिवालय
जयपुर - 302 001
राजस्थान

25. शिक्षा मंत्री
तमिलनाडु सरकार
फोर्ट सेंट जार्ज
मद्रास - 500 009

26. शिक्षा मंत्री
त्रिपुरा सरकार
सिविल सचिवालय
अगरतला - 799 001
त्रिपुरा

27. शिक्षा मंत्री
सिक्किम सरकार
ताशिलिंग, गंगटोक - 737 101
सिक्किम

28. शिक्षा मंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ - 226 001
उत्तर प्रदेश

29. शिक्षा मंत्री
पश्चिम बंगाल सरकार
राइटर्स बिल्डिंग
कलकत्ता - 700 001
पश्चिम बंगाल

30. शिक्षा मंत्री
अरुणाचल प्रदेश सरकार
ईटानगर - 791 111

31. शिक्षा मंत्री
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय
दिल्ली - 110 054

32. शिक्षा मंत्री
गोवा सरकार
गोवा सचिवालय
पणजी - 40 3001, गोवा

6. कार्यकारिणी समिति के वे सदस्य जो ऊपर दी गई सूची में सम्मिलित नहीं हैं

33. शिक्षा मंत्री
मिजोरम सरकार
आईजोल - 796 001, मिजोरम

34. शिक्षा मंत्री
पांडिचेरी सरकार
विधानसभा सचिवालय
विक्टर सिमोनल स्ट्रीट, पांडिचेरी - 605 001

35. सुश्री कु. शैलजा
उपमंत्री (शिक्षा एवं संस्कृति)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

36. डॉ. के. गोपालन
निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली - 110 016

37. प्रो. जे.एस. राजपूत
अध्यक्ष
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली

38. श्री जी.एस.डी. शर्मा
प्रबंधक न्यासी
एन.एस.वी.के. ट्रस्ट
439/सी आठवां क्रास
77वां ब्लॉक, पश्चिम जया नगर, बंगलौर - 560 082

39. श्री क्रिस्टोफर एंटनी ब्राउन
फ्रैंक एंटनी पब्लिक स्कूल
59 छठा क्रास
हर्चिस रोड
सेंट थॉमस टाउन, बंगलौर - 560 084

40. डा. रीता खन्ना
डी-202 बहुमंजिले फ्लैट
सान मार्टिन मार्ग, नई दिल्ली

41. प्रो. ए.एन. माहेश्वरी
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र. परिषद्, नई दिल्ली- 110 016

42. सुश्री जय चदीराम
संयुक्त निदेशक
के.शै.प्रौ.सं.
रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

43. डा. ए.के. मिश्र
संयुक्त निदेशक
पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.
131 जोन - 2
एम.पी.नगर, भोपाल - 462 011

44. प्रो.पी.के. खन्ना
प्राचार्य
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल - 462 011

45. (अ) श्री पी.ठाकुर
संयुक्त सचिव (स्कूल)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
(22 जुलाई, 1994 तक)

(ब) डा. के.जे.एस. चतरथ
संयुक्त सचिव (विद्यालय)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली - 110 001

46. सुश्री सुजाता चौहान
वित्तीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प.
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001

7. (क) अध्यक्ष
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा
बोर्ड, नई दिल्ली
पदेन

47. अध्यक्ष
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
शिक्षा केन्द्र
2. कम्युनिटी सेंटर
प्रीत विहार
दिल्ली - 110092

(ख) आयुक्त केन्द्रीय विद्यायल संगठन नई दिल्ली पदेन	48. आयुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन न्यू महरौली रोड नई दिल्ली
(ग) निदेशक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (डी.जी.एच.एस.) नई दिल्ली पदेन	49 निदेशक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (डी.जी.एच.एस.) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय कोटला रोड, नई दिल्ली - 110 002
(घ) उपमहानिदेशक प्रभारी, कृषि शिक्षा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् कृषि मंत्रालय पदेन	50. उपमहानिदेशक प्रभारी, कृषि शिक्षा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् कृषि मंत्रालय पूसा गेट, नई दिल्ली
(ङ) प्रशिक्षण निदेशक प्रशिक्षण तथा रोजगार महानिदेशालय श्रम मंत्रालय नई दिल्ली पदेन	51. प्रशिक्षण निदेशक प्रशिक्षण तथा रोजगार महानिदेशालय श्रम मंत्रालय श्रम शक्ति भवन नई दिल्ली
(च) प्रतिनिधि, शिक्षा प्रभाग योजना आयोग नई दिल्ली पदेन	52. शिक्षा सलाहकार योजना आयोग योजना भवन संसद मार्ग, नई दिल्ली-110 001
3. भारत सरकार द्वारा मनोनीत छः व्यक्ति, जिनमें कम-से-कम चार विद्यालयाध्यापक हों	53. प्रो. वी.जी. कुलकर्णी निदेशक होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, मुंबई - 400 005
	54. श्रीमती एस.चोना प्राचार्य दिल्ली पब्लिक स्कूल आर.के. पुरम, नई दिल्ली - 110 022
	55. श्रीमती चौधरी प्रमोदिनी देवी प्रधानाचार्य क्वाकेइथल गर्ल्स हाई स्कूल इंफाल - 795 001, मणिपुर

56. श्री आर.एम.के. ब्राउन
प्रधानाचार्य
क्रिश्चियन इंटर कालेज
मैनपुरी
उत्तर प्रदेश - 205 001

57. श्री आर. वैंकटेशन
परास्नातक अध्यापक (तमिल)
सेवानिवृत्त
44-भारती ससन स्ट्रीट
डा. एस.राधाकृष्णन नगर
एरियन कुप्पम
पांडिचेरी - 605 007

58. श्रीमती शांतीदेवी गुप्त
गवर्नमेंट गर्ल्स मिडिल स्कूल
काज़ीपुरा
भोपाल

विशेष आमंत्रित

59. सचिव
भारतीय स्कूल प्रमाण-पत्र
परीक्षा परिषद्
प्रगति हाउस, तीसरी मंजिल
47, नेहरू प्लेस
नई दिल्ली - 110 019

60. (अ) श्री उदय कुमार वर्मा
सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद्
नई दिल्ली - 110 016
(29 जून, 1994 तक)

(ब) श्री ए. भटनागर
सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद्
नई दिल्ली - 110 016
(18 जुलाई से 18 अगस्त, 1994 तक)

(स) श्री आर.एस. पांडे
सचिव, रा.शै. अ.प्र. परिषद्
नई दिल्ली - 110 016
(19 अगस्त, 1994 से)

कार्यकारिणी समिति

(परिषद् के नियम - 23 के अंतर्गत)
(14 नवंबर, 1997 तक मान्य)

परिषद् के अध्यक्ष जो कार्यकारिणी समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे	1. (अ) श्री अर्जुन सिंह मानव संसाधन विकास मंत्री एवं अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. (24 दिसंबर, 1994 तक)
	2. (ब) श्री माधव राव सिंधिया मानव संसाधन विकास मंत्री एवं अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. (7 फरवरी, 1995 से)
शिक्षा मंत्रालय के राज्यमंत्री जो कार्यकारिणी समिति के पदेन उपाध्यक्ष होंगे	2. -
परिषद् के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत शिक्षा उपमंत्री	3. सुश्री शैलजा उपमंत्री (शिक्षा एवं संस्कृति) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली
परिषद् के निदेशक	4. प्रो. ए.के. शर्मा निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय	5. श्री एस.वी.गिरि सचिव भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग, नई दिल्ली - 110 001
अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पदेन	6. (अ) श्री जी.राम रेड्डी अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफ़र मार्ग नई दिल्ली - 110 002 (4 दिसंबर, 1994 तक)

(ब) डा. ए.एस. देसाई
अध्यक्ष
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली-110 002
(9 फरवरी, 1995 से)

अध्यक्ष द्वारा मनोनीत स्कूल शिक्षा में रुचि रखने वाले चार शिक्षाविद् (जिनमें से दो स्कूल के अध्यापक हों)	7.	प्रो. जे.एस. राजपूत अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली
	8.	श्री जी.एस.डी. शर्मा प्रबंधक न्यासी एन.एस.वी.के. ट्रस्ट 493/सी आठवां क्रास 77वां ब्लॉक, पश्चिम जया नगर, बंगलौर - 560 082
	9.	श्री क्रिस्टर एंटनी ब्राउन फ्रैंक एंटनी पब्लिक स्कूल 59, छठा क्रास, हर्चिस रोड़ सेंट थामस टाउन, बंगलौर - 560 084
	10.	डा. रीता खन्ना डी-1 /202 बहुमंजिले फ्लैट सान मार्टिन मार्ग, नई दिल्ली
परिषद् के संयुक्त निदेशक	11.	डा. ए.एन. माहेश्वरी संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016
अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, परिषद् के संकाय के तीन सदस्य, जिनमें कम-से-कम दो प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्षों के स्तर के हों	12.	सुश्री जयचंदी राम संयुक्त निदेशक के.शै.प्रौ. सं. रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
	13.	डा. ए.के. मिश्र संयुक्त निदेशक पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई. 131 जोन-2, एम.पी.नगर, भोपाल - 462 011
	14.	प्रो. पी.के. खन्ना प्राचार्य क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल - 462 011

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि	15. (अ) श्री पी.ठाकुर संयुक्त सचिव (विद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001 (22 जुलाई, 1994 तक)
	(ब) डा. के.जे.एस. चतरथ संयुक्त सचिव (विद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001 (23 जुलाई, 1994 से)
वित्त मंत्रालय का एक प्रतिनिधि जो परिषद् का वित्तीय सलाहकार होगा	16. कु० सुजाता चौहान वित्तीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
सचिव - संयोजक	17. (अ) श्री उदय कुमार वर्मा सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली - 110 016 (29 जून, 1994 तक)
	(ब) श्री ए. भटनागर सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली - 110 016 (18 जुलाई से 18 अगस्त, 1994 तक)
	(स) श्री आर.एस. पांडे संचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली - 110 016 (19 अगस्त, 1994 से)

वित्त समिति

(परिषद् के नियम 62 के अधीन)

(25.10.1995 तक मान्य)

1. निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. पदेन	1. प्रो.ए.के. शर्मा निदेशक रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016
2. वित्तीय सलाहकार पदेन	2. सुश्री सुजाता चौहान वित्तीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
3. संयुक्त सचिव (स्कूल)	3. (अ) श्री पी. ठाकुर संयुक्त सचिव (विद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001 (22 जुलाई, 1994 तक) (ब) डा . के.जे.एस. चतरथ संयुक्त सचिव (विद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001 (23 जुलाई, 1994 से) (स) श्री इंद्रजीत खन्ना सचिव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली-110 002 (द) डा. बी.पी. खंडेलवाल अध्यक्ष केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड शिक्षा केन्द्र, 2. कम्युनिटी सेंटर प्रीत विहार, नई दिल्ली-110 092
4. सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. सदस्य-संयोजक	4. (अ) श्री उदय कुमार वर्मा सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद्, नई दिल्ली - 110 016 (29 जून, 1994 तक) (ब) श्री ए. भटनागर सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली - 110 016 (18 जुलाई से 18 अगस्त, 1994 तक) (स) श्री आर.एस. पांडे सचिव, रा.शै.अ.प्र.परिषद्, नई दिल्ली-110 016 (19 अगस्त, 1994 से)

स्थापना समिति

(परिषद् के विनियम 10 के अधीन)
(26 दिसंबर 1996 तक मान्य)

1.	निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. अध्यक्ष	1.	प्रो. ए.के. शर्मा निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली - 110 016
2.	संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.	2.	डा. ए.एन. माहेश्वरी संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016
3.	परिषद् के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) भारत सरकार के नामित व्यक्ति	3.	(अ) श्री पी.ठाकुर संयुक्त सचिव (विद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), शास्त्री भवन नई दिल्ली - 110 001 (22 जुलाई, 1994 तक) (ब) डा.के.जे.एस. चतरथ संयुक्त सचिव (विद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001 (23 जुलाई, 1994 से)
4.	अध्यक्ष द्वारा मनोनीत चार शिक्षाविद् जिनमें से कम-से-कम एक वैज्ञानिक हो	4.	श्री जोखन सिंह प्रोफेसर और अध्यक्ष सांख्यिकी अध्ययन विद्यालय विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन - 456 010
		5.	कैप्टन एस. योंगदा नेतुक हाउस तिब्बत रोड़, गंगटोक
		6.	डा. ई. अन्नामलिया निदेशक सी.आई.आई.एल. मानस गंगोत्री मैसूर - 570 006

	7. डा. के.के. मंडल भूतपूर्व कुलपति, बिहार और मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष, एस.पी.मंडल ग्रामीण विकास एवं सामाजिक परिवर्तन अध्ययन संस्थान एस.के.नगर, पोस्ट किदवई पुरी, पटना - 800 001
5. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय से एक प्रतिनिधि	8. प्रो. एस.टी.वी.जी. आचार्युलु क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भुवनेश्वर - 751 007
6. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (नई दिल्ली) से एक प्रतिनिधि	9. डा. (श्रीमती) सविता सिन्हा प्रोफेसर, सा.वि.म..शि.वि. रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110 016
7. परिषद् के शैक्षिक तथा गैर-शैक्षिक नियमित स्टाफ, प्रत्येक में से एक-एक प्रतिनिधि जिनका चयन परिशिष्ट में इस संबंध में निर्धारित विनियम के अनुसार किया गया हो	10. डा. एस.के. यादव वरिष्ठ प्राध्यापक अ.शि.वि.शि.वि. रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली - 110 016
	11. श्री सच्चिदानंद शर्मा उ.श्रे.लि. के.शै.प्रौ.सं, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली - 110 016
8. वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प.	12. सुश्री सुजाता चौहान वित्तीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
9. सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. सदस्य-संयोजक	13. (अ) श्री उदय कुमार वर्मा सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद्, नई दिल्ली - 110 016 (29 जून, 1994 तक) (ब) श्री ए. भटनागर सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली - 110 016 (18 जुलाई से 18 अगस्त, 1994 तक) (स) श्री आर.एस. पांडे सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली - 110 016 (19 अगस्त, 1994 से)

विभागीय सलाहकार बोर्ड

1. सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)

1. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच. — संयोजक
2. डा. के.के.मिश्र, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
3. डा. जे.एल. पांडे, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
4. डा. आई.एस.शर्मा, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
5. श्रीमती इंदिरा अर्जुनदेव, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
7. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.एंड डी.पी.
8. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
9. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
10. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.
11. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. द्वारा नामित
12. प्रो. पी.के. अग्निहोत्री, भाषाशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 110 007
13. प्रो. मुजीब रिज़वी, हिन्दी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली - 110 025
14. डा. एस. आर. किदवई, प्रोफेसर (उर्दू), भारतीय भाषा केन्द्र जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110 067
15. डा. डी.एन. झा, प्रो., इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 110 007
16. डा. (श्रीमती) तारा कानिकर, प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान, देवनार, मुंबई - 400 088

2. विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)

1. अध्यक्ष, डी. ई.एस.एम. — संयोजक
2. डा. जे. मित्र, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
3. डा. पी.के. भट्टाचार्य, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
4. डा. के.एम. पंत, रीडर, डी.ई.एस.एम.
5. डा. जे.एस. गिल, रीडर, डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.एंड डी. पी.
7. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.
8. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
9. अध्यक्ष, कार्यशाला विभाग
10. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
11. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
12. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. द्वारा नामित
13. प्रो. एन.एस.काम्बो, अध्यक्ष, गणित विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), नई दिल्ली-110 016

14 प्रो. बी.एल. खंडलेवाल, रसायन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) नई दिल्ली-110 016

15. डा. अरविंद कुमार, होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र, टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, कोलाबा, मुंबई - 400 005

16. प्रो. मनोहर लाल, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 110 007

3. शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी. एण्ड जी.)

1. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.एंड जी. संयोजक
2. डा टी. आर. भाटिया, रीडर, डी.ई.पी.सी.जी.
3. डाक्टर (श्रीमती) स्वदेश मोहन, रीडर, डी.ई.पी.सी. एण्ड जी.
4. परियोजना निदेशक, पी.एस.एस.सी.आई.टी.वी.ई.
5. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
6. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.ई.ई.
7. अध्यक्ष, डी.एल.डी.आई.
8. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.
9. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. द्वारा नामित
10. प्रो. ए. के. मोहंती, अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर - 751 004
11. डा. एमएन. पलसाने, प्रो. और अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, कला संकाय भवन, गणेश खंड, पुणे - 411 007
12. प्रो.सी.वी राममूर्ति, विकास मनोविज्ञान, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति - 517 502
13. डा. एच.पी. मिश्र, अतिरिक्त प्रो., एन.आई.एम.एच.ए.एन.एस., बैंगलूर

4. विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई)

1. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई. संयोजक
2. डा. पूरनचंद, प्रोफेसर, डी.पी.एस.ई.ई
3. डा. के.के. वशिष्ठ, रीडर, डी.पी.एस.ई.ई.
4. डाक्टर विनिता कौल, प्रोफेसर, डी.पी.एस.ई.ई
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
7. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.
8. अध्यक्ष, डी.डब्ल्यू. एस.
9. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
10. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी.एंड एस.टी
11. अध्यक्ष, डी.ई.सी. एंड जी.
12. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. द्वारा नामित
13. प्रो. वीणा मिस्त्री, मानव विकास और परिवार अध्ययन विभाग, एम.एस.विश्वविद्यालय, बड़ौदा

14. सुश्री मीना स्वामीनाथन, परियोजना निदेशक, परियोजना अभिगम 14, दूसरी मुख्य सड़क, कोट्टूर गार्डेन्स कोट्टूरपुरम, मद्रास - 600 085
15. डा. के. लक्ष्मी, प्राचार्या, गृह विज्ञान महाविद्यालय, आंध्र महिला सभा उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर, हैदराबाद - 500 007
16. श्री विनोद रैना, एकलव्य, ई 1/208 अरेरा कालौनी, भोपाल -462 016

5. **अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.)**

1. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी. — संयोजक
2. डा. (श्रीमती) पी. दासगुप्त, रीडर, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.
3. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
4. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई
5. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
6. अध्यक्ष, डी. डब्ल्यू. एस.
7. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस. एंड डी.पी.
8. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. द्वारा नामित
9. प्रो. सच्चिदानंद, प्रोफेसर एमिरिटस, एन.एन सिन्हा संस्थान, पटना
10. प्रो. फ्रांसिस एक्का, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मानस गंगोत्री, मैसूर
11. श्री बी.पी. महापात्र, उपमहाकुल सचिव (एल), भाषा संभाग, 234/4 ए.जे.सी. बोस, निजाम प्लेस, 17वीं मंजिल, कलकत्ता

6. **मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस. एंड डी.पी.)**

1. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस. एंड.डी.पी. — संयोजक
2. डा. इकबाल मोहिउद्दीन, रीडर, डी.एम.ई.एस. एंड डी.पी.
3. डा. वी.एस. श्रीवास्तव, रीडर, डी.एम.ई.एस. एंड डी.पी.
4. डा. सतवीर सिंह, रीडर, डी.एम.ई.एस. एंड डी.पी
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
6. परियोजना निदेशक, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.
7. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.
8. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
9. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
10. प्रो. ए.वी. एल. श्रीवास्तव, ई-1, डी.डी.ए. फ्लैट्स, मुनीरका, नई दिल्ली - 110 067
11. प्रो. बी.पी. खंडेलवाल, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश बोर्ड और माध्यमिक शिक्षा निदेशक, 18 पार्क रोड, लखनऊ - 226 001
12. निदेशक (शिक्षा), केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, प्रीत विहार, दिल्ली - 110 092
13. फादर टी.वी कुन्नकल, सेंट जेवियर स्कूल, 4 राजनिवास मार्ग, दिल्ली - 110 054

7. **क्षेत्रीय सेवाएं और विस्तार विभाग (डी.ई.एफ.एस)**

1. अध्यक्ष, डी.ई.एफ.एस. संयोजक
2. डा. इंदु सेठ, रीडर, डी.ई.एफ.एस
3. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
4. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
5. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.एंड डी.पी.
6. अध्यक्ष, डी.पी.एस. ई.ई.
7. सदस्य सचिव, एरिक
8. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस. ई.
9. डा. सरोज श्रीवास्तव, 20-डी, बाली रोड, नया कटरा इलाहाबाद - 211 002
10. डा. एम.पी छाया, द्वारा डा. एम.बी. बुच, 46 - हरीनगर सोसायटी, गोत्री रोड, बडौदरा, गुजरात
11. श्री के. विश्वनाथन, निदेशक, मित्र निकेतन, वेलांड, तिरूवनंतपुरम, केरल

8. **अध्यापक शिक्षा और विशेष शिक्षा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.)**

1. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई. संयोजक
2. डा. (श्रीमती) रविकांता चोपडा, रीडर, डी.टी.ई.एस.ई.
3. डा. (श्रीमती) जनक वर्मा, रीडर, डी.टी.ई.एस.ई.
4. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
7. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.
8. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी. एंड जी.
9. संयुक्त निदेशक, के.शै. प्रौ. सं के नामित
10. डा. स्मृति स्वरूप, प्रोफेसर और अध्यक्ष, विशेष शिक्षा विभाग, एस.एन.डी.टी महिला विश्वविद्यालय बोर्ड, मुंबई
11. डा. स्नेह जोशी, प्रोफेसर, शैक्षिक प्रशासन, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदरा
12. डा. के.के. शर्मा, सहकुलपति, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, नागालैंड परिसर, कोहिमा

9. **महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)**

1. अध्यक्ष, डी.डब्ल्यू. एस. संयोजक
2. डा. किरण देवेन्द्र, रीडर, डी.डब्ल्यू.एस.
3. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
4. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
5. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.
6. अध्यक्ष, डी.ई.पी.एस. एंड जी.
7. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई
8. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.एस.सी./एस.टी.
9. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं. द्वारा नामित
10. प्रो. एस.वी. जोगलेकर, शिक्षा केन्द्र, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

10. पुस्तकालय प्रलेखन एवं सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई)

1. अध्यक्ष, डी.एल.डी.आई. — संयोजक
2. डा. पी.एस. क्वात्रा, उपपुस्तकालयाध्यक्ष, डी.एल.डी.आई.
3. अध्यक्ष,, डी.ई.एस.एस.एच.
4. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
5. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई
6. अध्यक्ष, डी.एम.ई. एस एंड डी.पी.
7. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
8. सदस्य सचिव, एरिक
9. प्रो. मोहिंदरसिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली-110 016
10. पुस्तकालयाध्यक्ष, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110 067

11. कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू. डी.)

1. अध्यक्ष, डब्ल्यू. डी. — संयोजक
2. डा. एच.ओ. गुप्त, रीडर, डब्ल्यू डी.
3. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
4. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
5. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ. सं. द्वारा नामित
6. प्रो. एन.के. तिवारी, यॉंत्रिक इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली-110 016
7. श्री पी.के. भौमिक, निदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, प्रगति मैदान, नई दिल्ली
8. डा. जोसेफ जल्याराजू, महानिदेशक, मानकीकरण, परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण, इलैक्ट्रॉनिकी मंत्रालय, नई दिल्ली

12. योजना, प्रोग्रामिंग, अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.)

1. अध्यक्ष, पी.पी.एम.ई.डी. — संयोजक
2. डा. जे.डी.शर्मा, रीडर, पी.पी.एम.ई.डी.
3. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
4. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
5. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
6. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी
7. अध्यक्ष, डी.एल.डी.आई.
8. अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग
9. अध्यक्ष, डी डब्ल्यू. एस.
10. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
11. अध्यक्ष, डी.ई.एफ.एस.
12. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस. एंड डी.पी
13. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.
14. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी. एंड जी.

15. अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक
16. सदस्य-सचिव, एरिक
17. अध्यक्ष, एन.वी.सी.
18. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं. द्वारा नामित
19. प्रो. सी. शेषाद्री, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर-570 006 (क्रमावर्तन से)
20. प्रो. एस.के. गुप्त, क्षेत्रीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प. 555-ई ममफोर्डगंज, इलाहाबाद-211 002
21. प्रो. एस.एस. कुलकर्णी, एम-4 प्रथमेश, प्रभादेवी, बंबई - 400 020
22. डा.(सुश्री) एम.एस. शाह, 24 तोलकनगर, पलादी, अहमदाबाद - 380 007
23. प्रो. एस.आर. रोहिडेकर, रामस्मृति 66-पहला क्रास, 5वां मेन, पदमनाम नगर बैंगलौर - 560 070

13. अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.)

1. अध्यक्ष, आई.आर.एकक — संयोजक
2. अध्यक्ष, पी.पी.एम.ई.डी.
3. अध्यक्ष, डी. ई.एफ.एस.
14. सदस्य-सचिव, एरिक
5. डा.के. जी. विरमानी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा) 17, बी, श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली-110 016
6. निदेशक, भारतीय शिक्षा संस्थान, 128/2 जे.पी. नायक पथ, कर्वे रोड कोथरूद, पुणे-411 029

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों की प्रबंध समितियाँ

1. **क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर की प्रबंध समिति**

1. कुलपति — अध्यक्ष
   एम.डी.एस. विश्वविद्यालय
   अजमेर

2. प्राचार्य — उपाध्यक्ष
   क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
   अजमेर

3. हरियाणा सरकार का प्रतिनिधि

4. जम्मू-कश्मीर सरकार का प्रतिनिधि

5. हिमाचल प्रदेश सरकार का प्रतिनिधि

6. उत्तर प्रदेश सरकार का प्रतिनिधि

7. पंजाब सरकार का प्रतिनिधि

8. राजस्थान सरकार का प्रतिनिधि

9. संघ–शासित क्षेत्र दिल्ली का प्रतिनिधि

10. संघ–शासित क्षेत्र चंडीगढ़ का प्रतिनिधि

11. प्रो. लोकेश कौल
    हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला
    (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)

12. डीन (समन्वय)
    रा.शै.अ.प्र.प.
    (परिषद् के निदेशक द्वारा नामित)

13. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
    क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर
    (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)

14. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग
    क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
    अजमेर
    (निदेशक रा.शै.अ.प्र.प.द्वारा मनोनीत)

15. विश्वविद्यालय के विनियमों के अधीन विश्वविद्यालय के नामित

16. प्रशासनिक अधिकारी — सचिव
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर

17. क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकार — विशेष आमंत्रित

2. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल की प्रबंध समिति

1. कुलपति — अध्यक्ष
बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

2. प्राचार्य — उपाध्यक्ष
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल

क्षेत्र के प्रत्येक राज्यों और संघ-शासित क्षेत्रों के शिक्षा विभाग का एक-एक नामित

3. श्री एस.पी. दुबे
सचिव, मध्य प्रदेश सरकार
बल्लभ भवन, भोपाल

4. श्री आर.एस. त्रिवेदी
अध्यक्ष
10+2 बोर्ड, योजना भवन, इल्लिसाब्रिज, अहमदाबाद

5. श्री एस.एस. सलगांवकर,
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.
708 कुमथेकर मार्ग, सदाशिव पेठ, पुणे - 411 030

6. श्री एम.वी. जोशी
निदेशक, राज्य शिक्षा संस्थान
गोवा बार्डोज़, गोवा

7. सहायक शिक्षा निदेशक
दमन संघ-शासित क्षेत्र, दमन

8. कलेक्टर/सचिव, शिक्षा
दादरा और नगर हवेली
सिलवासा, बरास्ता वापी (पश्चिम रेलवे)

9. प्रो. एम.एन. पलासने
प्रायोगिक मनोविज्ञान विभाग
पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
(अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

10 प्रो. टी.एस.मूर्ति
भूतपूर्व कुलपति
ई- 7/747 शाहपुरा, भोपाल
(अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

11. डीन (समन्वय)
रा.शै.अ.प्र.प.
(निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

12. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल
(निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

13. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल
(निदेशक, रा.शै.अ.प्र. प. द्वारा नामित)

14. डा. एच. के. गोस्वामी
प्रो. जनन विज्ञान एवं
अध्यक्ष, अध्यापन विभाग, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल
(विश्वविद्यालय के विनियमों के अधीन नामित)

15. डा. डी.वी. जायसवाल
प्राचार्य
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोर, मध्य प्रदेश
(विश्वविद्यालय के विनियमों के अधीन नामित)

16. प्रशासनिक अधिकारी
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय — सचिव
भोपाल

17. क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकार — विशेष आमंत्रित

3. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर की प्रबंध समिति

1. कुलपति — अध्यक्ष
उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर

2. प्राचार्य — उपाध्यक्ष
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
भुवनेश्वर

(इस क्षेत्र के प्रत्येक राज्य और संघ-शासित क्षेत्र के शिक्षा विभाग का एक प्रतिनिधि)

3. निदेशक
एस.सी.ई.आर.टी, असम

4. श्रीमती के नमचूम
सयुक्त निदेशक, जनशिक्षा (अकादमिक)
नाहरलगांव,
अरुणाचल प्रदेश

5. श्री पी.सी. केशवानी
उपसचिव,
मानव संसाधन विकास विभाग (शिक्षा विभाग)
बिहार सरकार
नया सचिवालय, पटना

6. निदेशक,
एस.सी.ई.आर.टी, मणिपुर
इंफाल

7. श्री सी वोल्फांग
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.
मेघालय,
शिलांग

8. पीटर ल्यांहलेइया
प्राचार्य
अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय
आईजोल, मिज़ोरम

9. श्री डी.एन. चौधरी
निदेशक,
एस.सी.ई.आर.टी., कोहिमा,
नागालैंड

10. सचिव, शिक्षा विभाग
उड़ीसा सरकार सचिवालय
भुवनेश्वर

11. श्रीमती आर. नमेह्यो
संयुक्त शिक्षा निदेशक, सिक्किम सरकार, गंगटोक

12. आयुक्त/सचिव
शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार
अगरतला

13. डा. पी.के. चौधरी
निदेशक
जनशिक्षा और पदेन सचिव
शिक्षा विभाग
पश्चिम बंगाल सरकार
राइटर्स बिल्डिंग, कलकत्ता

14. श्री एन. दास
सहायक शिक्षा निदेशक (प्रशासन)
अंडमान निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर

15. प्रो. सच्चिदानंद
ए.एन. सिन्हा सामाजिक विज्ञान संस्थान
154, कदमकुआं, न्यू एरिया
(अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

16. प्रो. एम.एन. कर्ण
समाजशास्त्र विभाग
पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग
(अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. नामित)

17. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर
(निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)

18. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर
(निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

19. डीन (समन्वय)
रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016
(निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

20. डा. डी.सी. मिश्र
निदेशक, जन शिक्षा (सेवानिवृत्त)
जगन्नाथ लेन
बादामबाढ़ी, कटक (उडीसा)
(विश्वविद्यालय के विनियमों के अधीन विश्वविद्यालय के नामिती)

21. प्रशासनिक अधिकारी — सचिव
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर

22. क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकार — विशेष आमंत्रित

4. **क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर की प्रबंध समिति**

1. कुलपति
मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर — अध्यक्ष

2. प्राचार्य
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
मैसूर — उपाध्यक्ष

इस क्षेत्र के प्रत्येक राज्य और संघ-शासित क्षेत्र के शिक्षा विभाग का एक नामिती

3. सचिव, शिक्षा विभाग
पांडिचेरी सरकार, पांडिचेरी
या उनके प्रतिनिधि

4. श्री जैड. आई. खान
शिक्षा निदेशक
लक्षद्वीप

5. निदेशक, जन शिक्षा
(अनुसंधान और प्रशिक्षण)
डी.एस.ई.आर.टी. कर्नाटक, बैंगलूर

6. डा. टी. के. मुहम्मद
आयुक्त, शैक्षिक विकास और अनुसंधान राज्य शिक्षा संस्थान केरल
तिरुवनंतपुरम

7. श्री आर. नारायणस्वामी
निदेशक
अध्यापक शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण तमिलनाडु, मद्रास

8. श्री डी.पी. पटनायक
निदेशक, सी.आई.आई.एल. मैसूर (सेवानिवृत्त)
बोगदी रोड, मैसूर
(अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

9. प्रो. पी.के.बी. नायर
समाजशास्त्र विभाग
केरल विश्वविद्यालय
तिरुवनंतपुरम्
(अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

10. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
मैसूर
(निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

11. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
मैसूर
(निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

12. डीन (समन्वय)
रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
(निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित)

13. विश्वविद्यालय के विनियमों के अधीन नामित

14. प्रशासनिक अधिकारी — सचिव
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
मैसूर

15. क्षेत्र के क्षेत्रीय सलाहकार — विशेष आमंत्रित

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिक संस्थान (सी.आई.ई.टी.) का सलाहकार बोर्ड

1. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी.
2. प्रो. तिलकराज बावा, सी.आई.ई.टी.
3. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
4. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.
7. महानिदेशक, दूरदर्शन या उनके प्रतिनिधि
8. श्री हबीब किदवई, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली - 110 025
9. डा. जगदीश सिंह, प्रोफेसर, सी.आई.ई.टी. — संयोजक
10. श्री ए.एस. त्यागी
परिवेक्षी अभियंता, सी.आई.ई.टी.
11. श्री हरमेश लाल, रीडर, सी.आई.ई.टी.

12. महानिदेशक, आकाशवाणी या उनके प्रतिनिधि

13. प्रो. किरण कार्तिक
निदेशक, आई.यू.सी.आई.सी. परियोजना
नाभिक विज्ञान केन्द्र
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली

14. प्रो. देवेश किशोर
निदेशक, संचार विभाग
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

15 अध्यक्ष, विशेष आमंत्रित
योजना, प्रोग्रामिंग अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग
रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

भवन एवं निर्माण समिति

(26 अक्तूबर, 1996 तक मान्य)

1.	निदेशक, रा.शै.अ.प्र. प. अध्यक्ष पदेन	प्रो. ए.के. शर्मा निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली - 110 016
2.	संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. उपाध्यक्ष पदेन	डा. ए.एन. माहेश्वरी संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016
3.	मुख्य अभियंता, के.लो.नि.वि. या उनका प्रतिनिधि	श्री जे.एस. बावा मुख्य अभियंता (निर्माण) के.लो.नि.वि., आर.के. पुरम सेवा भवन, नई दिल्ली
4.	वित्त मत्रालय (निर्माण) का एक प्रतिनिधि	श्री डी.सी. भट्ट सहायक वित्त सलाहकार (निर्माण) शहरी विकास मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली
5.	रा.शै.अ.प्र.प. के परामर्शदाता वास्तुकार	श्री दीनानाथ वरिष्ठ वास्तुकार, के.लो.नि.वि. सेवा भवन आर.के. पुरम, नई दिल्ली
6.	परिषद् के वित्तीय सलाहकार या उनका प्रतिनिधि	सुश्री सुजाता चौहान वित्तीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
7.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि	(अ) श्री पी. ठाकुर संयुक्त सचिव (विद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001 (22 जुलाई, 1994 तक) (ब) डा. के.जे.एस. चतरथ संयुक्त सचिव (विद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001 (23 जुलाई, 1994 से)

8.	एक स्थायी सिविल इंजीनियर (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	प्रो. टी. राममूर्ति सिविल इंजीनियर सिविल इंजीनियरिंग विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हौजखास, नई दिल्ली
9.	एक स्थायी विद्युत अभियंता (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	श्री एस.एन. गीरोत्रा (आवासी विद्युत अभियंता) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हौजखास, नई दिल्ली
10.	कार्यकारिणी समिति का एक सदस्य (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	
11.	सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. सदस्य-सचिव	(अ) श्री उदय कुमार वर्मा सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली - 110 016 (29 जून, 1994 तक) (ब) श्री ए. भटनागर सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली - 110 016 (18 जुलाई से 18 अगस्त, 1994 तक) (स) श्री आर.एस. पांडे सचिव, रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली - 110 016 (19 अगस्त, 1994 से)

कार्यक्रम सलाहकार समिति

(परिषद् के नियम 48 के अधीन)

(14.8.1996 तक मान्य)

1. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. — अध्यक्ष
2. संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. — उपाध्यक्ष
3. परियोजना निदेशक, पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान भोपाल-462 011
4. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110016
5. डा. ए.के. सचेती, प्रोफेसर, पंडित सुंदरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल - 462 011
6. डा. (श्रीमती) एस. सिन्हा, प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016
7. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110 016
8. डा. जे. मित्र, प्रोफेसर, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110 016
9. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110 016
10. डा. (श्रीमती) सुषमा गुलाटी, रीडर, शैक्षिक मनोविज्ञान परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110 016
11. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110 016
12. श्रीमती विनीता कौल, प्रोफेसर, विद्यालय पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110 016
13. अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा एवं अनुसूचित जाति/जनजाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016
14. डा. (श्रीमती) नीरजा शुक्ल, प्रोफेसर, अनौपचारिक शिक्षा एवं अनुसूचित जाति/जनजाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016
15. अध्यक्ष, मापन, मूल्यांकन सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110016
16. डा. आर.आर.सक्सेना, प्रोफेसर, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.),रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016
17. अध्यक्ष, विस्तार और क्षेत्रीय सेवा विभाग (डी.ई.एफ.एस.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016
18. डा. एस.प्रसाद, रीडर, विस्तार और क्षेत्रीय सेवा विभाग (डी.ई.एफ.एस.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016
19. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा और विशेष शिक्षा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016
20. डा. वी.पी. गर्ग, रीडर, अध्यापक शिक्षा और विशेष शिक्षा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

21. अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

22. अध्यक्ष, पुस्तकालय, प्रलेखन एवं सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

23. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

24. अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

25. संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.), रा.शै.अ.प्र.प; नई दिल्ली-110 016

26. श्री चंद्रभूषण, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

27. अध्यक्ष, नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

28. अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

29. अध्यक्ष, योजना प्रोग्रामिंग अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

30. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर (राजस्थान)

31. प्रोफेसर एम.ए. कादिर, डीन (अनुदेश), क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर (राजस्थान)

32. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्य प्रदेश)

33. प्रो. बी.आर. गोयल, डीन (अनुदेश), क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्य प्रदेश)

34. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर - 751 007 (उड़ीसा)

35. डा. एन. खट्टर, डीन (अनुदेश), क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर - 751 007 (उड़ीसा)

36. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसरू (कर्नाटक)

37. प्रो. डी. के. भट्टाचार्जी, डीन (अनुदेश), क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर (कर्नाटक)

38. सचिव, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016 संयोजक

39. सदस्य-सचिव, शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

40 डा. किरण देवेन्द्र, रीडर, महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

41. डा. जे.डी. शर्मा, रीडर, योजना, प्रोग्रामिंग, अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली-110 016

42. डा. एच.ओ. गुप्त, रीडर, कर्मशाला विभाग, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

43. डा. गुलेश्वर कोनार, जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम

44. डा. (सुश्री) एम.एस. शाह, 24 तोलकनगर, पलादी, अहमदाबाद

45. डा. राम एन. सिंह, डीन, अभियांत्रिकी संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

46. डा. एच.एन. प्रसाद, निदेशक, स्कूल ऑफ लेटर्स, एम.जी. विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल

47. डा. एस.पी. रुहेला, डीन, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, जामियानगर, नई दिल्ली

48. निदेशक, राज्य शिक्षा संस्थान, आल्टो पोवोरीम, बार्डेज, गोवा

49. निदेशक, राज्य शिक्षा संस्थान, त्रिपुरा, अभय नगर, अगरतला - 700 005

50. निदेशक, राज्य शिक्षा संस्थान, चंडीगढ़ संघ-शासित क्षेत्र, सेक्टर 32, चंडीगढ़

51. शिक्षा निदेशक, लक्षद्वीप संघ-शासित क्षेत्र, कावाराती - 682001

52. प्राचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, अंदमान निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर

53. मुख्य लेखा अधिकारी, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

54. श्री टी.एस. शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली-110 016

55. डा. डी.सी. साहू, क्षेत्रीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प, होमी भाभा छात्रावास, क्षे.शि.म. परिसर, भुवनेश्वर

56. डा. जे.सी चौधरी, क्षेत्रीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प, 1-बी चंद्रा कॉलोनी, अहमदाबाद

57. डा (श्रीमती) उषा दत्त, क्षेत्रीय सलाहकार, रा. शै.अ.प्र.प. पुस्तक भवन झालाना डूंगरी, जयपुर

58. डा. सी.ए.पी. राव क्षेत्रीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प., 3-सी-69/बी-7, अवंती नगर कॉलोनी, बशीर बाग, हैदराबाद

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान की शैक्षिक समिति

(14 अगस्त, 1996 तक मान्य)

1. डीन (शैक्षिक), रा.शै.अ.प्र.प, — अध्यक्ष

2. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

3. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.),रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

4. अध्यक्ष, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

5. अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/जनजाति शिक्षा विभाग, (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.), रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली - 110 016

6. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

7. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

8. अध्यक्ष, अध्यापक-शिक्षा और विशेष शिक्षा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

9. अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

10. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

11. अध्यक्ष, विस्तार और क्षेत्रीय सेवा विभाग (डी.ई.एफ.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

12. अध्यक्ष, पुस्तकालय, प्रलेखन एवं सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

13. अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग (डी. डब्ल्यू.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

14. अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

15. अध्यक्ष, योजना प्रोग्रामिंग अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

16. डा. जे.एल. पांडे, रीडर, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

17. डा. जे.एस. गिल, रीडर, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

18. डा. सतवीर सिंह, रीडर, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आंकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

19. डा. के.के. वशिष्ठ रीडर, विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

20 डा. (श्रीमती) आर.के. चौपड़ा, रीडर, अध्यापक शिक्षा और विशेष शिक्षा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

21. डा. (श्रीमती) स्वदेश मोहन, रीडर, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

22. सदस्य-सचिव, शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली - 110 016

23. डा. वी.जी. कुलकर्णी, होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र, टाटा भौतिक अनुसंधान संस्थान, कोलाबा, मुंबई

24. प्रो. पी.के. अग्निहोत्री, भाषाशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

25. प्रो. बी.एन. मुखर्जी, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कलकत्ता

26. प्रो. के. सीताराम राव, टी.टी.टी.आई., मद्रास

27. डा (श्रीमती) रेणुदेवी, प्रोफेसर, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति के सदस्य

(15 दिसंबर, 1996 तक मान्य)

रा.शै.अ.प्र.प. से

1. डीन (अनुसंधान) — अध्यक्ष
2. डीन (शैक्षिक)
3. डीन (समन्वय)
4. रा.शि.सं. के सभी विभागाध्यक्ष
5. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के प्राचार्य तथा संयुक्त निदेशक केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान
6. परियोजना निदेशक, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई., भोपाल

राज्य शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि

7. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित राज्य शिक्षा संस्थान के दो व्यक्ति
   - (अ) निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद
   - (ब) निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, राजस्थान सहेली मार्ग, उदयपुर

विशेषज्ञ/शिक्षाविद्/शोधकर्ता

8. अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों अथवा अन्य उपयुक्त एजेंसियों से आठ व्यक्ति-

   (अ) श्री शकील अहमद
   भूतपूर्व कुलपति
   बिहार विश्वविद्यालय
   मुजफ्फरपुर, बिहार

   (ब) प्रो. एम.के. शर्मा
   शिक्षा विभाग
   डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय
   डिब्रूगढ़

(स) प्रो. एम.सी जोशी
कुलपति
कुमायूं विश्वविद्यालय
नैनीताल, उत्तर प्रदेश

(द) श्रीमती स्मृति स्वरूप
अध्यक्ष, विशेष शिक्षा विभाग
विट्ठलदास विद्याविहार
जूहू रोड, सांताक्रुज, मुंबई - 400 049

(च) प्रो. एम.एस. गोमती अम्माल
शिक्षा विभाग
केरल विश्वविद्यालय, केरल

(द) प्रो. एन. वेंकटैया
प्रोफेसर (अनौपचारिक शिक्षा)
शिक्षा विभाग
मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर - 570 006

(ल) प्रो. गुलाम रसूल
डीन, शिक्षा संकाय
जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू - 180 001

(व) प्रो. दलीप सिंह
18, खालसा कॉलेज कॉलोनी, पटियाला - 147 001

निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. के विशेष अतिथि

1. प्रो. आर.डी.शुक्ल, डी.ई.एस.एम.
2. प्रो. पूरनचंद, डी.पी.एस.ई.ई.
3. प्रो. आर.आर. सक्सेना, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
4. प्रो. (श्रीमती) ए. भटनागर, डी.ई.पी.सी.एस.जी
5. प्रो. श्याम मेनन, सी.आई.ई.टी.
6. प्रो. आर. के. दीक्षित, डी.ई.एस.एस.एच.
7. प्रो. एम.ए.कादर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर
8. प्रो. जी.के. लाहिड़ी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल
9. प्रो. एस.टी.वी.जी. आचार्युलु, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर
10. प्रो. डी. के. भट्टाचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसरू
11. डा. डी.सी उपरेती
द्वारा श्री मनोज उपरेती
वीर शेबा सीनियर सैकेंडरी स्कूल, हलद्वानी, नैनीताल (उत्तर प्रदेश)

12 प्रो. पांडुरंग राव
डीन, बिरला प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान
पिलानी, राजस्थान

13. डा. एस.सी. शर्मा
प्रोफेसर और अध्यक्ष, शिक्षा संकाय
आंध्र विश्वविद्यालय, वाल्टेयर - 530 003

14. प्रो. बी.पी. सिन्हा
अध्यक्ष, कृषि विस्तार संभाग
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली - 110 012

15. प्रो. एस. सैकिया
भूतपूर्व प्रोफेसर और अध्यक्ष
एन.एच. - 37, गोटानगर, गुवाहाटी - 781 033 (असम)

16. प्रो. एस.एन. रथ
परास्नातक मानवशास्त्र विभाग
संभलपुर विश्वविद्यालय
ज्योति विहार बुडिया, संभलपुर - 768 019 (उड़ीसा)

17. प्रो. के.वी. सेठ
शिक्षा संकाय, दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय
पोस्ट बॉक्स 49
उधना मेघडल्ला रोड
सूरत - 395 007

18. प्रो. आर.के. हेबसर
प्रोफेसर, अनुसंधान पद्धति शास्त्र
पोस्ट बॉक्स 8313
सियोन - ट्रांबे रोड
देवनार, मुंबई - 400088

19. डा. बी.एन. पूहान
प्रोफेसर, मनोमिति एवं विकास मनोविज्ञान
उत्कल विश्वविद्यालय
वाणी विहार
भुवनेश्वर - 710 054

रा.शै.अ.प्र.प. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों की सूची

1.	निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.	-	अध्यक्ष
2.	संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.	-	उपाध्यक्ष
3.	संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी.	-	स्थायी सदस्य
4	निदेशक, राजभाषा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय	-	स्थायी सदस्य
5.	सचिव, रा.शै.अ.प्र.प.	-	स्थायी सदस्य
6.	संयुक्त सचिव, रा.शै.अ.प्र.प.	-	स्थायी सदस्य
7.	परिषद् के सभी उपसचिव और विशेष कार्य अधिकारी	-	स्थायी सदस्य
8.	मुख्य लेखा अधिकारी, रा.शै.अ.प्र.प.	-	स्थायी सदस्य
9.	अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प.	-	स्थायी सदस्य
10.	जनसंपर्क अधिकारी, रा.शै.अ.प्र.प.	-	स्थायी सदस्य
11.	सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी, रा.शै.अ.प्र.प.	-	स्थायी सदस्य
12.	उपनिदेशक, राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय	-	स्थायी सदस्य
13.	प्रभारी, हिन्दी प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प.	-	स्थायी सदस्य
14.	हिन्दी अधिकारी, हिन्दी प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प.	-	सदस्य-सचिव
15.	अवर सचिव, स्थापना, रा.शै.अ.प्र.प.	-	अस्थायी सदस्य
16.	प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर	-	अस्थायी सदस्य
17.	क्षेत्रीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प., कलकत्ता	-	अस्थायी सदस्य
18.	अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग	-	अस्थायी सदस्य
19	अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग	-	अस्थायी सदस्य
20	अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग	-	अस्थायी सदस्य
21.	सदस्य-सचिव, एरिक	-	अस्थायी सदस्य
22.	अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक, रा.शै.अ.प्र.प.	-	अस्थायी सदस्य
23.	अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति शिक्षा विभाग	-	अस्थायी सदस्य
24.	अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग, रा.शै.अ.प्र.प.	-	अस्थायी सदस्य

अस्थायी सदस्यों का कार्यकाल जुलाई 1994 से जून 1995 तक है।

राज्यों में स्थित क्षेत्रीय कार्यालय

क्रम संख्या	क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय का पता	संबंधित राज्य	दूरभाष संख्या कार्यालय	दूरभाष संख्या निवास	एस.टी.डी.
1.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. 1-बी चंद्रा कालोनी (लॉ कॉलेज के पीछे) अहमदाबाद-380006	गुजरात, संघ-शासित क्षेत्र दमन, दीव और दादरा और नगर हवेली	445992	445992	0272
2.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., 555-ई, ममफोर्ड गंज, इलाहाबाद - 211 002	उत्तर प्रदेश	642212	642261	0532
3.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., 108, 100 फीट रोड, होसडाकेरे हैली एक्सटेंशन बनसंकरी III स्टेज बैंगलौर - 560 085	कर्नाटक	629740	628043	080
4.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., एम.आई.जी-161 सरस्वती नगर जवाहर चौक, भोपाल-462 003	मध्य प्रदेश	64465	—	0755
5.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., होमी भाभा होस्टल आर.सी.ई. कैंपस, भुवनेश्वर - 751 007	उड़ीसा	50516	52224	0674
6.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., पी-23, सी.आई.ई.टी.रोड, स्कीम-55 कलकत्ता-700 014	प. बंगाल, सिक्किम, और संघ-शासित क्षेत्र अंडमान, नीकोबार द्वीप समूह	2445310	3501407	033
7.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., कोठी नं. -72 सैक्टर 19-ए, चंडीगढ-160 019	हरियाणा, पंजाब और संघ-शासित क्षेत्र, चंडीगढ़	775235		0172
8.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., तिनाली सटीलो टोलार बरणांचल पो. ऑ. - बामुनी मैदान गुवाहाटी-781 021	असम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड	550390	550390	0361

क्रम संख्या	क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय का पता	संबंधित राज्य	दूरभाष संख्या कार्यालय	दूरभाष संख्या निवास	एस.टी.डी.
9.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., 4-ए-1225/2, पहली मंजिल, किंग कोठी रोड, स्टेट बैंक के पास, हैदराबाद-600 001	आंध्र प्रदेश	235878	234896	040
10.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., 2-2-ए, पुस्तक भवन, झालना डूंगरी, जयपुर-302 004	राजस्थान	511754	392314	0141
11.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., 260, पटेल नगर तालाब टिल्लो, गली नं.1 एन.आई.टी.टी.सी.ओ. के सामने, जम्मू -180 002	जम्मू और कश्मीर	554194	555243	0191
12.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., 64, चौथा एवेन्यू, अशोक नगर, मद्रास - 600 083	तमिलनाडु और पांडिचेरी	4824264	869135	044
13.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., कंकड़बाग, पत्रकार नगर पटना- 800 020	बिहार	353243	353243	0612
14.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., 1282 कोथरूड, कार्वे रोड पुणे-411 029	महाराष्ट्र और गोवा	337314	337314	0213
15.	क्षेत्रीय सलाहका रा.शै.अ.प्र.प., बायस रोड लायटमखेड़ा, शिलांग-793 002	मेघालय, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा	226317	226317	0364
16.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., साई क्रूपा सदन फारेस्ट कालोनी के नीचे वालीनी, शिमला-171 002	हिमाचल प्रदेश	211161		0177
17.	क्षेत्रीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प., एस.आई.ई. परिसर पूजापुरा तिरुवनंतपुरम-695 012	केरल और संघ-शासित क्षेत्र लक्षद्वीप	340389	340948	0471

स्वीकृत स्टाफ की स्थिति

31.3.1995 को रा.शै.अ.प्र.प में वर्गवार स्वीकृत स्टाफ की स्थिति

क्रम संख्या	घटकों के नाम	शैक्षिक संकाय			गैर-शैक्षिक (सचिवालयी)			गैर-शैक्षिक तकनीकी			समूह ङ	योग
		ए	बी	सी	ए	बी	सी	ए	बी	सी	डी	
1.	रा.शि.स. और रा.शै.अ.प्र.प. मुख्यालय, दिल्ली	207	01	02	24	85	407	45	47	47	269	1234**
2.	के.शै.प्रौ.सं., दिल्ली	25	–	–	03	11	45	30	34	74	24	246
3.	क्षे.शि.म., अजमेर	55	24	35	01	06	41	04	03	41	85	295
4.	क्षे.शि.म., भोपाल	58	24	42	01	06	40	03	03	32	86	295
5.	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	81	27	55	01	06	40	04	04	44	92	354
6.	क्षे.शि.म., मैसूर	80	19	44	01	06	41	05	04	36	75	311
7.	क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय*	36	–	–	–	–	53	–	–	18	36	144**
8.	प्रकाशन विभाग के क्षेत्रीय उत्पादन-वितरण केन्द्र	–	–	–	–	–	15	06	06	06	06	39
9.	पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. भोपाल	35	–	–	04	04	13	05	12	04	05	82
	कुल	**577**	**95**	**178**	**35**	**124**	**695**	**102**	**113**	**402**	**678**	**2999**

टिप्पणी : * वित्त मंत्रालय के एस.आई.यू. द्वारा क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालयों के स्टाफ की स्थिति का अध्ययन किया गया था। रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।

** इस स्टाफ संख्या में वे तीन पद भी शामिल हैं जो परिषद् के आदेश एफ 4-1, 92-ई/2 तिथि 15.2.1993 के द्वारा सृजित किए गए। इसके लिए वित्त समिति की 6.11.1992 की बैठक में उससे पहले ही अनुमति ली जा चुकी थी।

तालिकाएँ

तालिका - 1

1994-95 के दौरान डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	प्राथमिक अध्यापकों के प्रारंभिक प्रशिक्षण के लिए अधिगम के विभिन्न क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्री के विकास पर कार्यशाला	23 - 27 मई, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	9
2.	प्राथमिक अध्यापकों के प्रारंभिक प्रशिक्षण के लिए अधिगम के विभिन्न क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्री के विकास पर कार्यशाला	13 - 17 जून 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	12
3.	दिल्ली के 12 विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तरों की उपलब्धि तथा उसे प्रभावित करने वाले कारकों पर गहन अध्ययन संबंधी बैठक	20 जून 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	7
4.	दिल्ली के 12 विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तरों की उपलब्धि तथा उसे प्रभावित करने वाले कारकों पर गहन अध्ययन संबंधी बैठक	11 -15 जुलाई 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	1
5.	पत्रिका 'प्राईमरी शिक्षक' की संपादकीय सलाहकार समिति की बैठक	12 सितंबर 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	3
6.	प्राथमिक अध्यापकों के प्रारंभिक प्रशिक्षण के लिए अधिगम के विभिन्न क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्री के विकास पर कार्यशाला	25 - 29 जुलाई 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	4
7.	राज्य-स्तरीय पाठ्यचर्या में पोषाहार के घटकों के समावेश पर राष्ट्रीय बैठक	26 -30 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	7
8.	कक्षा 4-5 के लिए स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा : अध्यापक मार्गदर्शिका पर कार्यशाला	24 -28 अक्तूबर, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	5

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
9.	गैर-विद्यालयी क्षेत्रों में अधिगम के न्यूनतम स्तरों का विकास	9 - 13 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	8
10.	उच्च कोटि की विद्यालय-पूर्व और सार्वभौम प्राथमिक शिक्षा के लिए अभिभावक शिक्षा कार्यक्रम	16 - 18 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	4
11.	प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं की पहचान के साधनों का विकास	6-10 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	3
12.	प्राथमिक पाठ्यचर्या में पोषाहार, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण के रखरखाव के घटक का स्थितिपरक अध्ययन	20-24 मार्च 1995	पुरी	9
13.	कक्षा 8 के प्राथमिक स्तरीय पाठ्यपुस्तकों की पठनीयता पर कार्यशाला	16 -17 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	3
14.	प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों की पठनीयता के अध्ययन के साधनों की तैयारी पर कार्यशाला	20-24 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	10
15.	असमी भाषा में प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों की पठनीयता के अध्ययन के साधनों की तैयारी पर कार्यशाला	23-27 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	1
16.	राष्ट्रीय खिलौना निर्माण प्रतियोगिता	6-10 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	32

तालिका - 2

1994-95 के दौरान डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	राज्य शै.अ.प्र. परिषदों के अनौपचारिक शिक्षा संकाय का प्रशिक्षण	9 - 10 नवंबर, 1994	नई दिल्ली	14
2.	डी.आई.ई.टी/डी.आर.यू संकाय का प्रशिक्षण	16 - 20 मई 1994	नई दिल्ली	12
	2.1 पहला कार्यक्रम	8 - 9 जुलाई 1994	मैसूर	10
	2.2 दूसरा कार्यक्रम	20 - 24 अगस्त 1994	भुवनेश्वर	30
	2.3 तीसरा कार्यक्रम	9 -13 जनवरी 1995	नई दिल्ली	20
	2.4 चौथा कार्यक्रम			
3.	राज्यों में संसाधनों का विकास और स्वयंसेवी संगठन			
	3.1 पहला कार्यक्रम	9 - 13 मई 1994	नई दिल्ली	10
	3.2 दूसरा कार्यक्रम	25 -29 जुलाई 1994	बोधगया	8
	3.3 तीसरा कार्यक्रम	1 -5 अगस्त 1994	सुध महादेव जम्मू-कश्मीर	35
	3.4 चौथा कार्यक्रम	15 -19 नवंबर 1994	शाहजहाँपुर	1
	3.5 पाचवा कार्यक्रम	13 - 17 जनवरी 1995	एस.आर.सी. पटना	25

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
3.6	छठा कार्यक्रम	8 - 10 फरवरी 1995	नई दिल्ली	12
3.7	सातवां कार्यक्रम	20 - 24 मार्च 1995	नई दिल्ली	9
3.8	आठवां कार्यक्रम	25 - 29 मार्च 1995	बड़ौदरा	34
4.	अनौपचारिक शिक्षा पर वार्षिक सम्मेलन अनौपचारिक शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला	3 - 5 जनवरी 1995	नई दिल्ली	92
5.	अनौपचारिक शिक्षा की प्रशिक्षण सामग्रियों का विकास	31 अक्तूबर- 1 नवंबर, 1994	नई दिल्ली	4
6.	क्षेत्र में अध्यापन-अधिगम सामग्री का विश्लेषण-अध्ययन			
6.1	पहला कार्यक्रम	16 -19 मई 1994	भुवनेश्वर	10
6.2	दूसरा कार्यक्रम	8 - 11 नंवबर 1994	नई दिल्ली	11
7.	**आदिवासी छात्रों के लिए पूरक पठनसामग्री की तैयारी**			
7.1	पहला कार्यक्रम	28 -29 अप्रैल 1994	नई दिल्ली	5
7.2	दूसरा कार्यक्रम	18 -23 जनवरी 1995	उज्जैन	8
7.3	तीसरा कार्यक्रम	30 मार्च-4 अप्रैल, 1995	उज्जैन	10
8.	अनौपचारिक शिक्षा के कर्मियों के प्रशिक्षण पर दृश्य-श्रव्य सामग्रियों का प्रभाव-भाषा पर फिल्म (हिन्दी अध्यापन)	23 दिसंबर 1994	नई दिल्ली	7
9.	अनौपचारिक शिक्षा के उत्तीर्ण अनुसूचित जातीय छात्रों का पश्चकालीन अध्ययन			
9.1	पहला कार्यक्रम	13 -14 सितंबर, 1994	उज्जैन	12

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
9.2	दूसरा कार्यक्रम	6 -7 जुलाई 1994	इंदौर	11
10	स्थान-विशिष्ट कविताओं, खेलों, कथाओं, पहेलियों आदि पर छोटी-छोटी पुस्तिकाओं की तैयारी	12 -16 मार्च, 1995	तिरुपति	12
11.	**सड़कगर्द और कामकाजी बच्चों की शिक्षा के कार्यक्रमों** का एक अध्ययन			
11.1	पहला कार्यक्रम	6 - 7 जुलाई, 1994	बैंगलूर	7
11.2	दूसरा कार्यक्रम	16 -20 अगस्त 1994	नई दिल्ली	17
11.3	तीसरा कार्यक्रम	9 -13 जनवरी 1995	तिरुपति, मद्रास	18
11.4	चौथा कार्यक्रम	24 -29 जनवरी 1995	क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास	5
11.5	पांचवां कार्यक्रम	30 जनवरी - 5 फरवरी, 1995	क्षेत्रीय कार्यालय मद्रास	16
11.6	छठा कार्यक्रम	17 -19 मार्च, 1995	करवेत्तीनगर	8
12.	**आदिवासी क्षेत्रों में कार्यरत नेताओं, राज्य स्तरीय कर्मियों और अध्यापकों का आदिवासी शिक्षा संबंधी प्रशिक्षण**			
12.1	पहला कार्यक्रम	2 - 6 मई 1994	नई दिल्ली	8
12.2	दूसरा कार्यक्रम	5 - 9 दिसंबर 1994	नई दिल्ली	12
12.3	तीसरा कार्यक्रम	16 - 20 जनवरी 1995	नई दिल्ली	7

तालिका - 3

1994-95 के दौरान डी.डब्ल्यू.एस. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	स्त्री शिक्षा और विकास में अनुसंधान के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान	3 - 4 जून 1994	आई.आई.टी. मद्रास	30
2.	स्त्री शिक्षा और विकास की पद्धति पर पाचवां प्रशिक्षण कार्यक्रम	7 नवंबर-16 दिसंबर 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	17
3.	ग्रामीण क्षेत्रो की बालिकाओं और सुविधा रहित समूहो के लिए प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नवाचारी प्रायोगिक परियोजना			
3.1	करनाल, कैथल और कुरुक्षेत्र जिलों के प्रमुख शैक्षिक कार्मिको का अभिविन्यास-कार्यक्रम	19 -21 अक्तूबर 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद नई दिल्ली	40
3.2	गुडगांव जिले के नूह प्रखंड के अध्यापकों, प्रधानाध्यापकों परिवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला	20 -22 फरवरी 1995	नूह प्रखंड, जिला गुड़गांव	41
3.3	फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ प्रखंड के अध्यापकों, प्रधानाध्यपकों और परिवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला	28 फरवरी-2 मार्च 1995	बल्लभगढ़ प्रखंड ज़िला फरीदाबाद	39
3.4	कैथल जिले के पुंडरी के अध्यापकों प्रधानाध्यापकों और परिवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला	6 -8 मार्च 1995	पुंडरी प्रखंड ज़िला कैथल	43

तालिका - 4

1994-95 के दौरान डी.ई.एस.एम. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	हिन्दी में विज्ञान के नए और व्यावहारिक क्षेत्रों की पुस्तको का विकास (पढ़ें और सीखें परियोजना के तहत)	9 दिसंबर 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	6
2.	उच्च प्राथमिक स्तर के लिए विज्ञान की अनुदेशी सामग्रियों का विकास	27 -31 मार्च 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	12
3.	उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6-8) के लिए गणित की पाठ्यपुस्तकों का संशोधन	29 मार्च 4 अप्रैल 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	13
4.	माध्यमिक स्तर (कक्षा 9-10) के लिए गणित की पाठ्यपुस्तकों का संशोधन	24 मार्च-4 अप्रैल 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	19
5	कक्षा 12 की भौतिकी की पाठ्यपुस्तक का संशोधन	24 नवंबर 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	1
6.	मानवीय सरोकार के कुछ वर्तमान विषयों पर रसायन विज्ञान में सामग्रियों का विकास : 1994 अम्ल वर्षा	23 -25 नवंबर 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	41
7.	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के लिए जीव विज्ञान में अनुदेशी सामग्रियों का विकास	27 -31 मार्च 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	9
8.	**जीव विज्ञान के अध्ययन-अध्यापन में सहायक सामग्री के रुप में कंप्यूटरों का प्रयोग**			
	8.1 पहला कार्यक्रम	13 -19 जुलाई 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	5
	8.2 दूसरा कार्यक्रम	21 - 30 नवंबर 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	16
	8.3 तीसरा कार्यक्रम	5 -14 दिसबर 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	13

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
	8.4 चौथा कार्यक्रम	29 नवंबर - 7 दिसंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	20
9.	रसायन विज्ञान के अध्यापकों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं की पहचान, अध्यापक सामर्थ्य में वृद्धि और व्यष्टिगत स्तर पर उसके पक्ष का मूल्यांकन	13 -18 फरवरी 1995	गवर्नमेंट इंटर सिटी कालेज, गाज़ीपुर	31
10.	अतर्वस्तु का बोझ कम करने की दृष्टि से बुनियादी धारणाओं, उनके अनुबंधनों और क्रमों की पहचान के लिए परिषद् द्वारा विकसित वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं के जीव विज्ञान के पाठ्य-विवरण और पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण	20 -24 मार्च 1995	परिषद् का क्षेत्रीय कार्यालय, कलकत्ता	20
11.	भौतिकी (वरिष्ठ माध्यमिक स्तर की मौजूदा धनुदेश सामग्रियों का सुधारमूलक संशोधन)	28 -30 अप्रैल 1994	बैंगलूर	3
12.	पर्यावरण शिक्षा में पाठ्यचर्या के विकास करने वालों का प्रशिक्षण	30 जनवरी से 3 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	12
13.	विज्ञान में विद्यालयेतर गतिविधियाँ : डी.ई.एस.एम. में विज्ञान क्लब की गतिविधियों का आयोजन	पूरे क्षेत्र में	दिल्ली के विभिन्न विद्यालयों के छात्र	20
14.	त्रैमासिक पत्रिका 'स्कूल साइंस' के लिए सलाहकार समिति की बैठक	5 दिसंबर 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	5
15	अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में भारतीय टीम की भागीदारी	3 -10 जुलाई 1994 और 20 -22 जुलाई, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	9
16.	किटों या मानक प्रयोगशाला विधियों के उपयोग से पानी की निगरानी पर संगोष्ठी	12 मार्च 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	10
17.	जीव विज्ञान व्यावहारिक कार्य के अंग रूप में पशुओं की चीरफाड़ पर संगोष्ठी	2 अगस्त 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	15

तालिका - 5

1994-95 के दौरान डी.ई.एस.एस.एच. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	रीडिंग इज फन : कक्षा 8 की अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तक . कार्यकारी दल की बैठक	26 - 28 अप्रैल 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	13
2.	हिन्दी दूसरी भाषा में अनुदेशी सामग्रियों की तैयारी			
	2.1 पहली कार्यशाला	28 अप्रैल से 5 मई, 1994	शांतिकुंज हरिद्वार	12
	2.2 दूसरी कार्यशाला	22 -28 जून, 1994	हैदराबाद	18
	2.3 तीसरी कार्यशाला	3 -9 दिसंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् का क्षेत्रीय कार्यालय, शिलॉग	12
	2.4 चौथी कार्यशाला	20 -27 जनवरी, 1995	हैदराबाद	13
3.	बाल भारती भाग 1 और 2, पाठ्यपुस्तक और अभ्यास-पुस्तिका का संशोधन	1 -8 जून, 1994	इंदौर ~~मध्य प्रदेश~~	14
4.	हिन्दी तीसरी भाषा के लिए पूरक पठन सामग्रियों की तैयारी	18 -23 जून, 1994	केरल, हिन्दी प्रचार सभा, त्रिवेंद्रम	10
5	**कक्षा 9 -10 के लिए संस्कृत पाठ्यपुस्तक का विकास**			
	5.1 पहली कार्यशाला	5 - 9 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	14
	5.2 दूसरी कार्यशाला	20 -23 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	6

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
6.	**निष्पादन कलाओं और दृश्य कलाओं पर माध्यमवार विनिबंधों की तैयारी**			
	6.1 पहली कार्यशाला	5 - 9 सितंबर 1994	कुरुक्षेत्र	7
	6.2 दूसरी कार्यशाला	17 -20 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	8
	6.3 तीसरी कार्यशाला	7 -10 मार्च 1995	म.द.विश्वविद्यालय रोहतक	9
7.	**अरुण भारती भाग 4 और 5 के लिए अध्यापक मार्गदर्शिका की तैयारी**			
	7.1 पहली कार्यशाला	19 - 23 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	14
	7.2 दूसरी कार्यशाला	27 -31 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	12
8.	**सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन और संशोधन**			
	8.1 पहली कार्यशाला	3 -7 अक्तूबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	8
	8.2 दूसरी कार्यशाला	5 - 9 दिसंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	4
9.	राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय सचालन समिति की बैठक	23 -24 अक्तूबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	11
10.	**विद्यालयों में दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में उर्दू के अध्यापन के लिए पाठ्यपुस्तकों की तैयारी**			
	10.1 पहली कार्यशाला	24 - 29 अक्तूबर, 1994	मद्रास	13
	10.2 दूसरी कार्यशाला	9 - 13 जनवरी, 1995	भोपाल	15

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
11.	**उच्चतर प्राथमिक स्तर में हिन्दी की परीक्षण मदों की तैयारी**			
	11.1 पहली कार्यशाला	24 -28 अक्तूबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	12
	11.2 दूसरी कार्यशाला	18 -25 फरवरी, 1995	क्षे.शि.म., भोपाल	13
12.	कक्षा 12 के लिए व्यवसाय अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों का सशोधन	14 -17 नवंबर, 1994	क्षे.शि.म., भोपाल	8
13.	लेखाशास्त्र के पारिभाषिक शब्दों और अवधारणाओं का विकास	19 - 23 दिसंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	9
14	केन्द्रीय तिब्बती विद्यालयों में सामाजिक विज्ञान के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	19 -29 दिसंबर, 1994	मसूरी उत्तर प्रदेश	6
15.	कविता, कवि, साहित्यकार और शिक्षक पर शैक्षिक टी.वी. कार्यक्रमों की तैयारी	19 -20 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	4
16	**कला शिक्षा पर कक्षा 9-10 के लिए अध्यापक हस्तपुस्तिका**			
	16.1 पहली कार्यशाला	21 -24 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद नई दिल्ली	8
	16.2 दूसरी कार्यशाला	27 -30 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	8
17.	अरुणाचल प्रदेश के वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के हिन्दी अध्यापकों (प्रमुख व्यक्तियों) का अभिविन्यास कार्यक्रम	31 मार्च से 6 अप्रैल, 1995	एस.आई.ई., चांगलांग (अरुणाचल प्रदेश)	28
18.	उच्चतर प्राथमिक स्तर की पूरक पुस्तकें (हिन्दी में)	20- 24 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	9
19.	बाल साहित्य पर 28वीं राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतियोगिता - पुरस्कार विजेता पुस्तकों के चयन के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक	23 मार्च 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	14

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना				
1.	माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के लिए जनसंख्या शिक्षा पर प्रश्न बैंक	22 -26 अगस्त, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	8
2.	जनसंख्या शिक्षा पर उच्च-स्तरीय पी.पी.आर. बैठक	7 -10 नवंबर, 1994	मैसूर	40
3.	जनसंख्या शिक्षा पर उच्च-स्तरीय पी.पी.आर. बैठक	14 -17 नवंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	34
4.	**अनौपचारिक शिक्षा क्षेत्र के लिए जनसंख्या शिक्षा के मूल्यांकन के प्रस्ताव की समीक्षा करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए बैठक**			
	4.1 पहली बैठक	9 जनवरी 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	3
	4.2 दूसरी बैठक	9 फरवरी 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	2
	4.3 तीसरी बैठक	23 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	2
5.	परियोजना कार्मिकों के लिए जनसंख्या शिक्षा पर सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम	20 फरवरी से 1 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	2
6.	फैमिली, सोसाएटी एंड पापुलेशन: ए बुक ऑफ रीडिंग्स	22 -25 फरवरी, 1995	रोहतक	18
1994-95 के दौरान डी.ई.एस.एस.एच. द्वारा समन्वित अन्य कार्यक्रम				
1.	**मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समकालीन भारतीय इतिहास पर गठित राष्ट्रीय सलाहकार समिति**			
	1.1 समिति की बैठक	6 अगस्त, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	3

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.2	क्षेत्रीय समितियों के समन्वयकर्ताओं के साथ समिति की बैठक	8 अगस्त, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	5
1.3	समिति की बैठक			
		10 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	6
1.4	समिति की बैठक			
1.5	समिति की बैठक	3 अक्तूबर, 1994	तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली	6
1.6	समिति की बैठक	15 नवंबर, 1994	तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली	8
		19 दिसंबर, 1994	तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली	6
2.	**सभी स्तरों पर शिक्षा की मूल्यबद्धता के प्रोत्साहन और समन्वय के लिए शिक्षा की मूल्यबद्धता पर स्थायी समिति**			
2.1	तीसरी बैठक	5 मई 1994	योजना आयोग नई दिल्ली	16
2.2	चौथी बैठक	10 जून 1994	क्षे.शि.म., मैसूर	11
2.3	पाँचवी बैठक	12 सितंबर 1994	योजना आयोग नई दिल्ली	17
2.4	छठी बैठक	5 दिसंबर 1994	योजना आयोग नई दिल्ली	15
2.5	उप-समूह की बैठक	12 दिसंबर 1994	योजना आयोग नई दिल्ली	3
2.6	उप-समूह की बैठक	1 दिसंबर 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	3
2.7	उपसमूह की बैठक	31 जनवरी 1995	योजना आयोग नई दिल्ली	3

तालिका - 6

1994-95 के दौरान डी.एम.ई.एस.डी.पी. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	परिषद् के पाठ्य विवरणो पर आधारित कक्षा 12 के लिए भूगोल के प्रश्न बैंक का विकास	18 -24 अक्तूबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	15
2.	जम्मू और काश्मीर राज्य विद्यालय शिक्षा बोर्ड के शैक्षिक मूल्यांकन के लिए प्रमुख कार्मिकों का प्रशिक्षण	5 -9 दिसंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	57
3.	माध्यमिक व वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों पर विज्ञान (भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान और जंतु विज्ञान) के लिए प्रश्न लिखने और पर्चा तैयार करने की प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	9 -13 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	13
4.	**बोर्ड के वार्षिक परीक्षा परिणामों की स्केलिंग और ग्रेडिंग के लिए परिषद् के मार्गदर्शक सिद्धांतों की व्यावहारिकता का मूल्यांकन**			
	4.1 पहला कार्यक्रम	21 फरवरी 1995	के.मा.शि.बोर्ड प्रीत विहार, दिल्ली	2
	4.2 दूसरा कार्यक्रम	20 -22 मार्च 1995	के.मा.शि.बोर्ड प्रीत विहार, दिल्ली	1
5.	'टैक्नोलॉजी ऑफ डवलपिंग यूनिट टेस्ट्स, इंप्रूविंग टीचिंग एंड लर्निंग' शीर्षक से एक ब्राउशर के विकास के पुनरीक्षण की कार्यशाला	7 - 10 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	6
6.	परिषद् के पाठ्य-विवरणों पर आधारित कक्षा 12 के लिए भूगोल प्रश्न बैंक का विकास	27 -31 मार्च, 1995	चंडीगढ़	15
7.	छठे अखिल-भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण के लिए सलाहकार समिति की दूसरी बैठक	4 -5 नवंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	20
8.	छठे अखिल-भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण के संदर्भ में प्रबंध सूचना प्रणाली का विकास	16 -18 फरवरी, 1995	एन.आई.सी./सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, लोधी रोड नई दिल्ली	42

तालिका - 7

1994-95 के दौरान डी.ई.पी.सी.जी. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	मार्गदर्शन और परामर्श में परास्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम	1 अगस्त, 1994 से 28 अप्रैल, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	29
2.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण के क्षेत्र में प्रश्न-पत्रों की समीक्षा	7 -9 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	6
3.	डी.आई.ई.टी. के संकायों में अध्यापन अधिगम के लिए मनोविज्ञान का समृद्धिकरण पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु का विकास	14 -16 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	8
4.	केन्द्रीय तिब्बती विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के लिए मार्गदर्शन और परामर्श संबंधी अभिविन्यास कार्यक्रम	22 -25 नवंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	24

तालिका - 8

1994-95 के दौरान डी.टी.ई.एस.ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	सी.टी.ई./आई.ए.एस.ई. के संस्थानिक कार्यक्रमों के विकास के लिए उनकी कार्यशाला	14 -16 नवंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	28
2.	जिला शिक्षा-प्रशिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	30 मार्च से 1 अप्रैल, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	27
3.	पटना में आधारगत आकलन अध्ययन के अंतर्गत बिहार राज्य के मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	16 -25 जनवरी, 1995	ए.एन.एस. संस्थान, पटना	20
4.	जिला लातूर, महाराष्ट्र के मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	21 -27 अगस्त, 1994	लातूर महाराष्ट्र	19
5.	**विद्यालयी शिक्षा में नवाचारी प्रयोग और व्यवहार (1993-94)**			
	5.1 राष्ट्रीय स्तर पर नवाचारी प्रश्न-पत्रों के मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन करने वालों की पैनल बैठक	7 -10 जून, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	5 विशेषज्ञ
	5.2 पुरस्कार विजेता अध्यापकों की राष्ट्रीय संगोष्ठी	7 -9 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	
6.	**अध्यापक शिक्षा में नवाचारी प्रयोग और व्यवहार (1994-95)**			
	6.1 अध्यापक-शिक्षकों के नवाचारी प्रश्नों के मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन करने वालों की पैनल बैठक	22 -27 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	3 विशेषज्ञ
7.	विशेष शिक्षा के क्षेत्र में सी.टी.ई और आई.ए.एस.ई. के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	5 -16 दिसंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	47

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
8.	विशेष शिक्षा में जिला शिक्षा-प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय का प्रशिक्षण कार्यक्रम	13 - 24 फरवरी, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	75
9.	पी.आई.ई.डी.के अनुभव का प्रयोग करते हुए आई.ई.डी. के नियोजन के लिए (दिल्ली राज्य के) शैक्षिक प्रशासकों का राज्य-स्तरीय सम्मेलन	14 - 15 जून, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	38
10.	पी.आई.ई.डी की समीक्षा और योजना पर बैठक	10 -12 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	30
11.	एम.सी.टी. अध्यापकों और परियोजना दल का संयोजन (अटैचमेंट) कार्यक्रम			
	11.1 पहला कार्यक्रम	8 -12 अगस्त, 1994	एन.आई.एम.एच. सिकंदराबाद	28
	11.2 दूसरा कार्यक्रम	27 जून - 2 जुलाई, 1994	एन.आई.वी.एच. देहरादून	27
	11.3 तीसरा कार्यक्रम	18 -22 जुलाई, 1994	एन.आई.पी.एच. कलकत्ता	26

तालिका - 9

1994-95 के दौरान डी.ई.एफ.एस. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	क्षेत्रीय सलाहकारों की वार्षिक बैठक	16 - 21 मई, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	35
2.	**शैक्षिक विस्तार कार्यकर्ताओं की प्रशिक्षण-हस्तपुस्तिका का विकास**			
	2.1 कार्यकारी दल की पहली बैठक	21 -25 नवंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	12
	2.2 कार्यकारी दल की दूसरी बैठक	13 -17 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.परिषद् नई दिल्ली	7

तालिका - 10

क्षे.शि.म., अजमेर में वर्ष 1994-95 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	राज.		उ.प.		हरि.		हि.प्र.		पंजाब		दिल्ली		चंडीगढ	
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी
1-	बी.एड. (विज्ञान)	20	6	20	6	5	1	5	3	4	4	–	7	–	1
2.	बी.एड. (वाणिज्य)	–	9	9	1	–	1	1	2	2.	1	2	2	1	–
3.	बी.एड. (कृषि)	4	–	25	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.	बी.एड (अंग्रेजी)	6	1	4	4	2	1	2	3	1	2	–	2	1	–
5.	बी.एड (हिन्दी)	8	1	6	4	5	1	1	3	1	3	1	4	1	–
6.	बी.एड. (उर्दू)	6	1	8	4	1	–	–	–	–	–	1	1	–	–
7.	बी.एस.सी., बी.एड.(प्रथम वर्ष)	20	6	9	10	1	5	–	6	3	5	4	2	–	–
8.	बी.एस.सी., बी.एड.(द्वितीय वर्ष)	15	10	10	8	–	2	3	3	4	4	1	4	–	2
9.	बी.एस.सी., बी.एड.(तृतीय वर्ष)	15	9	5	4	3	1	3	–	3	5	1	5	–	2
10.	बी.एस.सी., बी.एड.(चतुर्थ वर्ष)	21	4	7	9	–	3	2	2	5	3	3	4	–	2
11.	एम.एड.	4	3	6	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	योग	**119**	**41**	**109**	**51**	**17**	**15**	**17**	**22**	**23**	**27**	**13**	**31**	**3**	**6**

राज. - राजस्थान, उ.प्र.- उत्तर प्रदेश; हरि- हरियाणा; हि.प्र. - हिमाचल प्रदेश

बी- लड़का; जी - लड़कियाँ

तालिका - 10 *(क्रमशः)*

क्षे.शि.म., अजमेर में वर्ष 1994-95 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	जम्मू-कश्मीर		अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		योग		कुलयोग
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	
1.	बी.एड. (विज्ञान)	–	2	20	3	3	–	31	27	54	30	84
2.	बी.एड. (वाणिज्य)	–	–	8	–	–	–	7	7	15	7	22
3.	बी.एड. (कृषि)	–	–	6	–	1	–	22	–	29	–	29
4.	बी एड (अंग्रेजी)	–	–	6	1	1	–	9	12	16	13	29
5.	बी.एड. (हिन्दी)	–	–	6	3	1	1	16	12	23	16	9
6.	बी.एड (उर्दू)	–	–	–	–	–	–	16	6	16	6	22
7.	बी.एस सी., बी.एड (प्रथम वर्ष)	3	1	10	3	6	–	24	32	40	35	75
8.	बी.एस सी., बी एड.(द्वितीय वर्ष)	1	–	11	2	2	–	21	31	34	33	67
9.	बी.एस सी., बी.एड.(तृतीय वर्ष)	1	2	8	4	1	–	22	23	31	27	58
10.	बी.एस.सी., बी.एड.(चतुर्थ वर्ष)	–	–	5	3	–	–	33	24	38	27	65
11.	एम एड	1	–	2	–	–	–	9	4	11	4	15
	योग	**6**	**5**	**82**	**19**	**15**	**1**	**210**	**178**	**307**	**198**	**505**

अ.जा.-अनुसूचित जाति, अ ज जा -अनुसूचित जनजाति; बी- लड़का; जी - लडकियाँ

तालिका - 11

क्षे.शि.म.,अजमेर द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम (1994)

क्र. संख्या	पाठ्यक्रम	सम्मिलित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	कुल उत्तीर्णता प्रतिशत
1.	बी.एड (विज्ञान)	67	67	100.00
2.	बी.एड. (कृषि)	26	26	100.00
3.	बी.एड. (वाणिज्य)	21	21	100.00
4.	बी.एड. (अंग्रेजी)	28	26	92.80
5.	बी.एड. (हिन्दी)	39	39	100.00
6.	बी.एड. (उर्दू)	16	16	100.00
7.	बी.एस.सी., बी.एड.(चतुर्थ वर्ष)	64	64	100.00
8.	बी.एस.सी., बी.एड.(तृतीय वर्ष)	67	66	98.50
9.	बी.एस.सी., बी.एड.(द्वितीय वर्ष)	61	56	91.80
10.	बी.एस.सी., बी.एड. (प्रथम वर्ष)	74	70	94.50
11.	एम.एड.	14	14	100.00

तालिका - 12

1994-95 के दौरान क्षे.शि.म., अजमेर द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	**+ 2 स्तर पर जीवविज्ञान के अध्यापन के लिए प्रमुख संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण (दो चरणों मे)**			
	1.1 पहला कार्यक्रम	6 -11 जून, 1994	गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर (उत्तर प्रदेश)	14
	1.2 दूसरा कार्यक्रम	21 -25 फरवरी, 1995	क्षे.शि.म. अजमेर	12
2.	**शैक्षिक फिल्मों के लिए सहायता सामग्री का विकास**			
	2.1 पहला कार्यक्रम	10 -11 जून, 1994	क्षे.शि.म. अजमेर	2
	2.2 दूसरा कार्यक्रम	30 मार्च- 4 अप्रैल, 1995	जि.शि.प्रौ.स. माउंट आबू	5
3.	**प्रारंभिक शिक्षा में अध्यापन के प्रति बाल-केन्द्रित दृष्टिकोण पर कार्यशाला**			
	3.1 पहला कार्यक्रम	3 - 8 अक्तूबर, 1994	क्षे.शि.म. अजमेर	15
	3.2 दूसरा कार्यक्रम	27 - 30 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. अजमेर	11
4.	राज्य शिक्षा संस्थान के अकादमिक स्टाफ का प्रशिक्षण	7 -11 नवंबर, 1994	रा.शि.सं. जम्मू	42

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
5.	सहयोगी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों/प्रधानाध्यापकों का सम्मेलन			
6.	**क्रियात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के विकास के लिए जि.शि. प्र. संस्थानों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण**			
	6.1 पहला कार्यक्रम	14 -17 फरवरी, 1995	क्षे.शि.म. अजमेर	12
	6.2 दूसरा कार्यक्रम	28 - 30 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. अजमेर	3
7.	**विज्ञान और गणित के किट के उपयोग में जि. शि.प्र. संस्थानों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण**			
	7.1 पहला कार्यक्रम	28 फरवरी - 4 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. अजमेर	19
	7.2 दूसरा कार्यक्रम	27 -30 मार्च 1995	क्षे.शि.म. अजमेर	4
8.	मूल्यों की शिक्षा का अभिविन्यास पाठ्यक्रम	20 -24 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. अजमेर	20
9.	लागत-प्रभाविता और लागत-लाभ के पैमानों का विकास	21 -25 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. अजमेर	07
10.	माध्यमिक व वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों पर अंग्रेजी के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण पैकेजों को अंतिम रूप देना	20 -22 मार्च, 1995	विद्या आश्रम स्कूल जयपुर	
11.	उच्चतर प्राथमिक स्तर पर गणित के लिए विधियों पर आधारित पाठों की तैयारी	23 -25 जनवरी, 1995	एस.आई.ई.आर.टी. जयपुर	3

तालिका - 13

क्षे.शि.म., भोपाल में 1994-95 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम	मध्य प्रदेश						महाराष्ट्र						गुजरात					
		अ.जा.		अ.जा.जा.		सामान्य		अ.जा.		अ.जा.जा.		सामान्य		अ.जा.		अ.जा.जा.		सामान्य	
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी
1.	बी.एस.सी., बी.एड.																		
	प्रथम वर्ष	1	4	–	–	5	12	–	5	–	–	1	15	–	–	–	–	3	10
	द्वितीय वर्ष	1	2	–	1	–	14	1	1	–	–	–	15	–	1	–	–	1	13
	तृतीय वर्ष	–	2	–	1	4	14	1	2	1	–	–	13	–	1	–	–	2	4
	चतुर्थ वर्ष	–	3	–	–	4	12	1	3	–	–	5	15	1	–	–	–	3	15
2.	बी.ए., बी.एड.																		
	प्रथम वर्ष	2	–	–	1	1	9	2	–	–	1	5	5	1	1	1	–	1	8
	द्वितीय वर्ष	–	2	–	–	2	5	2	1	–	–	–	6	–	–	–	–	1	9
	तृतीय वर्ष	1	2	–	1	–	9	–	2	–	–	2	5	1	–	–	–	1	7
	चतुर्थ वर्ष	1	–	–	–	1	5	1	3	–	–	2	3	-	–	–	–	–	7
3.	वी.एड. (विज्ञान)	1	2	1		3	10	3	–	3	–	5	9	5	–	–	–	13	2
4.	बी.एड. (वाणिज्य)	1	1	1	–	8	2	4	1	2	–	4	1	2	1	1	–	5	3
5.	एम.एड.	1	2	–	–	7	10	–	–	1	–	1	1	–	–	–	–	–	1
	योग	**9**	**20**	**2**	**4**	**35**	**102**	**15**	**18**	**7**	**1**	**25**	**88**	**10**	**4**	**2**	**–**	**30**	**89**

तालिका - 13 *(क्रमशः)*

क्षे.शि.म., भोपाल में 1994-95 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्रम संख्या		गोवा						अन्य राज्य/संघ-शासित क्षेत्र*						योग
		अ.जा.		अ.जा.जा.		सामान्य		अ.जा.		अ.जा.जा.		सामान्य		
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	
1.	बी.एस.सी., बी.एड.													
	प्रथम वर्ष	–	–	–	–	–	7	–	–	–	–	–	1	64
	द्वितीय वर्ष	–	–	–	–	2	7	–	–	–	–	1	–	60
	तृतीय वर्ष	–	–	–	–	–	2	–	–	–	–	–	–	57
	चतुर्थ वर्ष	–	–	–	–	2	3	–	–	–	–	–	–	67
2.	बी.ए., बी.एड.													
	प्रथम वर्ष	–	–	–	–	2	5	2	–	1	–	4	7	59
	द्वितीय वर्ष	–	–	–	–	2	3	–	2	–	1	1	7	44
	तृतीय वर्ष	–	–	–	–	–	6	1	–	–	–	–	9	47
	चतुर्थ वर्ष	1	1	–	–	1	2	–	1	–	–	–	10	39
3.	बी.एड. (विज्ञान)	–	–	–	–	–	1	–	–	–	–	3	1	62
4.	बी.एड. (वाणिज्य)	–	–	–	–	–	–	1	–	1	–	3	1	43
5.	एम.एड.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	24
	योग	**1**	**1**	**–**	**–**	**9**	**36**	**4**	**3**	**2**	**1**	**12**	**36**	**566**

* इसमें तिब्बतन और उत्तरीय क्षेत्र के विद्यार्थी भी शामिल है।

तालिका - 14

क्षे.शि.म., भोपाल में संचालित पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम (1994)

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम	सम्मिलित छात्रों की संख्या			उत्तीर्ण छात्रों की संख्या			उत्तीर्ण प्रतिशत	अ.जा. अ.ज.जा. के सम्मिलित छात्रों की संख्या				अ.ज./अ.ज.जा. छात्रों की संख्या			
									अ.जा.		अ.ज.जा.		अ.जा.		अ.ज.जा.	
		बी	जी	योग	बी	जी	योग		बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी
1.	बी.ए.,बी.एड.															
	प्रथम वर्ष	8	37	45	8	34	42	93.33	2	6	–	1	2	5	–	1
	द्वितीय वर्ष	5	43	48	5	42	47	97.92	3	5	–	1	3	4	–	1
	तृतीय वर्ष	7	32	39	7	32	39	100	3	5	–	–	3	5	–	–
	चतुर्थ वर्ष	9	40	49	9	40	49	100	1	2	–	1	1	2	–	1
2.	बी.एस.सी., बी.एड.															
	प्रथम वर्ष	10	57	67	9	53	62	95.38	4	5	–	2	2	3	–	–
	द्वितीय वर्ष	10	51	61	9	50	59	96.72	2	5	1	2	1	5	1	2
	तृतीय वर्ष	16	52	68	16	51	67	98.53	2	7	–	–	2	6	–	–
	चतुर्थ वर्ष	13	56	69	12	55	67	97.10	2	2	–	–	2	2	–	–
3.	बी.एड. (वाणिज्य)	31	09	40	31	09	40	100	9	1	3	1	9	1	3	1
4.	बी.एड. (विज्ञान)	36	21	57	34	21	55	96.49	6	1	2	2	5	1	2	2
5.	एम.एड.	05	14	19	04	13	17	89.47	1	–	–	–	–	–	–	–

तालिका - 15

1994-95 के दौरान क्षे.शि.म., भोपाल द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	बी.एड. के संशोधित पाठ्य-विवरण के प्रशिक्षण के लिए टेंडर शिक्षकों की पूरक सामग्री विकसित करने के वास्ते कार्यशाला	16 -21 जनवरी, 1995	एस.सी.आई.आर.टी. पुणे	13
2.	विद्यालयों में मूल्य शिक्षा सहित उनके मानदंड सुधारने के लिए माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के लिए एक सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम का विकास और परीक्षण	20 -22 मार्च, 1995	एस.सी.आई.आर.टी. पुणे	25
3.	प्राथमिक अध्यापकों और अध्यापक प्रशिक्षार्थियों के लिए सचार कौशल के प्रशिक्षण पैकेज का विकास	25 - 30 नवबर, 1994	क्षे.शि.म. भोपाल	29
4.	प्रारंभिक अध्यापक शिक्षकों और प्रखंड स्तर के अधिकारियों के लिए बहुकक्षीय अध्यापन के प्रशिक्षणा पैकेज का विकास	26 - 31 दिसबर, 1994	क्षे.शि.म. भोपाल	06
5.	मिडिल स्कूल स्तर पर उत्पादक हस्तकलाओं (कृषि व संबद्ध) मे कार्यानुभव पर प्रमुख संसाधन व्यक्तियो का अभिविन्यास	20 -25 फरवरी, 1995	एस.सी.आई.आर.टी. पुणे	32
6.	मिडिल और माध्यमिक स्तर पर सी.सी.ई. के तहत निदान-परीक्षण और उपचारमूलक अध्यापन में प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास	26 -31 मार्च, 1995	एस.सी.आई.आर.टी. पुणे	22
7.	माध्यमिक स्तर पर विज्ञान और गणित की नई धारणाओं की अंतर्वस्तु और प्रक्रिया में प्रमुख अध्यापकों का अभिविन्यास	9 - 14 जनवरी, 1995	क्षे.शि.म. भोपाल	33
8.	भाषा (हिन्दी, मराठी, गुजराती) पढ़ाने वाले प्रारंभिक स्तर के अध्यापकों में योग्यताओं और प्रवीणता के न्यूनतम स्तर विकसित करने के लिए प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास	3 -8 अक्तूबर, 1994	क्षे.शि.म. भोपाल	29
9.	छात्रो की गलत धारणाओं और उन्हें दूर करने की रणनीतियो पर माध्यमिक स्तर पर भौतिकी पढाने वाले अध्यापकों का अभिविन्यास	3 -8 अक्तूबर, 1994	क्षे.शि.म. भोपाल	18

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
10.	भौतिकी में अंतर्वस्तु समृद्धिकरण पर वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के प्रमुख व्यक्तियो के लिए कार्यशाला व अभिविन्यास कार्यक्रम	20-25 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. भोपाल	23
11.	प्राथमिक विद्यालयों में क्रियात्मक अनुसंधान की पद्धति पर परिवेक्षी अधिकारियों का अभिविन्यास कार्यक्रम	20 -22 मार्च, 1995	एस.सी.आई.आर.टी. पुणे	22
12.	दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी पढ़ाने वाले माध्यमिक अध्यापक-शिक्षकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	19 -31 मार्च, 1995	जि.शि.प्र.स. कठियाल, गुजरात	14
13.	सी.सी.ई. में पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों के माध्यमिक व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों का अभिविन्यास	22 -27 अगस्त, 1994	पुराष आद्यापुर मंदिर डाकोर	31
14.	**दक्षिणी गुजरात के परिवेक्षी कर्मचारियों के लिए प्राथमिक स्तर पर सतत् व्यापक मूल्यांकन का अभिविन्यास कार्यक्रम**			
	14.1 पहला कार्यक्रम	7 -11 मार्च, 1995	जि.शि.प्र.सं. बड़ोदरा	24
	14.2 दूसरा कार्यक्रम	21 -25 मार्च, 1995	जि.शि.प्र.सं. जामनगर	31
15.	बाल-केन्द्रित, गतिविधि-आधारित अध्यापन, विद्यालय की तैयारी, न्यूनतम अधिगम स्तरों, निदान-परीक्षण, उपचार मूलक अध्यापन और बहुकक्षीय अध्यापन में प्रारंभिक अध्यापक शिक्षकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	22 -28 मार्च, 1995	शिक्षा महाविद्यालय जबलपुर	56
16.	बाल केन्द्रित, गतिविधि-आधारित अध्यापन, विद्यालय की तैयारी, न्यूनतम अधिगम स्तरों, निदान-परीक्षण, उपचार मूलक अध्यापन और बहुकक्षी अध्यापन में प्रारंभिक अध्यापक शिक्षकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	3 -9 दिसंबर, 1994	राजकीय शिक्षा महाविद्यालय उज्जैन	36
17.	विज्ञान शिक्षा में सुधार के लिए माध्यमिक अध्यापक शिक्षको का अभिविन्यास कार्यक्रम	6 -11 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. भोपाल	13
18.	प्राथमिक स्तर पर गणित पढ़ाने के बारे में प्रारंभिक अध्यापक शिक्षकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	6 - 11 फरवरी, 1995	क्षे.शि.म. भोपाल	15
19.	वाणिज्य पढ़ाने की आधुनिक विधियों पर प्रमुख ससाधन व्यक्तियों और अध्यापक शिक्षकों का प्रशिक्षण	2 - 7 फरवरी, 1995	क्षे.शि.म. भोपाल	14
	अन्य कार्यक्रम			
20.	विद्यालय और आसपास के परिवेश की छानबीन-अधिगम के प्रोत्साहन के लिए एक दृष्टिकोण	16 -21 जनवरी, 1995	जि.शि.प्र.सं. जूनागढ	27

तालिका - 16

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर में 1994-95 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्रम संख्या	कक्षा	उड़ीसा						प. बंगाल					
		सामान्य		अ.जा		अ.ज.जा.		सामान्य		अ.जा		अ.ज.जा.	
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	वी	जी	बी	जी	बी	जी
1.	बी.एस.सी. एड. प्रथम वर्ष	5	11	2	2	–	1	3	8	1	2	1	1
2.	बी.ए. एड. प्रथम वर्ष	2	9	1	2	2	–	1	8	3	–	1	–
3.	बी.एड. (विज्ञान)	17	6	6	2	3	1	10	8	–	–	–	–
4.	बी.एड. (कला)	6	8	4	–	1	–	3	8	–	–	–	–
5.	बी.एड. (वाणिज्य)	6	–	4	–	1	–	1	1	–	–	–	–
6.	एम.एड.	1	6	2	1	–	–	3	–	–	–	–	–
7.	एम.एस.सी. (एल.एस) एड. प्रथम वर्ष	–	3	–	–	–	–	–	1	–	–	–	1
	योग	**37**	**43**	**19**	**7**	**7**	**2**	**21**	**34**	**4**	**2**	**2**	**2**

तालिका - 16 *(क्रमशः)*

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर में 1994-95 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्रम संख्या	कक्षा	बिहार								अन्य				योग
		सामान्य		अ.जा		अ.ज.जा.		सामान्य		अ.जा		अ.ज.जा.		
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	
1.	बी.एस.सी. एड.													
	प्रथम वर्ष	4	8	3	1	2	–	12	16	1	1	1	1	87
2.	वी.ए. एड.													
	प्रथम वर्ष	1	6	1	2	0	1	7	15	–	–	3	1	66
3.	बी.एड. (विज्ञान)	21	1	7	–	2	1	7	7	–	–	1	–	100
4.	बी.एड. (कला)	13	–	3	–	2	–	1	7	–	2	2	–	60
5.	बी.एड. (वाणिज्य)	5	1	–	–	1	–	–	–	–	–	–	–	20
6.	एम.एड.	4	–	–	–	1	–	–	–	–	–	–	1	19+1
7.	एम.एस.सी. (एल.एस.) एड.													
	प्रथम वर्ष	–	1	–	–	–	–	2	9	2	–	–	–	19
	योग	**48**	**17**	**14**	**3**	**8**	**2**	**29**	**54**	**3**	**3**	**7**	**3**	**371+1**

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
11.	प्रारंभिक विद्यालयों के परिवीक्षण में प्रखंड प्रारंभिक शिक्षाधिकारियों व विद्यालयों के उपनिरीक्षकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	5 -10 दिसंबर, 1994	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	31
12.	माध्यमिक स्तर पर विज्ञान पढ़ाने वाले संसाधन व्यक्तियों का विषय-वस्तु समृद्धिकरण कार्यक्रम	5 -10 दिसंबर, 1994	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	15
13.	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर भौतिकी की पाठ्यचर्या के कारगर व्यवहार के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	7 -13 जनवरी, 1995	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	06
14.	अध्यापन में शिक्षितुत्व के लिए सहकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व प्रधानाध्यापिकाओं का सम्मेलन	12 जनवरी, 1995	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	23
15.	परियोजना 'क्लास' के अंतर्गत आर.सी. संसाधन केन्द्र से जुड़ी संस्थाओं के अध्यापकों का प्रशिक्षण	6 -25 फरवरी, 1995	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	10
16.	न्यूनतम-अधिगम स्तरों पर प्राथमिक शिक्षा के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों का अभिविन्यास	15 -18 फरवरी, 1995	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	43
17.	अ.जा./अ.ज.जा. के विकलांग बच्चों की पहचान, आकलन और स्थापन पर प्रारंभिक अध्यापक-शिक्षकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	20 -25 फरवरी, 1995	पुरुलिया पं. बंगाल	26
18.	राज्यस्तरीय संसाधन व्यक्तियों के लिए कक्षा में अनुदेशी में बहुमाध्यमी पैकेजों का अभिविन्यास और उपयोग	20 फरवरी से 1 मार्च, 1995	राज्य शै.अ.प्र.प. शिलॉंग	25
19.	माध्यमिक स्तर पर भौतिक विज्ञान की कठिन अवधारणाओं पर अध्यापक-हस्तपुस्तिका का विकास	15 -21 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	15
20.	गणित के अध्यापन व आपरेशन ब्लैकबोर्ड के तहत दिए गए गणित के किटों के उपयोग पर प्रारंभिक अध्यापक-शिक्षकों का प्रशिक्षण	21 -27 मार्च, 1995	राज्य शै.अ.प्र. परिषद्, असम	15
21.	+ 2 पाठ्यचर्या की विषय-वस्तु में आधुनिक जीव विज्ञान के क्षेत्रों में विषय-वस्तु समृद्धिकरण	22 -28 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	12

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
22.	लेखा सहायकत्व में + 2 स्तर पर कार्यपद्धति पर आधारित व्यावहारिक कार्यों के विकास पर कार्यशाला	23 -28 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	10
23.	अनुसूचित जातियों की दृष्टि से आपत्तिजनक सामग्री का पता लगाने के लिए उड़ीसा राज्य में प्रयुक्त अनौपचारिक अध्यापन-अधिगम सामग्री के विश्लेषण-अध्ययन पर कार्यशाला	16 -19 मई, 1994	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	10
24.	जनसंख्या शिक्षा चरण 3: विकास समीक्षा, अंतिम रूप-निर्धारण पर अध्ययन-अधिगम सामग्री के विकास की कार्यशाला	16 - 20 दिसंबर, 1994	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	10
25.	उड़ीसा की युवा कवियित्रियों के लिए रचनात्मक लेखन कर्मशाला	27 -29 दिसंबर, 1994	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	41
26.	जवाहर नवोदय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए आगमन (इनडंक्शन) पाठ्यक्रम	21 -30 दिसंबर, 1994	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	50
27.	केन्द्रीय विद्यालय क्षेत्रीय प्रधानाध्यापक सम्मेलन	6 -7 जनवरी, 1995	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	41
28.	आदिवासी युवकों के लिए राष्ट्रीय संस्कृति प्रशिक्षण शिविर	8 -17 अक्टूबर, 1994	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	150
29.	मानवीय मूल्यों की शिक्षा में पूर्वी क्षे। के अध्यापक-शिक्षकों (प्रारंभिक व माध्यमिक) का प्रशिक्षण	27 -फरवरी 13 मार्च, 1994	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	22
30.	प्राथमिक अध्यापक-शिक्षकों के लिए विशेष अभिविन्यास कार्यक्रम	27 -31 मार्च, 1995	क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	31

तालिका - 19

क्षे.शि.म., मैसूर में 1994-95 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम	आंध्र प्रदेश		तमिलनाडु		कर्नाटक		केरल	
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी
1.	बी.एड.	10	8	5	11	8	9	2	10
2.	एम.एड.	1	4	7	2	2	5	2	2
3.	बी.ए., एड.								
	प्रथम वर्ष	5	3	–	5	6	4	–	2
	द्वितीय वर्ष	3	8	1	12	3	7	1	4
	तृतीय वर्ष	4	4	1	7	4	4	–	3
	चतुर्थ वर्ष	7	5	1	8	2	6	–	3
4.	बी.एस.सी., एड.								
	प्रथम वर्ष	15	4	4	14	10	9	–	9
	द्वितीय वर्ष	12	8	4	14	–	3	–	7
	तृतीय वर्ष	11	6	4	9	3	10	2	7
	चतुर्थ वर्ष	4	12	3	13	2	5	–	9
5.	एम.एस.सी., एड. (भौतिकी)								
	प्रथम वर्ष	1	–	–	2	4	4	–	5
	द्वितीय वर्ष	3	–	–	1	1	3	3	–
	एम.एस.सी., एड. (रसायन)								
	प्रथम वर्ष	1	3	2	4	1	6	–	1
	द्वितीय वर्ष	2	2	1	3	5	5	–	–
	एम.एस.सी., एड. (गणित)								
	प्रथम वर्ष	5	3	–	3	3	1	3	3
	द्वितीय वर्ष	4	1	–	2	–	2	–	–
	कुल योग	**88**	**71**	**33**	**110**	**54**	**83**	**13**	**65**

तालिका - 19 *(क्रमशः)*

क्षे.शि.म., मैसूर में 1994-95 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम	अन्य राज्य या संघ-शासित क्षेत्र		अ.जा.		अ.ज.जा.		योग		महायोग
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	
1.	बी.एड.	2	2	1	2	2	1	27	40	65
2.	एम.एड.	–	–	1	2	2	–	12	13	25
3.	बी.ए., एड.									
	प्रथम वर्ष	–	1	3	1	3	–	11	15	26
	द्वितीय वर्ष	–	–	2	3	–	–	–	31	39
	तृतीय वर्ष	2	1	3	–	2	2	11	19	30
	चतुर्थ वर्ष	–	–	1	5	–	1	10	22	32
4.	बी.एस.सी. एड.									
	प्रथम वर्ष	2	–	4	7	4	–	31	36	67
	द्वितीय वर्ष	2	–	–	6	1	–	18	32	50
	तृतीय वर्ष	1	3	2	5	1	3	21	35	56
	चतुर्थ वर्ष	–	–	1	4	–	–	9	39	48
5.	एम.एस.सी., एड. (भौतिकी)									
	प्रथम वर्ष	3	2	–	1	–	–	8	13	21
	द्वितीय वर्ष	–	–	–	–	–	–	6	4	11
6.	एम.एस.सी., एड. (रसायन)									
	प्रथम वर्ष	4	3	2	3	–	–	8	17	25
	द्वितीय वर्ष	–	–	–	–	–	–	8	10	18
7.	एम.एस.सी., एड. (गणित)									
	प्रथम वर्ष	–	1	4	1	–	–	11	11	22
	द्वितीय वर्ष	–	1	–	–	–	–	4	6	10
	महायोग	**16**	**14**	**24**	**40**	**15**	**7**	**204**	**343**	**547**

तालिका - 20

क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में परीक्षा परिणाम (1994)

क्रम. संख्या	पाठ्यक्रम	सम्मिलित छात्रों की संख्या						उत्तीर्ण छात्रों की संख्या						उत्तीर्ण प्रतिशत
		अ.जा.		अ.ज.जा.		सा.		अ.जा.		अ.ज.जा.		सा.		
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	बी	जी	
1.	बी.ए., एड.	1	1	–	–	21	3	1	1	–	–	2	22	100
2.	बी.एस.सी., एड.	–	3	1	–	10	29	–	3	1	–	8	27	90
3.	बी.एड.	3	1	–	–	24	40	1	3	–	–	23	38	95.3
4.	एम.एड.	–	–	–	–	18	7	–	–	–	–	18	7	100
5.	एम.एस.सी., एड.													
	भौतिकी	–	–	–	–	10	10	–	–	–	–	10	8	90
	रसायन	–	–	–	–	7	14	–	–	–	–	6	14	95.2
	गणित	–	–	–	–	8	12	–	–	–	–	5	11	10

तालिका - 21

1994-95 के दौरान क्षे.शि.म., द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कार्रवाई योजना की प्राथमिकताओं की रोशनी में एम.एड. की पुनर्रचना पर कार्यशाला	25 -27 जुलाई, 1994	क्षे.शि.म. मैसूर	10
2.	सुलभता, भागीदारी और उपलब्धि के संदर्भ में सार्वभौम प्रारंभिक शिक्षा की प्राप्ति में स्थानीय समुदाय की भागीदारी की विशेष रणनीतियाँ तैयार करने पर कार्यशाला	29 अगस्त 3 सितंबर, 1994	क्षे.शि.म. मैसूर	22
3.	एकीकृत विकलांग शिक्षा के क्रियान्वयन में संसाधन व्यक्तियों का अभिविन्यास	26 -30 सितंबर, 1994	क्षे.शि.म. मैसूर	42
4	प्राथमिक स्तर में शैक्षिक आडियो के लिए पटकथा लेखन पर प्रशिक्षण कार्यशाला (कर्नाटक व आंध्र प्रदेश)	17 -29 अक्तूबर, 1994	क्षे.शि.म. मैसूर	17
5.	माध्यमिक स्तर पर गणित के अध्यापन की विषय वस्तु व पद्धति का प्रशिक्षण	24 -28 अक्तूबर, 1994	क्षे.शि.म. मैसूर	20
6.	माध्यमिक स्तर पर गणित के अध्यापन की विषयवस्तु व पद्धति का प्रशिक्षण	21 - 25 नवंबर, 1994	क्षे.शि.म. मैसूर	09
7.	केरल व लक्षद्वीप के संसाधन व्यक्तियों के उपयोग के लिए कक्षा 3 और 4 में भाषा, पर्यावरण और गणित उपचार मूलक शिक्षा की आदर्श सामग्री की तैयारी पर प्रशिक्षण व कार्यशाला	21 -25 नवंबर, 1994	कालीकट केरल	23
8.	प्राथमिक चरण में शैक्षिक आडियो की पटकथा लेखन पर प्रशिक्षण कार्यशाला (केरल और तमिलनाडु)	13 - 25 फरवरी, 1995	क्षे.शि.म. मैसूर	14
9.	माध्यमिक विद्यालयों में अधिगम का समृद्धिकरण बढ़ाने के लिए उपचारमूलक शिक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	20 -24 फरवरी, 1995	क्षे.शि.म. मैसूर	17
10.	दक्षिण के विश्वविद्यालयों मे शिक्षा संकायों के डीनों की जनसंख्या शिक्षा संबंधी परामर्श बैठक	21 -22 नवंबर, 1994	क्षे.शि.म. मैसूर	06

तालिका - 22

डी.एम.एस., अजमेर में शैक्षिक सत्र 1994-95 के दौरान छात्रों का कक्षावार नामांकन

क्रम संख्या	कक्षा	अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		योग			महायोग
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	अ.जा.	अ.ज.जा.	सामान्य	
1.	प्रथम	3	2	5	–	15	6	5	5	21	31
2.	द्वितीय	7	–	–	1	17	12	7	1	29	37
3.	तृतीय	4	–	1	1	31	9	4	2	40	46
4.	चतुर्थ	4	2	1	2	27	11	6	3	38	47
5.	पांचवीं	3	–	1	–	38	5	3	1	43	47
6.	छठी	5	–	–	–	35	8	5	–	43	48
7.	सातवीं	5	–	1	1	63	18	5	2	81	88
8.	आठवीं	5	1	–	–	56	10	6	–	66	72
9.	नवीं	4	2	–	1	67	18	6	1	85	92
10.	दसवीं	5	2	2	–	90	18	7	2	108	117
11.	ग्यारहवीं	4	–	–	–	72	19	4	–	91	95
12.	बारहवीं	–	1	–	–	72	15	1	–	87	88
	योग	**49**	**10**	**11**	**6**	**583**	**149**	**59**	**17**	**732**	**808**

तालिका - 23

डी.एम.एस., अजमेर में परीक्षा परिणाम (1994)

क्रम संख्या	कक्षा	सम्मिलित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण प्रतिशत
1.	दसवीं	109	95	14	95
2.1	बारहवी विज्ञान	37	30	7	87
2.2	बारहवीं कला	18	18	-	100
2.3	बारहवीं वाणिज्य	26	26	-	100
2.4	बारहवीं व्यावसायिक	14	13	1	93

तालिका - 24

डी.एम.एस., भोपाल में शैक्षिक सत्र 1994-95 के दौरान छात्रों का कक्षावार नामांकन

क्रम संख्या	कक्षा	अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		योग			महायोग
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	अ.जा.	अ.ज.जा.	सामान्य	
1.	प्रथम	6	2	4	6	33	32	10	8	55	73
2.	द्वितीय	7	4	6	1	39	21	11	7	60	78
3.	तृतीय	7	3	2	2	43	21	10	4	64	78
4.	चतुर्थ	3	4	4	3	37	31	7	7	68	82
5.	पांचवी	7	4	5	4	48	20	11	9	68	88
6.	छठी	12	1	4	1	46	31	13	5	77	95
7.	सातवी	6	2	3	0	41	22	8	3	63	74
8.	आठवीं	9	2	2	3	35	29	11	5	64	80
9.	नवीं	5	5	2	1	41	17	10	3	58	71
10.	दसवीं	8	4	3	1	37	19	12	4	56	72
11.	ग्यारहवीं	3	2	1	0	31	14	5	1	45	51
11.1	ग्यारहवीं व्यावसायिक	1	0	–	–	3	12	1	–	15	16
12.	बारहवीं	2	2	2	1	31	35	4	3	66	73
12.1	बारहवीं व्यावसायिक	1	–	–	–	4	11	1	–	15	16
योग		**77**	**35**	**38**	**23**	**469**	**305**	**114**	**59**	**774**	**947**

तालिका - 25

डी.एम.एस., भोपाल में परीक्षा परिणाम (1994)

क्रम संख्या	कक्षा	सम्मिलित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्णता प्रतिशत
1.	दसवीं	73	71	2	97.25
2.	बारहवी विज्ञान	32	28	4	87.5
2.1	बारहवी कला	6	6	-	100
2.2	बारहवीं वाणिज्य	17	17	-	100
2.3	बारहवीं व्यावसायिक	7	7	-	100

तालिका - 26

डी.एम.एस.,भुवनेश्वर में शैक्षिक सत्र 1994-95 के दौरान छात्रों का कक्षावार नामांकन

क्रम संख्या	कक्षा	अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		योग			महायोग
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	अ.जा.	अ.ज.जा.	सामान्य	
1.	प्रथम	12	1	3	1	25	28	13	4	53	70
2.	द्वितीय	4	3	4	2	34	21	7	6	55	68
3.	तृतीय	9	1	4	3	43	20	10	7	63	80
4.	चतुर्थ	8	3	6	1	52	19	11	7	71	89
5.	पांचवी	12	3	4	6	69	32	15	10	101	126
6.	छठी	16	5	4	3	80	30	21	7	110	138
7.	सातवीं	15	7	6	2	75	31	22	8	106	136
8.	आठवी	16	3	5	1	60	32	19	6	92	117
9.	नवीं	9	5	4	1	75	33	14	5	108	127
10.	दसवीं	9	3	1	1	85	27	12	2	112	126
11.	ग्यारहवीं	7	1	–	1	71	20	8	1	91	100
12.	बारहवीं	3	3	1	2	95	46	6	3	141	150
योग		**120**	**38**	**42**	**24**	**764**	**339**	**158**	**66**	**1103**	**1327**

तालिका - 27

डी.एम.एस., भुवनेश्वर में परीक्षा परिणाम (1994)

क्रम संख्या	कक्षा	सम्मिलित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्णता प्रतिशत
1.	दसवीं	127	125	2	98.42
2.1	बारहवीं विज्ञान	43	38	25	88.37
2.2	बारहवीं कला	17	12	5	70.58
2.3	बारहवीं वाणिज्य	28	28	-	100.00
2.4	बारहवीं व्यावसायिक	28	20	8	71.42

तालिका - 28

डी.एम.एस.,मैसूर में शैक्षिक सत्र 1994-95 के दौरान छात्रों का कक्षावार नामांकन

क्रम संख्या	कक्षा	अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		योग			महायोग
		बी	जी	बी	जी	बी	जी	अ.जा.	अ.ज.जा.	सामान्य	
1.	प्रथम	6	7	4	2	26	22	13	6	48	67
2.	द्वितीय	6	7	1	3	29	26	13	4	55	72
3.	तृतीय	7	6	4	2	22	23	13	6	55	74
4.	चतुर्थ	8	1	1	3	38	25	09	4	63	76
5.	पांचवी	5	7	–	–	50	27	12	–	77	89
6.	छठी	8	6	–	1	25	26	14	1	51	66
7.	सातवीं	9	10	1	1	36	30	19	2	66	87
8.	आठवीं	8	7	2	–	32	24	15	2	56	73
9.	नवी	8	4	2	2	25	29	12	4	54	70
10.	दसवीं	1	2	1	1	39	17	3	2	56	61
11.	ग्यारहवी विज्ञान	1	–	–	1	18	15	1	1	33	35
12.	ग्यारहवीं मानविकी	2	1	–	–	6	11	3	–	17	20
13.	ग्यारहवीं ओ.एम.एस और एस.पी.	1	1	–	–	12	5	2	–	17	19
14.	बारहवीं विज्ञान	1	1	–	–	16	13	2	–	29	31
15.	बारहवी मानविकी	–	–	–	–	2	3	–	–	5	05
16.	बारहवीं ओ.एम.एस और एस पी.	–	1	–	–	6	5	1	–	11	12
	योग	72	60	16	16	382	311	132	32	693	857

तालिका - 29

डी.एम.एस., मैसूर में परीक्षा परिणाम (1994)

क्रम संख्या	कक्षा	सम्मिलित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्णता प्रतिशत
1	दसवीं	71	68	8	88.7
2.	बारहवी विज्ञान	32	31	1	96.8
3.	बारहवीं मानविकी	6	5	1	84.0
4.	बारहवीं ओ.एम. और एस.पी.	7	7	-	100

तालिका - 30

1994-95 के दौरान के.शै.प्रौ.सं., द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए गणित में ई.टी.वी पटकथाओं को अंतिम रूप देना	10 -19 जुलाई, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	8
2.	केन्द्रीय व राज्य शैक्षिक प्रोद्योगिकी संस्थानों की समन्वय समिति की 22वीं बैठक	21 -22 जुलाई, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	32
3.	जि.शि. प्र. संस्थानों व उन्नत शि.अ. संस्थानों के ई.टी. संकायों के प्रशिक्षण के लिए आगतों को अंतिम रूप देना	1 -5 अगस्त, 1994	क्षे. शि. म. मैसूर	12
4.	न्यूनतम अधिगम स्तर पर आधारित केन्द्रिक-पाठ्यचर्या के लिए बहु माध्यमी पैकेज का विकास	8 -12 अगस्त, 1994	क्षे.शि.म. मैसूर	12
5.	बुनियादी ई.टी.वी. उत्पादन व तकनीकी कार्यो का प्रशिक्षण	16 अगस्त 3 सितंबर, 1994	राज्य शि.प्र. संस्थान, पटना	29
6.	जापान के एक एन एच के विशेषज्ञ की सहायता से सी.ई.सी. के सहयोग से ई.टी.वी. की अनुदेशिक रूपरेखा के विकास पर कार्यशाला	13 -17 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	23
7.	कक्षा 3 और 4 के लिए सामाजिक अध्ययन के आडियो कार्यक्रमों की तैयारी के लिए विषयों की पहचान	19 -20 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	10
8.	रंगीन टेलीविजन के सिद्धांतों और मापन उपकरणों के व्यवहार का प्रशिक्षण	12 -21 सितंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	8
9.	एच.आई.वी / एड्स पर ई.टी.वी. स्पाटों का उत्पादन, मैक्समूलर भवन, नई दिल्ली के सहयोग से (पहला चरण)	1 -7 सितंबर, 1994	मैक्समूलर भवन नई दिल्ली	15
10.	एच.आई.वी./एड्स पर ई.टी.वी. स्पाटों का उत्पादन (दूसरा चरण)	29 सितंबर से 28 अक्तूबर 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	26
11.	पर्यावरण शिक्षा पर संक्षिप्त आडियो कार्यक्रमों का विकास	5 -6 अक्तूबर, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	10

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
12	स्टूडियो उपकरणों और उनके समन्वय का प्रशिक्षण	21 -26 नवंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	8
13.	आडियो कार्यक्रम उत्पादन और पटकथा लेखन का प्रशिक्षण	7 - 16 दिसंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	11
14.	अंतःक्रिया की विधि से प्राथमिक स्तर पर गणित की धारणाओं के अध्यापन के लिए न्यूनतम अधिगम स्तरों संबंधी क्षमताओं का चयन और उन्हें अंतिम रूप देना	16 दिसंबर 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	18
15.	एस.ओ.पी.टी., फेज-1 में प्रयोग के लिए ई.टी.वी. पैकेज की प्रयोक्ता पुस्तिका (हिन्दी) की तैयारी	2 -6 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	8
16.	केन्द्रीय व राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थानों की समन्वय समिति की 23वीं बैठक	30 -31 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	39
17.	के.शै.प्रौ.सं. के लिए ई.टी.वी. कार्यक्रमों की गहन समीक्षा पर कार्यदल की बैठक	22 -24 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	10
18.	राज्य शै.प्रौ. संस्थानों के लिए ई.टी.वी. पटकथा लेखन का प्रशिक्षण	5 -25 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	14
19.	अंतः क्रियात्मक दूरवर्ती अध्यापन पर भारत-अमरीका उप आयोग की परियोजना के लिए गणित के ई.टी.वी. पैकेजो पर विषय-वस्तु की परिचय माला की तैयारी	14 - 22 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	12
20.	एस.ओ.पी.टी. फेज-2 में प्रयोग के लिए ई.टी.वी पैकेज की प्रयोक्ता पुस्तिका (हिन्दी) की तैयारी	13 - 17 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	8
21.	छठा बाल शैक्षिक वीडियो उत्सव	8 -10 मार्च, 1995	राज्य शि. प्र. संस्थान, पुणे	46
22.	ई.टी. और माध्यमों पर पाठ्यमाला की विशेषज्ञ समीक्षा संबंधी कार्यशाला	13 -15 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	15
23.	जि.शि प्र. संस्थानों के प्राध्यापकों के ई.टी.संबंधी अभिविन्यास के लिए विषय-वस्तु की रूपरेखा, प्रदाय आदि का विकास	14 -17 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	8

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
24.	राज्य शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान, उत्तर प्रदेश के सहयोग से सात माह की विषयवार और क्रमवार प्रेषण अनुसूची का विकास	21 - 24 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	6
25.	उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थानों व अध्यापक-शिक्षा महाविद्यालयों के अध्यापक-शिक्षकों के ई.टी. अभिविन्यास पाठ्यक्रम के लिए विषय-वस्तु की रूपरेखा, प्रदाय आदि का विकास	28 मार्च से 1 अप्रैल, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	11
26.	प्रयोक्ता अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए बहुमाध्यमी किट को अंतिम रूप देने के वास्ते कार्यशाला	27 -30 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	10
27.	दूरवर्ती विधि से मार्गदर्शन और परामर्श संबंधी परास्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए स्वशैक्षिक मॉड्यूलों का विकास	30 मार्च से 8 अप्रैल, 1995	रा.शै.अ.प्र. परिषद् नई दिल्ली	15

तालिका - 31

1994-95 के दौरान पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.,भोपाल द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	शिक्षा के व्यवसायीकरण पर मध्य प्रदेश के अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षाधिकारियों, व अन्य का अभिविन्यास कार्यक्रम	15 -28 जून, 1994	शिक्षा महाविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)	58
2.	स्वास्थ्य व परचिकित्सा व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों की स्थिति व संभावनाओं पर राष्ट्रीय बैठक	5 -8 जुलाई, 1994	म.प्र. प्रशासन अकादमी, भोपाल	37
3.	बेकरी और कनफेक्शनरी की क्षमता आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	2 -5 अगस्त 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई, भोपाल	09
4.	कार्यालय-प्रबंध की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	8 -12 अगस्त, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई, भोपाल	04
5.	बागवानी की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	22 -26 अगस्त, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	06
6.	दुग्ध-व्यवसाय की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	22 -26 अगस्त, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	04
7.	खाद्य संरक्षण और संसाधन की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	30 अगस्त से 2 सितंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	07
8.	बैंकिंग की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	30 अगस्त, से 2 सितंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	04
9.	भवन-रखरखाव की क्षमता आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	30 अगस्त, से 2 सितंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	05

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
10.	ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में उत्पादन-प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना के मार्गदर्शक सिद्धांतों का विकास	5 -8 सितंबर, 1994	भारतीय शिक्षा संस्थान, पुणे	28
11	लेखा और लेखा परीक्षण की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	9 -13 सितंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई , भोपाल	05
12.	अनाज-उत्पादन की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व सशोधन पर कार्यदल की बैठक	13 - 17 सितंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	04
13.	मुर्गीपालन की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व सशोधन पर कार्यदल की बैठक	13 -17 सितंबर 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	04
14.	बिजली के घरेलू उपकरणों की देखभाल और मरम्मत की क्षमता आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	19 -23 सितंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	05
15.	व्यावसायिक + 2 चरण में बेकरी और कनफेक्शनरी की अनुदेशा सामग्री विकसित करने और उसे अंतिम रूप रेखा देने के लिए कार्यदल की बैठक	19 - 23 सितंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	01
16.	गुजरात के राजकीय अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षाधिकारियों व अन्य का अभिविन्यास कार्यक्रम	20 -23 सितंबर, 1994	बल्लभ विद्यापीठ, आनंद, गुजरात	71
17.	गोवा के राजकीय अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षाधिकारियों व 'अन्य' का अभिविन्यास कार्यक्रम	26 -29 1994 सितंबर	सरकारी पॉली तकनीक	37
18.	उद्यम कौशल और विकास पर कार्यदल की बैठक	27 -29 सितंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	05
19.	अंतर्राज्य क्षेत्रीय संगोष्ठियाँ			
	19.1 पहली संगोष्ठी	29 सितंबर 4 अक्तूबर, 1994	महाराष्ट्र	18
	19.2 दूसरी संगोष्ठी	18 -28 सितंबर, 1994	तमिलनाडु व कर्नाटक	06

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
20	व्यावसायिक वस्त्रों की डिजाइनिंग और निर्माण की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	3 -7 अक्तूबर, 1994	पी.एस.एस.सी आई.वी.ई, भोपाल	06
21.	हिमाचल प्रदेश के प्रमुख अधिकारियों की व्यावसायिक शिक्षा पर अभिविन्यास कार्यक्रम	7 -10 अक्तूबर, 1994	डी वाई.एस.पी., बागवानी व वानिकी, उद्योग, सोलन	35
22.	आटा इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी की क्षमता-आधारित व्यावसायिक पाठयचर्या की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	7 -11 अक्तूबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई वी.ई, भोपाल	06
23.	ग्रामीण अभियांत्रिकी की प्रौद्योगिकी की क्षमता-आधारित व्यावसायिक पाठ्यचर्चा की समीक्षा व संशोधन पर कार्यदल की बैठक	17 - 21 अक्तूबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई, भोपाल	07
24.	केरल राज्य के प्रमुख अधिकारियों की व्यावसायिक शिक्षा पर अभिविन्यास कार्यक्रम	18 -21 अक्तूबर, 1994	जुबिली मेमोरियल एनिमेशन सेंटर, त्रिवेन्द्रम	53
25.	दुग्ध प्रौद्योगिकी में + 2 चरण के व्यावसायिक छात्रों की अनुदेशी सामग्री विकसित करने और उसे अंतिम रूपरेखा देने पर कार्यदल की बैठक			
	25.1 पहला कार्यक्रम	20 -24 अक्तूबर, 1994	पी.एस.एस.सी आई.वी.ई., भोपाल	07
	25.2 दूसरा कार्यक्रम	2 -6 फरवरी, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	08
26.	एक व्यक्ति - एक स्थान योजना मे प्रशिक्षित व्यावसायिक छात्रों क स्थापन पर अभियोजकों का सम्मेलन	26 -28 अक्तूबर, 1994	रा.शै.अ.प्र. परिषद्, नई दिल्ली	13
27.	वस्त्रो की डिजाइनिंग की क्षमता आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा और संशोधन के लिए कार्यदल की बैठक	7 -11 नवंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई, भोपाल	08

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
28.	रेडियो-टी.वी सेटों के रखरखाव और मरम्मत की क्षमता-आधारित व्यावसायिक पाठ्यचर्या की समीक्षा और संशोधन के लिए कार्यदल की बैठक	14 -17 नवंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई, भोपाल	05
29.	तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा की पाठ्यचर्या के विकास और अनुकूलन पर अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी कार्यदल की बैठक	26 नवंबर से दिसंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	09
30.	भवन-रखरखाव में +2 व्यावसायिक छात्रों के लिए अनुदेशी सामग्री विकसित करने और अंतिम रूपरेखा देने के लिए कार्यदल की बैठक	6 -11 दिसंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	06
31.	दुग्ध उत्पादन में +2 व्यावसायिक छात्रों के लिए अनुदेशी सामग्री विकसित करने और अंतिम रूपरेखा देने के लिए कार्यदल की बैठक			
	31.1 पहला कार्यक्रम	12 -16 सितंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	03
	31.2 दूसरा कार्यक्रम	27 -31 मार्च, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	04
32.	लेखा और लेखा-परीक्षण में +2 व्यावसायिक छात्रों के लिए अनुदेश सामग्री विकसित करने और अंतिम रूपरेखा देने के लिए कार्यदल की बैठक			
	32.1 पहला कार्यक्रम	19 - 23 दिसंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई, भोपाल	04
	32.2 दूसरा कार्यक्रम	20 - 24 फरवरी, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	03
33.	मध्य प्रदेश के राज्य अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षाधिकारियों व अन्य का अभिविन्यास कार्यक्रम	21 -24 दिसंबर, 1994	सलेम इंग्लिश हायर, सैकेंडरी स्कूल, रायपुर	59
34.	खाद्य संरक्षण और संसाधन में +2 व्यावसायिक छात्रों के लिए अनुदेश सामग्री विकसित करने और अंतिम रूपरेखा देने के लिए कार्यदल की बैठक	19 - 23 दिसंबर, 1994	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	03

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
35.	वेकरी ओर कन्फेक्शनरी में +2 व्यावसायिक छात्रों के लिए अनुदेशी सामग्री विकसित करने और अंतिम रूपरेखा देने के लिए कार्यदल की बैठक	26 -30 दिसंबर, 1994	क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर	05
36	महाराष्ट्र के राजकीय अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षा अधिकारियों व अन्य का अभिविन्यास कार्यक्रम	27 -30 दिसंबर, 1994	औ.प्र.सं. .कोल्हापुर	34
37.	व्यावसायिक शिक्षा लागू करने वाले राज्यों के प्रमुख अधिकारियों के लिए उसका अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 -13 जनवरी, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई. भोपाल	15
38.	कार्यालय-प्रबंध में +2 व्यावसायिक छात्रों के लिए अनुदेशी सामग्री विकसित करने और अंतिम रूपरेखा देने के लिए कार्यदल की बैठक	16 - 20 जनवरी, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	02
39.	बैंकिंग में +2 व्यावसायिक छात्रों के लिए अनुदेशी सामग्री विकसित करने और अंतिम रूपरेखा देने के लिए कार्यदल की बैठक	16 -20 जनवरी, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	03
40.	सामान्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए परियोजना प्रस्ताव का विकास	18 - 20 जनवरी, 1995	ए.ई.जे.सी. बंबई	29
41.	आंध्र प्रदेश राज्य के प्रमुख अधिकारियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा में अभिविन्यास कार्यक्रम	17 - 20 जनवरी, 1995	इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड, हैदराबाद	58
42.	व्यापारिक वस्त्र डिजाइनिंग और निर्माण में +2 व्यावसायिक छात्रों के लिए अनुदेशी सामग्री विकसित करने और अंतिम रूपरेखा देने के लिए कार्यदल की बैठक	31 जनवरी - 4 फरवरी, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	05
43.	शिक्षा प्रणाली के अंदर व्यावसायिक शिक्षा के सांगठनिक और प्रबंधकीय विकल्पों पर अंतर्राष्ट्रीय कर्मशाला	7 -10 फरवरी, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	41
44.	रेडियो, टी.वी. सेटों के रखरखाव और मरम्मत में +2 व्यावसायिक छात्रों की अनुदेशी सामग्री को विकसित करने और अंतिम रूप देने के लिए कार्यदल की बैठक	13 -17 फरवरी, 1995	ई.टी.सी.ई, विभाग, जोधपुर विश्वविद्यालय	06

क्रम संख्या	कार्यक्रम	तिथि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
45	ग्रामीण अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी में +2 व्यावसायिक छात्रों की अनुदेशी सामग्री को विकसित करने और अंतिम रूप देने के लिए कार्यदल की बैठक	13 -17 फरवरी, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	06
46.	मुर्गीपालन में +2 व्यावसायिक छात्रों की अनुदेशी सामग्री को विकसित करने और अंतिम रूप देने के लिए कार्यदल की बैठक	20 - 24 फरवरी, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	05
47	बागवानी में +2 व्यावसायिक छात्रों की अनुदेशी सामग्री को विकसित करने और अंतिम रूप देने के लिए कार्यदल की बैठक	27 फरवरी से 03 मार्च, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	01
48	उत्तर प्रदेश राज्य के प्रमुख अधिकारियों का व्यावसायिक शिक्षा में अभिविन्यास कार्यक्रम	27 फरवरी से 2 मार्च, 1995	शिवरामपुर बांदा	65
49.	राजस्थान के राजकीय अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षाधिकारियों व अन्य का जिला व्यावसायिक सर्वेक्षणो मे अभिविन्यास कार्यक्रम	6-9 मार्च 1995	राज्य शै.प्रौ. संस्थान, उदयपुर	35
50	यांत्रिक अभियांत्रिकी में +2 व्यावसायिक छात्रों की अनुदेशी सामग्री को विकसित करने और अंतिम रूप देने के लिए कार्यदल की बैठक	10 - 14 मार्च, 1995	ब.हि.वि. वाराणसी	05
51	तैयार वस्त्रों के शैली निर्धारण और विनिर्माण की क्षमता-आधारित पाठ्यचर्या की समीक्षा और संशोधन के लिए कार्यदल की बैठक	21 -25 मार्च, 1995	पी.एस.एस.सी. आई.वी.ई., भोपाल	04

तालिका - 32

1994-95 के प्रकाशन

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
पहली कक्षा			
1.	बाल भारती भाग-1	फरवरी, 1995	4,00,000
2.	अभ्यास-पुस्तिका बाल भारती भाग - 1	दिसंबर, 1994	3.00,000
3.	लेट अस लर्न इंग्लिश बुक-1(एस.एस)	दिसंबर, 1994	4,45,000
4.	वर्कबुक फार लेट अस लर्न इंग्लिश बुक-1 (एस.एस.)	जनवरी, 1995	1,75,000
5.	लेट अस लर्न मैथेमैटिक्स बुक-1	मार्च, 1995	2,60,000
दूसरी कक्षा			
6.	बाल भारती भाग - 2	जनवरी, 1995	3,30,000
7.	अभ्यास-पुस्तिका बाल भारती भाग-2	अप्रैल, 1994	3,10,000
8.	अभ्यास-पुस्तिका बाल भारती भाग-2	दिसंबर, 1994	1,15,000
9.	लेट अस लर्न इंग्लिश बुक-2	फरवरी, 1995	3,10,000
10.	वर्कबुक फॉर लेट अस लर्न इंग्लिश बुक-2	दिसंबर, 1994	2,00,000
11.	लेट अस लर्न मैथेमैटिक्स बुक-2	जनवरी, 1995	3,35,000
तीसरी कक्षा			
12.	बाल भारती भाग-3	दिसंबर, 1994	2,50,000
13.	अभ्यास-पुस्तिका बाल भारती भाग-3	दिसंबर, 1994	1,80,000
14.	लेट अस लर्न इंग्लिश बुक-3	दिसंबर, 1994	3,10,000
15.	वर्कबुक फॉर लेट अस लर्न इंग्लिश बुक-3	फरवरी, 1995	1,30,000
16.	लेट अस लर्न मैथेमैटिक्स बुक-3	फरवरी, 1995	2,80,000
17.	एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक-1	दिसंबर, 1994	2,05,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
18.	परिवेश अन्वेषण भाग-1	मार्च, 1995	5,000
19.	वी.एंड अवर कंट्री (सोशल स्टडीज)	अप्रैल, 1994	2,25000
20.	वी.एंड अवर कंट्री (सोशल स्टडीज)	दिसम्बर, 1994	1,70,000
21	हम और हमारा देश	मई, 1994	75,000
चौथी कक्षा			
22.	बाल भारती भाग-4	जनवरी, 1995	3,25,000
23.	अभ्यास-पुस्तिका बाल भारती भाग-4	दिसंबर, 1994	2,15,000
24.	इंग्लिश रीडर बुक-1	जनवरी, 1995	2,40,000
25.	वर्कबुक फॉर इंग्लिश रीडर बुक-1	जनवरी, 1995	1,60,000
26.	रीड फॉर प्लेजर-1	अप्रैल, 1994	2,40,000
27.	लेट अस लर्न मैथेमैटिक्स बुक-4	फरवरी, 1995	2,60,00
28.	अवर कंट्री इंडिया (सोशल स्टडीज)	मार्च, 1995	65,000
29.	हमारा देश भारत (सामाजिक अध्ययन)	मार्च, 1995	85,000
30.	एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक-2	मार्च, 1995	1,85,000
पाँचवी कक्षा			
31.	बाल भारती भाग-5	दिसंबर, 1994	2,15,000
32.	अभ्यास-पुस्तिका बाल भारती भाग-5	दिसंबर, 1994	1,80,000
33.	स्वस्ति-भाग-1 (संस्कृत की पाठ्यपुस्तक)	दिसंबर, 1994	70,000
34.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-1	नवंबर, 1994	90,000
35.	इंग्लिश रीडर बुक-2	दिसंबर, 1994	2,25,000
36.	रीड फॉर प्लेजर-2	दिसंबर, 1994	1,05,000
37.	लेट अस लर्न मैथैटिक्स बुक-5	जनवरी, 1995	2,00,000
38.	आओ गणित सीखें पुस्तक-5	फरवरी, 1995	8,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
39.	अवर कंट्री एंड दि वर्ल्ड	दिसंबर, 1994	1,20,000
40.	एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक-3	मई, 1994	20,000
41.	एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक-3	दिसंबर, 1994	2,10,000
42.	परिवेश अन्वेषण भाग-3 (विज्ञान)	फरवरी, 1995	8,000
छठी कक्षा			
43.	किशोर भारती भाग-1	फरवरी, 1995	1,65,000
44.	संक्षिप्त रामायण	फरवरी, 1995	1,25,000
45.	स्वस्ति भाग-2	फरवरी, 1995	1,05,000
46.	अभ्यास-पुस्तिका स्वस्ति भाग-2	अक्तूबर, 1994	70,000
47.	इंग्लिश रीडर बुक-3	फरवरी, 1995	1,90,000
48.	वर्कबुक फार इंग्लिश रीडर बुक-3	फरवरी, 1995	1,00,000
49.	रीड फॉर प्लेजर-3	दिसंबर, 1994	35,000
50.	प्राब्लम बुक ऑफ मैथैटिक्स	फरवरी, 1995	2,00,000
51.	मैथेमैटिक्स बुक-1	फरवरी, 1994	1,10,000
52.	एनशिएंट इंडिया (हिस्ट्री)	जनवरी 1995	2,45,000
53.	प्राचीन भारत	जनवरी, 1995	1,00,000
54.	देश और उसके निवासी भाग-1	मार्च, 1995	70,000
55.	अवर सिविक लाइफ	फरवरी, 1995	80, 000
56.	साइंस बुक-1	सितंबर, १९९४	3,25,000
57.	विज्ञान भाग-1	जुलाई, 1994	10,000
सातवीं कक्षा			
58.	किशोर भारती भाग-2	मार्च, 1995	2,20,000
59	संक्षिप्त महाभारत	फरवरी, 1995	75,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
60.	स्वस्ति भाग-3	फरवरी, 1995	1,10,000
61.	अभ्यास-पुस्तिका स्वस्ति भाग-3	अक्तूबर, 1994	55,000
62.	इंग्लिश रीडर बुक-4	फरवरी, 1995	1,20,000
63.	रीड फॉर प्लेजर-4	फरवरी, 1995	1,25,000
64.	मैथेमैटिक्स बुक-2, पार्ट-1	जनवरी, 1995	75,000
65.	हाउ वी गवर्न अवरसेल्वज़	सितंबर, 1994	2,15,000
66.	हम अपना शासन कैसे चलाते हैं	जनवरी, 1995	55,000
67.	मध्यकालीन भारत	फरवरी, 1995	45,000
68.	प्रॉब्लम बुक ऑफ मैथेमैटिक्स	मार्च, 1995	12,000
आठवीं कक्षा			
69.	किशोर भारती भाग-3	मार्च, 1995	1,60,000
70.	त्रिविधा (हिन्दी पूरक पठन पुस्तक)	जनवरी, 1995	75,000
71.	जीवन और विज्ञान (पूरक पठन पुस्तक)	नवंबर, 1994	40,000
72.	स्वस्ति भाग-4	नवंबर, 1994	83,000
73.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-4	अक्तूबर, 1994	45,000
74.	इंग्लिश रीडर बुक-5	अक्तूबर, 1994	75,000
75.	मैथेमैटिक्स बुक-3 पार्ट-1	फरवरी, 1995	70,000
76.	मैथेमैटिक्स बुक-3 पार्ट-2	मार्च, 1995	2,70,000
77.	अवर कंट्री टुडे - प्रॉब्लम्स एंड चैलेंज़ेज़	मई, 1994	50,000
78.	माडर्न इंडिया	अप्रैल, 1994	1,90,000
79.	आधुनिक भारत	जून, 1994	1,15,000
80.	लैंड्स एंड पीपल पार्ट-3	अप्रैल, 1994	2,70,000
81.	लैंड्स एंड पीपल पार्ट-3	मार्च, 1995	1,35,000
82.	देश और उनके निवासी भाग-3	अप्रैल, 1994	1,50,000
83.	देश और उनके निवासी भाग-3	फरवरी, 1994	55,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
84.	साइंस बुक-3	नवंबर, 1995	3,00,000
85.	प्रॉब्लम बुक ऑफ मैथेमैटिक्स (सप्लीमेंटरी रीडर इन मैथेमैटिक्स न्यू बुक)	जुलाई, 1994	45,000
नवीं कक्षा			
86.	स्वाति भाग-1	फ़रवरी, 1995	95,000
87.	पराग भाग-1 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक, ए कोर्स, गद्य)	नवंबर, 1994	95,000
88.	साइंस	मार्च, 1995	2,70,000
89.	मैथेमैटिक्स	अक्तूबर, 1994	2,90,000
90.	प्रॉब्लम बुक ऑफ मैथेमैटिक्स	अप्रैल, 1994	40,000
91.	दि स्टोरी ऑफ सिविलाईज़ेशन, वाल्यूम-1	अगस्त, 1994	50,000
92.	अंडरस्टेंडिंग एनवायरनमेंट (ज्योग्रफी)	जनवरी, 1995	2,15,000
93.	पर्यावरण बोध	फरवरी, 1995	55,000
94.	अवर इकोनॉमी - ऐन इंट्रोडक्यान	मार्च, 1995	80,000
दसवीं कक्षा			
95.	लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर इंग्लिश रीडर-2 (बी. कोर्स)	दिसंबर, .1994	96,000
96.	वर्कबुक टू लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर	दिसबर, 1994	50,000
97.	लैंग्वेज थ्रू लिटरेचर (सप्लीमेंटरी रीडर-3)	नवंबर, 1994	85,000
98.	स्वाति भाग-2 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक, ए कोर्स, गद्य)	अक्तूबी, १९९४	1,20,000
99.	पराग भाग-2 (हिन्दीं पाठ्यपुस्तक, ए कोर्स, गद्य)	नवंबर, 1994	1,20,000
100.	साइंस	अक्तूबर, 1994	2,45,000
101.	मैथेमेटिक्स	जनवरी, 1995	3,30,000
102.	विज्ञान भाग-2, खंड-2	अप्रैल, 1994	34,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
103.	गणित भाग-2 खंड-1	फरवरी, 1995	75,000
104.	दि स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वाल्यूम-2 (हिस्टरी) (न्यू बुक)	अप्रैल, 1994	2,85,000
105.	इंडिया - इकोनॉमिक ज्योग्रफी	मार्च, 1995	1,30,000
106.	सभ्यता की कहानी, भाग-2 (इतिहास) (नई पुस्तक)	मई, 1994	2,25,000
107.	सभ्यता की कहानी भाग-2 (इतिहास)	फरवरी, 1995	1,40,000
ग्यारहवीं कक्षा			
108.	नीहारिका भाग-1 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक कोर, काव्य)	फरवरी, 1995	35,000
109.	मंदाकिनी भाग-1 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक, इलैक्टिव, गद्य)	फरवरी, 1995	24,000
110.	प्रवाल भाग-1 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक, इलैक्टिव, गद्य)	मार्च, 1995	24,000
111.	साहित्य का स्वरूप	नवंबर, 1994	15,000
112.	स्टोरीज़, प्लेज एंड टेल्स ऑफ एडवेंचर (इंग्लिश सप्लीमेंटरी रीडर)	दिसंबर, 1994	1,20,000
113.	फालइव वन-एक्ट प्लेज (इंग्लिश इलैक्टिव)	मई, 1994	10,000
114.	संस्कृत साहित्य का परिचय (इलैक्टिव)	मई, 1995	5,000
115.	रंगमंचिका (संस्कृत पाठ्यपुस्तक)	मई, 1994	6,000
116.	रंगमंचिका (संस्कृत पाठ्यपुस्तक)	नवंबर, 1994	5,000
117.	सरकार के अंग-राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक	मार्च, 1995	12,000
118.	एंशिएंट इंडिया (हिस्टरी)	मार्च, 1995	10,000
119.	भूगोल के सिद्धांत भाग-1	मार्च, 1995	20,000
120.	प्रिंसिपल्स ऑफ ज्योग्राफी पार्ट-2	मई, 1994	46,000
121.	समाजशास्त्र-एक परिचय	मार्च, 1995	6,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
122.	एलिमेंटरी स्टेटिस्टिक्स (इकोनॉमिक्स)	अप्रैल, 1994	36,000
123.	अंडरस्टेंडिंग साइकोलॉजी	जून, 1994	14,000
124.	एकाउंटिंग बुक-1	जून, 1994	32,000
125.	एकाउंटिंग बुक-2	मई, 1994	32,000
126.	बिजनेस स्टडीज	मार्च, 1995	45,000
127.	व्यवसाय अध्ययन	दिसंबर, 1994	4,000
128.	फिजिक्स पार्ट-2	जून, 1994	1,15,000
129.	कैमिस्ट्री पार्ट-1	मई, 1994	1,15,000
130.	रसायन विज्ञान भाग-1	फरवरी, 1995	2,000
131.	बायोलॉजी पार्ट-1	मई, 1994	90,000
132.	बायोलॉजी पार्ट-2	मई, 1994	90,000
133.	बायोलॉजी पार्ट-2	मार्च, 1995	55,000
134.	सोसायटी, स्टेट एंड गवर्नमेंट	जून, 1994	20,000
135.	समाज, राज्य और सरकार	फरवरी, 1995	14,000
136.	इवोल्यूशन ऑफ दि इंडियन इकोनॉमी	अप्रैल 1994	25,000
137.	फील्ड वर्क एंड लैबोरेटरी टेक्नीक्स इन ज्योग्रफी	जून 1994	10,000
138.	भूगोल में क्षेत्रीय कार्य एवं प्रयोगशाला प्रविधियां	जून 1994	5,000
139.	मैथेमैटिक्स पार्ट-1 (न्यू बुक)	जून, 1994	1,60,000
140.	मैथेमैटिक्स पार्ट-2 (न्यू बुक)	सितंबर, 1994	1,60,000
141.	मैथेमैटिक्स पार्ट-1(न्यू बुक)	दिसंबर, 1994	1,60,000
बारहवीं कक्षा			
142.	नीहारिका भाग-2 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक, कोर, काव्य)	जनवरी, 1995	45,000
143.	पल्लव भाग-2 (हिन्दी पाठ्यपुस्तक कोर, गद्य)	नवंबर, 1994	43,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
144.	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	जनवरी, 1995	17,000
145.	ए कोर्स इन रिटन इंग्लिश (कोर)	अप्रैल, 1994	70,000
146.	ए कोर्स इन रिटन इंग्लिश (कोर)	मार्च, 1995	35,000
147.	दि वेब ऑफ अवर लाइफ (कोर)	फरवरी, 1995	90,000
148.	संस्कृत गद्य मंदाकिनी (इलैक्टिव)	मार्च, 1995	6,000
149.	संस्कृत कविता कादंबिनी	जनवरी, 1995	7,000
150	बायोलॉजी पार्ट-2	अप्रैल, 1994	90,000
151.	मेजर कांसैप्ट्स इन पोलिटिकल साइंस	मार्च, 1995	18,000
152.	राजनीति विज्ञान की प्रमुख अवधारणाएँ	मार्च, 1995	10,000
153.	भारत-सामान्य भूगोल	मार्च, 1995	13,000
154.	इंडिया-रिसोर्सेज़ एंड रीजनल डवलपमेंट	फरवरी, 1995	24,000
155.	भारतीय संसाधन और क्षेत्रीय विकास का भूगोल	मार्च, 1995	17,000
156.	एकाउंटिंग बुक-1	फरवरी, 1995	15,000
157.	एकाउंटिंग बुक-2 फाईनेंसियल स्टेटमेंट एनालिसिस	मार्च, 1995	15,000
158.	बिजनेस स्टड़ीज़	मार्च, 1995	18,000
159.	नेशनल इनकम एकाउंटिंग	मार्च, 1995	40,000
160.	राष्ट्रीय आय लेखा पद्धति	फरवरी, 1995	14,000
161.	एन इंट्रोडक्शन टु इकोनॉमिक थ्यौरी	मई, 1995	36,000
162.	आर्थिक सिद्धांत का परिचय	नवंबर, 1994	14,000
163.	भारतीय समाज	फरवरी, 1995	7,000
164.	साइकोलॉजी फॉर बेटर लिविंग	मार्च, 1995	8,000
165.	सोशल चेंज	फरवरी, 1995	10,000
166.	बेहतर जीवन के लिए मनोविज्ञान	फरवरी, 1995	3,000
167.	मैथेमैटिक्स पार्ट-1 (न्यू बुक)	जुलाई, 1994	1,60,000
168.	मैथेमैटिक्स पार्ट-2 (न्यू बुक)	जुलाई, 1994	1,60,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
169.	मैथेमैटिक्स पार्ट-2 (न्यू बुक)	सितंबर, 1994	1,60,000
170	ए सप्लीमेंट टू डेमोक्रेसी इन इंडिया (न्यू बुक) (कक्षा 12)	मई, 1994	18,000

उर्दू पाठ्यपुस्तकें

पहली कक्षा

171.	आओ हिसाब सीखें बुक-1	जुलाई, 1994	12,000
172.	उर्दू की नई किताब	मई, 1994	10,000

दूसरी कक्षा

173.	आओ हिसाब सीखें बुक-2	मई, 1994	17,000
174.	उर्दू की नई किताब	मई, 1994	10,000

तीसरी कक्षा

175.	आओ हिसाब सीखें बुक-3	मई, 1994	17,000
176.	उर्दू की नई किताब	मार्च, १९९४	10,000

चौथी कक्षा

177.	आओ हिसाब सीखें बुक-4	जुलाई, 1994	17,000
178.	उर्दू की नई किताब	जुलाई, 1994	7,000

पांचवी कक्षा

179	आओ हिसाब सीखें बुक-5, भाग-1	सितंबर, 1994	5,000
180.	उर्दू की नई किताब	मई, 1994	7,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
छटी कक्षा			
181.	हिसाब बुक-1	मई, 1994	6,000
182.	उर्दू की नई किताब	जून, 1994	5,000
आठवीं कक्षा			
183.	उर्दू की नई किताब	मई, 1994	8,000
नवीं कक्षा			
184.	माहौल शनासी (पर्यावरण बोध)	मई, 1994	3,000
185.	हमारी मईशत का एक नया तार्रुफ़ (हमारी अर्थव्यवस्था का एक नवीन परिचय)	जुलाई, 1994	2,000
दसवीं कक्षा			
186.	उर्दू की नई किताब	मई, 1994	4,000
ग्यारहवीं कक्षा			
187.	हुकूमत के आजा (न्यू बुक)	फरवरी, 1995	1,000
188.	जुगराफिया के उसूल पार्ट-1 (न्यू बुक)	सितंबर, 1994	1,000
189.	हिसाबदारी (काउंटिंग) बुक-1 (न्यू बुक)	जुलाई, 1994	1,000
190.	करोबार का इल्म (न्यू बुक)	सितंबर, 1994	1,000
191.	कारोबार का इल्म (न्यू बुक)	जुलाई, 1994	1,000
192.	रियाजी (गणित) पार्ट-1 (न्यू बुक)	जुलाई, 1994	1,000
बारहवीं कक्षा			
193.	रियाजी (गणित) पार्ट-2 (न्यू बुक)	जुलाई, 1994	1,000
194.	इल्म-ए-कीमिया पार्ट-1 (न्यू बुक)	अगस्त, 1994	1,000

क्रम संख्या	वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
195.		इल्म-ए-कीमिया पार्ट-2 (न्यू बुक)	जुलाई, 1994	5,000
196.		हिन्दुस्तान में जम्हूरियत (न्यू बुक)	सितंबर, 1994	500
197.		जदीद हिन्दुस्तान (न्यू बुक)	मई, 1994	2,000
198		क़ौमी आमदनी का हिसाब (न्यू बुक)	जुलाई, 1994	1,000
199.		हिन्दुस्तानी समाज (न्यू बुक)	अगस्त, 1994	1,000
200		समाजी तब्दीली (न्यू बुक)	जुलाई, 1994	1,000
अरुणाचल प्रदेश के लिए पाठ्यपुस्तकें				
201		अरुण भारती भाग-1	जुलाई, 1994	25,000
202.		अभ्यास-पुस्तिका अरुण भारती भाग-1	दिसंबर, 1994	28,000
203.		अरुण भारती भाग-2	मई, 1994	22,000
204.		अभ्यास-पुस्तिका अरुण भारती भाग-2	जून, 1994	20,000
205.		अरुण भारती भाग-3	सितंबर, 1994	18,000
206.		अभ्यास-पुस्तिका अरुण भारती भाग-3	अगस्त, 1994	15,000
207.		अरुण भारती भाग-4	जुलाई, 1994	13,000
208.		अभ्यास-पुस्तिका अरुण भारती भाग-4	अक्तूबर, 1994	15,000
209.		न्यू डॉन रीडर-1 (कक्षा 1)		25,000
210.		वर्कबुक फॉर न्यू डॉन रीडर-1 (कक्षा 1)	अगस्त, 1994	22,000
211.		सप्लीमेंटरी रीडर फॉर न्यू डान रीडर-1 (कक्षा 1)	दिसंबर, 1994	9,000
212.		वर्कबुक फॉर न्यू डॉन रीडर-2 (कक्षा 2)	सितंबर, 1994	20,000
213.		वर्कबुक फॉर न्यू डॉन रीडर (कक्षा 2)	नवंबर, 1994	30,000
214.		सप्लीमेंटरी रीडर फार न्यू डॉन रीडर-2 (कक्षा 2)	दिसंबर, 1994	9,000
215.		न्यू डॉन रीडर-3 (कक्षा 3)	अगस्त, 1994	20000

क्रम संख्या	वर्ष शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
216.	वर्कबुक फॉर न्यू डॉन रीडर-3 (कक्षा 3)	अगस्त, 1994	14,000
217.	सप्लीमेंटरी रीडर फॉर न्यू डॉन रीडर-3 (कक्षा 3)	जनवरी, 1995	5,000
	नवोदय विद्यालय के लिए पाठ्यपुस्तकें		
	छठी कक्षा		
218.	माई फेमिली एंड फ्रेंड्स	जून, 1994	8,000
219.	वर्कबुक फॉर माई फेमिली एंड फ्रेंड्स	मई, 1994	8,000
220.	सप्लीमेंटरी रीडर फॉर माई फेमिली एंड फ्रेंड्स		
221.	हमारी हिन्दी भाग-1	जून, 1994	7,000
	सातवीं कक्षा		
222.	माई स्माल वर्ल्ड	मई, 1994	7,000
223.	वर्कबुक फॉर माई स्माल वर्ल्ड	मई, 1994	11,000
224.	सप्लीमेंटरी रीडर फॉर माई स्माल वर्ल्ड	मई, 1994	7,000
225.	सप्लीमेंटरी रीडर फॉर माई स्माल वर्ल्ड	फरवरी, 1995	20,000
226.	हमारी हिन्दी - भाग-2	अप्रैल, 1994	5,000
227.	अभ्यास-पुस्तिका हमारी हिन्दी भाग-2	मई, 1994	9,000
	आठवीं कक्षा		
228.	वर्कबुक फॉर दि वर्ल्ड एराउंड मी	मई, 1994	10,000
229.	वर्कबुक फॉर दि वर्ल्ड एराउंड मी	जुलाई, 1994	12,000
230.	सप्लीमेंटरी रीडर फॉर दि वर्ल्ड एराउंड मी	मई, 1994	10,000

क्रम संख्या	वर्ष शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
231	हमारी हिन्दी भाग-3	मई, 1994	8,000
232.	अभ्यास-पुस्तिका हमारी हिन्दी भाग-2	मई, 1994	10,000
	हिन्दी दूसरी भाषा के लिए पाठ्यपुस्तकें		
233.	पलाश भाग-2 (न्यू बुक)	अक्तूबर, 1994	5,000
234.	हिन्दी भारती भाग-4 कक्षा 10 (न्यू बुक)	जनवरी, 1995	5,000
	अध्यापकों के लिए अनुदेशात्मक सामग्री		
235.	शिक्षण संदर्शिका: किशोर भारती	जून, 1994	5,000
236.	हिन्दी भारती भाग-1 : शिक्षण संदर्शिका (न्यू बुक)	सितंबर, 1994	2,000
237.	हिन्दी भाषा शिक्षण दर्शिका कक्षा 6-7	नवंबर, 1994	5,000
238.	आर्ट एजुकेशन टीचर्स हैंडबुक, कक्षा 5 के लिए	जनवरी, 1995	10,000
239.	बेसिक मेडिकल साइंस फॉर टेक्नीशियंस अनाटोमी (पुनर्मुद्रण)	फरवरी, 1995	5, 000
240.	बेसिक इलैक्ट्रोनिक्स टैक्नोलॉजी: ए टेक्स्टबुक फॉर वोकेशनल कोर्स फॉर हायर सैकेंडरी स्कूल्स	मार्च, 1995	1,000
241.	मैटीरियल्स एंड वर्कशाप प्रक्टिस, इंस्ट्रकशनल कम प्रेक्टिकल मैनुअल फॉर रिपेयर, मेनटेनेंस एंड रिवाइंडिंग ऑफ इलैक्ट्रिक मोटर्स, कक्षा 11 के लिए	मार्च, 1995	1,000
242.	एलीमेंट्स ऑफ इलैक्ट्रिकल टेकनोलॉजी, आई.सी.पी.एम फॉर रिपेयर, मेनटेनेंस एंड रिवाइंडिंग ऑफ इलैक्ट्रिक मोटर्स	दिसंबर, 1994	1,000
243.	मोटर वाईडिंग प्रक्टिस	मई, 1994	1,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
244	इलैक्ट्रिकल मोटर्स, डी.सी.एंड ए.सी., कक्षा 9	सितंबर, 1994	1,000
245.	वी. एंड एग्रीकल्चर	सितंबर, 1994	5,000
246.	मोटर कंट्रोल एंड टेस्टिंग	सितंबर, 1994	1,000
247.	प्रेक्टिकल मैनुअल ऑन इलैक्ट्रोनिक्स वाल्युम-2	अक्तूबर, 1994	1,000
248	एलीमेंट्स ऑफ इलैक्ट्रिकल टैक्नोलॉजी आई.सी.पी.एम., फॉर रिपेयर, मेनटेनेंस एंड रिवाइंडिंग ऑफ, इलैक्ट्रिक मोटर्स	दिसंबर, 1994	1,000
249.	बेसिक मेडिकल साइंस फार एनाटोमी (पुनर्मुद्रण)	फरवरी, 1995	5,000
250.	बेसिक इलेक्ट्रोनिक्स टेक्नोलॉजीः ए टेकस्ट बुक फॉर वोकेशनल कोर्स फॉर, हायर सैकेंडरी स्कूल	मार्च, 1995	
251.	मैटीरियल्स एंड वर्कशाप प्रेक्टिस, आई.सी.पी.एम. फॉर रिपेयर मेनटेनेंस एंड रिवाइंडिंग ऑफ इलैक्ट्रिक मोटर्स, कक्षा 11 के लिए	मार्च, 1995	1,000

सप्लीमेंटरी रीडर्स

252.	कुछ और कहानियाँ	अप्रैल, 1994	15,000
253.	शरीर क्रिया और खेलकूद	जुलाई 1994	10,000
254.	सागर तल पर एक खान बहुधात्विक पिंडो की	जुलाई, 1994	10,000
255.	भारत में चीनी यात्री	नवंबर, 1994	15,000
256.	बुलबुले से कंप्यूटर तक	दिसंबर, 1994	10,000
257.	संगीत का लहराता सागर : विष्णु दिगंबर पलुस्कर	जनवरी, 1995	15,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
258.	हाउ मेनी आर वी?		
259.	ए स्ट्रेंजर इन दि फॉरेस्ट	जनवरी, 1995	10,000

अनुसंधान, अध्ययन, विनिबंध और अन्य प्रकाशन

1	वैल्यू एजुकेशन एंड हैबिट्स	अप्रैल, 1994	1,000
2	वार्षिक रिपोर्ट (1992-93)	अप्रैल, 1994	500
3.	वार्षिक लेखा (1991-92)	अप्रैल, 1994	350
4.	मिलकर सीखें भाषा-1 (पुनर्मुद्रण)	अप्रैल, 1994	10,000
5	मिलकर सीखें गणित-1 (पुनर्मुद्रण)	अप्रैल, 1994	10,000
6.	मैनुअल फॉर गाइडेंस काउंसिलर्स	अप्रैल, 1994	2,000
7	नेशनल प्राइज कंपीटिशन फॉर चिल्ड्रंस लिटरेचर (द्विभाषी)	मई, 1994	10,000
8	स्टेटस ऑफ टीचर्स इन इंडिया	जून, 1993	3,000
9.	एन.सी.ई.आर.टी पेस सेंटर इन एजुकेशनल पब्लिशिंग	अगस्त, 1994	2,000
10.	इनोवेटिव एक्सपेरिमेंट्स एंड प्रेक्टिसेज इन टीचर एजुकेशन एंड स्कूल एजुकेशन-इनफार्मेशन बुलेटिन (1994-95)	जुलाई, 1994	40,000
11.	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् - विनियम (12 मई, 1971 से लागू)	सितंबर, 1994	500
12.	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्- एसोशिएशन का ज्ञापन और नियम	सितंबर, 1994	500

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
13.	चिल्ड्रेन लिटरेचर इवेल्यूएशन टूल फॉर इवेल्यूएशन ऑफ इंट्रीज फॉर दि 28 नेशनल प्राइज कंपीटीशन फॉर चिल्ड्रंस लिटरेचर	सितंबर, 1994	
14	प्रोफार्मा फॉर इवेल्यूएशन ऑफ इंट्रीज नेशनल प्राइज कम्पीटिशन फॉर चिल्ड्रंस लिटरेचर (5-8 आयु वर्ग के लिए)	सितंबर, 1994	
15	प्रोफार्मा फॉर इवेल्यूएशन ऑफ इंट्रीज नेशनल प्राइज कम्पीटिशन फॉर चिल्ड्रेंस लिटरेचर (9-15 आयु वर्ग के लिए)	सितंबर, 1994	
16.	डवलपमेंट ऑफ एजुकेशन इन इंडिया	अक्तूबर, 1994	1000
17.	एन सी ई आर टी इंटरनल टेलीफोन डायरेक्टरी	अक्तूबर, 1994	2500
18.	रिसर्च बेस्ड इंटरवेंशंस इन प्राइमरी एजुकेशन- दि डी.पी.ई.पी. स्ट्रेटेजी	अक्तूबर, 1994	1,000
19.	महिला समाख्या- नेशनल इवैल्यूएशन रिपोर्ट, 1993	नवंबर, 1994	1,000
20.	डी.पी.ई.पी. कालिंग न्यूज लेटर	दिसंबर, 1994	5,000
21.	वार्षिक रिपोर्ट 1993-94	दिसंबर, 1994	5,00
22.	एनुअल रिपोर्ट	दिसंबर, 1994	1,000
23.	एनुअल एकाउंट्स 1992-93	दिसंबर, 1994	5,00
24.	वार्षिक लेखा	दिसंबर, 1994	350
25.	कोडल प्रोविजन्स फॉर एकाउंट्स	जनवरी, 1995	500
26.	अटेनमेंट ऑफ प्राईमरी स्कूल चिल्ड्रन इन वेरियस स्टेट्स	जनवरी, 1995	1,000
27	डी.पी.ई.पी. कालिंग न्यूज लेटर जनवरी, 1995 का अंक	फरवरी, 1995	1,000
28.	स्लेबस फॉर हायर सकेंडरी स्टेज, कक्षा 11-12	मार्च, 1995	2,000

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
29.	शिक्षा बिना बोझ के (पुनर्मुद्रण)	जून, 1994	मा.सं.वि मंत्रालय
30.	लर्निंग विदाउट बर्डन (पुनर्मुद्रण)	जून, 1994	मा.सं.वि. मंत्रालय
31.	स्कीम ऑफ असिस्टेंस फॉर स्ट्रेंथनिंग कल्चर एंड वैल्यूज इन एजुकेशन (पुनर्मुद्रण)	जून, 1994	मा.सं.वि मंत्रालय
शैक्षिक पत्रिकाएँ			
32.	स्कूल साइंस, मार्च 1994 अंक	मई, 1994	
33.	जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, मई 1993 अंक	मई, 1994	
34.	जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, जुलाई 1993 अंक	मई, 1994	
35	जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, सितंबर, 1993 अंक	मई, 1994	
36	स्कूल साइंस जून 1993 अंक	मई, 1994	
37.	भारतीय आधुनिक शिक्षा, अप्रैल 1993 अंक	जुलाई, 1994	
38.	स्कूल साइंस, दिसंबर 1993 अंक	जुलाई, 1994	
39.	स्कूल साइंस, मार्च 1994 अंक	अगस्त, 1994	
40.	जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन मार्च 1994 अंक	सितंबर, 1994	
41.	प्राइमरी टीचर अप्रैल-जुलाई 1993 अंक	सितंबर, 1994	
42.	प्राईमरी टीचर, अक्तूबर अक्तूबर, 1993 अंक	अक्तूबर, 1994	
43.	प्राथमिक शिक्षा अप्रैल 1993 अंक	अक्तूबर, 1994	

क्रम संख्या वर्ष	शीर्षक	प्रकाशन का महीना	प्रकाशित प्रतियों की संख्या
44.	जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन मई 1994 अंक	नवंबर, 1994	
45	भारतीय आधुनिक शिक्षा	दिसंबर, 1994	
46.	स्कूल साइंस, सितंबर 1994	दिसंबर, 1994	
47.	प्राइमरी टीचर, अप्रैल-जुलाई 1994	दिसंबर, 1994	
48.	भारतीय आधुनिक शिक्षा, जुलाई 1994	दिसंबर, 1994	
49	प्राइमरी शिक्षक जुलाई 1993	जनवरी,1995	
50.	इंडियन एजुकेशनल रिव्यू अप्रैल-जुलाई-अक्तूबर 1993 अंक	फरवरी, 1995	
51	स्कूल साइंस, दिसबर 1994 अंक	मार्च, 1995	

तालिका - 33

1994-95 के दौरान डी.एल.डी.आई. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	कर्नाटक, तमिलनाडू और केरल के डी.आई.ई.टीज. और टी.टी.आईज. के पुस्तकालयों के विकास पर कार्यशाला	20 -25 मार्च, 1995	बैंगलूर	23

तालिका - 34

1994-95 के दौरान कर्मशाला विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, सगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण या अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	प्रिपेरेशन ऑफ टीचर्स हैंडबुक ऑफ साईस एक्टिविटीज फॉर इंटीग्रेटेड साइंस किट्स एंड रिफाईनमेंट ऑफ किट्स आइटम्स	26 - 30 दिसंबर, 1994	बैंगलूर	19
2.	ए शार्ट्-टर्म कोर्स ऑन प्लास्टिक प्रासेसिंग	9 -20 जनवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	14
3.	ट्रेनिंग ऑफ ट्रेड एप्रेटिसेज इन डिफरेट ट्रेड्स	1 अप्रैल 1994 से 31 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9

तालिका - 35

1994-95 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	वर्कशॉप ऑन डवलपमेंट् ऑफ गाइड लाइंस फॉर इंटर सेक्टोरल कोआपरेशन इंटिग्रेशन फॉर एजुकेशन एंड डवलपमेंट ऐट स्कूल स्टेज	13 - 15 फरवरी, 1995	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	26
2	नेशनल सेमिनार ऑन एजुकेशन इनोवेशंस फॉर डवलपमेंट	28 -29 मार्च, 1995	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	36

तालिका - 36

1994-95 के दौरान हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, बैठकें, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम*	*तिथि*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला	13 - 16 जून, 1994	क्षे.शि.म. अजमेर	26
2.	परिषद् के अनुभाग अधिकारियों के लिए हिंदी कार्यशाला	13 -15 दिसंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	31
3.	हिंदी प्रयोग सहायिका की समीक्षा के लिए संगोष्ठी	5 -8 दिसंबर, 1994	रा.शै.अ.प्र.प नई दिल्ली	3